राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : १० अंक : ४४ मुंबई, शुक्रवार, २ जुलाई से ८ जुलाई २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

वडाला टीटी थाने के तीन पुलिसकर्मियों को मिला पुरस्कार

मुंबई (बाबुराम अग्रहरि) : लंबित गैर जमानती वारंटों पर मार्च में अमल करने के लिए मुंबई पुलिस बल में विशेष अभियान चलाया था. इसी के तहत वडाला टीटी थाने के तीन पुलिसकर्मियों ने उल्लेखनीय कार्य किया है. मुंबई क्राइम ब्रांच के पुलिस सहआयुक्त मिलिंद भरंबा ने नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र की घोषणा की है। इसके अनुसार बृहन्मुंबई पुलिस बल के ३० सदस्यों का चयन किया गया है। वडाला टीटी थाने में ड्यूटी पर तैनात तीन अधिकारियों के लिए ईनाम की घोषणा की गई है। इसमें वडाला टीटी थाने के सहायक पोलिस निरीक्षक दीपक हरिचंद्र कदम, कांस्टेबल अरुण अबू उगाडे, पुलिस नायक सचिन भीकाजी लोकारे हैं।

५ साल चलेगी महाविकास आघाड़ी सरकार : पवार

तीनों दलों में है आपसी समन्वय

मुंबई : महाराष्ट्र में शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस पार्टी की महाविकास आघाड़ी सरकार ५ साल का कार्यकाल पूरा नहीं करेगी। विरोधी दल भाजपा के इस दावे पर कल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मुखिया शरद पवार ने पूर्ण विराम लगा दिया है। शरद पवार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि महाराष्ट्र की महाविकास आघाड़ी सरकार अपना पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा करेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार के तीनों दलों में आपसी समन्वय है। इसी समन्वय से यह सरकार काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार में समन्वय की जिम्मेदारी तीनों दलों के छह नेताओं को दी गई है।

बारामती में मीडिया से बातचीत करते हुए राकांपा मुखिया शरद पवार ने महाविकास आघाड़ी सरकार के संदर्भ में बेबुनियाद टिप्पणी करनेवाली भाजपा को करारा जवाब दिया है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि सरकार गिराने की भाजपा की मंशा कभी पूरी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि सरकार चलाते समय कभी कोई मसला आया तो उसका निवारण करने के लिए कोई मशीनरी हो, इसको लेकर हुई चर्चा में तीनों दलों के कई सहयोगियों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई। इसमें कांग्रेस की ओर से बालासाहेब थोरात, अशोक चव्हाण हैं, वहीं शिवसेना की ओर से एकनाथ शिंदे, सुभाष देसाई और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से अजीत पवार व (पृष्ठ 3 पर)

७२७ पुलिसकर्मियों को मुंबई से बाहर ट्रांसफर करने का आदेश

मुंबई : मनसुख हिरेन हत्याकांड में पुलिसकर्मियों की संलिप्तता का असर दिखने लगा है। डीजीपी संजय पांडे के आदेश पर मुंबई पुलिस परिक्षेत्र में पिछले ८ सालों से तैनात पीआई, एपीआई और पीएसआई को मुंबई परिक्षेत्र से बाहर तैनाती का फरमान जारी किया गया है। इसका मतलब सीनियर पीआई, पीएसआई और एपीआई स्तर के जिन पुलिस अधिकारियों ने मुंबई पुलिस परिक्षेत्र में ८ साल से अधिक समय बिताया है, उन्हें मुंबई से बाहर स्थानांतरित किया जाएगा।

इस बाबत संबंधित पुलिसकर्मियों को २९ जून तक डीजीपी कार्यालय को आधिकारिक मेल द्वारा सूचित करने

का आदेश दिया गया है। खास बात यह है कि इस आदेश के तहत इन अधिकारियों को यह भी सुविधा दी गई है कि वे अपनी पसंद के तीन जिले चुन सकते हैं, जिसमें वे अपना स्थानांतरण चाहते हैं। इनमें उनका गृह जिला भी शामिल हो सकता है। स्थानांतरण की यह प्रक्रिया अनिवार्य है और स्थानांतरण सूची में जिन ७२७ अधिकारियों के नाम का उल्लेख किया गया है। उन्हें बुधवार से ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू कर दिए जाने की बात कही जा रही है। मनसुख हत्याकांड की जांच कर रही एनआईए ने अब तक ६ पुलिसकर्मियों को इस केस में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है, जिनमें सचिन वाझे के अलावा पूर्व एसीपी प्रदीप शर्मा और पीआई सुनील माने जैसे पुलिस अधिकारी भी हैं। हाल ही में केस में शामिल आरोपी पुलिसकर्मियों की बर्खास्तगी और मुंबई क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारियों का स्थानांतरण इसी कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि आने वाले समय में (पृष्ठ 3 पर)

आरपीएफ ने दलालों पर कसा शिकंजा, कल्याण में चार दलाल गिरफ्तार

कल्याण : कल्याण रेलवे पुलिस ने चार टिकट दलालों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक दलाल को पहले भी कई बार गिरफ्तार किया जा चुका है। कल्याण आरपीएफ इंचार्ज भूपेंद्र सिंह को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि रिजर्वेशन कार्यालय पर दलाल सक्रिय हैं, जिसके चलते आम नागरिकों को आसानी से टिकट नहीं मिल पा रहा है। (पृष्ठ 3 पर)

केंद्र सरकार की गलत नीतियों से पेट्रोल में लगी महंगाई की आग

मुंबई : देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इससे इनकी कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। इसका असर आम लोगों पर पड़ रहा है। पेट्रोल की बढ़ती कीमतों ने बाइक और कार से ऑफिस जानेवाले लोगों का बजट बिगाड़ दिया है। हालत यह है कि इस वक्त न्यूयॉर्क के मुकाबले मुंबई ज्यादा महंगी हो गई है। जानकारी के मुताबिक मुंबई में पेट्रोल का भाव न्यूयॉर्क से ज्यादा हो गया है।

बता दें कि पिछले कुछ सालों में केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर कई तरह के टैक्स में बढ़ोतरी की है। उधर, वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतें भी बढ़ रही हैं। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों ने कई लोगों को अपनी कार के इस्तेमाल की बजाय पब्लिक ट्रांसपोर्ट का सहारा लेने को बाध्य किया है। मुंबई जैसे देश के बड़े शहरों में पेट्रोल की कीमत न्यूयॉर्क के मुकाबले दोगुनी हो गई है। इससे देश की अर्थव्यवस्था के लिए खतरा पैदा हो रहा है। इसकी वजह यह है कि

हिंदुस्थान पेट्रोलियम अपनी जरूरत के बड़े हिस्से का आयात करता है। इस पर हर साल काफी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। कोरोना की दूसरी लहर कमजोर पड़ने के बाद आर्थिक गतिविधियां पटरी पर लौट रही हैं। इससे डीजल और पेट्रोल की मांग भी बढ़ रही है।

देश में सबसे बड़ी तेल कपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के मुताबिक, पिछले तीन साल में मुंबई में पेट्रोल का भाव २५ फीसदी से ज्यादा बढ़ा है। इसी दौरान डीजल के भाव में करीब ३३ फीसदी बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों का सीधा असर मुद्रास्फीति यानी महंगाई पर पड़ रही है। उधर, दूसरी कमोडिटी की (पृष्ठ 3 पर)

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

स्वागत योग्य फैसला!

कोरोना से जान गंवाने वालों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला सुनाया है, वह स्वागतयोग्य है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को साफ निर्देश दिया है कि वह कोविड-१९ से मरने वालों के परिवारों को अनुग्रह राशि का भुगतान करने के लिए छह हफ्ते के भीतर दिशा-निर्देश तैयार करे। वास्तव में, केंद्र सरकार किसी मुआवजे के पक्ष में नहीं थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसके उलट फैसला दिया है। वैसे अदालत ने सावधानी बरतते हुए अपनी ओर से मुआवजे की कोई राशि तय नहीं की है और यह काम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के जिम्मे छोड़ दिया है। ध्यान रहे, किसी-किसी कोरोना मरीज के उपचार में दस-दस, बीस-बीस लाख रुपये तक खर्च हुए हैं। मृतकों के परिजनों ने ऑक्सीजन, अस्पताल बिस्तर व दवाओं के मोर्चे पर बहुत ही बुरे और महंगे दौर को भारी मन से झेला है। जो जान चली गई, उसकी भरपाई संभव नहीं, पर इलाज की वजह से कर्ज का जो बोझ बढ़ा है, परिवारों की गरीबी बढ़ी है, उसके मद्देनजर ही मुआवजा तय होना चाहिए।

गौरतलब है कि बिहार सरकार पहले से ही कोरोना मृतकों के आश्रित परिजनों को चार-चार लाख रुपये मुआवजा दे रही है। इतना मुआवजा जब अपेक्षाकृत कम बजट रखने वाली बिहार सरकार दे सकती है, तब दूसरे राज्य और कम से कम केंद्र सरकार को इससे ज्यादा ही मुआवजा तय करना चाहिए। खैर, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से इतना तो तय है कि आगामी समय में पीड़ित परिजनों को कुछ तो राहत हासिल होगी। याचिकाकर्ताओं ने बिल्कुल सही मांग की है कि केंद्र और राज्यों को कोरोना से जान गंवाने वालों के परिवारों को कानून के तहत चार-चार लाख रुपये का मुआवजा देने और मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने के लिए एक समान नीति की पालना करनी चाहिए।

इसमें कोई शक नहीं कि मुआवजा विवेकपूर्ण और न्यायपूर्ण ढंग से वितरित होना चाहिए। तरह-तरह के मापदंड बनाकर किसी को इससे वंचित करना अनुचित होगा। एक समय ऐसा आया था, जब अपेक्षाकृत पिछडे. राज्यों में मरीजों को बिस्तर नहीं मिल रहे थे, ऑक्सीजन का भयानक अभाव था, दवाओं की कालाबाजारी सरकारों की पकड़ से बाहर थी, तब बड़ी संख्या में मरीजों ने जान बचाने के लिए पड़ोसी राज्यों का रुख किया। अब बिहार सरकार के नए आदेश के अनुसार, राज्यवासियों को बिहार से बाहर मौत पर कोरोना अनुदान नहीं मिलेगा। यह आदेश क्या बिहार में चिकित्सा सेवाओं की जमीनी हकीकत के खिलाफ नहीं है? यह नियम देश में चले, तब तो नोएडा, गाजियाबाद से इलाज के लिए दिल्ली गए लोगों को उनके राज्य में मुआवजा नहीं मिल सकेगा? बिहार से बनारस या गोरखपुर या रांची गए मरीजों को मुआवजा नहीं मिल पाएगा? क्या हमने कभी सोचा है कि ये मरीज अपने राज्य से दूर इलाज कराने क्यों गए? मुआवजे के लिए अपने घर या राज्य में रहकर मरने की कथित अनिवार्यता कितनी जायज है? राज्य सरकारें अगर ऐसे नियम बनाएंगी, तो देश में बड़ी संख्या में ऐसे परिजन होंगे, जो मुआवजे से वंचित रह जाएंगे और समाज में गलत संदेश जाएगा। अत: मुआवजा तय करते और देते समय यह ध्यान रखना होगा कि किसी के साथ अन्याय न हो। फिर भी बुनियादी सवाल यही है कि प्रदेश-देश में इलाज और उसके संसाधनों का अभाव क्यों हुआ?

डेल्टा प्लस का खतरा

कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वेरिएंट के मामलों का बढ़ना जितना दुखद है, उतना ही चिंताजनक भी। सरकार और लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है, तो एक तरह से अच्छा ही है। अगर इस वेरिएंट से संघर्ष के लिए पहले ही ज्यादा से ज्यादा तैयारी हो जाए और लोगों में भय की वजह से ही जागरूकता बढ़ जाए, तो इससे बेहतर कुछ नहीं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने उचित ही आठ राज्यों को चिट्ठी लिखकर तुरंत कंटेनमेंट उपायों को लागू करने के लिए कहा है। जहां भी मामले मिल रहे हैं, वहीं उन्हें क्वारंटीन और कंटेनमेंट जोन बनाकर रोकना होगा। डेल्टा प्लस का संक्रमण अगर शुरुआती दौर में ही रोक लिया जाए, तो यह सरकारों की एक बड़ी सफलता होगी। देश डेल्टा की मार से बड़ी मुश्किल से उबर रहा है, अत: सबकी भलाई इसी में है कि डेल्टा प्लस के खतरे को बड़े स्तर पर जाने से पहले ही रोका जाए। अभी तमिलनाडु, गुजरात, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा को कंटेनमेंट और कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग जैसे उपायों को अपनाने के लिए कहा गया है। इन राज्य सरकारों को अपने स्तर पर भी हर संभव उपाय करने चाहिए। विशेषज्ञ बार-बार चेता रहे हैं, किसी भी स्तर पर ढिलाई बहुत भारी पड़ सकती है। जिन इलाकों में मामले मिल रहे हैं, वहां के सामाजिक संगठनों को भी पूरी तरह से सचेत और सक्रिय कर देना चाहिए। बचाव के लिए जरूरी कड़ाई का काम ज्यादा से ज्यादा सामाजिक संगठनों के पास ही होना चाहिए। समाज अपनी सुरक्षा की चिंता स्वयं करे। यहां तक कि ऑक्सीजन, अस्पताल बिस्तर और दवाओं की निरंतर निगरानी में भी सामाजिक भागीदारी होनी चाहिए। ध्यान रहे, शुरुआती सूचनाओं के आधार पर डेल्टा प्लस को तीन कारणों से अधिक संक्रामक बताया जा रहा है। अव्वल तो इसकी संक्रमण क्षमता ज्यादा है, दूसरी बात इसका फेफड़ों की कोशिकाओं के रिसेप्टर्स में मजबूत बंधन बनता है; और यह वायरस मोनोक्लोनल एंटीबॉडी प्रतिक्रिया को कम करता है। बड़ा खतरा यही है कि यह शरीर में एंटीबॉडी जरूरत के हिसाब से नहीं बनने देता है। शुक्रवार तक देश में ४५ हजार कोरोना नमूनों में से ४८ नमूने डेल्टा प्लस के पाए गए और चार मरीजों की मौत हुई। वैसे ये आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं, जिनके आधार पर डेल्टा प्लस को ज्यादा खतरनाक घोषित कर दिया जाए। अभी डेल्टा प्लस जांच की सुविधा केवल १४ प्रयोगशालाओं में है, अत: केंद्र सरकार को विशेष रूप से पहल करते हुए जांच के ज्यादा से ज्यादा केंद्र बनाने चाहिए। टीकाकरण में तेजी लाना भी जरूरी है। दो टीका लेने के बावजूद अगर राजस्थान में डेल्टा प्लस का मामला सामने आया है, तो भी टीके पर से हमारा विश्वास हिलना नहीं चाहिए। टीके पूरी तरह से सुरक्षित हैं, उनको लेकर सवाल व आशंकाएं अचरज की बात नहीं हैं। वैक्सीन फाइजर-मोदेरना से अगर हमारा जीनोम भी बदल रहा हो, तो भी कोई बात नहीं, हमारा निरोग रहना ज्यादा जरूरी है। यह महामारी इतनी विकराल है कि इसका असर मानव के बाह्य स्वरूप के साथ-साथ आंतरिक स्वरूप पर भी पड़ सकता है और संभव है, कोरोना के खत्म होने के बाद मनुष्य के डीएनए से इसकी छाप अपने आप मिट जाए। लेकिन फिलहाल जरूरी है कि हम दस्तक दे रहे खतरे को पूरी सावधानी और तैयारी के साथ मुंहतोड़ जवाब दें।

शुरू हो रही है खारे पानी को मीठा करने की परियोजना, २०२५ से मुंबई में समुद्र के पानी से बनने लगेगा पेयजल

मुंबई : समुद्र के खारे पानी को पीने लायक मीठा बनाने के लिए सोमवार को एक परियोजना के सामंजस्य करार पर सोमवार को हस्ताक्षर हुए। यह परियोजना मनोरी, मालाड में स्थापित की जा रही है। इस मौके पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुंबई के लिए खारे पानी से मीठा पानी तैयार करने की यह परियोजना की शुरुआत करना न केवल महत्वपूर्ण है, बल्कि एक क्रांतिकारी कदम भी है। उन्होंने कहा कि आज इस परियोजना के शुरू होते देखकर मुझे खुशी हो रही है कि हमारा कई वर्षों का सपना आज साकार हो रहा है।

सोमवार को सह्याद्रि गेस्ट हाउस में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में मुंबई महानगरपालिका और इजराइल की कंपनी आईडीई वॉटर टेक्नॉलजी लिमिटेड के बीच २०० मिलियन लीटर खारे पानी को मीठा पानी में बदलने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए करार किया हुआ। इस अवसर पर शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री आदित्य ठाकरे, कपडा मंत्री असलम शेख, महापौर किशोरी पेडणेकर, इजरायल के महावाणिज्य दूत याकोव फिंकेलस्टीन, आईडीई जल प्रौद्योगिकी पदाधिकारी, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव आशीष कुमार सिंह, बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल, एमएमआरडीए आयुक्त एस श्रीनिवास उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के कुछ देशों ने पहले (पृष्ठ ३ पर)

शुरू हो रही है खारे... (पृष्ठ २ से आगे)

ही आधुनिक तकनीक की मदद से समुद्री जल को मीठे पानी में बदलकर पीने योग्य बना लिया है और बड़े पैमाने पर इसका उपयोग करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि हर तकनीक की एक कीमत होती है, लेकिन मानव जीवन उससे कहीं अधिक मूल्यवान है और हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम अपने नागरिकों को २४ घंटे पीने का पानी उपलब्ध कराएं।

ऐसा करते वक्त हमें यह भी विचार करना होगा कि लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए हम कितने बांध तैयार कर सकते हैं और उन बांधों के निर्माण के लिए कितने पेडों को काटकर जमीन को बंजर बनाते रहेंगे? या फिर हमें उपलब्ध वैकल्पिक तरीकों को चुनना होगा। इसी को ध्यान में रखते हुए समुद्र के खारे पानी को पीने लायक मीठे जल में बदलने की परियोजना अब मूर्त रूप ले रही है। २०२५ से यह परियोजना शुद्ध पानी की आपूर्ति शुरू करेगी। अंत में, विकास करते समय इन सभी कारकों पर विचार करना महत्वपूर्ण है। यह विश्वास व्यक्त करते हुए कि यह परियोजना मुंबईवासियों के लिए एक बड़ी राहत होगी।

ठाणे पुलिस ने की बड़ी... (पृष्ठ 4 का शेष)

गया। पुलिस ने इस गिरोह को वागले इस्टेट तीन हात नाका, इंटर सिटी मॉल, बस स्टैंड के पास से हिरासत में लिया है। इसके पहले पुलिस ने बोगस ग्राहक भेजकर छापा मारा। सेक्स रैकेट चलानेवाली मास्टर माइंड महिला दलाल को पुलिस ने फरार बताया है। पुलिस अब पकड़ी गई देह व्यापार का कारोबार करनेवाली दोनों महिला दलालों के ऊपर पिटा और पोक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार पीड़ित लड़कियों को महिला सुधार गृह भेजा जाएगा।

केंद्र सरकार की गलत नीतियों से... (पृष्ठ 1 का शेष)

कीमतों में भी तेजी का रुख है। इससे महंगाई को हवा मिल रही है। पेट्रोल पर केंद्र सरकार का टैक्स पिछले सात साल में बढ़कर तीन गुना हो गया है। इसी दौरान डीजल पर केंद्र सरकार का टैक्स करीब सात गुना हो गया है। इससे पेट्रोल और डीजल की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। देश के कई हिस्सों में पेट्रोल का भाव १०० रुपए प्रति लीटर से ज्यादा हो गया है। इसका सीधा असर देश के मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है। मध्यम वर्ग को इकोनॉमिक ग्रोथ का इंजन माना जाता है। 'इक्रा' के मुताबिक, पेट्रोल और डीजल पर ज्यादा टैक्स के चलते लोगों की खर्च करने योग्य आय घट रही है। इससे महंगाई पर भी दबाव बढ़ रहा है। इक्रा मूडीज इनवेस्टर्स सर्विस की लोकल इकाई है। इक्रा के वाइस-प्रेसिडेंट प्रशांत वशिष्ठ ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं कि पेट्रोल और डीजल की ऊंची कीमतों का असर ग्रोथ पर पड़ेगा। यह अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने की संभावनाओं को भी प्रभावित करेगा। कीमतें एक स्तर से ज्यादा हो जाने पर लोगों को दिक्कत होने लगती है। वे ट्रेवल करना कम कर देते हैं और ईंधन खर्च घटाना करना शुरू कर देते हैं।

आरपीएफ ने दलालों पर कसा... (पृष्ठ 1 का शेष)

जानकारी निकालने के बाद पुलिस ने चार दलालों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर उनके पास से कई टिकट बरामद किए, जिसकी कीमत नौ हजार से ज्यादा है। दलालों की गिरफ्तारी से कल्याण के दलालों में दहशत व्याप्त हो गई है। बताया जाता है कि भूपेंद्र सिंह के आने के बाद कल्याण में धर-पकड़ का सिलसिला तेज हो गया है और दलाल सहित स्टेशन परिसर में घूमनेवाले गुंडे-मवाली और चोर-उचक्कों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। रेलवे सुरक्षा बल के अनुसार पकड़े गए दलालों पर रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि सभी जगहों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और ऐसे लोगों पर कार्रवाई का सिलसिला जारी रहेगा।

७२७ पुलिसकर्मियों को मुंबई से... (पृष्ठ 1 का शेष)

पुलिस में काफी बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इसी सप्ताह २ साल एक ही जगह ड्यूटी करने वाले डीसीपी स्तर के पुलिस अधिकारियों को भी स्थानांतरित किए जाने संबंधी जीआर लीक हुआ था। जीआर के दावों पर यकीन करें तो जुलाई आखिर तक मुंबई पुलिस में कई नए चहेरे देखने को मिल सकते हैं।

५ साल चलेगी महाविकास आघाड़ी... (पृष्ठ 1 का शेष)

जयंत पाटील का समावेश है। कोई भी महत्वपूर्ण नीतिगत मसलों को हल करने के लिए हमारे ये सहयोगी एक साथ बैठकर इस संबंध में निर्णय लेते हैं इसीलिए सरकार बिल्कुल व्यवस्थित ढंग से चल रही है। महाराष्ट्र सरकार आपसी समन्वय से निश्चित ही ५ वर्ष चलेगी, ऐसा विश्वास भी शरद पवार ने व्यक्त किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने विधायकों और सांसदों को प्रबंध निदेशक, साथ ही नागरिक सहकारी बैंकों के पूर्णकालिक निदेशक बनने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस सवाल के जवाब में शरद पवार ने कहा कि आरबीआई वित्तीय और बैंकिंग संस्थानों की देखरेख करनेवाली सर्वोच्च संस्था है इसलिए यदि उन्होंने कोई नीतिगत निर्णय लिया है तो उसे स्वीकार करना होगा।

बॉलीवुड में ड्रग्स सप्लाई करनेवाले परिवार का पर्दाफाश

कई नशेड़ी कलाकारों के नाम आ सकते हैं सामने

मुंबई : कई हालिया खबरों में बॉलीवुड के कई कलाकारों के नाम ड्रग्स लेने के मामले में सामने आए हैं। अब पुलिस ने एक ऐसे ड्रग्स पैडलर परिवार को पकड़ा है, जो कई बॉलीवुड कलाकारों को ड्रग्स की सप्लाई करता था। बॉलीवुड कलाकारों को ड्रग्स सप्लाई करने के मामले में एक महिला ड्रग्स पैडलर पकड़ी गई है। इस महिला का पूरा परिवार नशे के इस कारोबार में लिप्त है। इस परिवार का नेटवर्क कई राज्यों तक फैला हुआ है। गिरफ्तार किए गए ड्रग्स पैडलरों में जो मां है, इसके साथ इसके दो बेटों का समावेश है।

मिली जानकारी के अनुसार महिला ड्रग्स पैडलर के पास से मुंबई की मालाड पुलिस ने दो किलो चरस भी बरामद किया है। यह महिला फिल्म इंडस्ट्री में ड्रग्स सप्लाई करने का काम करती थी। पुलिस की जांच में इस महिला से कई बॉलीवुड के ग्राहक

कलाकारों का नाम सामने आ सकता है। मुंबई के उपनगर मालाड-पूर्व के कुरार पुलिस ने एक महिला ड्रग्स पैडलर को गिरफ्तार किया है, जो अपने दो बेटों के साथ मिलकर फिल्म इंडस्ट्री में काम करनेवाले टीवी कलाकारों को ड्रग्स मुहैया करवाती थी।

पकड़ी गई महिला अपने दो बेटों के साथ अप्पापाढा इलाके में रहती है। महिला के पास से करीब दो किलो चरस बरामद किया गया, जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ४० लाख रुपए बताई जा रही है। पूछताछ में यह जानकारी मिली है कि महिला का बड़ा बेटा ६ महीने पहले बिहार में २५ किलो चरस के साथ पकड़ा गया था, जबकि गत १६ जून को उसके छोटे बेटे को एंटी नारकोटिक्स सेल की कांदिवली यूनिट ने ढाई किलो चरस के साथ गिरफ्तार किया थी। पति के इंतकाल के बाद आरोपी अपने दोनों बेटों की मदद से ड्रग्स के कारोबार में काफी ज्यादा सक्रिय हो गई थी। उसके दोनों बेटों ने मुंबई के अलावा अन्य राज्यों में ड्रग्स के कारोबार का जाल फैलाया और इसी जाल को फैलाने के चक्कर में वे बिहार और मुंबई में पकड़े गए। कुरार पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रकाश वेले के मुताबिक आरोपी को कुरार पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया है। उसके बड़े बेटे को बिहार क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है, जबकि छोटे बेटे को एंटी नारकोटिक्स सेल गिरफ्तार किया है। महिला को न्यायालय ने २ जुलाई तक पुलिस कस्टडी में रखने का आदेश दिया है।

आरपीएफ जवानों को उत्कृष्ट सेवा पदक

मुंबई : अपनी सेवा में पूरी निष्ठा, साहस, कार्यकुशलता तथा समर्पण का परिचय देते हुए अपने कार्यों का निर्वहन करनेवाले पश्चिम रेलवे सुरक्षा बल के १९ जवानों को भारत सरकार ने उत्कृष्ट तथा अति उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन आनेवाले सभी सुरक्षा विभाग के कर्मियों को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया जाता है। पश्चिम रेलवे सुरक्षा बल में तैनात राजीव सिंह सलारिया, शिवजी सिंह धाकड़, योगेश

जानी, शरद फड़, बहादुर सिंह, राजपाल नाईक, अजय जाट, रमाकांत शेट्ये, अरबिंद कंबोईया, राजू पिपलिया, कृष्ण कुमार उपाध्याय, जितेंद्र पाटील, नरेशकुमार नागजीभाई, जय प्रकाश यादव, अश्विन परमार को उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। यह पदक इन लोगों के १५ वर्ष में किए गए सेवा काल के लिए प्रदान किया गया। इसी तरह २५ वर्ष में किए गए अति उत्कृष्ट सेवा के लिए वेदप्रकाश शर्मा, रमेश बागड़, प्रवीण काकानी तथा ओम प्रकाश यादव को सम्मानित किया गया है। आरपीएफ जवानों के इस कार्य के लिए रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक अरुण कुमार, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कंसल तथा पश्चिम रेलवे सुरक्षा बल के महानिरीक्षक, सहप्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त प्रवीण चंद्र सिन्हा ने उन्हें बधाई दी है ।

आरे के गैरकानूनी निर्माण कार्य पर चलेगा हथौड़ा

मुंबई : आरे सीईओ राठोड के पास से मिली अकूत संपत्ति और गिरफ्तारी के बाद आरे के जंगलों में गैरकानूनी निर्माणकार्य की पोल खुल गई है। इससे संबंधित राज्य के दुग्ध विकास मंत्री सुनील केदार ने पूरे मामले की जांच का आदेश दिया है। केदार का कहना है कि आरे के जंगलों में जितने भी निर्माणकार्य गैरकानूनी रूप से किए गए हैं, उन सभी पर तोडक़ कार्रवाई की जाएगी।

आरे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नाथू राठोड पर गैरकानूनी निर्माणकार्य को आश्रय देने का आरोप लगातार लगाया जा रहा था। उनके खिलाफ बहुतों ने शिकायत की, लेकिन कोई करवाई नहीं की गई। बताया जाता है कि उन पर एनसीपी के एक बड़े युवा मंत्री का आशीर्वाद था, जिसके चलते करवाई नहीं हो पा रही थी। यहां तक कि इस क्षेत्र से शिवसेना के विधायक व राज्य के पूर्व मंत्री रविंद्र वायकर ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से गैरकानूनी निर्माण कार्य के बारे में लिखित शिकायत की थी। उन्होंने न्यायिक जांच की मांग भी की थी, लेकिन मुख्यमंत्री के किसी प्रकार के निर्णय लेने से पहले ही राठोड को ऐंटि करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने ५०,००० रुपये लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया।

अब भी जारी है गैरकानूनी निर्माण कार्य

आरे के अंदर बनाए जाने वाले मेट्रो कारशेड का शिवसेना के युवा नेता व ठाकरे सरकार के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने यह कहते हुए विरोध किया था कि पेडों की बलि ली जाएगी। इससे जंगल नष्ट को जाएगा। जंगल के जीव-जंतु मर जाएंगे, लेकिन आरे के अंदर जारी गैरकानूनी निर्माण कार्य के बारे में खामोश हैं, जबकि उन्हीं की पार्टी के स्थानीय विधायक रविंद्र वायकर ने पेडों की कटाई व गैरकानूनी निर्माण कार्य का विरोध किया है।

गणेशोत्सव के लिए गाइडलाइन जारी, सार्वजनिक मंडल में ४ और घर में २ फुट की मूर्ति लाने की इजाजत

मुंबई : जल्द ही महाराष्ट्र और देश में गणपति बप्पा का आगमन होने वाला है। महाराष्ट्र में बड़े ही धूमधाम से गणेशोत्सव को मनाया जाता है लेकिन कोरोना महामारी की वजह से गणपति बप्पा के इस पर्व पर भी ग्रहण लग चुका है। पिछली बार भी महामारी की वजह से बडी ही सादगी के साथ इस पर्व को जनता ने मनाया था।

इस बार भी महाराष्ट्र सरकार ने गणेश उत्सव के लिए गाइडलाइन जारी की है। इस गाइडलाइन के अनुसार सार्वजनिक गणेश मंडल में बप्पा की मूर्तियों का आकार ४ फुट से ज्यादा नहीं होना चाहिए। वहीं घरों में गणपति बप्पा की जिन मूर्तियों को लाया जाएगा उनकी ऊंचाई २ फुट से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। हालांकि जनता को उम्मीद थी कि सरकार इस बार कड़े कदम इस पर्व पर लागू नहीं करेगी।

इसके पहले राज्य के मूर्तिकारों ने महाविकास अघाड़ी सरकार से गणेशोत्सव के संदर्भ में जल्द से जल्द दिशा निर्देश जारी करने की मांग की थी। रेशमा खातू ने इस संदर्भ में मूर्तिकारों का पक्ष रखा था।

उन्होंने कहा था कि गणेशोत्सव को अब मात्र २ महीने ही बचे हुए हैं। ऐसे में मूर्तिकार काफी चिंता में है। लिहाजा सरकार को इस बाबत अपने दिशा निर्देश तत्काल जारी करने चाहिए। मूर्तिकारों ने सरकार के इन्हीं दिशानिर्देशों की वजह से अभी तक मूर्तियां बनाने का काम भी शुरू नहीं किया था।

गणेशोत्सव से संबंधित सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश

- गणेश उत्सव के संदर्भ में इजाजत लेना जरूरी ■ कोरोना संक्रमण को देखते हुए गणेशोत्सव को सादगी पूर्ण तरीके से मनाया जाए ■ सर्वजनिक गणेश मंडल में बप्पा की मूर्तियां ४ फुट और घरों में २ फुट की होनी चाहिए ■ बप्पा का विसर्जन कृत्रिम तालाब में किया जाए, यदि संभव हो तो शाडू की मिट्टी की मूर्ति रखी जाए ■ जनता जो दान दें उसे स्वीकार किया जाए ■ मंडप में होने वाली भीड़ ना होने दिया जाए ■ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जगह स्वास्थ्य से जुड़े जागरूकता वाले कार्यक्रम किये जाए ■ आरती, भजन, कीर्तन में होने वाली भीड़ रोकी जाए ■ जनता की भीड़ ने बढ़े इसलिए ऑनलाइन दर्शन की सुविधा उपलब्ध हो ■ गणपति पंडाल में सैनिटाइज़ेशन और थर्मल स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध हो।

ज्यादा कातिल है कोरोना का डेल्टा प्लस वैरिएंट? : एम्स डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने भले ही कोरोना के डेल्टा प्लस वैरिएंट को चिंता की वजह माना है और इसके चलते लोगों में आशंकाएं भी बढी हैं। लेकिन एम्स के डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया का कहना है कि अब तक ऐसा कोई डेटा नहीं मिला है, जिसके आधार पर यह कहा जा सके कि डेल्टा प्लस वैरिएंट के चलते ज्यादा मौतें हुई हैं या इसका संक्रमण तेजी से फैल रहा है। इसके अलावा कोरोना वैक्सीन को मात देने की बात भी किसी डेटा से पुष्ठ नहीं होती। रणदीप गुलेरिया ने कहा कि यदि कोरोना से निपटने के लिए तय प्रोटोकॉल का पालन किया जाए तो हम किसी भी नए उभरने वाले वैरिएंट से सेफ रहेंगे।

इसके अलावा कोरोना वैक्सीन की दो डोज में अलग-अलग टीके लगाए

जाने की बात पर भी उन्होंने कहा कि इस बारे में और स्टडी किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कुछ स्टडीज में ऐसा कहा गया है कि यह ज्यादा प्रभावशाली हो सकता है, लेकिन इस पर और डेटा जुटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्टडी के आधार पर इस प्रयोग को लागू नहीं किया जा सकता। उनका यह बयान हाल ही में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की उस स्टडी के बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि एस्ट्रेजेना और फाइजर के टीकों को मिक्स करके लगवाने पर ज्यादा इम्युनिटी बनती है।

भारत में डेल्टा प्लस वैरिएंट का पहला केस ११ जून को मिला था। यह डेल्टा वैरिएंट से ही तब्दील होकर बना है। अब तक भारत समेत १२ देशों में इसके केस मिल चुके हैं। इसके अलावा भारत की बात करें तो राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु और कर्नाटक समेत १२ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में डेल्टा प्लस वैरिएंट के केस मिले हैं। हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक देश भर में अब तक डेल्टा प्लस वैरिएंट के ५१ केस मिल चुके हैं। अब तक कोरोना की बुरी मार झेलने वाले महाराष्ट्र में ही इसके भी सबसे ज्यादा केस मिले हैं। इसके बाद मध्य प्रदेश और केरल का स्थान है।

ठाणे पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

अंतरराज्यीय जिस्मफरोशी गिरोह का पर्दाफाश

-तीन लड़कियां मुक्त कराई गईं -दो महिला दलाल हुईं गिरफ्तार

ठाणे : नाबालिग लड़कियों के दो सौदागरों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इस जिस्मफरोशी गिरोह का संचालन सोशल मीडिया और इंटरनेट के जरिए किया जा रहा था। यह गिरोह अंतरराज्यीय स्तर पर जिस्मफरोशी का यह धंधा चला रहा था व देश के कई हिस्सों में लड़कियां सप्लाई कर रहा था। पुलिस ने एक नकली ग्राहक बनाकर इस गिरोह के पास भेजा, जिसके बाद दो महिला दलाल पकड़ी गईं व इस गिरोह का पर्दाफाश हुआ।

मिली जानकारी के मुताबिक, ठाणे की क्राइम ब्रांच ने जिस्मफरोशी का कारोबार चलानेवाली जिन दो महिला दलालों को हिरासत में लिया है, वे ग्राहकों को नाबालिग लड़कियों की सप्लाई बंगलुरु, हैदराबाद, जयपुर,

गुजरात, पूना तक करती थीं। ये महिला दलाल व्हॉट्सऐप पर नाबालिग लड़कियों के फोटो भेजकर पहले रेट तय करती थीं। पसंद आने पर उस लड़की की कीमत लेकर उसे ग्राहक के पास भेजती थी। पुलिस की टीम ने इन महिला दलालों के चंगुल से एक नाबालिग व दो बालिग पीड़ित लड़कियों को सेक्स रैकेट के दलदल से मुक्त कराया है। पुलिस को जब यह जानकारी मिली कि नाबालिग लड़कियों को सेक्स रैकेट में धकेलने वाला गिरोह ठाणे से यह कारोबार कर रहा है, तो जाल बिछाकर इन सेक्स रैकेट चलानेवाले गैंग को दबोचा (पृष्ठ 3 पर)

बिस्तर पर पड़े लोगों को राज्य में घर पर टीका, मंजूरी के लिए केंद्र के पास प्रस्ताव नहीं भेजेगी महाराष्ट्र सरकार

मुंबई : महाराष्ट्र में बिस्तर पर पड़े लोगों को उनके घर में ही कोरोना वायरस का टीका लगाया जाएगा। राज्य सरकार जल्द ही प्रायोगिक आधार पर पर टीकाकरण अभियान शुरू करेगी। यह अभियान सबसे पहले पुणे जिले में शुरू किया जाएगा। बुधवार को यह बात मुख्य न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी.एस कुलकर्णी की पीठ के समक्ष एक याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य के महाधिवक्ता आशुतोष कुंभकोनी ने कही।

कुंभकोनी ने कहा, राज्य सरकार बिस्तर पर पड़े लोगों को घर पर जाकर टीका लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी के लिए केंद्र के पास नहीं भेजेगी। राज्य सरकार ने मंगलवार को हाई कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर कहा था कि घर पर प्रायोगिक तौर पर टीका के लिए कुछ शर्तें लगाई जाएंगी। इसमें लाभार्थी के परिवार से लिखित सहमति ली जाएगी। परिवार के डॉक्टर से प्रमाणपत्र लिया जाएगा, जिसमें वह टीके का किसी भी तरह का प्रतिकूल प्रभाव होने पर जिम्मेदारी लेगा। मुख्य न्यायमूर्ति ने कहा, 'हम आशा करते हैं कि सरकार डॉक्टर को प्रमाणित करने के लिए जोर नहीं देंगी। कैसे एक डॉक्टर जिम्मेदारी ले सकता है? ऐसी अव्यवहारिक शर्त मत रखिए।'

'महाराष्ट्र को मंजूरी की जरूरत क्यों?'

अदालत दो वकीलों धृति कापड़िया और कुणाल तिवारी की ओर से दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में केंद्र और राज्य सरकार को ७५ वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ट नागरिकों, दिव्यांगों, बिस्तर से उठ नहीं सकने वाले लोगों के लिए घर पर टीकाकरण शुरू करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। सरकार ने मंगलवार को दाखिल अपने हलफनामे में कहा था कि उसे घर-घर जाकर कोरोना वायरस का टीका लगाने का अभियान शुरू करने से पहले केंद्र सरकार से मंजूरी लेनी होगी। इस पर पीठ ने कहा था कि जब केरल, झारखंड, बिहार ने पहले ही घर-घर टीकाकरण कार्यक्रम शुरू कर दिया है, तब महाराष्ट्र को मंजूरी की जरूरत क्यों है?

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : १० अंक : ४५ मुंबई, शुक्रवार, ९ जुलाई से १५ जुलाई २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

नारायण राणे, कपिल पाटील, भारती पवार को मंत्री बनाकर महाराष्ट्र में बीजेपी ने खेला बड़ा 'गेम'!

मुंबई : केंद्रीय मंत्रिमंडल में महाराष्ट्र से जिन चार नेताओं को शामिल किया गया है, उनका आने वाले समय में महाराष्ट्र की राजनीति में बीजेपी बड़ा रणनीतिक इस्तेमाल करने वाली है। जिन चार लोगों को केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान दिया गया है, उनमें से तीन दूसरी पार्टियों से बीजेपी में आए हैं। बहरहाल केंद्रीय मंत्रिमंडल में महाराष्ट्र की सोशल रिस्ट्रक्चरिंग को देखकर जानकार इसे महाराष्ट्र में मध्यावधि चुनाव का संकेत मान रहे हैं। राज्य में चल रहे मराठा और ओबीसी आरक्षण आंदोलन के संघर्ष को देखते हुए यह एक बडा संकेत है। नए चेहरों में नारायण राणे मराठा, डॉ. भागवत कराड और कपिल पाटील ओबीसी और डॉ. भारती पवार अनुसूचित जाति वर्ग से हैं।

नारायण राणे : नारायण राणे का इस्तेमाल आगामी बीएमसी चुनाव में शिवसेना के खिलाफ किए जाने की रणनीति नजर आ

रही है। नारायण राणे महाराष्ट्र की राजनीति में कोंकण के मजबूत क्षत्रे माने जाते हैं। मुंबई में बडी संख्या में रहने वाले नौकरीपेशा मध्यवर्गीय कोंकणवासी शिवसेना के परंपरागत मतदाता रहे हैं। राणे को मंत्री बनाकर बीजेपी शिवसेना के इस वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास करेगी। शिवसेना से वाया कांग्रेस, बीजेपी में आए नारायण राणे को बीजेपी पिछले ४ साल से शिवसेना के खिलाफ आक्रामक बयान दिलवा-दिलवा कर इस्तेमाल करती आ रही है। अपने राजनीतिक करियर के शुरुआती ३२ साल वह शिवसेना में रहे हैं। ठाकरे परिवार के बेहद करीबी रहे हैं। शिवसेना और ठाकरे परिवार की अंदरूनी हकीकतों को जानते हैं। शिवसेना की रणनीति को पहचानते हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि नारायण राणे महाराष्ट्र में शिवसेना के खिलाफ अमित शाह का सबसे मजबूत हथियार बनने वाले हैं। हालांकि बीजेपी के जानकार लोगों का यह भी कहना है कि मराठा नेता नारायण राणे का ताकतवर बनना महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस के लिए खतरे की घंटी हो सकता है।

डॉ. भागवत कराड : बंजारा समाज से ताल्लुक रखने वाले डॉ. भागवत कराड को बीजेपी ने पिछले **(पृष्ठ ३ पर)**

सरकारी कार्यालय में मराठी अनिवार्य!

विधान मंडल में पास हुआ बिल

मुंबई (संवाददाता) : मराठी भाषा के प्रचार-प्रसार और राज्य के कामकाज में इस भाषा को सख्ती से लागू करनेवाला बिल विधानमंडल के दोनों सदनों में पास हो गया। बिल में राज्य में सरकारी कामकाज में मराठी भाषा की अनिवार्यता को धता बतानेवालों पर अब सख्त कार्यवाही का प्रावधान किया गया है। इसी के साथ भाषा के प्रचार और उसे सख्ती से लागू करने के लिए प्रत्येक जिला कार्यालय में मराठी भाषा विभाग और राज्य में विभाग के मंत्री की अध्यक्षता में मराठी भाषा समिति बनाने का प्रावधान किया गया है। सोमवार को मानसून सत्र के पहले दिन मराठी भाषा विभाग मंत्री सुभाष देसाई ने विधान परिषद**(पृष्ठ ३ पर)**

सार्वजनिक स्थान पर न पढ़ें नमाज! घर पर मनाएं बकरी ईद

गृह विभाग ने जारी किया गाइडलाइन

मुंबई (संवाददाता) : कोरोना संक्रमण के कारण उत्पन्न हुई परिस्थिति पर विचार करते हुए आगामी २१ जुलाई को होनेवाली बकरी ईद के संदर्भ में गृह विभाग ने गाइडलाइन जारी किया है। कोरोना के कारण उत्पन्न हुई परिस्थिति को देखते हुए राज्य में सभी धार्मिक कार्यक्रमों पर प्रतिबंध है, इसलिए बकरी ईद की नमाज मस्जिद, ईदगाह अथवा सार्वजनिक स्थान पर अता न करते हुए नागरिक अपने घर में अता करें। वर्तमान में संचालित पशुधन बाजार बंद रहेंगे, नागरिक जानवर खरीदने के लिए ऑनलाइन अथवा टेलीफोन के माध्यम से जानवर की खरीदी करें, संभव हो तो नागरिक प्रतीकात्मक कुर्बानी करें। लागू किए गए 'ब्रेक द चेन' **(पृष्ठ ३ पर)**

'लूट' का पैसा किया वापस! कोरोना मरीजों से निजी अस्पतालों ने की थी ज्यादा वसूली

विरार (संवाददाता) : वसई तालुका के निजी अस्पतालों द्वारा कोरोना मरीजों से आर्थिक 'लूट' को रोकने के लिए वसई-विरार मनपा ने एक कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी के माध्यम से कोरोना मरीजों से ज्यादा फीस वसूलने का ऑडिट किया गया है। दूसरी लहर के दौरान यह बात सामने आई है कि कुल ३३ अस्पताल वालों ने मरीजों से ज्यादा पैसे लिए। इन अस्पतालों ने कुल २ करोड़, १३ लाख रुपए ज्यादा की वसूली की है। अब मनपा ने इस रकम को मरीजों को वापस लौटाने का आदेश दिया है।

इसमें से ३० अस्पतालों से कुल ९३ लाख रुपए मरीजों को लौटा भी दिए हैं, जिससे मरीजों को राहत मिली है।

गौरतलब है कि कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कई निजी अस्पतालों ने मनमानी रकम वसूल कर मरीजों को लूटना शुरू कर दिया था। फिर अप्रैल में **(पृष्ठ ३ पर)**

भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस के पूर्व मंत्री कृपाशंकर

मुंबई : महाराष्ट्र में पूर्व की कांग्रेस-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की सरकार में राज्य के गृह मंत्री रहे कांग्रेस के पूर्व मंत्री कृपाशंकर सिंह बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रमुख चंद्रकांत पाटिल और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए सिंह २००८-२०१२ के दौरान मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर भी रहे थे। उन्होंने २०१९ में राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस से इस्तीफा दिया था और उस वक्त से ही उनके भाजपा में शामिल होने के संकेत मिल रहे थे। **(पृष्ठ ३ पर)**

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

उम्मीद के साथ बदलाव

केंद्रीय मंत्रिमंडल में बदलाव न केवल स्वाभाविक, बल्कि जरूरी सा हो गया था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली इस दूसरी सरकार ने जहां अनेक महत्वपूर्ण फैसले लेकर दुनिया को चौंकाया, वहीं कुछ ऐसे मोर्चे भी रहे, जहां संतोषजनक परिणाम हाथ नहीं आए। अनेक दिग्गज मंत्रियों के इस्तीफे और कई नए नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल करने के पीछे के जो संकेत हैं, उनकी विवेचना जरूर होनी चाहिए। सरकार को यह यथोचित एहसास है कि उससे लोगों को कहीं ज्यादा उम्मीदें हैं। विशेष रूप से चिकित्सा के मोर्चे पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और राज्य मंत्री के स्तर पर बदलाव साफ इशारा है। कोरोना ने पूरी अर्थव्यवस्था को तबाह किया, साथ ही, चिकित्सा व्यवस्था भी लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। मंत्रिमंडल में बदलाव की कुल व्यंजना यही है कि सरकार अपना चेहरा बदलकर आगे बढ़ना चाहती है। सहज ही कुछ बदलने लायक था, तभी तो बदला गया है। यह बदलाव जहां सरकार के पक्ष को मजबूत करेगा, वहीं लोगों के विश्वास को भी बढ़ाएगा। अमूमन देश में छोटे-छोटे बदलाव मंत्रिमंडल के स्तर पर होते थे, लेकिन यह बड़ा बदलाव बदली हुई मानसिकता को भी जाहिर करता है। शायद केंद्र सरकार प्रदर्शन के स्तर पर समझौते के लिए तैयार नहीं है।

ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री को मंत्रिमंडल में सब कुछ बदल देने लायक लगने लगा था। उन्होंने अच्छा काम करने वाले मंत्रियों को न केवल बनाए रखा है, बल्कि आगे भी बढ़ाया है। अनुराग ठाकुर और हरदीप सिंह पुरी समेत कई मंत्रियों को पदोन्नत किया गया है। उत्तर प्रदेश से सर्वाधिक नए मंत्री बनाए गए हैं, तो कोई आश्चर्य नहीं। संगठन में अच्छा काम करने वाले भूपेंद्र यादव को भी कैबिनेट में शामिल किया गया है, तो यह भाजपा संगठन में काम करने वालों के लिए उत्साहजनक बात है। यह एक पहले से बेहतर मिली-जुली सरकार बनाने की कोशिश है। जनता दल यूनाइटेड, लोक जनशक्ति पार्टी और अपना दल को मंत्रिमंडल विस्तार में महत्व दिया गया है, यह गठबंधन और आगे की चुनावी राजनीति के लिहाज से भी जरूरी था। मंत्रिमंडल में महिलाओं की संख्या दोहरे अंकों में है। सभी प्रमुख मजहबों, जातियों और समुदायों के जगह मिली है। मंत्रिमंडल में शामिल नेताओं की औसत आयु भले ही ६० से कुछ ही नीचे हो, पर करीब १४ मंत्री पचास साल से कम उम्र के हैं, तो यह भी युवाओं के देश के लिए सकारात्मक बात है।

अब शासन-प्रशासन के मोर्चे पर जहां सरकार से लोगों को बहुत बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी, वहीं राजनीतिक स्तर पर भी सरकार को संतुलन बनाकर चलना होगा। आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ताधारी गठबंधन या पार्टी ही नहीं, सरकार की भी प्रतिष्ठा दांव पर लगेगी। जहां एक ओर कुछ नए मंत्री बनाकर क्षेत्रीय संतुलन को दुरुस्त करने की कोशिश हुई है, वहीं जिन दिग्गजों को मंत्रिमंडल से अलग किया गया है, उन्हें भी व्यस्त रखने के उपाय करने पड़ेंगे। हर नेता को राज्यपाल नहीं बनाया जा सकता, पर सबको खुश रखने की कोशिश तो हो ही सकती है। नए मंत्रियों के सामने लगभग तीन साल हैं, उन्हें न केवल प्रधानमंत्री, बल्कि देश की नजरों में भी कारगर दिखना होगा। जरूरी है कि ज्यादा ईमानदारी से जमीनी हकीकत के मद्देनजर सरकार की नई टीम लोगों के सपनों और उनसे किए गए वादों को साकार करे।

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए

देशभर के 813 प्रमुख स्टेशनों पर आईपी आधारित सीसीटीवी कैमरे स्थापित

मुंबई : अब देशभर में ८१३ प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर आईपी आधारित वीडियो मॉनिटरिंग होगी। ये योजना 'भारतीय रेलवे' और 'रेलटेल' द्वारा अमल में लाई जा रही है। ४७ अन्य स्टेशनों पर 'वीएसएस' उपलब्ध कराने का कार्य प्रगति पर है। रेलटेल ने देशभर के ८१३ प्रमुख स्टेशनों पर आईपी आधारित सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए हैं। यात्रियों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस योजना को अमल में लाया जा रहा है। भारतीय रेलवे और रेलटेल ने मार्च, २०२२ तक ७५६ स्टेशनों को पूरी तरह से हाई टेक करने का लक्ष्य रखा है। यह परियोजना सभी ए १, ए, बी, सी, डी और ई श्रेणी के रेलवे स्टेशनों और प्रीमियम ट्रेनों और उपनगरीय ईएमयू के कोचों को कवर करेगी, जिसमें से करीब ५,००० स्टेशनों में रेलटेल सीसीटीवी कैमरे लगाएगा।

सीसीटीवी को ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है और सीसीटीवी कैमरों की वीडियो फीड न केवल स्थानीय आरपीएफ चौकियों पर, बल्कि मंडल और जोनल स्तर पर एक केंद्रीकृत सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष में प्रसारित की जा रही है। रेलवे परिसरों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए स्टेशनों के सीसीटीवी कैमरों और वीडियो फीड की निगरानी ३ स्तरों पर की जा रही है। रेलटेल ने १४ जोनल रेलवे पर केंद्रीकृत नियंत्रण कक्ष की स्थापना का कार्य पूरा कर लिया है और शेष जोनों के कार्य प्रगति पर हैं।

हाईटेक कैमरे

रेलवे परिसर में अधिकतम कवरेज सुनिश्चित करने के लिए ४ प्रकार के आईपी कैमरे (डोम टाइप, बुलेट टाइप, पैन टिल्ट जूम टाइप और अल्ट्रा हाई डेफिनेशन) स्थापित किए जा रहे हैं। इससे सुरक्षा में सुधार के लिए आरपीएफ अधिकारियों को अतिरिक्त सहयोग मिलेगा। सीसीटीवी कैमरों से प्राप्त होनेवाली वीडियो फीड की रिकॉर्डिंग ३० दिनों के लिए स्टोर की जाएगी।

मुंबई महानगर क्षेत्र में अवैध निर्माण से स्थिति नियंत्रण से बाहर : उच्च न्यायालय

मुंबई (संवाददाता) : मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण का हवाला देते हुए, बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि स्थिति 'नियंत्रण से बाहरध हो गई है। अदालत ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार की नीतियां ऐसी नहीं होनी चाहिए जो धलोगों को मरने दें।'

मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी की पीठ महाराष्ट्र सरकार की झुग्गी पुनर्वास नीतियों का जिक्र कर रही थी, जो उन झुग्गी बस्तियों को गिराने और खाली कराने के खिलाफ वैधानिक सुरक्षा प्रदान करती हैं और जो एक जनवरी २००० से पहले बनाई गई थी और जिनकी ऊंचाई १४ फुट से अधिक नहीं है। पीठ ने कहा कि नौ जून को उपनगरीय मालवनी में एक आवासीय इमारत का गिरना धशुद्ध लालचध का परिणाम था और सुझाव दिया कि राज्य के अधिकारियों को गरीबों के लिए आवास के 'सिंगापुर मॉडल' से प्रेरणा लेनी चाहिए।

न्यायमूर्ति कुलकर्णी ने कहा, 'यह सिर्फ मुंबई में है कि कोई सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करता है और

बदले में उसे मुफ्त आवास दिया जाता है।' पीठ कई जनहित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनका उसने पिछले साल ठाणे जिले के भिवंडी में इमारत गिरने की घटनाओं के बाद स्वत: संज्ञान लिया था।

अदालत ने पिछले महीने मुंबई के उपनगर मालवनी में एक इमारत गिरने के बाद याचिकाओं पर फिर से सुनवाई शुरू की थी। इस घटना में आठ बच्चों सहित १२ लोगों की मौत हो गई थी।

अदालत ने मालवनी घटना की न्यायिक जांच का आदेश दिया था और प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया था कि आवासीय इमारत में शुरू में सिर्फ भूतल और पहली मंजिल थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें अवैध रूप से अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थी और ढांचे के मूल आवंटी का पता नहीं चल पाया है।

बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) की ओर से सोमवार को पेश हुए वरिष्ठ वकील ए चिनॉय ने उच्च न्यायालय को बताया कि शहर में अधिसूचित झुग्गी बस्तियों के अधिकांश घरों में अवैध रूप से अतिरिक्त मंजिलें बनाई जा चुकी हैं।

चिनॉय ने कहा, 'झुग्गी-झोपडी एक समस्या है लेकिन शहर के कामकाज के लिए जरूरी भी है। इसलिए भले ही राज्य अधिसूचित झुग्गी बस्तियों में भूतल और पहली मंजिल की अनुमति देता है तो उन्हें गिरने से बचाने के लिए उनमें अतिरिक्त मंजिलें बनाने से रोकना होगा।' हालांकि, पीठ ने कहा कि शहर की कामकाजी आबादी को झुग्गी बस्तियों में रहने की जरूरत नहीं है।

पीठ ने कहा, 'स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई है। लेकिन हमारे पास ऐसी नीतियां नहीं हो सकती हैं जो लोगों को मरने दें। हमें मानव जीवन को महत्व देना होगा। सिर्फ इसलिए कि लोग कहते हैं कि उनके पास रहने के लिए और कोई जगह नहीं है, उन्हें अपनी जान जोखिम में डालने और अवैध ढांचों में रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।'

कोरोना से जीतने वालों की गल रही हैं हड्डियां! मुंबई के तीन मरीजों में खतरनाक लक्षण

मुंबई (संवाददाता) : जिन लोगों ने भी अब तक कोरोना को मात दी है उनमें कई लोगों को अलग-अलग बीमारियां होने की खबरें सामने आ रही हैं। यानी कि एक तरह से यह सब कोरोना का साइड इफेक्ट भी कहा जा सकता है। पहले कोरोना को हराने वाले कई लोगों में ब्लैक फंगस यानी म्यूकरमाइकोसिस नाम की बीमारी शुरू हुई थी। जो अभी तक मुसीबत का सबब बनी हुई है। अब इसी कडी में एक नई बीमारी भी जुड़ चुकी है जिसका नाम है अवैस्क्यूलर नैक्रोसिस (AVN) यानी बोन डेथ। इस बीमारी ने मुंबई के डॉक्टरों की मुश्किलें बढा दी हैं। मुंबई में इस बीमारी के ३ मरीज सामने आए हैं। इस बीमारी की सबसे खास और डराने वाली बात यह है कि इसमें मरीजों की हड्डियां गलने लगती है।

क्यों गलती हैं हड्डियां

इस बीमारी में हड्डियां इसलिए गलती हैं क्योंकि बोन टिशु तक खून की सप्लाई नहीं हो पाती है और मरीजों की हड्डियां कमजोर होने लगती है। डॉक्टरों के मुताबिक इस बीमारी के होने की वजह यह भी है कि कोरोना माहमारी के दौरान स्टेरॉयड का भी काफी इस्तेमाल किया गया। डॉक्टरों को इस बात की भी आशंका है कि आने वाले समय में इस बीमारी के मामले और भी बढ़ सकते हैं।

मिली जानकारी के अनुसार मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में इस बीमारी के तीन मरीजों का इलाज किया गया। तीनों मरीजों को कोरोना से उबरने के बाद इस बीमारी का पता चला। रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना के बचाव के लिए फायदेमंद दवा कॉर्टिकोस्टेरॉड्स का भारी मात्रा में ओरयोग किया गया है। इसलिए मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

मुंबई में पकड़ी गई २ हजार करोड़ की हेरोइन, ईरान से आई थी नशे की खेप

मुंबई : मुंबई में ड्रग्स की बड़ी खेप पकडी गई है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने २२३ किलो हेरोइन जब्त की है। यह नशा ईरान से समुद्री जहाज के जरिये मुंबई लाया गया था। इसे पंजाब भेजा जाना था पर इससे पहले ही इसे जवाहर लाल नेहरू पोर्ट पर पकड़ लिया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस हेरोइन की कीमत करीब दो हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है।

डीआरआई के अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में तरनतारन पंजाब के रहने वाले एक व्यक्ति को अरेस्ट किया गया है। उसका नाम प्रभजीत सिंह है। उसके साथ मध्य प्रदेश से दो और आरोपी पकड़े गए हैं। जब्त हेरोइन टेल्कम स्टोन के साथ दो कंटेनरों में छिपाकर लाई गई थी। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

इन कंटेनरों में ६ बोरियां बरामद हुईं जिसमें क्रीम कलर का पाउडर दिखाई दिया। जब इस पाउडर की जांच की गई तो पता चला कि यह हेरोइन है। पिछले कुछ सालों में डीआरआई की तरफ से पकडी गई यह ड्रग्स की सबसे बडी खेप है। आयात निर्यात कोड प्रभजीत सिंह के नाम था। बताया जा रहा है कि सिंह पिछले एक साथ जिप्सम स्टोर और टेल्कम पाउडर का आयात कर रहा है।

नारायण राणे, कपिल पाटील...(पृष्ठ १ का शेष)

साल अचानक राज्यसभा की सदस्यता दी और अब उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाए जाने से बीजेपी की महाराष्ट्र की राजनीति में नया ओबीसी नेता खडा करने की रणनीति दिखाई पड़ती है। मूलत: औरंगाबाद मराठवाडा के रहने वाले डॉ. भागवत कराड अपना राजनीतिक जीवन नगरसेवक पद से शुरू कर केंद्रीय मंत्री पद पर पहुंचे हैं। डॉ. कराड दिवंगत गोपीनाथ मुंडे के करीबी रहे हैं। गोपीनाथ मुंडे की सांसद बेटी प्रीतम मुंडे अथवा पंकजा मुंडे को दरकिनार कर बीजेपी नेतृत्व ने उन्हें मंत्रिमंडल में स्थान दिया है। बीजेपी की राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में हमेशा सक्रिय रहने वाले मुंडे परिवार के लिए यह एक बडा झटका है। इसका राज्य की ओबीसी राजनीति पर क्या प्रभाव पडेग़ा, यह आने वाले समय में देखने को मिलेगा।

कपिल पाटील : भिवंडी के सांसद कपिल पाटील को भी केंद्र में मंत्री बनाया गया है। कपिल पाटील २०१४ में एनसीपी से बीजेपी में आए हैं। मुंबई के बाद शिवसेना अगर कहीं सबसे ज्यादा मजबूत है, तो वह जिला है ठाणे। ठाणे जिले में शिवसेना को टक्कर देने के लिए कपिल पाटील को केंद्रीय मंत्री बनाकर ताकत देने का काम किया गया है। केंद्रीय मंत्री पद हासिल करने वाले वह ठाणे जिले के पहले सांसद हैं। वह आगरी समाज से हैं, जो ओबीसी वर्ग में आता है। ठाणे, कल्याण-डोंबिवली और नवी मुंबई महानगर पालिका क्षेत्र में बडी संख्या में आगरी समाज रहता है। आने वाले दिनों में इन तीनों महानगर पालिकाओं के चुनाव होने हैं। बीजेपी की रणनीति इन तीनों महानगर पालिका क्षेत्रों में शिवसेना बनाम आगरी संघर्ष पैदा कर शिवसेना को पटखनी देने की हो सकती है।

डॉ. भारती पवार : भारती पवार पहले एनसीपी में थीं। वे एनसीपी की प्रदेश उपाध्यक्ष रही हैं। २०१९ में बीजेपी में शामिल हुईं और दो साल के भीतर ही बीजेपी ने उन्हें केंद्रीय मंत्री बना दिया है। नासिक जिले में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित दिंडोरी लोकसभा क्षेत्र से वह दो बार सांसद रही हैं। २०१४ में एनसीपी से सांसद थीं और २०१९ में बीजेपी के टिकट पर चुनाव जीती हैं। वह एनसीपी के पूर्व मंत्री और शरद पवार के करीबी एटी पवार की बहू हैं।

सरकारी कार्यालय में मराठी...(पृष्ठ १ का शेष)

में यह प्रस्ताव पेश किया, जिसे बहुमत से पास कर दिया गया। विधानसभा में यह बिल इससे पहले पास हो चुका है। सरकार ने मराठी भाषा के उपयोग पर लापरवाही करनेवालों के खिलाफ कार्यवाही और राज्य भाषा के प्रचार प्रसार के लिए महाराष्ट्र राज्य भाषा अधिनियम १९६४ कानून में संशोधन किया है।

इस दौरान सुभाष देसाई ने कहा कि राज्य के सरकारी कार्यालय, अनुदानित स्कूलों एवं सरकार के अधीन विभागों में मराठी भाषा का उपयोग अब अनिवार्य किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक जिले में मराठी भाषा विभाग होगा, जहां तैनात अधिकारी पुरे जिले में काम करेगा। इसके साथ जिले के प्रत्येक कार्यालय में एक अधिकारी को मराठी भाषा के संदर्भ में जिम्मेदारी दी जाएगी।

सार्वजनिक स्थान पर न पढ़ें नमाज!...(पृष्ठ १ का शेष)

के प्रतिबंध के बाद भी समय-समय पर जारी निर्देश भी लागू रहेंगे। इसमें बकरी ईद के निमित्त किसी भी प्रकार की शिथिलिता नहीं दी जाएगी। बकरी ईद के निमित्त नागरिक कहीं भी सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ न करें या एकत्र जमा न हों, कोरोना संक्रमण रोकने के लिए मदद व पुनर्वसन, स्वास्थ्य, पर्यावरण, मेडिकल शिक्षा विभाग सहित संबंधित महापालिका, पुलिस, स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी निर्देश का पालन करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही इस परिपत्र के बाद भी प्रत्यक्ष रूप से इस दौरान कोई निर्देश जारी किए जाते हैं तो उसका पालन करना भी अनिवार्य होगा, ऐसा गृह विभाग ने स्पष्ट किया है।

रेमडेसिवीर इंजेक्शन दिलाने के नाम...(पृष्ठ ४ का शेष)

२१० लोगों से ठगी की है और लगभग ६४ लाख रुपए लूट लिए। गिरोह के पास से १०० से अधिक सिमकार्ड और १८ मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इस मामले में ३ आरोपियों की तलाश जारी है। भारंबे ने बताया कि कुछ सेलिब्रिटी भी बिना जांचे कुछ मैसेज फॉरवर्ड कर देते हैं, ऐसे लोगों से अनुरोध है कि वह जांच करके ही मैसेज फॉरवर्ड करें। गिरोह ने आगामी तीसरी लहर को देखते हुए लोगों को ठगने की तैयारी कर ली थी। विशेषज्ञ ने चेताया था कि कोरोना की तीसरी लहर बच्चों के लिए घातक साबित होगी। ऐसे में बच्चों को किन चीजों की जरूरत होगी, ठगों ने लिस्ट तैयार कर रखी थी। लेकिन इससे पहले कि वे अपने मंसूबे में कामयाब हो पाते मुंबई साइबर पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस के...(पृष्ठ १ का शेष)

भाजपा में सिंह का शामिल होना ऐसे वक्त में हो रहा है जब अगले साल बृहन्मुंबई महानगरपालिका के चुनावों के लिए भाजपा सत्तारूढ.शिवसेना को हराने के संकल्प के साथ 'मिशन २०२२' अभियान पहले ही शुरू कर चुकी है।

'लूट' का पैसा किया वापस!...(पृष्ठ १ का शेष)

सरकार ने कोरोना मरीजों का इलाज कर रहे सभी निजी अस्पतालों के लिए इलाज की रकम की दर तय कर दी थी। हालांकि, महानगरपालिका को शिकायतें मिली थीं कि निजी अस्पताल विभिन्न कारणों से पैसे लूट रहे हैं। इसके बाद मनपा ने एक मेडिकल ऑडिट टीम का गठन किया और ऐसे निजी अस्पतालों की मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए प्रत्येक अस्पताल के लिए एक नोडल अधिकारी तैनात किया था। इसके साथ ही एक शिकायत निवारण प्रकोष्ट भी स्थापित किया गया तथा टास्क फोर्स को निगरानी का काम सौंपा गया था। इन्हें हर मरीज की पेमेंट की जांच करने के लिए भी कहा गया था।

वर्तमान में मनपा क्षेत्र में संचालित ४२ कोरोना अस्पतालों में से जिन ३३ अस्पतालों की शिकायतें मिलीं उनमें से सिर्फ ४ अस्पतालों ने ही सही फीस ली है। बाकी ५ अस्पतालों की कोई शिकायत नहीं मिली है। ऑडिट कमेटी ने कुल १,४२७ मरीजों द्वारा किए गए भुगतान की जांच की है। इन मरीजों से कुल १५ करोड़, ५५ लाख, २९ हजार रुपए लिए गए। इनमें से ३३ अस्पतालों ने २ करोड़, १३ लाख की राशि ज्यादा वसूली थी।

पुलिस के डर...
(पृष्ठ ४ का शेष)

कुरेशी उर्फ जमील टकले (३८) के विरुद्ध गुजरात के वापी में चोरी का एक मामला दर्ज था। उसे पकड़ने के लिए गुजरात पुलिस भिवंडी आई थी। गुजरात पुलिस भिवंडी क्राइम ब्रांच की मदद से आरोपी के घर उसे पकड़ने आई थी। इसी दौरान यह हादसा हुआ। पुलिसकर्मी आरोपी युवक की लाश चादर में उठाकर ले जा रहे थे, तभी उसके परिवार सहित आसपास के लोग बडी संख्या में जमा हो गए और पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। भीड़ से बचने के लिए पुलिसकर्मी वहां से जान बचाकर भाग निकले। घटना की सूचना मिलने पर भारी संख्या में वहां पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस बल के पहुंचने के बाद पंचनामा करके शव पोस्टमॉर्टम के लिए आईजीएम उपजिला अस्पताल भेज दिया गया। इस हमले में उसकी पत्नी एवं भतीजे को भी चोट लगी है। उन लोगों ने आरोप लगाया है कि गुजरात पुलिस ने जमील कुरेशी को चौथी मंजिल की खिड़की से नीचे फेंक दिया और इन लोगों के विरोध करने पर उन्हें भी मारा पीटा है।

दिलीप कुमार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई

मुंबई : भारतीय सिनेमा के सबसे चहेते दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार को बुधवार को यहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्दे खाक कर दिया गया और इस तरह भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत हो गया। दिलीप कुमार का लंबी बीमारी के बाद बुधवार सुबह निधन हो गया। ९८ वर्षीय कुमार को उनकी पत्नी सायरा बानो और अन्य परिजनों की मौजूदगी में अपराह्न ४:४५ बजे सुपुर्दे खाक किया गया।

सांताक्रूज के जुहू कब्रिस्तान में उन्हें अंतिम विदाई दिए जाने के समय तोप से सलामी दी गयी जिसके बाद उनके सम्मान में पुलिस बैंड बजाया गया। कब्रिस्तान के अंदर २५-३० से अधिक लोगों को आने की अनुमति नहीं थी, लेकिन वहां मीडियाकर्मियों और दिलीप कुमार के चाहने वालों का तांता लगा था। पुलिस को करीब १०० लोगों की भीड़ को संभालना पडा।

दिलीप कुमार के अंतिम संस्कार के बाद अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनके पुत्र अभिषेक बच्चन ने जुहू कब्रिस्तान जाकर कुमार को श्रद्धांजलि दी। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार के प्रोटोकॉल के अनुसार कुमार की पार्थिव देह को उनके पाली हिल

स्थित आवास पर तिरंगे में लपेटा गया और फिर उनका जनाजा कब्रिस्तान लाया गया।

उनके आवास पर ६० से अधिक पुलिस वाले थे। कुमार के घर जाने वाली सडक़ पर लोगों को आने से रोकने के लिए पुलिस ने पर्याप्त सुरक्षा बंदोबस्त किये थे।

देश के विभाजन से पूर्व पेशावर (अब पाकिस्तान में) में ११ दिसंबर, १९२२ को यूसुफ खान के रूप में जन्मे कुमार को उनके भावप्रवण अभिनय की बदौलत फिल्मों में 'ट्रैजेडी किंग' की पहचान मिली। दिलीप कुमार की 'सौदागर' और 'करमा' जैसी फिल्मों के निर्देशक सुभाष घई भी अंतिम संस्कार स्थल पर पहुंचे लेकिन कोविड प्रोटोकॉल की वजह से अंदर नहीं जा सके।

इससे पहले दिलीप कुमार के दोस्तों, सहकर्मी और प्रशंसकों ने उनके घर पर जाकर उनके अंतिम दर्शन किये। इनमें धर्मेंद्र, शाहरुख खान, शबाना आजमी, विद्या बालन और निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर आदि शामिल थे।

ऑपेरशन मुस्कान का असर, पुलिस ने १४५ लापता बच्चों को ढूंढ निकाला

मुंबई : मुंबई पुलिस पिछले कई वर्षों से ऑपेरशन मुस्कान चलाती आई है। इस ऑपेरशन के चलते लापता हुए बच्चे एक बार फिर अपने मां-बाप से मिल जाते हैं। जून महीने में ऑपेरशन मुस्कान की वजह से १४५ बच्चों को ढूंढकर उनके परिजनों के हवाले किया गया।

मुंबई पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, जिन बच्चों की लापता रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, ऐसे २३ लड़के व १०५ लड़कियों को ढूंढ निकाला गया। इसके अलावा ३ लड़के और ६ लड़कियों को भी ढूंढ निकाला गया है, जिनका ऑन रिकॉर्ड कोई गुमशुदगी का मामला दर्ज नहीं था। मुंबई की सड़कों पर भीख मांगनेवाले ३ लड़कों और ५ लड़कियों को भी खोज निकाला है। मुंबई पुलिस

१८ साल से कम उम्र के लापता बच्चों के लिए नियमित तलाशी अभियान चलाती है। दिसंबर, २०२० में पुलिस द्वारा ३७४ बच्चों को रेस्क्यू किया गया था। वर्ष २०१५ से अब तक मुंबई पुलिस ने ३,१३५ नाबालिग बच्चे और १८ वर्ष से अधिक लापता महिलाओं को ढूंढ निकाला है। मुंबई पुलिस के प्रवक्ता पुलिस उपायुक्त एस. चैतन्य ने बताया कि अगर कोई बच्चा सिग्नल पर लावारिस अवस्था में भीख मांगते हुए दिखाई दे तो पुलिस को तुरंत सूचित किया जाए। अगर वह घर से दूर है या उसके साथ कोई नहीं है तो इसकी सूचना पुलिस को १०० या हेल्पलाइन १०९८ पर दें। आसपास के घर में या दुकान में नाबालिग काम करते दिखें तो तुरंत पुलिस को सूचित किया जाए। मुंबई पुलिस ने अपनी अपील में कहा कि अगर किसी नाबालिग बच्चे पर संदेह है तो www.trackthemisingchild.gov.in पर जाएं और पोर्टल पर उसकी फोटो अपलोड करें।

छेड़ख़ानी का विरोध करने पर युवती और उसके दोस्तों की पिटाई

मुंबई (संवाददाता) : मुंबई से सटे कल्याण इलाके में एक युवती से छेड़खानी का विरोध करने पर मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट का वीडियो भी वायरल हुआ है। पीड़ित के मुताबिक राहुल गडेकर और बंटी प्रधान नाम का युवक अपनी महिला मित्र के साथ उल्हासनगर से डोंबिवली जा रहे रहे थे। कल्याण के कोलसेवाड़ी पहुंचने के बाद दोनों युवकों ने अपनी महिला मित्र को ऑटो रिक्शा में बैठाकर घर भेज दिया। लेकिन कुछ देर में ही लड़की ने कॉल किया कि रिक्शा चालक उसके साथ बदतमीजी कर रहा है। जिसके बाद दोनों युवकों ने रिक्शे वाले के साथ मारपीट की तो रिक्शा चालक ने भी अपने पहचान वालो को बुला लिया। जिसके बाद स्थानिक लोगों ने युवती और उसके दोस्त के साथ बदसलूकी और मारपीट की। फिलहाल स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। आरोपी फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं।

पुलिस के डर से चौथी मंजिल से आरोपी ने लगाई छलांग, हुई मौत

भिवंडी (संवाददाता) : भिवंडी में क्राइम ब्रांच की मदद से निजामपुर पुलिस स्टेशन अंतर्गत कुरेश नगर में चोरी के एक आरोपी को पकड़ने आई थी। पुलिस को देखते ही आरोपी युवक भागने लगा। इस दौरान चौथी मंजिल की खिड़की से नीचे गिरने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने खिड़की से छलांग लगा दी। युवक की मौत के बाद वहां बडी संख्या में आसपास के लोग जमा हो गए और पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया।

पुलिसकर्मियों को जान बचाकर भागना पड़ा। वहीं आरोपी युवक के परिवार

वालों ने आरोप लगाया है कि सिविल ड्रेस में आई गुजरात पुलिस ने उसे खिड़की से नीचे फेंक दिया। इस घटना को लेकर पुलिस उपायुक्त योगेश चव्हाण ने बताया कि इस मामले की जांच करके दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार, कुरेशनगर का रहने वाला जमील **(पृष्ठ ३ पर)**

रेमडेसिवीर इंजेक्शन दिलाने के नाम पर करते थे ठगी

दबोचा गया 'बिहारी गैंग' ऑनलाइन चलाते थे कारोबार

मुंबई : कोरोना महामारी की दूसरी लहर अब थम सी गई है, पर विशेषज्ञ तीसरी लहर के आने की चेतावनी दे रहे हैं। इसे देखकर सरकार व प्रशासन तो अपनी तैयारी में लगा हुआ है ही, ठगों ने भी 'थर्ड वेब' की तैयारी कर रखी थी। ये वे ठग हैं, जिन्होंने दूसरी लहर में महामारी से परेशान लोगों को खूब लूटा था। पुलिस ने 'बिहारी गैंग' के ऐसे ६ लोगों को धर दबोचा है।

बता दें कि कोरोना की दूसरी लहर ने देश के नागरिकों को काफी परेशान किया है। कोरोना की दूसरी लहर में हर तरफ तनाव का माहौल फैला हुआ था। सोशल मीडिया पर लोगों द्वारा रेमडेसिवीर व ऑक्सीजन सिलिंडर की मांग बढ़ती जा रही थी। ऐसे में सोशल मीडिया पर ठगों का गैंग भी सक्रिय हो गया। साइबर पुलिस ने बिहार से एक ऐसे ही गैंग को गिरफ्तार किया है, जो रेमडेसिवीर इंजेक्शन उपलब्ध कराने के नाम पर लोगों को चूना लगाती थी।

इस गैंग का मुख्य आरोपी 'बीटेक' किया हुआ है। पुलिस ने गिरोह के ६ आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस सह आयुक्त मिलिंद भारंबे ने मीडिया से बातचीत में बताया कि इस गिरोह के सदस्य फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर मैसेज भेजते थे, जिसमें रेमडेसिवीर, ऑक्सीजन सिलिंडर तथा अस्पताल में बेड उपलब्ध करवाने की बात लिखी होती थी। मैसेज के नीचे एक नंबर दिया होता था, जिससे बात करने के लिए कहा जाता था। जरूरतमंद लोग इस नंबर पर फोन करते थे, तो ठग उन्हें आश्वासन देते थे कि उन्हें जल्द-से-जल्द इंजेक्शन या उनकी अन्य मांग पूरी की जाएगी।

इसके लिए वह एडवांस में १५ से २० हजार रुपए लेते थे। पैसे देने के बाद जब जरूरतमंद तक इंजेक्शन की डिलिवरी नहीं होती थी तो लोग फोन करते थे, लेकिन उनका नंबर बंद आता। अब तक इस गिरोह ने **(पृष्ठ ३ पर)**

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : १० अंक : ४७ मुंबई, शुक्रवार, २३ जुलाई से २९ जुलाई २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

लगातार बारिश से महाराष्ट्र में हाहाकार

सेना, नेवी व NDRF ने संभाला मोर्चा, हेलीकॉप्टर से बाढ़ पीड़ितों का रेस्क्यू

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार की अपील के बाद मुंबई में वेस्टर्न नेवल कमांड ने कई रेस्क्यू टीम और हेलिकॉप्टरों को सहायता के लिए भेजा है। रत्नागिरी और रायगढ़ जिलों के लिए कई टीमें रोड के रास्ते ही रवाना हो गई हैं। लोगों को एयरलिफ्ट भी किया जा रहा है।

बारिश की वजह से महाराष्ट्र की महाड की महाड के वीर बडी गांव के पास बीती शाम लैंडस्लाइड भी हुआ है। जिसकी वजह से आसपास के ३० घर चपेट में आए हैं। जानकारी के मुताबिक इस घटना में ७२ लोग लापता हैं, उनको ढूंढने का काम शुरू है। इस बात की जानकारी खुद गांव के सरपंच ने स्थानीय प्रशासन को दी थी। जिसके बाद एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है।

रत्नागिरी जिले में भारी बारिश के चलते शहर की २ नदियां काजली और मुचकुंदी नदी में पानी अपने उफान पर बह रहा है। वहीं मुंबई-गोवा हाईवे पर मौजूद ब्रिटिश कालीन पुल पर वाहनों की आवाजाही भी बंद कर दी गई है। भारी बारिश की वजह से जलजमाव के कारण लांजा शहर में मौजूद हैप्पी ढाबा भी पानी में डूब

चुका है। इतना ही नहीं लांजा शहर के फुट ओवर ब्रिज पर भी पहली बार पानी पहुंच चुका है।

रायगढ़ में बेकाबू होते हालात को देखते हुए जिलाधिकारी निधि चौधरी ने प्रशासन से तीन से चार हेलीकॉप्टर उपलब्ध करवाने की मांग की है। ताकि जो लोग पानी भर जाने की वजह से बीते कई घंटों से छत या अन्य जगहों पर फंसे हुए हैं उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। डीएम ने बाढ़ और भूस्खलन की वजह से ५ लोगों की मौत की पुष्टि की है।

महाराष्ट्र के चिपलुन रायगढ़ और रत्नागिरी में हालात काफी खराब है। इन जगहों पर महाराष्ट्र सरकार ने स्थानीय प्रशासन के साथ एनडीआरएफ की टीमों को भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए तैनात किया है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अगले ३ दिनों (पृष्ठ ३ पर)

'ऑक्सीजन' वाले बयान पर स्वास्थ्य राज्यमंत्री के खिलाफ के.सी. वेणुगोपाल ने पेश किया विशेषाधिकार प्रस्ताव

भारती प्रवीण पवार

नई दिल्ली : देश में कोरोना महामारी की वजह से कई अस्पतालों में बेड की कमी, ऑक्सीजन और जरूरी दवाओं की कमी देखने को मिली थी। कई राज्यों में ऑक्सीजन की भारी किल्लत की वजह से सरकार को आपात ऑक्सीजन ट्रेन तक चलानी पड. गई थी। लेकिन संसद में केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने बयान दिया था कि देश में ऑक्सीजन की किल्लत से किसी की मृत्यु नहीं हुई है। सरकार की ओर से संसद में दिए गए इस बयान पर जमकर हंगामा हुआ और विपक्ष ने सरकार पर तीखा हमला बोला। लेकिन अब कांग्रेस के सांसद केसी वेणुगोपाल ने स्वास्थ्य

केसी वेणुगोपाल

राज्य मंत्री के इस जवाब के खिलाफ राज्यसभा में विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश किया है। (पृष्ठ ३ पर)

नांदेड के उर्दू घर को दिलीप कुमार का नाम दिया जाएगा

मुंबई : नांदेड स्थित उर्दू घर को दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार का नाम दिया जाएगा। राज्य के लोकनिर्माण मंत्री अशोक चव्हाण ने मलिक और अन्य नेताओं की मौजूदगी में बुधवार को उर्दू घर का उद्घाटन किया।

राज्य के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक ने बताया कि नांदेड में सांस्कृतिक केंद्र 'उर्दू घर' का नाम दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार के नाम पर रखा जाएगा। इस मौके पर मलिक ने कहा, दिलीप कुमार न केवल एक कलाकार थे, बल्कि उन्हें कई

भाषाएं भी आती थीं। उन्होंने उर्दू माध्यम से अपनी शिक्षा हासिल की थी। इसलिए सरकार इस उर्दू घर का नाम दिवंगत अभिनेता के नाम पर रखने का फैसला करेगी। (पृष्ठ ३ पर)

पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह समेत ८ लोगों के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज, बढ़ीं मुश्किलें

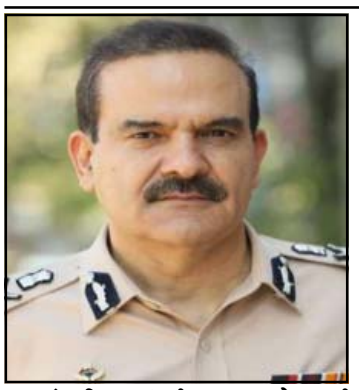

मुंबई : मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परम बीर सिंह के खिलाफ मरीन ड्राइव थाने में एक एफआईआर दर्ज कराई गई है। जानकारी के मुताबिक, ये एफआईआर एक बिजनेसमैन ने कराई है। इस एफआईआर में परम बीर सिंह के खिलाफ रंगदारी लेने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि इस एफआईआर में परम बीर सिंह को मिलाकर कुल ८ लोगों का नाम शामिल है, जिसमें ६ पुलिस और २ आम लोगों का नाम है। पुलिस का नाम इस प्रकार है पूर्व पुलिस कमिश्नर परमवीर सिंह, डिसिपी अकबर पठान, श्रिकांत शिंदे, PI आशा कोरके, नंदकुमार गोपाले, संजय पाटिल, वहीं फिलहाल पुलिस ने दोनों सिविलियन को गिरफ्तार कर लिया है जिनके नाम सुनील जैन और पुनमिया बताए जा रहे हैं।

मुकदमा एक बिल्डर श्याम सुंदर अग्रवाल ने इन सभी पुलिस अधिकारियों और सिविलियन के खिलाफ दर्ज करवाया है। गुन्हा क्र. २९९/२१ के तहत पुलिस ने आईपीसी की धारा ३८७, ३८८, ३८९, ४० ३, ४०९, ४२०, ४२३, ४६४, ४६५, ४६७, ४६८, ४७१, १२० (म), १६६, १६७, १७७, १८१, १८२, १९३, १९५, २०३, २११, २०९, २१०, ३४७, १०९, ११०, १११, ११३ के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

आपको बता दें कि परम बीर सिंह पर पहले से ही करप्शन के आरोप लगे हुए हैं। इन आरोपों के लगने के बाद ही उन्हें उनके पद से बर्खास्त कर दिया गया था। इतना ही नहीं महाराष्ट्र सरकार ने तो परमबीर सिंह के खिलाफ ACB को जांच करने के आदेश दिए हैं। परम बीर सिंह का नाम उस वक्त खूब सुर्खियों में आया था, जब उन्होंने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिखकर राज्य के (पृष्ठ ३ पर)

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

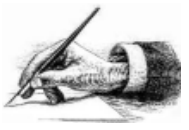

अश्लीलता के विरुद्ध

कारोबारी राज कुंद्रा का विवादों से पुराना नाता रहा है, लेकिन इस बार जिस जुर्म के आरोप में उनकी गिरफ्तारी हुई है, वह यकीनन बेहद संगीन और शर्मनाक है। कुंद्रा पर आरोप है कि वह अश्लील फिल्मों के अंतरराष्ट्रीय कारोबार से जुड़े हुए हैं और मुंबई से लेकर लंदन तक उनका नेटवर्क इसमें सक्रिय रहा है। पुलिस ने इस गुनाह में लिप्त कुछ लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया था और उन लोगों की निशानदेही पर ही कुंद्रा की कथित भूमिका का खुलासा हुआ। बहरहाल, अदालत ने कुंद्रा को २३ जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है और उम्मीद की जानी चाहिए कि अगली सुनवाई में मुंबई पुलिस इस मामले से जुड़े ठोस साक्ष्य अदालत के सामने पेश कर सकेगी। इससे पहले साल २०१२ में भी आईपीएल स्पॉट फिक्सिंग मामले में कुंद्रा की गिरफ्तारी हुई थी, और तब उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स को दो साल का प्रतिबंध भी झेलना पड़ा था। अंततः इस फ्रेंचाइजी के साझीदारों ने कुंद्रा से अपना दामन छुड़ाने में ही भलाई समझी।

राज कुंद्रा की गिरफ्तारी ने चकाचौंध भरी माया नगरी के स्याह पहलू से एक बार फिर हमें रूबरू कराया है, जिसमें नैतिकता के लिए कोई जगह नहीं, कायदे-कानूनों को लेकर कोई भय या सम्मान नहीं है। वरना सफेदपोश लोग ऐसे अपराध क्यों करते? यकीनन, इसके लिए पूरा तंत्र कुसूरवार है। सुशांत सिंह राजपूत की खुदकुशी के मामले में हमने देखा कि किस तरह उससे ड्रग्स पार्टियों, उसके कारोबार से जुड़ी कहानियों का सिलसिला सा चल पड़ा और वह मुकदमा अब तक किसी अंजाम पर नहीं पहुंचा। मामलों के यूं भटक जाने से ही शातिर अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं। अश्लील सामग्रियों के बढ़ते कारोबार के पीछे पुलिस के इस दावे को न मानने की कोई वजह नजर नहीं आती कि लड़के-लड़कियों को बड़ी फिल्मों में काम दिलाने के नाम पर फंसाया जाता और फिर इस दलदल में धकेल दिया जाता था। ब्योरे हैं कि इस मामले के खुलासे के बाद कई लड़कियों, टीवी कलाकारों ने पुलिस में अपने बयान दर्ज कराए हैं।

दरअसल, लॉकडाउन के दौरान ओटीटी प्लेटफॉर्मों की बढ़ी लोकप्रियता और सेंसर बोर्ड जैसा इनका कोई मजबूत नियामक न होने की वजह से ऐसे लोगों का हौसला बढ़ता गया। स्मार्टफोन और इंटरनेट सुविधाओं के विस्तार ने अश्लील सामग्रियों के कारोबारियों के लिए अपार संभावनाएं पैदा कर दी हैं। दिसंबर महीने में ही विशेषज्ञों ने देश में ओटीटी के जरिये पोर्न उद्योग के लगभग ३,८०० करोड़ रुपये सालाना की ऊंचाई छूने का अंदेशा जताया था। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए ही सरकार ने हाल में ओटीटी के लिए नियम-कायदे तय किए हैं। ताजा घटना बताती है कि देश में पोर्न कारोबार में किस स्तर के लोग अब शामिल होने लगे हैं। रातोंरात देश-दुनिया में छा जाने की चाहत तो पहले भी हजारों नौजवानों को मुंबई की धूल फांकने के लिए बाध्य करती थी, लेकिन अब वह उन्हें एक खतरनाक रास्ता दिखा रही है। आसानी से पैसे कमाने का प्रलोभन हमारे समूचे सामाजिक ताने-बाने पर भारी पड़ सकता है। फिर बढ़ते यौन अपराधों में ऐसी सामग्रियों की भूमिका को लेकर भी विशेषज्ञ आगाह करते रहे हैं। ऐसे में, 'मोरल पुलिसिंग' और यौन अपराध के अंतर को समझते हुए अश्लीलता के कारोबारियों को सख्ती से हतोत्साहित करने की जरूरत है।

ईद-उल-फितर के मायने

ईद-उल-फितर के मायने जहां अल्लाह की राह में अपने को तोलने का नाम है, वहां ईद-उल-अजहा के मायने अल्लाह के आगे समर्पण के हैं। हज और ईद-उल-अजहा के मानी भी वही हैं कि अल्लाह की राह में अपना सभी कुछ न्यौछावर कर दो। लेकिन याद रखो कि इस न्यौछावर करने में लोक दिखावा न हो। तुम अपने को औरों से श्रेष्ठ साबित करने के लिए तो ऐसा नहीं कर रहे हो। अगर ऐसा कर रहे हो तो गलत है। महज जानवरों की कुर्बानी करने से किसी की कुर्बानी का जज्बा पूरा नहीं हो जाता। इसकेलिए जरूरी है कि अल्लाह जिन चीजों को नापसंद करता है, वह सभी छोड दो।

हजरत इब्राहीम (अ.) को एक रात ख्वाब आया कि अल्लाह उनसे उनकेअजीज और नूर-ए-चश्म हजरत इस्माइल की कुर्बानी मांग रहा है। अगले दिन हजरत इब्राहीम ने अपना ख़्वाब बेटे हजरत इस्माइल को बताया। बेटे ने उफ नहीं की और अपने अब्बा से फरमाया कि जो हुक्म अल्लाह ने आपको दिया है, आप उसकी तामील कीजिए। इंशाअल्लाह, आप मुझे खरा ही पाएंगे। लेकिन बाप का दिल आखिर बाप का दिल होता है। हजरत इब्राहीम ने सोचा कि कहीं अल्लाह के हुक्म की तामील करते हुए उनके हाथ न कांप जाएं, इस नाते उन्होंने आंख पर पट्टी बांध ली। बेटे को कुर्बान किया लेकिन यह क्या, आंख खोली तो हजरत इस्माइल एक ओर खडे थे और उनके स्थान पर दुम्बा हलाल हुआ पडा था। अल्लाह ने यहां कुर्बानी और उसका जज्बा देखा। हजरत इब्राहीम और हजरत इस्माइल दोनों ही खरे निकले। एक हदीस में आता है कि अल्लाह तुम्हारी शक्ल-ओ-सूरत को नहीं देखता, वह तुह्मारे जिस्म को नहीं देखता बल्कि दिलों को देखता है। हजरत इब्राहीम से जुडे इस वाकये से भी साबित होता है कि अल्लाह को कुर्बानी प्यारी है लेकिन महज जानवरों

बकरी ईद पर विशेष

की नहीं। जानवरों को कुर्बान करना तो केवल एक संकेत भर और प्रतिनिधि मात्र है। जानवरों को कुर्बान करना न तो होड है और न दिखावा। एक हदीस में कहा गया है कि अल्लाह के पास न तो जानवरों का खून जाता है और न गोश्त लेकिन तुम्हारा तकवा उस तक पहुंचता है। कुरबानी का हुक्म सिर्फ मक्का में हज के मौके पर अदा करने का नहीं है बल्कि कुरबानी करने की ताकत करने वाले मुसलमान जहां भी हों, उनको कुर्बानी करनी चाहिए। रिवायत है कि नबी सल्ल.अलैहि वसल्लम जब तक मदीने में रहे, हर साल कुर्बानी करते रहे। कुर्बानी हकीकत में ज४ह अजीम है जो हजरत इस्माइल (अ.) का फिदया तय हुआ था। यह इस बात का इकरार है कि हम अल्लाह की नजर हैं और उसके हुक्म पर अपना सब कुछ कुर्बान कर देंगे। इस नाते यह एक समर्पण है और अल्लाह की राह में अपना सबकुछ न्यौछावर करना है। समर्पण में लोक दिखावा कैसा? कैसा शोर मचाना कि हम इतनी कीमत का बकरा कुरबान कर रहे हैं? बात तो जज्बे की है कि आप किस जज्बे से कुरबानी कर रहे हैं।

अरकान-ए-इसलाम में पांच बुनियादी तालीम आती हैं। कलमा, नमाज, जकात, रोजा और हज। हज का मतलब है-जियारत यानी दर्शन। कहा गया है कि लोगों पर अल्लाह का यह हक है कि जो शक्स इस घर (काबा) तक पहुंच सकता हो, वह उसका हज करे और जिस किसी ने कुफ्र की नीति अपनाई तो वह जान ले कि अल्लाह सारे संसार से बेपरवाह है। हज के लिए जाना अल्लाह की पुकार पर दौडना है। अल्लाह की बारगाह में जाकर हाजिरी देना है। हजरत इब्राहीम (अ) पहले नबी हैं जिन्हें अल्लाह ने सारी दुनिया का इमाम बनाया और उनको आदेश दिया कि वह लोगों में हज का ऐलान कर दें। हजरत इब्राहीम (अ.) और उनके बेटे हजरत इस्माइल (अ.) ने अल्लाह के घर (काबा) की तामीर कराई। काबा का तवाफ (परिक्रमा) भी अपने को अल्लाह की राह में न्यौछावर करना है। माना जाता है कि हज के फर्ज का हुक्म सन ९ हिजरी में आया। दस हिजरी में रसूल-ए-खुदा ने सहाबा की एक बडी जमात के साथ अपनी वफात से दस दिन पहले हज किया था। यह हजतुल विदाअ केनाम से जाना जाता है। अरफात के मैदान में तभी अल्लाह ने कहा कि आज मैने तुह्मारे लिए दीन का पूरा कर दिया और तुम पर अपनी नेमत पूरी कर दी और मैंने पसंद किया कि तुम्हारा दीन इसलाम हो।

हज के बारे में एक बात काबिलेगौर है। एक बार नबी से पूछा गया कि क्या हर साल हज करना फर्ज है? रसूल ने फरमाया कि यदि मैं हां कह देता तो हर साल वाजिब हो जाता और यदि वाजिब हो जाता तो तुम इसको अदा नहीं कर पाते। हज जीवन में एक बार फर्ज है और जो इससे अधिक करे वह नफल है। यदि हज करने के लिए धन हो, वह अपने घरवालों के खाने-पीने का प्रबंध कर सके और सफर का खर्च उठा सके तो उस पर हज वाजिब है। यही नहीं, सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के बाद ही हज करने को भी उलेमा कहते हैं। दीन और दुनिया का जो रिश्ता है, वह हज और ईद-ए-कुर्बा का अहम सबक है। अल्लाह की बारगाह में जाओ तो बस उसके हो जाओ।

क्राइम ब्रांच को हाथ लगा राज कुंद्रा के घर का सर्वर, जब्त हुए पीए उमेश कामत के बनाए ९० पॉर्न वीडियोज

मुंबई : पॉर्न फिल्म रैकेट मामले में राज कुंद्रा और उनका दाहिना हाथ माने जाने वाले मुख्य आरोपी उमेश कामत फिलहाल पुलिस की गिरफ्त में हैं। बताया जाता है कि इस मामले की छानबीन में जुटी क्राइम ब्रांच को आरोपी उमेश कामत द्वारा बनाए गए ९० वीडियोज मुंबई क्राइम ब्रांच के हाथ लगे हैं। क्राइम ब्रांच ने राज कुंद्रा के घर पर रेड मारा और उन्हें सर्वर भी हाथ लगा है।

क्राइम ब्रांच सुत्रों के मुताबिक, कामत ने ये सभी वीडियोज अलग-अलग प्रोडक्शन हाउस की मदद से बनाया था। इसके अलावा हॉट शॉट ऐप पर अपलोड किए गए २० मिनट से ३० मिनट तक के कुल ९० वीडियोज भी क्राइम ब्रांच के हाथ लगे हैं।

मुंबई क्राइम ब्रांच ने हुई पूछताछ के दौरान राज कुंद्रा को उन वीडियो से कन्फ्रंट किया जो उमेश कामत ने यूके बेस्ड प्रॉडक्शन कंपनी केनरिन को भेजे थे। पुलिस ने सर्वर को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि केनरिन के लिए क्या वह खुद पॉर्नोग्राफिक मटीरियल अपलोड किया करते थे। हालांकि, पूछताछ के दौरान राज कुंद्रा लगातार दावा कर रहे हैं कि वह पॉर्न वीडियोज नहीं बल्कि अन्य ओटीटी प्लैटफॉर्म पर आने वाले

अन्य इरॉटिक वीडियोज की तरह वीडियोज बनाते थे। हालांकि कडी पूछताछ के दौरान राज कुंद्रा का साथी और आईटी हेड रायन थोर्पे टूट गया और उसने जांच अधिकारियों को बताया कि इस पूरे रैकेट में उसका रोल था कुंद्रा। उनका काम अन्य स्टाफ को यह बताना था कि किस तरह से टेक्निकल चीजों से एहतियात बरतकर वो कानून से बच सकते हैं।

बताया जाता है कि आज राज कुंद्रा के दो ऑफिस वियान इंडस्ट्रीज लिमिटेड और एलजी स्ट्रीमिंग पर छापेमारी की गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने स्ट्रगलिंग मॉडल, ऐक्ट्रेसेस और अन्य लडकियों की स्थिति का लाभ उठाया और उन्हें अश्लील फिल्मों में काम करने को बाध्य किया। पुलिस ने कहा कि इन फिल्मों की शूटिंग के लिए मुंबई में बंगले भाड़े पर लिए जाते थे।

राज कुंद्रा ने उगला सच- रोजाना लाखों का लेनदेन, ऐसे पहुंचता था पर्सनल खाते में पैसा

मुंबई : पॉर्न फिल्म केस में गिरफ्तार हुए बिजनसमैन राज कुंद्रा को लेकर नया अपडेट सामने आया है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने राज से काफी सवाल-जवाब किए जिसमें उन्होंने रोजाना लाखों के ट्रांजेक्शन को लेकर खुलासा किया है। अधिकारियों ने राज से बैंक अकाउंट में हर रोज लाखों के ट्रांजेक्शन को लेकर पूछताछ की। इस पर राज ने बताया कि फरवरी २०१९ में उन्होंने आर्म्स प्राइम मीडिया लिमिटेड नाम की एक कंपनी बनाई थी और हॉटशॉट्स नाम के ऐप को डेवलप किया था।

राज ने आगे बताया कि इसके बाद उन्होंने इस ऐप को केनरिंग नाम की कंपनी को २५ हजार डॉलर में बेच दिया था लेकिन हॉटशॉट्स ऐप के मेनटेनेंस के लिए केनरिंन कंपनी से उनकी कंपनी विआन ने टाइ-अप किया था। इसी मेनटेनेंस के लिए लाखों रुपये का ट्रांजेक्शन विआन कंपनी के १३ बैंक अकाउंट्स में होता था।

क्राइम ब्रांच के सूत्रों के मुताबिक, हॉटशॉट्स पर सब्सक्राइबर्स के जरिए होनेवाली मोटी कमाई की रकम को मेनटेंनेस के नाम पर ट्रांजेक्शन दिखाना Modus Operandy थी। मेनटेनेंस के नाम पर करोड़ों रुपयों का ट्रांजेक्शन यूके बेस्ड केनरिंग कंपनी से राज कुंद्रा की कंपनी के १३ बैंक अकाउंट्स में होता था। फिर कुछ सेल कंपनीज में ये पैसा घुमाया जाता था और आखिर में पैसे राज के पर्सनल बैंक अकाउंट में आ जाते थे।

क्राइम ब्रांच ने राज और उनकी कंपनी विआन से जुड़े सभी बैंक अकाउंट्स में बड़े पैमाने पर ट्रांजेक्शन को लेकर फरेंसिक ऑडिट करने की तैयारी की है। केनरिंग कंपनी के सीईओ प्रदीप बख्शी को वॉन्टेड आरोपी बताते हुए एलओसी जारी किया गया है।

थर्ड एसी में भी होगी ८३ बर्थ वाले इकॉनमी क्लास

मुंबई : भारतीय रेलवे में कुछ सालों से लगातार परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। प्राइवेट ट्रेन और सेमी हाई स्पीड ट्रेन चलाने की बात हों या कमाई के लिए कुछ नए तरीकों को ईजाद करना, रेलवे समय के साथ अपडेट होती जा रही है। बहरहाल, अब रेलवे थर्ड एसी जैसे नए श्रेणी के कोच बनाने जा रही है, जिसे इकॉनमी एसी क्लास का नाम दिया जाएगा। इसका किराया स्लीपर से ज्यादा और थर्ड एसी से कम होगा। सूत्रों की मानें, तो २३ डिब्बों की ट्रेनों में एसी के डिब्बे पहले जितने ही होंगे, लेकिन स्लीपर कोच की संख्या कम करके नई श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे। अगर रेलवे की इस नई योजना पर यकीन किया जाए, तो समझ लीजिए कि स्लीपर श्रेणी के डिब्बे कम किए जा रहे हैं। रेल अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक भारतीय रेलवे जो ८०६ वातानुकूलित थ्री टीयर इकॉनमी क्लास के कोच तैयार कर रही है। इनमें से वर्तमान में ट्रायल के तौर पर २५ कोच संचालन में हैं। इनमें से १० कोच पश्चिम रेलवे में, ७ उत्तर मध्य रेलवे, ५ उत्तर पश्चिम रेलवे और ३ उत्तर रेलवे में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। सूत्रों की मानें, तो जिन रूट पर सबसे ज्यादा डिमांड होती है या यात्री पैसे खर्च करने को तैयार होते हैं, वहां इस श्रेणी के कोच लगाने की सुविधा पहले दी जाएगी।

लगातार बारिश से महाराष्ट्र में ...(पृष्ठ १ का शेष)

तक राज्य के सभी अधिकारियों को सतर्क रहने का आदेश दिया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले ३ दिन भारी बारिश हो सकती है। खास तौर पर कोंकण इलाके में मौसम विभाग में रेड अलर्ट घोषित किया है। फिलहाल मुंबई में बारिश का जोर नहीं है। अब मौसम विभग ने मुंबई के लिए भी ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। यहां कई जगहों पर भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा अगले दो दिन यानी कि २४ और २५ जुलाई के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। बारिश की वजह से मुंबई में पहले ही कई जगहों पर जलजमाव की स्थिति का असर ट्रैफिक और रेलवे पर पडा है। बारिश के कहर से महाराष्ट्र कोल्हापुर शहर भी नहीं बचा है। यहां भी चिखली इलाके में भारी बारिश की वजह से लोगों के घरों में पानी भर गया है। बाढ.में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में एनडीआरएफ की टीम लगातार जुटी हुई है। रस्सियों और नाव के जरिए लोगों को घरों से सुरक्षित बाहर निकाला जा रहा है।

'ऑक्सीजन' वाले बयान पर स्वास्थ्य...(पृष्ठ १ का शेष)

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री के ऑक्सजीन वाले बयान पर लगातार हंगामा हो रहा है और इसको लेकर सियासी पारा भी काफी बढ़ गया है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने कहा कि किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश ने ऑक्सीजन की कमी से किसी भी मरीज की मौत होने की जानकारी नही दी है। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि कोरोना की पहली लहर की तुलना में दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की मांग काफी बढ़ गई और यह ३०९५ मीट्रिक टन से बढक़र ९००० मिट्रिक टन तक पहुंच गई थी। सरकार की ओर से दिए गए इस बयान के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर तीखा तंज करते हुए ट्विटर पर निशाना साधा था। उन्होंने ट्वीट करके लिखा था कि सिर्फ ऑक्सीजन की कमी नहीं थी, संवेदनशीलता व सत्य की भारी कमी तब भी थी, आज भी है। वहीं केसी वेणुगोपाल ने कहा कि मैं हैरान हूं कि सरकार कह रही है कि ऑक्सीजन की कमी से किसी की मौत ही नहीं हुई। गलत जानकारी देकर सदन को गुमराह किया गया है।

मुंबई के माहिम क्षेत्र में एनसीबी...(पृष्ठ ४ का शेष)

गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान एजेंसी के अधिकारियों ने आरोपी के पास से हशीश जब्त किया और कहा कि मामले की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी युवाओं को ड्रग्स की आपूर्ति करता था। एनसीबी के अधिकारियों ने क्षेत्र में कुछ किशोरों को ड्रग्स लेते हुए भी पाया। अधिकारी ने कहा कि बच्चों के मां बाप को इसकी जानकारी दी गई और उन्हें ड्रग्स के नुकसान के बारे में बताया गया।

नांदेड के उर्दू घर को दिलीप कुमार...(पृष्ठ १ का शेष)

मंत्री ने कहा, मैं जहां भी जाता हूं, लोग मुझसे पूछते हैं कि उर्दू अकादमी कब अस्तित्व में आएगी। चूंकि राज्य की सरकार में तीन दल शामिल हैं, हम तब तक कुछ नहीं कर सकते जब तक कि सर्वसम्मति से निर्णय नहीं लिया जाता। जब कभी भविष्य में कोई उर्दू अकादमी अस्तित्व में आती है तो हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उर्दू के विद्वान इस परियोजना में शामिल हों। राज्य में अल्पसंख्यकों के लिए अधिक बजट के आवंटन की आवश्यकता व्यक्त करते हुए चव्हाण ने कहा, अल्पसंख्यक विभाग का बजट लगभग ३५० करोड़ रुपये है, जो कम है। आवंटन को बढाकर १,००० करोड.रुपये किया जाना चाहिए और मैं इस मुद्दे को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के समक्ष उठाऊंगा।

पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह समेत... (पृष्ठ १ का शेष)

पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर १०० करोड़ रुपए की वसूली करने के आरोप लगाए थे। महाराष्ट्र की सियासत में आ गया था भूचाल परमबीर सिंह ने अपने खत में बताया था कि अनिल देशमुख ने सचिन वाजे को वसूली के लिए कहा था। अनिल देशमुख ने वाजे को १०० करोड़ रुपए की वसूली के टारगेट को पूरा करने के लिए मुंबई में मौजूद १७५० बार और रेस्टोरेंट से पैसे वसूलने को कहा था। इन खुलासों के बाद तो महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल आ गया था। इसके बाद ही परमबीर सिंह को मुंबई पुलिस कमिश्नर के पद से हटा दिया गया था।

प्लास्टिक थैलियों... (पृष्ठ ४ का शेष)

तेज बहाव के साथ खाड़ी में बहकर जा रही हैं। इससे न केवल खाड़ी में प्रदूषण बढ़ रहा है, बल्कि समुद्री जीव-जंतुओं तथा आम आदमी के जीवन पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

ठाणे मनपा क्षेत्र अंतर्गत २७ किमी लंबी खाड़ी के संवर्धन हेतु वाटर फ्रंट डेवलपमेंट योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत खाड़ी किनारा पट्टी के सुशोभीकरण का काम किया जा रहा है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुंब्रा तथा रेतीबंदर खाड़ी के आसपास चौपाटी के विकास का काम चल रहा है, पर प्लास्टिक नामक भस्मासुर को रोकना अब बेहद जरूरी हो गया है। नालों के रास्तों से बड़ी संख्या में प्लस्टिक के कचरे खाड़ी में बहकर जा रहे हैं, यह पर्यावरण के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। यह विचार पर्यावरण विशेषज्ञ सचिन टेमकर ने व्यक्त किया है।

राज ठाकरे का कार्यकर्ताओं को ऑफर

अच्छा काम करो, घर पर खाना खाने आऊंगा

पुणे : पुणे महानगर पालिका के चुनाव को देखते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे फिलहाल पुणे शहर के दौरे पर हैं। कार्यकर्ताओं से बातचीत के दौरान उन्होंने मनसे द्वारा किए गए कामों का जायजा लिया। इसके अलावा उन्होंने तमाम कार्यकर्ताओं को एक जबरदस्त ऑफर भी दिया। राज ने कहा कि आप सभी लोग अच्छा काम करें मैं, आपके घर पर खाना खाने आऊंगा। राजनीति में हर कार्यकर्ता यह जरूर चाहता है कि उसके घर पार्टी का सर्वश्रेष्ठ नेता आए। फिलहाल राज के इस प्रस्ताव की चर्चा सभी कार्यकर्ताओं में है।

नासिक के बाद पुणे के दौरा : नासिक का दौरा खत्म होने के बाद राज ठाकरे सोमवार को पुणे में दाखिल हुए। दूसरे दिन यानी मंगलवार को पुणे शहर में राज ठाकरे ने तमाम पदाधिकारियों के साथ बैठक होनी है। उन्होंने सोमवार को भी पदाधिकारियों के

साथ बैठक की थी। इस मौके पर राज ठाकरे ने सभी चुनाव क्षेत्रों की जानकारी ली। इसके अलावा आम जनता की समस्याएं होने का राजनीतिक माहौल जनता के मन में क्या चल रहा है, इस बात की भी पूछताछ राज ठाकरे ने की। उन्होंने कहा कि पुणे महानगरपालिका में मनसे के कार्यकर्ताओं की तरफ से बेहतरीन काम होना चाहिए। ताकि मैं उनके घर भोजन पर आ सकूं। कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए राज ठाकरे ने उन्हें यह ऑफर दिया है।

नई ऊर्जा का संचार : कॉर्पोरेशन चुनाव के इस मौके पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के शाखा अध्यक्षों में नई ऊर्जा का संचार करने के लिए राज ठाकरे ने यह नया दांव चला है। ताकि शहर में पार्टी का संगठन मजबूत रहे जिसका फायदा चुनाव में पार्टी को हो सके। दूसरी तरफ मनसे विद्यार्थी सेना का अध्यक्ष पद छोड़कर आदित्य शिरोडकर ने शिवसेना में प्रवेश कर लिया है। ऐसे में राज ठाकरे के सामने विद्यार्थी सेना को फिर से मजबूत करने का भार भी है।

तंबाकू-गुटखा पर बढ़ा प्रतिबंध, अब एक साल तक खरीद और बिक्री पर रोक

मुंबई : महाराष्ट्र की सरकार ने स्वादिष्ट व सुगंधित तंबाखू, सुगंधित सुपारी, गुटखा, खर्रा, पान मसाला, मावा जैसे पदार्थों पर प्रतिबंध लगा रखा है, फिर भी यह खुले आम बिक कर रहा है। सोमवार को राज्य की महाविकास आघाडी सरकारी ने मिश्रण से तैयार किए जाने वाले स्वादिष्ट व सुगंधित तंबाखू, सुगंधित सुपारी, गुटखा, खर्रा, पान मसाला, मावा जैसे पदार्थों पर २० जुलाई से अगले एक साल के लिए प्रतिबंध बढा दिया है।

आदेश के अनुसार, इन पदार्थों के उत्पादन, भंडारण, वितरण, परिवहन और बेचने पर रोक जारी रहेगी। एक बढाने के पीछे राज्य के खाद्य व औषधि प्रशासन (एफडीए) के खाद्य सुरक्षा आयुक्त परिमल सिंह ने खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम के तहत लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया है। अधिसूचना के

अनुसार, सरकार ने २० जुलाई २०२० से एक साल के लिए उक्त पदार्थों पर प्रतिबंध बढा दिया।

८ साल में जब्त किया २८२ करोड़ का गुटखा

महाराष्ट्र ने सन २०१२ में गुटखा व सुगंधित तंबाखू जैसे अन्य पदार्थों पर प्रतिबंध लगा रखा है लेकिन दूसरे राज्यों से वाहनों और अन्य परिवहन साधनों से गुटखा लाकर स्थानीय बाजारों में चोरी छिपे बेचे जाते हैं। साल २०१२-१३ से २०२०-२१ तक २८२.८७ करोड़ रुपये का प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किए गए हैं। करीब ६४९६ एफआईआर दर्ज किए गए हैं, जबकि ६८८२ मामलों में अदालत में मामला दाखिल किया गया है।

मुंबई में पुलिस कॉलोनी में कांस्टेबल ने की आत्महत्या

मुंबई : यहां कलीना उपनगर में स्थित पुलिस क्वार्टर में ३० वर्षीय एक कांस्टेबल ने कथित रूप से अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक कांस्टेबल निखिल शंकर मोरे मुंबई पुलिस की मरोल 'लोकल आर्म्स' शाखा में तैनात था।

उसकी पत्नी भी पुलिस कर्मी है और उसी विभाग में तैनात है। अधिकारी ने कहा कि दंपति का एक पांच महीने का बच्चा भी है। उन्होंने कहा कि घटना सोमवार दोपहर को प्रकाश में आई जब मोरे के पड़ोसियों को उसके फ्लैट से गंध आने लगी और उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी।

स्थानीय पुलिस की एक टीम

घटनास्थल पर पहुंची तो उसने मोरे को पंखे से लटका हुआ पाया। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि मोरे पिछले कुछ महीनों से फ्लैट में अकेले रह रहा था।

उन्होंने कहा कि बच्चा होने के बाद से मोरे की पत्नी अपने माता पिता के घर रह रही है। प्रारंभिक जांच के आधार पर वकोला पुलिस ने दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया और आगे की जांच जारी है।

मुंबई के माहिम क्षेत्र में एनसीबी का अभियान, ड्रग्स बेचने के आरोप में एक गिरफ्तार

मुंबई : स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने मुंबई के माहिम क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर युवाओं को ड्रग्स बेचता था। एजेंसी के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के निवासियों ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध कई बार शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद एनसीबी के जोनल निदेशक समीर वानखेड़े के नेतृत्व में शनिवार को अभियान चलाया गया। अधिकारी ने कहा कि एनसीबी की एक टीम ने क्षेत्र में ड्रग्स बेचने वाले वसीम शमीम नागौर को माहिम तट पर पकड़ा और बाद में उसे **(पृष्ठ ३ पर)**

प्लास्टिक थैलियों से पानी प्रदूषित!

खाड़ी के पर्यावरण को पहुंचा रहा है नुकसान

ठाणे : प्रदूषण के बढ़ते स्तर से निपटने तथा खाड़ी की सुरक्षा तथा संवर्धन के लिए मनपा द्वारा मल निस्सारण जैसे प्रकल्प के माध्यम से खाड़ी में शुद्ध पानी छोड़ा जा रहा है। इसके बावजूद खाड़ी में प्रदूषण बढ रहा है। प्रतिबंध के बावजूद गैर जिम्मेदार लोगों द्वारा जो प्लास्टिक की थैलियां नालों में फेंकी जा रही हैं, नालों की साफ-सफाई के बावजूद कुछ मात्रा में थैलियां **(पृष्ठ ३ पर)**

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : १० अंक : ४९ मुंबई, शुक्रवार, ६ अगस्त से १२ अगस्त २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

बाढ़ पीड़ितों को रु. ११,५०० करोड़ का पैकेज!

महाविकास आघाड़ी सरकार का मानवीय फैसला

मुंबई : पिछले डेढ़ साल में महाराष्ट्र में कई तरह की प्राकृतिक आपदाएं आई हैं और कोरोना संकट के बावजूद राज्य सरकार ने पीड़ितों को बेसहारा न छोड़कर उनकी हरसंभव मदद की है।

इसी क्रम में राज्य मंत्रिमंडल ने ११,५०० करोड़ रुपए की मदद करके बाढ़ पीड़ितों के आंसू पोछने का प्रयास किया है, ऐसा कल मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा। बता दें कि बाढ़ के कारण भारी नुकसान हुआ है। किसान, व्यापारी, दुकानदार, आम नागरिक, कारीगर सभी को झटका लगा है। परिस्थिति की गंभीरता को देखते हुए महाविकास आघाड़ी सरकार ने मानवीय निर्णय लेते हुए ११,५०० करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा की है। इस निधि में से मदद के लिए १,५०० करोड़ रुपए, पुनर्निर्माण कार्य के लिए ३,००० करोड़ रुपए और प्रभावित क्षेत्रों में किए जानेवाले उपायों के लिए ७,००० करोड़ रुपए खर्च करने की मंजूरी दी गई है।

सानुग्रह अनुदान : बाढ़ के कारण ४८ घंटे से ज्यादा समय से पानी में डूबे मकानों में नष्ट हुए कपड़ों और बर्तनों के नुकसान का भी खयाल रखा गया है। उन क्षेत्रों की संचारबंदी शर्तों को शिथिल करके प्रति परिवार ५००० रुपए कपड़ों के नुकसान के लिए और घरेलू बर्तनों के नुकसान के लिए ५,००० रुपए दिए जाएंगे।

पशुधन नुकसान की भरपाई : दूध देनेवाले पशुओं के नुकसान पर प्रति पशु ४०,००० रुपए, माल ढोनेवाले पशुओं के लिए २० से ३० हजार रुपए, भेंड/बकरी/सूअर के लिए ४,००० रुपए (पृष्ठ ३ पर)

बाढ़ राहत के लिए दान देते समय फर्जी संगठनों से सावधान रहें : महाराष्ट्र पुलिस

मुंबई : महाराष्ट्र पुलिस ने शुक्रवार को आगाह किया कि धोखाधडी करने वाले लोग फर्जी संगठन बनाकर बाढ़ पीडितों की मदद के नाम पर ऑनलाइन माध्यमों से दान एकत्र कर रहे हैं।

पुलिस की साइबर शाखा ने एक परामर्श में कहा कि ऑनलाइन माध्यम से किसी भी संगठन को दान देते समय पूरी तरह सावधानी बरतनी चाहिए। इसके मुताबिक, कई संगठन पिछले सप्ताह आई बाढ.और भूस्खलन से पीडित लोगों की सहायता के लिए कार्य कर रहे हैं और लोगों से सोशल मीडिया के जरिए मदद मांग रहे हैं।

परामर्श के मुताबिक, साइबर धोखाधडी करने वाले लोग इसका फायदा उठाकर फर्जी एनजीओ और धर्मार्थ ट्रस्ट बनाकर पैसे एकत्र कर रहे हैं। इसके मुताबिक, ऐसे लोगों द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक खाते उनके निजी अकांउट होते हैं, ऐसे में ऑनलाइन दान देने के दौरान सतर्कता बरतें।

मुंबई में अब ट्रैफिक पुलिस गाड़ी रोककर चेक नहीं करेगी दस्तावेज, नया आदेश जारी

हेमंत नगराले साहेब
मुंबई पुलिस आयुक्त

मुंबई : मुंबई के पुलिस आयुक्त हेमंत नगराले ने मुंबई ट्रैफिक पुलिस के लिए नया आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत ट्रैफिक पुलिसकर्मी अब सड़कों पर वाहनों को रोककर चालकों से दस्तावेज संबंधी पूछताछ नहीं कर सकते। इस आदेश का मकसद ऐसी कार्रवाई से सडक़ों पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से शहरवासियों को मुक्ति दिलाना है।

हालांकि, पुलिस आयुक्त ने इस आदेश में कहा है कि ट्रैफिक पुलिस को विशेष परिस्थिति में या ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने की स्थिति में दोषी वाहन चालकों के खिलाफ कानूनी जांच या नाकाबंदी कर वाहनों की जांच करने का अधिकार होगा।

इस तरह की कार्रवाई में ट्रैफिक को रोका जा सकता है। लेकिन इसके लिए बिना अलग से इंतजाम या वैकल्पिक व्यवस्था (पृष्ठ ३ पर)

जीका वायरस का संक्रमण नहीं फैले इसे लेकर कदम उठाए जा रहे हैं : टोपे

मुंबई : महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बुधवार को कहा कि तीन सदस्यों वाला एक केंद्रीय दल पुणे जिले में है, जहां हाल में एक महिला जीका वायरस से संक्रमित पाई गई थी। उन्होंने लोगों से नहीं घबराने की अपील की।

राज्य स्वास्थ्य विभाग ने पिछले सप्ताह कहा था कि मच्छर जनित यह बीमारी न फैले, इसके लिए कदम उठाए जा रहे हैं। ५० वर्षीय महिला संक्रमित पाई गई थी और राज्य में यह जीका संक्रमण का पहला ज्ञात मामला है। हालांकि, महिला पूरी तरह से ठीक हो गई है।

टोपे ने कहा कि पुणे के पुरंदर तालुका के एक गांव में जीका वायरस के संक्रमण की पुष्टि होने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा भेजा गया विशेषज्ञों का एक दल स्थिति की समीक्षा करने के लिए जिले के दौरे पर है। उन्होंने लोगों से नहीं घबराने की अपील करते हुए कहा, ''मच्छरों के पनपने वाली जगहों को साफ.किया जा रहा है और मरीजों की हालत पर निगरानी रखी जा रही है। संक्रमण का प्रसार न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।''

तीन सदस्यों वाले इस दल में पुणे के क्षेत्रीय निदेशक कार्यालय से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली की एक स्त्री रोग विशेषज्ञ और राष्ट्रीय मेलेरिया अनुसंधान संस्थान (एनआईएमआर) के कीट विज्ञानी हैं।

राज्य सरकार की एक चिकित्सकीय टीम ने शनिवार को गांव का दौरा कर सरपंच और ग्राम पंचायत के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें बचाव व रोकथाम के कदमों के बारे में बताया।

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

डेल्टा वेरिएंट

चीन के जिस वुहान शहर से कोविड-१९ वायरस पूरी दुनिया में फैला, वहां अब डेल्टा वेरिएंट के मामलों का मिलना बताता है कि इस महामारी को लेकर किस स्तर की सावधानी बरतने और कितनी व्यापक चिकित्सा तैयारियों की जरूरत है। खबर है कि चीन के कई प्रदेशों में डेल्टा वेरिएंट मिले हैं, बल्कि हुन्नन प्रांत के एक शहर को तीन दिनों के लिए सख्त लॉकडाउन के हवाले करना पड़ा है। साल २०१९ के मध्य में ही चीन में कोविड-१९ का पहला मामला सामने आया था, लेकिन महीनों तक उसने इसकी परदापोशी की, बल्कि आज तक कर रहा है, और इंसानी दुनिया उसकी कीमत चुका रही है। बेशक, उसके पास संसाधनों की कमी नहीं है और वह वुहान के एक-एक व्यक्ति की जांच करने और जरूरतमंदों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने में सक्षम है, लेकिन दुनिया के अन्य देश ऐसी स्थिति में नहीं हैं। पिछले दो साल में कई देशों की माली हालत दयनीय हो चुकी है। ऐसे में, बार-बार कोरोना की लहरें आती रहीं, तो उनके लिए खड़ा हो पाना मुश्किल होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अलावा तमाम महामारी विज्ञानी आगाह करते आ रहे हैं कि इस महारोग पर पूर्ण नियंत्रण पाने में अभी कई वर्ष लगेंगे, इसलिए दुनिया को कुछ सावधानियों के साथ ही आगे बढ़ना होगा। विडंबना यह है कि विकसित मुल्कों के शिक्षित लोग भी नागरिक आजादी की आड़ में महामारी की गंभीरता की अनदेखी कर रहे हैं। दुनिया के कई सारे मुल्कों को अब तक वैक्सीन की एक खुराक भी नहीं मिल सकी है, वहीं अमेरिका में करोड़ों लोगों ने अपने नागरिक अधिकारों का इस्तेमाल कर इससे दूरी बना रखी है। अब जब वहां फिर से संक्रमण में तेज वृद्धि दिख रही है, तब पाया गया है कि अस्पतालों में दाखिल होने वाले ९७ फीसदी से भी अधिक इसी तबके के लोग हैं, जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई।

चीन और अमेरिका दुनिया में सबसे अधिक पूर्ण टीकाकरण करने वाले देशों में हैं, तब वहां महामारी पर काबू पाने में इतनी दुश्वारियां पेश आ रही हैं। ऐसे में, भारत जैसे देश को खास सतर्कता बरतनी होगी, क्योंकि विशाल आबादी, सघन जनसंख्या और अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं पहले से इसकी बड़ी चुनौतियां हैं। अभी भी यहां बमुश्किल आठ फीसदी लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो सका है। ऐसे में, अब जब स्कूल-कॉलेज खुल रहे हैं और तमाम कारोबारी संस्थान अपना काम करना शुरू कर चुके हैं, तब विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। और यह काम कार्यपालिका का है। मगर हम नहीं भूल सकते कि इसके लिए भी कई बार न्यायपालिका को हस्तेक्षप करना पड़ा है। निस्संदेह, हमारा तंत्र चीन की तरह काम नहीं कर सकता, लेकिन अगले कई महीनों तक हमें सख्त निगरानी करनी पडेग़ी, क्योंकि तीसरी लहर की आशंकाएं चीन और अमेरिका के ताजा उदाहरणों से गाढ़ी हुई हैं। वह भी तब, जब हम दूसरी लहर से ही अभी उबर नहीं पाए हैं। आठ राज्यों में पॉजिटिव मामलों की दर १० फीसदी से ज्यादा है। इसलिए बेफिक्री और संकीर्ण सियासत के बजाय यह समय महामारी को लेकर संवेदनशील नजरिया अपनाने का है। हमें तेजी से अधिकाधिक लोगों का टीकाकरण करना होगा। डब्ल्यूएचओ चेता चुका है कि जब तक दुनिया के किसी खित्ते में कोविड वायरस सक्रिय हैं, कोई देश या सरकार निश्चिंत नहीं हो सकती। वुहान के नए मामले इसकी तस्दीक करते हैं।

कोरोना वायरस को हराने के लिए रखें फेफड़ों को फिट!

कोरोना वायरस की दूसरी लहर बेहद खतरनाक साबित हुई है। कोविड-१९ का नया स्ट्रेन लोगों के फेफड़ों पर तेजी से वार कर उन्हें डैमेज कर रहा है। पहली लहर के मुकाबले ये वायरस सभी उम्र के लोगों को अपना शिकार बना रहा है। इस बार सांस लेने में तकलीफ और ऑक्सीजन स्तर के गिरने के कई मामले देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में फेफड़ों को मजबूत रखने की जरूरत हो गई है।

फेफड़ों को स्वस्थ और सामान्य रूप से काम करने के लिए आपके फेफडों को एक्सरसाइज की जरूरत होती है। फेफड़े शरीर को ऑक्सीजन देने का काम करते हैं। शरीर में हर काम ऑक्सीजन पर निर्भर करता है, जिसमें कोशिकाओं के चयापचय कार्य भी शामिल हैं। कुछ ऐसी एक्सरसाइज. हैं, जो आपको सांस लेने में और ऑक्सीजन के बेहतर अवशोषण में मदद करती हैं। ये एक्सरसाइज आपके फेफडों को वायुप्रवाह और ऑक्सीजन लेवल को मैनेज करने में अधिक कुशल बनाने के तरीके प्रदान करते हैं। कई लोग मजबूत फेफड़ों के लिए एक्सरसाइज के बारे में जानना चाहते हैं। यहां आपके फेफडों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए ८ आसान व्यायामों के बारे में बताया गया है।

आज हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं, जिससे आप अपने लंग्स मजबूत कर सकते हैं। सबसे पहले तो आपको श्वसन योग करने हैं, उसके अलावा कुछ घरेलू उपाय भी हैं जिनसे आप अपने फेफडों को मजबूती दे सकते हैं।

सांस रोकने की एक्सरसाइज

इस एक्सरसाइज के लिए पहले गहरी सांस लें, जब फेफड़े फूल जाएं, तो सांस को जितना लंबा रोक सकते हैं रोक कर रखें। इस समय को नोट करें और दिन में कोशीश करें कि हर बार २-३ सेकंड बढाएं। अगर आप २५ सेकंड के ऊपर सांस रोक लेते हैं, तो इसका मतलब ये है कि आपके फेफड़ो में किसी तरह की दिक्कत नहीं है। वहीं, अगर आप सांस को ३० सेंकड के लिए रोक पाते हैं, तो मतलब आपके फेफड़े स्वस्थ हैं।

डाइट में करें ये बदलाव

डॉ. अरविंद कुमार का कहना है कि क्योंकि शरीर एक वायरस से लड़ रहा होता है इसलिए उसे रिपेयर के लिए हाई प्रोटीन की बेहद जरूरी होता है। जो लोग नॉन-वेज खाते हैं, वे चिकन, मटन और फिश का सेवन कर सकते हैं, लेकिन उसमें तेल और घी की मात्रा कम रखें। जो लोग सिर्फ अंडा खाते हैं, तो वह भी अच्छा है, अंडे में भी प्रोटीन होता है। जो लोग शाकाहारी हैं, उनके लिए पनीर और सोयाबीन प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत हैं। वहीं, चिकनाई न लें, मीठी चीजों से दूर रहें क्योंकि कोविड के समय अगर शुगर बढ़ जाए, तो उससे नुकसान हो सकता है। ताजा फल खाएं। दिन में कम से कम १.५ से २ लीटर तक तरल पदार्थ जरूर लें। स्मोकिंग न करें क्योंकि ये आपके फेफडों को और नुकसान पहुंचा सकती है। ड्रिंक करने से शरीर की इम्यूनिटी कमजोर होती है।

साकारात्मक सोच रखें

इस बीमारी के दौरान एक साकारात्मक सोच बेहद जरूरी है। अगर आप साकारात्मक रहेंगे तो आपकी रिकवरी जल्दी होगी। इसके अलावा ५० प्रतिशत लोग कोविड-१९ से ठीक होने के बाद कई तरह के लक्षणों को महसूस करते हैं। जिसमें भ्रम, यद्दाश्त का हल्का कमजोर होना, आंखों की रोशनी का कमजोर होना, कमजोरी और खांसी रहना आम है। ये सभी तकलीफें अच्छी डाइट और व्यायाम की मदद से कुछ समय में ठीक हो जाती हैं।

मुंबई में बिस्तर पर आश्रित ६०२ लोगों को कोविड-१९ रोधी टीका लगाया गया : बीएमसी ने अदालत में कहा

मुंबई : बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने बृहस्पतिवार को बंबई उच्च न्यायालय को बताया कि बिस्तर पर आश्रित ४,७१५ लोगों ने अभी तक कोविड-१९ रोधी टीका घर पर लगवाने के लिए पंजीकरण कराया है और उनमें से ६०२ लोगों को उनके घर पर टीके की खुराक दे दी गयी है।

बीएमसी की ओर से पेश वकील अनिल सखारे ने मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्त और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की खंडपीठ से कहा कि लोगों के सामने केवल एक बाधा चिकित्सा विशेषज्ञ से फिटनेस प्रमाणपत्र लेने की है।

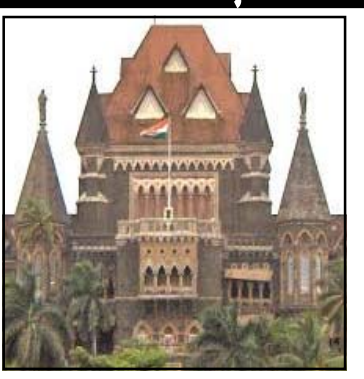

बीएमसी ने बिस्तर पर आश्रित लोगों के लिए टीकाकरण अभियान ३० जुलाई को शुरू किया।

सखारे ने अदालत को बताया कि चार अगस्त तक नगर निकाय को घर पर टीका लगवाने के लिए ४,७१५

लोगों से आवेदन मिला। उन्होंने बताया, ''बुधवार तक बिस्तर पर आश्रित ६०२ लोगों को उनके घर में टीके की खुराक दी गयी। एक डॉक्टर और एक नर्स की टीम एंबुलेंस के **(पृष्ठ ३ पर)**

पहाड़ियों से हटेगा आशियाना! वन विभाग एक्शन में

१,२०० झोपड़ों की सूची तैयार

ठाणे : पिछले महीने भूस्खलन से हुई ५ लोगों की मौत के मामले को गंभीरता से लिया गया है। अब पहाड़ियों या उसके आसपास बनाए गए आशियानों को हटाने के लिए वन विभाग एक्शन में आ गया है। इसके तहत झोपड़ों के सर्वेक्षण का काम वन विभाग द्वारा शुरू कर दिया गया है। मनपा तथा बिजली विभाग को पत्र भेजकर पहाड़ी परिसरों में बनाए गए झोपड़ों में नागरिक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की पूरी जानकारी मांगी गई है। वन विभाग ने अब तक १,२०० झोपड़ों की सूची तैयार कर ली है, जिन पर कभी भी बुलडोजर घूम सकता है।

उल्लेखनीय हैं कि १९ अगस्त को कलवा के घोलाई नगर में हुए भूस्खलन में एक ही परिवार के ५ लोगों की मौत तथा दो बच्चियां घायल हो गई थीं। जिस जमीन पर यह दुर्घटना हुई थी, वह वन विभाग की है। वन विभाग ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। घोलाई नगर की तरह पारसिक नगर, इंदिरा नगर, अतकोणेश्वर नगर, लोकमान्य नगर, बाघोबा नगर, भास्कर नगर, पोंड पाढा तथा कारगिल खोंड जैसे परिसरों में भूस्खलन का खतरा है। उक्त सभी परिसर पहाड़ियों की ढलान पर बसे हुए हैं। मानसून के दौरान उक्त परिसरों में भी भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। वन विभाग द्वारा उक्त परिसरों का सर्वेक्षण किया जा रहा है। अब तक १,२०० झोपड़ों की सूची तैयार की गई है। अभी भी सर्वेक्षण का काम चल रहा है। इस दौरान वन विभाग ने ठाणे मनपा तथा बिजली विभाग को पत्र भेजा है, जिसमें अवैध रूप से बने झोपड़ों में टैक्स, पानी की आपूर्ति, शौचालय तथा बिजली कनेक्शन आदि नागरिक सुविधाओं की पूरी जानकारी मांगी गई है। खतरनाक जगहों पर बने झोपड़ों पर वन विभाग किसी भी समय कार्रवाई कर सकता है, यह जानकारी वन विभाग द्वारा दी गई है।

लोहे के अवैध कारोबार को लेकर दो गुटों में झड़प, एक घायल

मुंबई : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के नवी मुंबई इलाके में लोहे की छडों के अवैध व्यवसाय को लेकर दो गुटों के बीच झडप़ हो गयी जिससे इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया । पुलिस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी ।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह इयानुल हक नामक एक व्यवसायी अपने साथियों के साथ किसी विवाद के मामले में कलम्बोली स्थित अपने पार्टनर इम्तियाज खान के गोदाम पर पहुंचा और उसके कर्मचारियो के साथ मार पीट की ।

उन्होंने बताया, ''इसके बाद हक और उसके साथी वाशी स्थित खान के आवास पर पहुंचे और उसके परिजनों को धमकाया । जब खान को इस बारे में पता चला तो उसने और उसके साथियों ने हक का पीछा किया । उन लोगों ने हक को जमकर पीटा और खारघर में एक डिवाइडर पर उसे खून से लथपथ अवस्था में छोड़ दिया । हक के लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया और इसके बाद उसकी जान बची।''

अधिकारी ने बताया कि कलम्बोली पुलिस ने खान पर हमला करने के आरोप में हक और उसके लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है । बाद में खारघर पुलिस ने खान और उसके कुछ संबंधियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

उन्होंने बताया कि इस मामले में दोनों तरफ से अब तक गिरफ्तारियां नहीं हुयी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के वरिष्ठ निरीक्षक शत्रुघ्न माली ने बताया, ''हक के बयान के आधार पर हमने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हक ने पुलिस को बताया कि उस पर लोहे की छड. से हमला किया गया है। शिकायतकर्ता और आरोपी दोनों लोहा माफिया का

क्वॉरंटीन के डर से चार दिन तक कपूर-अगरबत्ती जलाकर पिता की लाश के साथ रहीं बेटियां

विरार : मुंबई से सटे विरार इलाके में एक दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आयी है। जहां दो बहनें पिता की मौत के बाद चार दिन तक उनकी लाश के साथ रहीं। दरअसल लड़कियों के पिता की मौत १ अगस्त को हो गई थी। लेकिन इस बात की जानकारी किसी और को ना लगे इसलिए लड़कियों ने लाश के पास कपूर और सुगन्धित धूप और अगरबत्ती जलाकर रखी थी।

दो बहनों में से बड़ी बहन ने समंदर में कूदकर आत्महत्या कर ली है जबकि छोटी बहन जब सुसाइड करने के लिए गयी तब उसे वहां मौजूद लोगों ने सुरक्षित बचा लिया। जब पुलिस ने इस मामले में युवती से पूछताछ की तब इस पूरे मामले का पता चला। युवती ने पुलिस को बताया कि उसके पिता की पेंशन से घर खर्च चलता था।

लड़की ने पुलिस को यह भी बताया कि घर में उसकी बूढ़ी मां मानसिक रूप से विक्षिप्त है। घर की आर्थिक हालत काफी ख़राब है। दोनों बहनों की शादी भी नहीं हुई थी। यह घटना विरार वेस्ट की गोकुल टाउनशिप परिसर की अग्रवाल ब्रुकलीन पार्क इमारत में रहने वाले हरिदास साहकार के परिवार में हुई। फ़िलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। ताकि जरुरी मदद देकर पीड़ित परिवार को हौसला दिया जा सके। पुलिस द्वारा बचाई गई लड़की ने पुलिस को यह बताया की उन्हें लगा कि उनके पिता की मौत कोरोना की वजह से हो गयी है। ऐसे में अब उन्हें कोविड केयर सेंटर में क्वॉरंटीन होना पड़ेगा। इसी वजह से दोनों बहनों ने पिता की लाश को चार दिन तक अपने घर में ही रखा। बाद में पुलिस ने लाश का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टेम के लिए भेज दिया है।

५२ लाख रुपये की मेफेड्रोन के साथ तस्कर गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई पुलिस के मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) ने पश्चिमी उपनगर जोगेश्वरी इलाके से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले ३४ वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और उसके पास से ५२ लाख रुपये का मेफेड्रोन भी बरामद किया गया है। मेफेड्रोन एक प्रकार का मादक पदार्थ होता है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक, एएनसी की घाटकोपर इकाई ने बृहस्पतिवार शाम को जोगेश्वरी इलाके की एस वी रोड पर जाल बिछाकर आरोपी जुनैद हुसैन कुरैशी को गिरफ्तार किया। आरोपी जुनैद के पास से २६० ग्राम मेफेड्रोन बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब ५२ लाख रुपये बताई जा रही है। जांच से पता चला है कि कुरैशी मादक पदार्थ के परिवहन, तस्करी और वितरण में शामिल था। पुलिस इस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

बाढ़ पीड़ितों को रु. ११,५०० करोड़...(पृष्ठ १ का शेष)

(अधिकतम ३ डेयरी पशु, अधिकतम ३ माल ढोनेवाले बड़े और ६ छोटे पशु, अधिकतम ३० छोटे दुधारू पशुओं) के नुकसान पर दिए जाएंगे। इसके अलावा कुकुट्ट पालन उद्योग में हुए नुकसान पर रु. ५० प्रति पक्षी, अधिकतम ५,००० रुपए प्रति परिवार मदद दी जाएगी।

क्षतिग्रस्त मकान के लिए मदद : पूरी तरह से नष्ट हुए कंक्रीट/कच्चे मकानों के लिए १,५०,००० रुपए, आंशिक रूप से ध्वस्त (कम से कम ५०^3) पक्के/कच्चे मकान के लिए ५०,००० रुपए, आंशिक रूप से ध्वस्त (कम से कम २५^3) पक्के/कच्चे मकानों के लिए २५,००० रुपए, कम से कम १५^3 क्षतिग्रस्त कच्चे/कंक्रीट के मकानों के लिए १५,००० रुपए, नष्ट हुई झोपड़ियों के लिए १५,००० रुपए दिए जाएंगे। इसी तरह आंशिक रूप से नुकसान हुई नौकाओं के लिए १५ हजार रुपए, पूरी तरह नुकसान हुई नौकाओं को २५ हजार रुपए और छतिग्रस्त जाल के लिए ५ हजार रुपए की मदद दी जाएगी। इसी प्रकार पंचनामा के आधार पर ७५ प्रतिशत छतिग्रस्त हुए दुकानों की नुकसान भरपाई के लिए अधिकतम ५० हजार रुपए और खोमचवालों को १० हजार रुपए की मदद करने का निर्णय लिया गया है।

मुंबई में अब ट्रैफिक पुलिस गाड़ी...(पृष्ठ १ का शेष)

कर जांच करनी होगी। नगराले के अनुसार, मुंबई ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वह ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई को ही प्राथमिकता दे। इस बाबत पुलिस आयुक्तालय की ओर से ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त पुलिस आयुक्त, सभी उपायुक्तों और सहायक आयुक्तों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

पश्चिम रेलवे के खेल कोटा...(पृष्ठ ४ का शेष)

कर रहे इन आवेदकों में से एक को पश्चिम रेलवे के छपे हुए लोगो के साथ एक पत्र मिला। यह अपॉइंटमेंट लेटर था, जिसमें आवेदक को १५ जून २०२१ को मेडिकल टेस्ट के लिए उपस्थित होने की बात लिखी थी।

आवेदक हरियाणा से आया और रेलवे के खेल अधिकारी अजय आप्टे से मिला। इसके बाद जुलाई के दूसरे सप्ताह में दोनों खिलाड़ियों का नाम ऑफिस मस्टर में दर्ज हुआ। उसे कथित तौर पर चर्चगेट में ड्यूटी दे दी गई, लेकिन दूसरे दिन उन खिलाड़ियों को फोन पर सूचित किया गया कि उनका नाम अपॉइंटमेंट लिस्ट में नहीं है। जब आवेदक से कहा गया कि उसके साथ धोखा हुए है, तो उसने खेल अधिकारी से संपर्क किया, जिसका फोन स्विच ऑफ था।

सूत्रों के अनुसार, आवेदक को भेजे गए अपॉइंटमेंट लेटर में खेल अधिकारी के जाली डिजिटल सिग्नेचर किए गए थे। सिग्नेचर भर्तियां करने वाले अधिकारी के थे। सूत्रों के अनुसार, जीआरपी अब इस मामले कि जांच कर रही है और पता लगा रही है कि कहीं भर्तियों के लिए पैसे का लेन-देन तो नहीं हुआ है।

मुंबई में बिस्तर पर आश्रित...(पृष्ठ २ का शेष)

साथ पंजीकृत लोगों के घर जाती है और उन्हें टीके की खुराक दी जाती है।''

उन्होंने बताया कि लोगों के सामने केवल एक बाधा है कि उन्हें एक डॉक्टर से फिटनेस प्रमाणपत्र लेना होता है जिसमें यह कहा गया हो कि जिस व्यक्ति को टीका लगाया जाना है वह बिस्तर पर आश्रित रहेगा या अगले छह महीनों तक चल नहीं सकेगा तथा यह व्यक्ति टीके की खुराक लेने के लिए फिट है।

राज्य सरकार की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता आशुतोष कुम्भकोणी ने बिस्तर पर आश्रित और चलने-फिरने में अक्षम लोगों के लिए कोविड-१९ टीकाकरण की सरकार की नीति अदालत को सौंपी।

अदालत वकील धृति कपाडिया और कुनाल तिवारी की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें केंद्र तथा राज्य सरकारों को ७५ साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों खासतौर से दिव्यांग लोगों और बिस्तर या व्हीलचेयर पर आश्रित लोगों के लिए घर-घर जाकर टीका लगाना शुरू करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

घरगुती बप्पा का विसर्जन बीएमसी करेगी! कोरोना की तीसरी लहर से बीएमसी अलर्ट

मुंबई : कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच १० सितंबर से गणेशोत्सव शुरू हो रहा है। इसे लेकर मुंबईकरों सहित बीएमसी ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। बीएमसी के उपायुक्त हर्षद काले ने कहा कि गणेशोत्सव में भीड़ पर लगाम के लिए गणपति आगमन व विसर्जन के दौरान उत्सव मनाने पर पाबंदी रहेगी। घर में विराजीं गणपति मूर्तियों का विसर्जन बीएमसी द्वारा किया जाएगा। सोसायटी के गेट पर बीएमसी के वाहन जाएंगे और वहीं मूर्ति स्वीकार की जाएगी। गणेश मूर्तियों के विसर्जन के लिए मुंबई में १७० कृत्रिम तालाब बनाए जाएंगे।

राज्य सरकार द्वारा जारी आदेशानुसार बीएमसी गणेशोत्सव संबंधी गाइडलाइंस तैयार कर रही है। इसे लेकर १० अगस्त को बीएमसी अधिकारियों एवं सार्वजनिक गणेश मंडलों के बीच बैठक होगी, जिसमें गाइडलाइंस पर चर्चा होगी। राज्य सरकार के सर्कुलर में स्पष्ट है कि सार्वजनिक गणेश मूर्तियों की ऊंचाई ४ फुट व घरगुती मूर्तियों की ऊंचाई २ फुट रहेगी।

उपायुक्त काले के अनुसार,

बीएमसी की कोशिश छोटी मूर्तियों के घर में ही विसर्जन कराने की व्यवस्था पर रहेगी। जो लोग ऐसा नहीं कर सकते, वे बीएमसी के कृत्रिम तालाब में मूर्ति विसर्जित करें। पिछले वर्ष गणेशोत्सव से पहले मुंबई में कोरोना का ग्रोथ रेट ०.६ प्रतिशत था। तमाम प्रतिबंधों के बावजूद गणेशोत्सव के बाद ग्रोथ रेट बढ़कर १.३० प्रतिशत हो गया था।

विसर्जन मुद्दे पर भाजपा-शिवसेना आमने-सामने!

भाजपा ने गणेश मूर्तियों के विसर्जन के लिए हर वॉर्ड में कृत्रिम तालाब निर्माण के लिए आर्थिक मदद की घोषणा की मांग की है। मेयर किशोरी पेडणेकर व कमिश्नर आईएस चहल को लिखे पत्र में भाजपा गुट नेता प्रभाकर शिंदे ने कहा कि जानकारी मिली है कि बीएमसी कृत्रिम तालाब के निर्माण के लिए आर्थिक व्यवस्था नहीं करेगी।

यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं आश्चर्यजनक निर्णय है। यानी बीएमसी ने ट्रक व लारी में मूर्तियों को इकट्ठा करने का तुलगकी निर्णय लिया है। इससे मूर्ति टूटने का खतरा है। यदि बीएमसी प्रशासन कृत्रिम तालाबों के निर्माण के लिए आर्थिक मदद नहीं देता, तो भाजपा को अपने खर्चे पर कृत्रिम तालाब बनाने की अनुमति दे। गणपति विसर्जन के मुद्दे पर एक बार फिर भाजपा-शिवसेना आमने-सामने आ सकते हैं।

देशमुख मामले में दस्तावेज देने से कतरा रही उद्धव सरकार?

CBI की याचिका पर बॉम्बे HC ने भेजा नोटिस

मुंबई : महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने सीबीआई की ओर से दायर एक आवेदन पर उद्धव सरकार को नोटिस जारी किया है। सीबीआई ने कोर्ट में आवेदन दायर कर राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ एजेंसी की जांच के लिए आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए उद्धव सरकार को निर्देश देने की मांग की है। सीबीआई ने दावा किया था कि उसके कर्मचारी को एक पुलिस अधिकारी की ओर से धमकी दी गई थी।

सीबीआई के वकील अनिल सिंह

ने हाई कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार जांच में सहयोग नहीं कर रही है और दावा किया उसके कुछ अधिकारियों को एक सहायक पुलिस आयुक्त की ओर से धमकी भी दी गई थी। अदालत ने कहा कि हम सरकार को नोटिस जारी कर रहे हैं। उद्धव सरकार को नोटिस जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई के लिए ११ अगस्त की तारीख तय की है।

पुलिस अधिकारियों को ओर से सीबीआई को धमकी दिए जाने के मामले पर स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश देते हुए कोर्ट ने कहा कि कृपया ऐसा अनुचित स्थिति पैदा न करें कि हमें उन पर (पुलिस) कार्रवाई करनी पडे। कोर्ट ने उद्धव सरकार से कहा कि कृपया सुनिश्चित करें कि इस अदालत द्वारा दिए गए निर्देशों और पहले से पारित आदेशों का अक्षरश: पालन किया जाए।

मुंबई के दहिसर में झगड़ा छुड़ाने गए युवक की चाकू मारकर हत्या

मुंबई : मुंबई के दहिसर पुलिस स्टेशन की हद में धारखाडी इलाके में सतीश कल्लू भारद्वाज (२४) नामक युवक की चाकू मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है।

सतीश की हत्या महज इसलिए कर दी गयी क्योंकि वो झगड़े में अपने दोस्त का बीच बचाव कर रहा था। फिलहाल पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी गोविंद हत्या के प्रयास में अभी कुछ दिन पहले जेल से छूटकर आया था। आरोपी गोविंद पारखे (३५) और मृतक सतीश दोनों दहिसर पूर्व धारखाडी के रहने वाले है। गोविंद कुछ महीने पहले ही हत्या के प्रयास के मामले में जेल से छूटकर आया था। मृतक सतीश और गोविंद दोनो की मुलाकात रविवार शाम करीब साढ़े ८ बजे अचानक दहिसर पूर्व धारखाडी इलाके में हुई।

इसी दौरान मृतक सतीश का दोस्त भी मौके पर पहुंच गया। गोविंद, सतीश के दोस्त को मारने की कोशिश करने लगा और सतीश उसे बचाने लगा। इसी बीच गोविंद ने अपने साथ लाए चाकू से सतीश के पीठ पर कई वार कर दिया। घायल सतीश को उसके दोस्तों ने कांदीवली शताब्दी हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां कुछ देर बाद सतीश ने दम तोड़ दिया।

पश्चिम रेलवे के खेल कोटा में फर्जी कागजात से भर्ती!

मुंबई : पश्चिम रेलवे में स्टाफ की भर्ती में गड़बडी का मामला सामने आया है। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज हुई है। कुछ दिन पहले पता चला कि जाली कागजात तैयार करके टिकट निरीक्षक की भर्ती की गई थी। इस मामले की शिकायत के बाद विभागीय जांच चली और मामले की गंभीरता को देखते हुए एफआईआर दर्ज कराई गई।

मुंबई सेंट्रल जीआरपी में ३० जुलाई को एफआईआर दर्ज कराई गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अक्टूबर २०१९ में पश्चिम रेलवे ने खेल कोटा से २१ पद निकले थे। टिकट क्लर्क के लिए विज्ञापन निकाला गया। इनमें से दो पोस्ट कबड्डी के लिए आरक्षित थीं।

इसके बाद मेडिकल और अन्य प्रक्रियाओं में कुछ खिलाडियों को अयोग्य पाया गया, तो प्रतिक्षा सूची वाले आवेदकों को उम्मीद बढी। मार्च २०२१ में प्रतिक्षा **(पृष्ठ ३ पर)**

१० मिनट में पहुंचेगी पुलिस! सरकार जल्द शुरू करेगी 'डायल ११२' सेवा

मुंबई : राज्य सरकार जल्द ही राज्यभर में 'डायल ११२' सेवा शुरू करेगी, जिससे पुलिस को आपात स्थिति में शिकायतकर्ताओं तक १० मिनट में पहुंच जाएगी। यह जानकारी गृहराज्य मंत्री सतेज पाटील ने दी। उन्होंने कहा कि इस सेवा से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि शहरी क्षेत्रों में पुलिस प्रतिक्रिया समय १० मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में १५ मिनट हो जाए।

उन्होंने कहा कि इस सेवा के तहत राज्यभर के सभी ४५ पुलिस आयुक्तालयों और जिला पुलिस कार्यालयों में अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष होंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा उपयोग किए जानेवाले १,५०२ चारपहिया और २,२६९ दोपहिया वाहनों में मोबाइल डेटा टर्मिनल और जीपीएस प्रणाली होगी। उनमें से ८४९ चारपहिया और १,३७२ दोपहिया वाहन

पहले ही इस प्रणाली से लैस किए जा चुके हैं। प्रौद्योगिकी के जरिए इन वाहनों को चौबीसों घंटे लोगों की सेवा में तैयार रहने में सक्षम बनाया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जल्द ही इस सेवा की शुरुआत करेंगे लेकिन इससे पहले अगले महीने इसका परीक्षण और सुरक्षा ऑडिट किया जाएगा।

मुंबई के समंदर में ऑयल स्पिल? काली हुई जुहू बीच की रेत

मुंबई : मुंबई के जुहू बीच पर लगभग ५ से ८ किलोमीटर तक समुद्री किनारे पर समंदर के पानी में तेल बहते हुए किनारे तक आ गया है। जिसकी वजह से किनारे किनारे की रेत तक काली हो गई है। यह तेल समंदर के पानी में कैसे आया यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। गुरुवार सुबह मॉर्निंग वॉक करने आये लोगों ने यह बदलाव देखा। इस तेल वाले पानी से जुहू बीच जो पर्यटकों का पसंदीदा स्थल है वो फिलहाल प्रदूषित दिख रहा है।

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : १० अंक : ५० मुंबई, शुक्रवार, १३ अगस्त से १९ अगस्त २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

कोरोना कंट्रोल में महाराष्ट्र अव्वल; विश्व स्तर पर हो रही है सराहना

मुंबई : पूरी दुनिया में कोरोना से निपटने में महाराष्ट्र का डंका बज रहा है। विपक्षियों को छोड़ दें तो राज्य की जनता खुद अपने 'मन की बात' प्रकट करते हुए कह रही है कि मुख्यमंत्री उद्धव जी, यू आर बेस्ट। कोरोना की विकट परिस्थितियों के बीच राज्य को सही-सलामत निकालने के लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के सभी कायल हो रहे हैं। प्राप्त ताजे आंकड़ों के अनुसार पूरे विश्व में महाराष्ट्र की सराहना यूं ही नहीं हो रही है। इसके कारण हैं। वैश्विक स्तर के साथ समीक्षा करें तो पूरे हिंदुस्थान का कोरोना से निपटने का प्रतिशत महाराष्ट्र के लगभग बराबर है। कोरोना से निपटने का देश के सभी राज्यों का योगदान ९७.४५% है तो केवल महाराष्ट्र का योगदान ९६.८० फीसदी रहा है।

प्राप्त सरकारी आंकड़ों के अनुसार वैश्विक स्तर पर आकलन करें तो पूरी दुनिया में कुल २० करोड़ ४४ लाख १२ हजार ७७० कोरोना के मरीज मिले हैं। हिंदुस्थान में इसकी संख्या ३ करोड़ १९ लाख ९८ हजार १५८ है जबकि महाराष्ट्र में कोरोना

संक्रमित मरीजों की संख्या ६३ लाख ६३ हजार ४४२ रही। ठीक होनेवाले मरीजों पर गौर करें तो वैश्विक स्तर पर इसकी संख्या १८ करोड़ ३३ लाख ९० हजार ४२० है। हिंदुस्थान में कोरोना से ठीक होनेवाले मरीजों की संख्या ३ करोड़ ११ लाख ८० हजार ९६८ है जबकि महाराष्ट्र में ६१ लाख ५९ हजार ६७६ मरीज ठीक हुए हैं। जनसंख्या और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार समीक्षा करें तो कोरोना से ठीक होनेवाले मरीजों का प्रमाण विश्व स्तर पर ८९.८१% रहा तो वहीं हिंदुस्थान में ९७. ४५% और महाराष्ट्र में ठीक होनेवाले मरीजों की संख्या ९६.८०% रही है।

मृत्यु दर भी नियंत्रित : मृत्युदर की समीक्षा करें तो वैश्विक स्तर पर मृत्यु दर २.११% रही है। पूरे हिंदुस्थान में मृत्यु दर १.३४% दर्ज की गई है। इसमें महाराष्ट्र में मृत्यु दर २.११% दर्ज की गई है। जनसंख्या के हिसाब से आकलन करें तो पूरी दुनिया का आंकड़ा प्रति मरीज मिलियन जनसंख्या के हिसाब से २६,२२२ है जबकि हिंदुस्थान की दर २६,४४१ है, इसमें महाराष्ट्र की दर ५०,१७२ है। इस हिसाब से महाराष्ट्र सरकार ने दिखा दिया है कि हम दुनिया से बेहतर हैं इसीलिए डब्ल्यूएचओ से लेकर बड़े स्वास्थ्य संस्थान महाराष्ट्र की सराहना कर रहे हैं। विरोधियों को छोड़ दें तो सभी को अपना परिवार माननेवाले मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से राज्य की जनता बेहद खुश है।

गणेशोत्सव मंडलों को आर्थिक तंगी के चलते आ रही हैं दिक्कतें

मुंबई : गणेशोत्सव मतलब ऊर्जा का उत्सव है। लेकिन आर्थिक संकट के कारण कई गणेश मंडलों को यह उत्सव मनाने में संकटों का सामना करना पड़ रहा है। गणेश मंडलों की आर्थिक स्थिति पिछले दो साल में शून्य पर आ गई है। मंडल को स्मारिका के माध्यम से मिलनेवाले विज्ञापन का मार्ग बंद हो गया है। ऐसे में कई मंडल अपना फिक्स डिपॉजिट तोड़कर गणेशोत्सव मनाने की स्थिति में आ गए हैं। मुंबई के करीब १२,००० गणेशोत्सव मंडलों में से ८० फीसदी मंडलों का खर्च ८ लाख से १५ लाख रुपए के बीच है। हालांकि इस साल इनमें से कई मंडल इस राशि का २० फीसद भी नहीं जुटा पाएंगे। पिछले साल कोरोना के कारण कई मंडलों ने चंदा नहीं लेने का निर्णय लिया था, उस फैसले को इस साल भी बरकरार रखा है। स्मारिका के माध्यम से होनेवाली

आय बंद हो गई है। इन मंडलों के कई कार्यकर्ताओं की नौकरी चली गई, ऐसी स्थिति में गणेशोत्सव के लिए फिक्स डिपॉजिट तोड़ने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है, ऐसी जानकारी घाटकोपर स्थित पारसीवाड़ी सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल के एक पदाधिकारी ने दी। कोरोना काल में विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करने से लेकर कोकण में आई बाढ़ में राहत कार्य में गणेशोत्सव मंडल भी सबसे आगे थे। लेकिन अब गणेश मंडलों की तिजोरी खाली हो गई है।

राज्य में कोरोना मरीजों की संख्या कम हो रही है और २५ जिलों में राज्य सरकार ने प्रतिबंध में ढील दी है, लेकिन पूरी तरह से कोरोना का संकट अभी टला नहीं है इसलिए राज्य सरकार बार-बार सावधानी बरतने का आह्वान कर रही है। इस वर्ष गणेशोत्सव में प्रतिबंध को खत्म करके धूमधाम से मनाए जाने के संकेत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कल पुणे में आयोजित पत्रकार परिषद में दिए। इसके साथ ही अजीत पवार ने यह भी स्पष्ट किया कि यह निर्णय मुख्यमंत्री के स्तर पर लिया जाएगा।

इसी साल निजी हाथों में जाएंगी ५ सरकारी कंपनियां वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया एलान

नई दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को उद्योग जगत को आश्वस्त किया कि सरकार आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए हर जरूरी कदम उठाने को तैयार है। सीतारमण ने उद्योग मंडल सीआईआई की सालाना बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कोविड-१९ महामारी की रोकथाम के लिए लगाई गई पाबंदियों को हटाए जाने के बाद से अर्थव्यवस्था में तेजी और रिवाइवल के संकेत हैं।

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में अब तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में ३७ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं विदेशी मुद्रा भंडार जुलाई में बढ़कर ६२० अरब डॉलर पर पहुंच गया। वित्त मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार सुधारों को लेकर प्रतिबद्ध है। यहां तक कि महामारी के दौरान भी सरकार ने सुधारों को आगे बढाया गया। पिछले साल केंद्र ने कृषि कानूनों और श्रम सुधारों को आगे बढाया। उन्होंने उद्योग जगत को आगे आने और अर्थव्यवस्था में निवेश बढाने का आह्वान किया। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार इस वित्त वर्ष में १.७५ लाख करोड. रुपये के विनिवेश लक्ष्य को पूरा करंने के लिए (पृष्ठ ३ पर)

डेल्टा प्लस से महाराष्ट्र सतर्क! कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए राज्य सरकार तैयार

मुंबई : कोरोना महामारी का डेल्टा प्लस वेरिएंट खतरनाक माना जा रहा है। राज्य में डेल्टा प्लस से संक्रमित ४५ मरीज मिले हैं। इसका फैलाव ज्यादा न हो, इसके लिए महाराष्ट्र सरकार पूरी तरह से सतर्क है। स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बताया कि डेल्टा प्लस से घबराने की जरूरत नहीं है। महाराष्ट्र सरकार न केवल डेल्टा प्लस बल्कि कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए भी पूरी तरह से तैयार है।

स्वास्थ्य मंत्री टोपे के अनुसार जिनोम सीक्वेंसिंग के लिए नमूने भेजे जा रहे हैं। अब तक राज्य में डेल्टा प्लस के ४५ संक्रमित के मरीज मिले हैं। इसका

फैलाव ज्यादा न हो, इसके लिए स्वास्थ्य महकमा पूरी तरह से अलर्ट पर है। डेल्टा प्लस से संक्रमित मरीज ठीक हो रहे हैं। लिहाजा घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि फिलहाल धार्मिक स्थलों को खोलने की पूरी छूट देना उचित नहीं होगा। स्थितियों को देखते हुए धार्मिक स्थलों को चरणबद्ध तरीके से खोलना उचित होगा। अभी तक राज्य में चार करोड़ ७१ लाख ५८ हजार २१२ से अधिक लोगों को टीके दिए जा चुके हैं। राज्य में प्रतिदिन तीन से चार लाख लोगों को टीके लगाए जा रहे हैं। उन्होंने संभावना जताई कि त्योहारों के मौसम में कोरोना नियमों का कड़ाई से पालन नहीं किया गया तो खतरा बढ़ सकता है। त्योहारी मौसम में हमें अधिक सावधान रहने की जरूरत है।

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

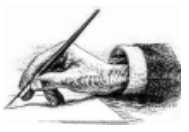

हंगामे से हासिल

संसद सत्र का तय समय से पहले स्थगित हो जाना न केवल अफसोस, बल्कि चिंता की भी बात है। लोकसभा की बैठक बुधवार को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई, तो इसके लिए संसद में पैदा गतिरोध को ही जिम्मेदार ठहराया जाएगा। पेगासस जासूसी मामला, तीन केंद्रीय कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग सहित अन्य कुछ मुद्दों पर विपक्षी दलों के हंगामे और सत्ता पक्ष के हठ के कारण पूरे सत्र में सदन का कामकाज प्रभावित हुआ है और सिर्फ २२ प्रतिशत काम ही हो सका। आम लोगों के मन में यह सवाल वाजिब ही उठेगा कि क्या हमने सांसदों को केवल २२ प्रतिशत काम के लिए भेजा है? दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की संसद का यह व्यवहार क्या प्रशंसनीय है? भारतीय लोकतंत्र की तारीफ करने वाले बहुत लोग मिलेंगे, पर क्या ऐसी ही तारीफ भारतीय संसद की भी हो सकती है? लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने पर बताया कि १७वीं लोकसभा की छठी बैठक १९ जुलाई, २०२१ को शुरू हुई थी और इस दौरान हुई १७ बैठकों में २१ घंटे १४ मिनट ही कामकाज हुआ। उन्होंने माना कि सदन में कामकाज अपेक्षा मुताबिक नहीं रहा, तो उपाय क्या है, कौन करेगा?

राज्यसभा में भी कमाबेश ऐसी ही स्थिति रही। यह उच्च सदन है और इससे ज्यादा गंभीरता की उम्मीद की जाती है, लेकिन जब ऐसे सदन के सभापति कार्यवाही का अपमान देखकर भावुक हो जाएं, तो फिर निराशा जताने के अलावा क्या रह जाता है? कृषि कानूनों और पेगासस जासूसी विवाद इत्यादि पर राज्यसभा की कार्यवाही भी लगातार बाधित होती रही है। यह कैसे भुलाया जाए कि कृषि कानूनों का विरोध करते हुए कुछ सांसद सदन की मेज पर बैठ गए और कुछ सदस्य मेज पर चढ़ गए? इस पर सभापति ने कहा कि राज्यसभा की सारी पवित्रता खत्म हो गई। उन्होंने कहा कि सदन में हंगामा करने वाले विपक्षी सांसदों को कार्रवाई का सामना करना होगा, लेकिन अब यह कैसे और कब होगा? सदन में विरोध जताना सही है, लेकिन मेज पर चढ़ जाना, मेज पर चढ़कर आसन की ओर रूल बुक फेंक देना कहां की परंपरा है? तो क्या अब समय आ गया है कि हम संसद के कामकाज को लेकर भावुक हो जाएं और आंसू बहाएं? अगर हम ऐसा करेंगे, तो दुनिया को क्या संदेश देंगे?

यह सोचना बहुत जरूरी है कि जब हम सदन में अच्छा माहौल नहीं बना सकते, तो देश में कैसे गरिमा बनाए रखेंगे? क्या भारतीय लोकतंत्र में व्यवहार का एक स्तर नहीं होना चाहिए? हंगामा करने वाले और हंगामे से लाभ उठाने वाले हर नेता को अपने गिरेबान में झांकना होगा। लोकतंत्र में सड़क पर और चुनावी मैदानों में तो संघर्ष शोभा देता है, लेकिन जब ऐसा ही राजनीतिक संघर्ष सदन में आ जाए, तो सदन का महत्व कम हो जाता है। अभी पिछले सत्रों में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति बनने लगी थी, लेकिन इस मानसून सत्र ने बेहद निराश किया है। बेशक, कोरोना पर एक व्यापक बहस होनी चाहिए थी, देश की तमाम उन कमियों पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए थी, जिन्होंने कोरोना की दूसरी लहर के समय देश को रुला दिया, लेकिन हम चूक गए। अब देश के लोग यही उम्मीद करेंगे कि अगली बार जब सांसद बैठें, तो दिल से महसूस करें कि देश को कहां-कहां दर्द है।

आरबीआई और कस्टम अधिकारी बनकर ठगने वाले गिरफ्तार

फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए करता था दोस्ती

मुंबई : उत्तर मुंबई प्रादेशिक सायबर सेल ने तीन ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया है, जो सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती कर लोगों को महंगे गिफ्ट्स का लालच देकर उनके साथ ऑनलाइन ठगी करते थे। साइबर सेल के सूत्रों के मुताबिक, सेल को पिछले दिनों शिकायत मिली थी कि एक महिला को मार्च से जून के बीच फेसबुक के जरिए किसी अनजान व्यक्ति ने खुद को डॉक्टर कोल्टन रलैंड मूसली बताते हुए फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी। महिला ने डॉक्टर समझकर फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार कर ली। फिर दोनों में बातचीत होने लगी। कुछ समय बाद उस संदिग्ध डॉक्टर ने महिला को ऑस्ट्रेलिया से ४० हजार यूरो का गिफ्ट भारत भेजने की बात कही। महिला उसके लालच में आ गई।

कुछ दिन बाद पीड़ित महिला को दिल्ली एयरपोर्ट के किसी कस्टम अधिकारी का कॉल आया कि उसके नाम से ऑस्ट्रेलिया से ४० हजार यूरो कीमत का गिफ्ट आया है, जिसे कस्टम अधिकारियों ने जब्त कर लिया है। गिफ्ट छुड़ाने के लिए उसको इनकम टैक्स, कस्टम ड्यूटी और विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में बदलकर कस्टम अधिकारियों को देना होगा। तब वे लोग गिफ्ट लेकर जाने देंगे। इसके लिए उसकी थोड़ी आर्थिक मदद चाहिए। जैसे ही वह कस्टम विभाग से बाहर आएगा, वैसे ही वह उसके पैसों को वापस कर देगा। इन बातों के जरिए भरोसा जीतकर आरोपियों ने महिला से १८ लाख, ९० हजार रुपये ऐंठ लिए। आखिरकार एक दिन महिला को किसी के जरिए गिफ्ट के नाम पर साइबर अपराधियों द्वारा ऑनलाइन ठगी किए जाने की जानकारी मिली तो उसने पुलिस का रुख किया। सीनियर पीआई सरला बसावे ने बताया कि महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस ने मामले की गहनता से जांच की तो इस गिरोह को अंजाम देने वाले ३ लोगों की जानकारी प्राप्त हुई। जॉइंट सीपी मिलिंद भारंबे और डीसीपी रश्मि करंदीकर के मार्गदर्शन में पुलिस अधिकारी सविता कदम और मंगेश देसाई के साथ दिल्ली से हमेद सोरा उर्फ इरिक क्रिस (२८) और रुबिनी गुरु शेखरन (२४) को गिरफ्तार किया, जबकि एक अन्य मामले में गॉडविन जोनेथन इजे (३८) की भी गिरफ्तारी की गई। हमेद और गॉडविन नाइजीरिया, जबकि रुबिनी चेन्नै की रहने वाली है। इनके पास से ८ लाख रुपये से अधिक नकदी जब्त की गई।

साइबर सेल ने बताया कि एक महिला को लंदन के कारोबारी बनकर उसके साथ भी २ लाख, ८९ हजार रुपये से अधिक की ऑनलाइन ठगी की गई। आरोपी ने महिला से इंस्टाग्राम पर पहले दोस्ती की, फिर लंदन से महंगे गिरफ्ट्स भेजने और दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों द्वारा जब्त कर लिए जाने का बहाना कर पैसे ऐंठ लिए। इस आरोपी ने महिला को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा फेमा ऐक्ट (मनी लॉन्ड्रिंग) लगाने की भी धमकी दी थी। इस सबसे डरकर महिला ने आरोपी को पैसे भेज दिए। इसी मामले में पुलिस ने गॉडविन जोनेथन इजे को दिल्ली से गिरफ्तार किया है।

मीठी नदी के किनारे ८७ हजार भूखंड बनेगा मनोरंजन पार्क

उद्यान, ओपन जिम, खेल मैदान, वन क्षेत्र होगा विकसित

मुंबई : एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी धारावी के खाड़ी में बसे प्रेम नगर से सटे हुए बीकेसी की तरफ रिक्त पड़े खाड़ी क्षेत्र को मनपा हरित क्षेत्र में तब्दील करेगी। यहां मनपा उद्यान, वन क्षेत्र, ओपन जिम और खेल मैदान बनाएगी। इसके लिए मनपा ने एक करोड़ ६८ लाख रुपए का टेंडर भी जारी किया है। यह पूरा इलाका मीठी नदी के किनारे की तरफ बसा हुआ है। यूं कहें तो मीठी नदी के किनारे मनोरंजन पार्क बनेगा।

मनपा की जी/नॉर्थ वॉर्ड कार्यालय के अनुसार धारावी में बीकेसी कनेक्टर के पास ८७ हजार वर्गफुट क्षेत्रफल का भूखंड रिक्त है। यहां समय-समय पर कुछ गैर सामाजिक लोगों द्वारा अतिक्रमण व कब्जे का प्रयास किया जाता रहा है। मनपा ने कार्रवाई कर बहुत क्षेत्र को रिक्त भी कराया है। लेकिन अब इस भूखंड को मनपा नया ग्रीन स्पेस बनाने का निर्णय कर चुकी है। इसके लिए टेंडर भी जारी किया गया है।

इस भूखंड को मनपा मनोरंजन क्षेत्र, उद्यान और खेल मैदान में परिवर्तित करेगी। जी/नॉर्थ वॉर्ड के अधिकारी किरण दीघावकर ने बताया कि यहां अब अतिक्रमण को हटाकर आम जनता के लिए मनोरंजन, उद्यान एवं खेल मैदान क्षेत्र बनाया जाएगा, जिसमें ४०० मीटर जॉगिंग-वॉकिंग ट्रैक होगा, २५,००० वर्गफुट का खेल का मैदान, नालों के किनारे मियावाकी वन, बच्चों के खेलने का क्षेत्र, ओपन जिम बनेगा। यह सभी सीएसआर फंड के माध्यम से बनाया जाएगा। प्रेम नगर के झोपड़पट्टी निवासियों के लिए नवनिर्मित पार्क से सटे ५० सीटों वाले सार्वजनिक शौचालय का भी निर्माण भी मनपा करेगी। इस परियोजना की कुल लागत १.६८ करोड़ रुपए हैं।

मोजाबिंक के ड्रग्स तस्कर का हैरतअंगेज कारनामा

चिकित्सकों ने उसके पेट से निकाली एक किलो कोकीन!

मुंबई : मुंबई एनसीबी ने जिस ड्रग्स तस्कर को पकड़ा है, उसके पेट से 'कोकीन का पहाड़' निकला है। इस कोकीन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग १० करोड़ रुपए है। ड्रग्स तस्करों के शरीर से दक्षिण अमेरिकी कोकीन की यह सबसे बड़ी बरामदगी में से एक है। शैतान के पेट से निकली यह कोकीन की मात्रा एक किलोग्राम है।

एनसीबी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, उन्हें पता चला था कि एक विदेशी कोकीन की बड़ी खेप लेकर मुंबई आ रहा है। एक टीम ने गत ८ अगस्त को लगभग २ बजे सीएसएमआई हवाई अड्डे पर एक मोजांबिक नागरिक फूमो इमानुएल जेडेक्विआस को रोका। उससे पूछताछ की गई तो पता चला कि उसके पेट में नशीला पदार्थ है। जांच में पता चला कि संदिग्ध ने कोकीन से भरे लगभग ७० कैप्सूल निगल लिए हैं। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान संदिग्ध ने खुलासा किया कि उसके पेट में प्रतिबंधित पदार्थ के कारण, वह असहज महसूस कर रहा है और उसने चिकित्सा सहायता के लिए अनुरोध किया। एनसीबी के क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े के मुताबिक उसे जे.जे. अस्पताल लाया गया और वह तब से चिकित्सकीय देखरेख में है। डॉक्टरों की देखरेख में उन्होंने १० कोशिशों में ७० कैप्सूल बरामद किए हैं। अंतिम कैप्सूल कल निकाला गया था। बरामद कोकीन का कुल वजन सभी ७० कैप्सूल से १.०२९ किलोग्राम है, यानी प्रत्येक कैप्सूल में लगभग १४.७ ग्राम कोकीन है। कोकीन दक्षिण अमेरिका के कोक पौधे की पत्तियों से बना एक शक्तिशाली नशीला पदार्थ है।

एक स्ट्रीट ड्रग के रूप में कोकीन एक महीन, सफेद, क्रिस्टल पाउडर जैसा दिखता है। मुनाफा बढ़ाने के लिए स्ट्रीट डीलर अक्सर इसमें मिलावट भी करते हैं। इसे कॉर्नस्टार्च, टैल्कम पाउडर या आटे जैसी चीजों के साथ मिलाते हैं। वे इसे अन्य दवाओं के साथ भी मिला सकते हैं जैसे उत्तेजक एंफेटेमिन या सिंथेटिक ओपिओइड, जिसमें फेंटेनाइल भी शामिल है।

महिला के पेट से निकले ६६ कैप्सूल

मुंबई में डीआरआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई एयरपोर्ट से ८ करोड़ रुपए की कोकीन के साथ तंजानिया मूल की महिला को गिरफ्तार किया है। डीआरआई की टीम को जानकारी मिली थी कि तंजानिया से मुंबई आ रही फ्लाइट में एक महिला नागरिक ड्रग्स कैरियर के तौर पर एक बड़ी खेप लेकर मुंबई पहुंचनेवाली है। डीआरआई ने इस तस्कर महिला की पहचान कर ली है। जांच में पता चला कि महिला अपने पेट में ड्रग्स की ६६ कैप्सूल लेकर आई है। मेडिकल और अस्पताल में कड़ी निगरानी के बीच महिला के पेट से सभी ६६ कैप्सूल निकाले गए, जिसमें ८१० ग्राम कोकिन बरामद किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत ८ करोड़ रुपए है। महिला का नाम कित्तेवाना वरदाह है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे २४ अगस्त तक कस्टडी में भेज दिया गया।

इसी साल निजी हाथों में जाएंगी...(पृष्ठ १ का शेष)

कृतसंकल्प है। एयर इंडिया, भारत पेट्रोलियम, बीईएमएल, शिपिंग कॉरपोरेशन और कंटेनर कॉरपोरेशन का निजीकरण इसी साल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में इकॉनमी को उबारने के लिए सरकार आरबीआई के साथ मिलकर काम कर रही है। सीतारमण ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अभी उस स्तर पर नहीं पहुंची है कि केंद्रीय बैंक लिक्विडिटी को वापस लेना शुरू कर दे। उन्होंने कहा कि एशिया की तीसरी सबसे बडी इकॉनमी अभी कोरोनावायरस की दो बडी लहरों के प्रभाव से उबर रही है। आरबीआई इस बात को अच्छी तरह समझता है कि इकॉनमी से तुरंत लिक्विडिटी निकालना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि महंगाई रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे और विकास सरकार की प्राथमिकता बना रहेगा।

मामूली विवाद में कर दिया मर्डर...(पृष्ठ ४ का शेष)

महिला को देखकर बातचीत में लिप्त एक ने महिला पर अश्लील टिप्पणी की, जिससे नाराज होकर चारों ने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। पिटाई के दौरान एक ने उसके पेट व पीठ में चाकू से कई वार किया, जिसके कारण उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतक के दोस्त की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने सीआर नंबर ५४७/२१ में आईपीसी की धारा ३०२, ३४ व महाराष्ट्र पुलिस कायदा ३७ (१) सहित १३५ के तहत केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। मामले की जांच कर रहे सहायक पुलिस निरीक्षक नितीन पाटील ने बताया कि इस हत्याकांड में तीन आरोपियों को १० अगस्त को शाम चार बजे गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मारपीट में घायल चौथे आरोपी को इलाज के लिए सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दारू की भट्ठियों पर ड्रोन..(पृष्ठ ४ का शेष)

जाएगा, वहां से संबंधित तस्वीरें, वीडियो क्लिप सीधे अधीक्षक के कार्यालय में कंप्यूटर पर प्रसारित करेगा। इतना ही नहीं, यह ड्रोन तस्करों के मौके से भागने की दिशा की भी जानकारी देगा।

देवरिया से धराया दो लाख...(पृष्ठ ४ का शेष)

बाइक सवारों ने एके-४७ से शिक्षक को छलनी कर दिया। इस मामले में मृत शिक्षक के बड़े भाई ने कुख्यात मुन्ना मिश्रा, पानन खास के अलकेश्वर मिश्रा, भाठवां के हरकेश मिश्रा, बभनी के धनंजय पांडेय, सिधरिया के इसराफिल देवान तथा जमुन्हा बाजार के मुन्ना जायसवाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बिहार पुलिस और एसआईटी ने कुख्यात मुन्न जायसवाल, हरकेश मिश्र व धनंजय पांडेय को तो गिरफ्तार कर लिया था लेकिन मुन्ना मिश्रा पुलिस के हाथ नहीं लगा।

मुन्ना हमेशा अकेले ही रहता था और वह अपने पास मोबाइल भी नहीं रखता था। साधारण बाइक पर हेलमेट लगाकर बोरी में एके-४७ रखकर चलता था। बिहार में आपराधिक वारदातों को अंजाम देने के बाद मुन्ना, यूपी भाग जाता था। वहां वह देवरिया, गोरखपुर, बलिया व तमकुही आदि जिलों में हुलिया व नाम बदलकर रहता था। एसटीएफ व बिहार के कई थानों की पुलिस यूपी पुलिस की मदद से सरहदी जिलों में बीते ६० दिनों से ऑपरेशन चला रही थी। बीते शुक्रवार की सुबह उसका सामना बाइक पर सवार मुन्ना से हो गया। एसटीएफ के जांबाज सिपाहियों ने मुन्ना को एके-४७ निकालने का कोई मौका नहीं दिया और गिरफ्तार कर लिया। मुन्ना मिश्रा ने स्वीकार किया कि एक-४७ उसने ८ लाख रुपए में खरीदी थी। मुन्ना ने अपने गांव की ही मुस्लिम लड़की से विवाह किया था। विवाह के बाद उसने पत्नी का नाम अन्नू मिश्रा रख लिया। मुन्ना बीते एक वर्ष से अन्नू के साथ रामपुर महुआबारी में सौंदर्य प्रसाधन की दुकान चला रहा था। लोग मुन्ना को बाबा के नाम से जानते थे। दोनों पति-पत्नी पथरदेवा की दुकानों से सामान लाकर बेचते थे। लेकिन असल में मुन्ना के अपराधों में अन्नू भी बखूबी साथ देती थी। अन्नू बड़े से बैग में एके ४७ छिपाकर रखती थी। जमुन्हा मर्डर केस में अन्नू मिश्रा की मुख्य भूमिका होने की बात जांच में सामने आई है। देवरिया से मुन्ना की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसकी पत्नी अन्नू मिश्रा को भी गिरफ्तार किया है।

खुद को शरद पवार बताकर महाराष्ट्र गृह विभाग को फोन करने वाला गिरफ्तार

मुंबई : महाराष्ट्र के गृह विभाग के अधिकारियों को फोन कर कथित तौर पर खुद को राकांपा अध्यक्ष शरद पवार बताने वाले एक व्यक्ति और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि आरोपी खुद को पवार बताते हुए स्थानांतरण जैसे विषयों पर बात कर रहा था। राज्य सरकार के यहां स्थित मुख्यालय 'मंत्रालय' में गृह विभाग के अधिकारियों को शक हुआ कि कोई फोन पर पवार की आवाज बनाकर बात कर रहा है जिसके बाद उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना के संबंध में गामदेवी पुलिस थाने में बुधवार रात को भारतीय दंड संहिता की धारा ४१९ के तहत मामला दर्ज किया गया। मुंबई अपराध शाखा के उगाही रोधी प्रकोष्ठ (एईसी) ने भी समानांतर जांच की और मुख्य आरोप तथा उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया। अभी तक आरोपियों की पहचान उजागर नहीं की गई है। अधिकारी ने कहा कि जांच में पता चला है कि आरोपी ने एक ऐप का प्रयोग किया था जिसकी सहायता से फोन पर आवाज बदली जा सकती है।

कोरोना से राहत, डेंगी-मलेरिया बने आफत

मुंबई : मुंबई में कोरोना की दूसरी लहर जहां नियंत्रण में आ गई है, वहीं मॉनसूनी बीमारियों में मलेरिया और डेंगी का प्रकोप बढ़ गया है। जुलाई की तरह अगस्त में भी मलेरिया और डेंगी के केस में बढ़ेतरी देखी जा रही है। जुलाई के मुकाबले अगस्त में ग्राफ बढ़ गया है। जुलाई में डेंगी का रोजाना औसतन १ मरीज मिलता था, जबकि अगस्त में ४ मरीज मिल रहे हैं। यही हाल मलेरिया का भी है। जुलाई में रोजाना औसतन २५ मरीज मिलते थे, लेकिन अगस्त में यह ग्राफ एक मरीज बढ़ा है।

बता दें कि बीते ७ महीने में जुलाई में कोरोना के सबसे कम मरीज मिले

हैं। अगस्त की शुरुआत भी बेहतर रही है। अगस्त में भी कोरोना के नए मामले सबसे कम मिल रहे हैं। कोरोना के मामले में जुलाई और अगस्त मुंबईकरों के लिए राहत भरा रहा है, लेकिन इन दो महीने में मुंबईकर मलेरिया और डेंगी की चपेट में ज्यादा आ रहे हैं। जुलाई में ७८७ मुंबईकर मलेरिया की चपेट में आए, जबकि अगस्त में महज ८ दिन में ही मलेरिया के २०१ मरीज मिले हैं।

अगस्त में डेंगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। जुलाई में डेंगी के २८ मरीज मिले थे, जबकि अगस्त में महज ८ दिन में ३२ मरीज मिले हैं। लेप्टो स्पायरोसिस के भी मामले अगस्त में बढ़ने के स्पष्ट आसार दिखाई दे रहे हैं। जुलाई में लेप्टो के ३७ मरीज थे, लेकिन अगस्त के ८ दिन में इसके १५ मरीज मिले हैं। मलेरिया और डेंगी के बढ़ते मामलों के बीच एक राहतभरी खबर यह रही कि इन आठ महीने में मौसमी बीमारियों से सिर्फ एक व्यक्ति और लेप्टो से एक की मौत हुई है।

महाराष्ट्र में स्कूल खोलने पर अभी भी संशय! वर्षा गायकवाड बोलीं- सरकार में नहीं है कोई मतभेद

मुंबई : महाराष्ट्र की स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड ने मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि महाविकास अघाड़ी सरकार में कोई भी मतभेद नहीं है। टास्क फ़ोर्स के लोगों को हमारी गाइडलाइन के बारे में नहीं पता था। हमारा पूरा ध्यान बच्चों की सेहत और स्वास्थ्य पर है। आने वाले दो- तीन दिनों में हम स्कूल के मुद्दे पर निर्णय लेंगे। वर्षा गायकवाड ने यह बयान तब दिया है।

नवाब मलिक ने कहा था कि फ़िलहाल स्कूल खोलने पर निर्णय नहीं हुआ है। नवाब मलिक के मुताबिक राज्य में स्कूल खुलेंगे या नहीं, इसको लेकर अभी भी पूरी तरह से सहमति नहीं बन पाई है। शिक्षा विभाग ने १७ अगस्त से स्कूल शुरू करने का आदेश जारी किया है। हालांकि अब तक इस फैसले को लेकर सरकार में सहमति नहीं है। क्योंकि अभी तक स्कूल शुरू करने को लेकर टास्क फोर्स ने अपनी सहमति नहीं जताई है। नवाब मलिक ने कहा की अभी टास्क फोर्स, सीएम उद्धव ठाकरे और शिक्षा विभाग की एक बैठक होगी। जिसके बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा। दरअसल पंजाब में जिस तरह से खबरें सामने सामने आई हैं कि स्कूलों में बच्चे कोविड से संक्रमित हो रहे हैं। इसको लेकर सरकार में चिंता है।

देवरिया से धराया दो लाख रुपए का इनामी

हत्या, रंगदारी जैसे कई मामलों में था वांछित

मुंबई : आमतौर पर लोग किसी बच्चे को प्यार से मुन्ना कहकर बुलाते हैं लेकिन ज्यादार बच्चों का 'मुन्ना' उर्फ नाम बन जाता है। हालांकि मुन्ना उर्फ नामवाला हर शख्स मासूम नहीं होता। बीते सप्ताह एक ऐसे ही मुन्न को बिहार एसटीएफ ने यूपी पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया था। यह मुन्न जुर्म की दुनिया का हेड मास्टर बन गया था। कुख्यात अपराधी मुन्ना को लोग मुन्ना मिश्रा के नाम से जानते हैं। लेकिन उसका असली नाम उसे खुद भी याद नहीं होगा। बीते बृहस्पतिवार को बिहार एसटीएफ ने उसे यूपी पुलिस की मदद से यूपी के देवरिया जिले से बेहद नाटकीय घटनाक्रम में गिरफ्तार किया।

बिहार और यूपी के सीमावर्ती जिलों को अपनी आपराधिक गतिविधियों से दहलानेवाला मुन्ना, बिहार के गोपालगंज जिला स्थित कटेया थाना क्षेत्र के पानन गांव का निवासी है। वह बीते कुछ वर्षों में गोपालगंज जिले की पुलिस के लिए सिरदर्द बन गया था। इस कुख्यात मुन्ना के खिलाफ ५० से अधिक संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। विभिन्न पुलिस थानों में कुल मिलाकर उसके खिलाफ लगभग दो लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था।

बताया जाता है कि मुन्ना मिश्रा दो दशक से अधिक समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय था। करीब ७ साल पहले पुलिस ने उसे एक मामले में गिरफ्तार किया था। वर्ष २०१२ में हुई गिरफ्तारी के कुछ महीनों बाद वह जमानत पर छूट गया और उसके बाद फरार हो गया। वर्ष २०१८ में उसका एक सहयोगी हत्या के केस में जमानत पर बाहर आया तो मुन्ना उसके पास आने लगा, वहीं पर उसका परिचय एक कुख्यात बदमाश से हुआ। मुन्ना ने उससे एके-४७ खरीदी थी। उसी दौरान मुन्ना ने भोरे कस्बे में विकास सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। बाद में वह बड़ी आपराधिक वारदातों को अंजाम देने लगा। मुन्ना व्यावसायियों और ठेकेदारों से रंगदारी वसूलने लगा। वह जबरन जमीनों पर कब्जा करता था।

बीती २४ मई की सुबह कटेया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आनेवाले जमुन्हा बाजार में शिक्षक दिलीप सिंह उर्फ पंडित की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मुन्ना मिश्रा और उसके साथियों ने ५० लाख की रंगदारी नहीं दिए जाने से नाराज होकर शिक्षक की हत्या की थी। **(पृष्ठ ३ पर)**

दारू की भट्ठियों पर ड्रोन की नजर!: खर्च हुए ७० लाख

ठाणे : उत्पादन शुल्क विभाग ने दारू की भट्ठियों पर कार्रवाई करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने का निर्णय लिया है। यह ड्रोन ५ किमी तक की निगरानी करने में सक्षम है। अधिकारियों के मुताबिक ठाणे खाड़ी किनारे अवैध दारू की भट्ठियों पर कार्रवाई करने के लिए यह निर्णय लिया गया है, इससे दारू माफिया पर लगाम कसने में मदद मिलेगी।

बता दें कि ठाणे जिले के कुछ ग्रामीण इलाकों में भी शराब तस्करों के गिरोह सक्रिय हैं। ये गिरोह ठाणे की खाड़ी में दारू की भट्ठियां चला रहे हैं। इन भट्ठियों पर कार्रवाई करने के लिए आबकारी विभाग को नाव से और पैदल ही पहाड़ी, जंगली इलाकों तक जाना पड़ता है। आबकारी अधिकारी व कर्मचारी के मौके पर पहुंचने से पहले ही तस्कर फरार हो जाते हैं। इस कार्रवाई में केवल शराब और संबंधित सामग्री नष्ट की जाती है। आरोपी को पकड़ना संभव नहीं हो पाता है। ऐसे में अब ड्रोन द्वारा कार्रवाई करने का निर्णय ठाणे आबकारी विभाग द्वारा लिया गया है। आबकारी विभाग के आग्रह पर जिला योजना कोष से ठाणे आबकारी विभाग को ७० लाख रुपए का ड्रोन मुहैया करवाया गया है। यह ड्रोन डेढ़ किलोमीटर तक ऊंची उड़ान भर सकता है और पांच किलोमीटर दूरी का स्पष्ट चित्र अर्जित कर सकता है। ऐसे में सबूत के तौर पर कार्रवाई का रिकॉर्ड भी आबकारी विभाग के पास उपलब्ध रहेगा, जिसका इस्तेमाल आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए किया जा सकता है।

ठाणे जिला आबकारी विभाग अधीक्षक नितिन घुले ने बताया कि आबकारी विभाग को ड्रोन जिला योजना कोष से प्राप्त हुआ है। इस ड्रोन का इस्तेमाल जल्द ही कार्रवाई के लिए किया जाएगा। ड्रोन से आरोपियों पर मुकदमा चलाने और उन्हें गिरफ्तार करने में आसानी होगी। आबकारी अधिकारी ड्रोन को खाड़ी परिसर में उड़ाएंगे। यह ड्रोन पांच किलोमीटर दूरी तक की तस्वीरें खींच सकता है। यह ड्रोन जहां भी **(पृष्ठ ३ पर)**

मामूली विवाद में कर दिया मर्डर : तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

भिवंडी : छेड़छाड़ को लेकर हुआ मामूली विवाद इतना बढ़ गया कि आदमी का मर्डर कर दिया गया। इस विवाद में चार लोगों ने एक व्यक्ति को इतना पीटा कि उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उक्त घटना भिवंडी के न्यू आजाद नगर क्षेत्र की है। इस मामले में पुलिस ने हत्या के आरोप में तीन व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि चौथे आरोपी का सायन अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी के न्यू आजाद नगर में ९ अगस्त को रात ८ बजे दो लोग खड़े होकर बातें कर रहे थे। उसी दौरान एक महिला व चार व्यक्ति रास्ते से जा रहे थे। **(पृष्ठ ३ पर)**

साइबर धोखाधड़ी मामले में दो नाइजीरियाई सहित तीन लोग गिरफ्तार

मुंबई : सोशल मीडिया पर दोस्ती करने के बाद लोगों को ''उपहार'' भेजने का वादा कर उन्हें ठगने के आरोप में दो नाइजीरियाई सहित तीन लोगों को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया है।

मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि एक व्यक्ति ने हाल में साइबर शाखा के साइबर पुलिस थाने में १८ लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। फेसबुक पर शिकायतकर्ता से दोस्ती करने वाले एक व्यक्ति ने उसे कहा था कि उसने उसे ऑस्ट्रेलिया से ४०,००० यूरो भेजे हैं और सीमा शुल्क का भुगतान करके दिल्ली हवाई अड्डे से वह रकम ले सकता है।

शिकायत के मुताबिक इसके बाद एक व्यक्ति ने उसे फोन किया और कहा कि वह फेसबुक वाला दोस्त बोल रहा है, जिसने उसे तोहफा भेजा है और वह दिल्ली में है। उसने कहा कि पहले विभिन्न बैंक खातों में सीमा शुल्क, आयकर और ''मुद्रा शुल्क का आदान-प्रदान'' के रूप में पैसे जमा करने होंगे।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता ने कम से कम १८ लाख रुपये विभिन्न खातों में जमा कराए। जब वादे के मुताबिक उसके ४०,००० यूरो उसे नहीं मिले, तो उसे अपने साथ धोखाधड़ी होने का अहसास हुआ। साइबर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा ४२० और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया और नाइजीरिया के नागरिक हमीद सोरा उर्फ एरिक क्रिस (२८) तथा उसकी दोस्त रुबिनी गुनशेखरन (२४) को गिरफ्तार किया। ये दोनों इस सप्ताह की शुरुआत में दिल्ली आए थे। वहीं, एक अन्य मामले में इसी तरह एक व्यक्ति से २.७५ लाख रुपये की धोखाधड़ी की गयी। मामले में साइबर पुलिस ने नाइजीरियाई गॉडविन जोनाथन एजे (३४) को गिरफ्तार किया है।

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : १० अंक : ५२ मुंबई, शुक्रवार, २७ अगस्त से २ सितंबर २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

वैज्ञानिकों ने किया सचेत : पहले से ज्यादा जानलेवा हो सकता है कोरोना

मुंबई : कोविड-१९ महामारी ने पूरी दुनिया में दहशत फैला रखी है। दूसरी लहर के बाद वैज्ञानिकों ने कोरोना की तीसरी लहर आने की संभावना जताई है। इस बीच कोरोना के नए रूप के दस्तक देने का खतरा मंडराने लगा है। वैज्ञानिकों का दावा है कि अब कोविड-२२ का खतरा निर्माण हो गया है, जो कोविड-१९ से भी ज्यादा जानलेवा और खतरनाक है। वैज्ञानिकों ने अगले साल २०२२ में कोविड-२२ के एक नए वैरिएंट के आने की संभावना जताई है।

कोरोना का डेल्टा वैरिएंट दुनियाभर में संक्रमण के एकबार फिर से बढ़ते मामलों का मुख्य कारण माना जा रहा है। तमाम अध्ययनों में वैज्ञानिकों ने कोरोना के इस वैरिएंट को अपेक्षाकृत काफी संक्रामक और घातक बताया है। कोरोना वायरस का खतरा अभी टला नहीं है और इस बीच विशेषज्ञ पिक्चर किसकी है, ने एक नए सुपर स्ट्रेन के खतरे की आशंका जताई है। इम्युनोलॉजिस्ट्स को डर है कि कोविड-२२ सुपर स्ट्रेन पहले से ज्यादा जानलेवा होगा और आनेवाले समय में इसके मामले सामने आ सकते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस वैरिएंट को लेकर चिंतित है। नए शोध में वैज्ञानिकों का कहना है कि आगामी वर्षों में कोरोना के और भी घातक वैरिएंट्स सामने आ सकते हैं। इस संबंध में स्विट्जरलैंड के ईटीएच ज्यूरिक विश्वविद्यालय के (पृष्ठ ३ पर)

तीसरी लहर से निपटने को राज्य सरकार तैयार

मुंबई : देश में कोरोना की तीसरी लहर आने की संभावना नीति आयोग ने व्यक्त की है। सितंबर महीने में तीसरी लहर आ सकती है और अक्टूबर महीने में पीक पर होगी। तीसरी लहर में करीब ४ से ५ लाख रोगी हो सकते हैं, ऐसा अंदाजा नीति आयोग ने व्यक्त किया है। इसे लेकर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने एक महत्वपूर्ण जानकारी दी है। टोपे ने स्पष्ट किया कि नीति आयोग का दिया हुआ यह अलर्ट आज का नहीं है, बल्कि केंद्र से आया हुआ यह पत्र जून महीने का है। वर्तमान में राज्य सरकार ने कोई अलर्ट या चेतावनी नहीं जारी किया है, ऐसी जानकारी टोपे ने जालना में मीडिया से बातचीत करते हुए दी। इसलिए नागरिकों को घबराने व डरने की कोई आवश्यकता नहीं है, ऐसा भी टोपे ने कहा। तीसरी लहर को लेकर राज्य सरकार ने पूरी तैयारी की है। स्वास्थ्य विभाग में रिक्त जगहों की भर्ती, ऑक्सीजन, मेडिसिन सहित छोटे बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी तैयारी पूरी कर ली गई है। (पृष्ठ ३ पर)

कांग्रेस और उत्तर भारतीय दोनों हैं असमंजस में!

मुंबई : उत्तर भारतीयों को लेकर कांग्रेस और कांग्रेस को लेकर उत्तर भारतीय असमंजस में हैं। उत्तर भारतीयों का असमंजस यह है कि कांग्रेस में उनके लिए अब कोई जगह बची भी है या नहीं, और कांग्रेस इस असमंजस में है कि आखिर क्या नई जुगत लगाई जाए कि उत्तर भारतीय उसके साथ जुडे. रहें। हालांकि, कांग्रेस में इस बारे में कोई कोशिश होती नहीं दिख रही है।

इसीलिए मुंबई महानगरीय परिक्षेत्र (एमएमआर) के लगभग डेढ़ करोड़ हिंदी भाषी, खासकर एक करोड़ उत्तर भारतीयों के प्रबुद्ध वर्ग में यह चिंतन है कि कांग्रेस को इतने बड़े वोट बैंक की कोई चिंता है भी या नहीं! कांग्रेस में उत्तर भारतीय समाज को अपने साथ जोड़े रखने की कोई कोशिश नजर नहीं आने से उत्तर भारतीय निराश हैं। यह निराशा इसलिए भी बढती जा रही है, क्योंकि एक-एक कर सारे बड़े उत्तर भारतीय नेता कांग्रेस छोडक़र निकल चुके हैं।

मुंबई यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर उत्तरभारतीय युवा सूरज सिंह ठाकुर के बजाय मुस्लिम नेता विधायक जीशान सिद्दीकी को अध्यक्ष घोषित किए जाने से भी युवा उत्तर भारतीयों में कांग्रेस को लेकर निराशा और बढ़ी है। मुंबई महानगरीय परिक्षेत्र में विरार, मीरा-भाईंदर, ठाणे, भिवंडी, कल्याण-डोंबिवली, बदलापुर, (पृष्ठ ३ पर)

तीसरी लहर से निपटने को १ लाख बेड तैयार करेगी बीएमसी

मुंबई : महानगर में कोरोना की दूसरी लहर पर बीएमसी ने काबू पा लिया है। लेकिन नीति आयोग ने सितंबर में तीसरी लहर आने की आशंका जताई है, जिससे निपटने के लिए बीएमसी ने तैयारी तेज कर दी है। तीसरी लहर में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ने पर कोई परेशानी न हो इसके लिए बीएमसी १ लाख बेड की व्यवस्था कर रही है। बीएमसी के प्रमुख व उपनगरीय अस्पतालों सहित सात जंबो कोविड सेंटर, नर्सिंग होम व प्राइवेट अस्पतालों में यह बेड उपलब्ध होंगे।

बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने बताया कि अभी बीएमसी के पास ३० हजार बेड उपलब्ध है, जिसमें से सिर्फ ६०० पर मरीजों का इलाज हो रहा है। बता दें कि नीति आयोग ने तीसरी लहर के दौरान देश में प्रतिदिन चार से पांच लाख कोरोना मरीज मिलने की आशंका जताई है। काकानी ने कहा कि इसको ध्यान में रखते हुए मुंबई में तैयारी की जा रही है। क्योंकि मुंबई में बड़े पैमाने पर स्लम है, घनी बस्ती है व भीड़भाड़ ज्यादा होती है। इसीलिए बीएमसी ने बेड तैयार रखने की योजना बनाई है।

फिलहाल, नेस्को, मुलुंड व भायखला जंबो सेंटर शुरू है। नेस्को फेज १ में २ हजार बेड हैं जहां सिर्फ ४० बेड पर मरीज व फेज २ के १५०० बेड में से सिर्फ २ बेड पर मरीजों का इलाज चल रहा है। मुलुंड सेंटर में सिर्फ ३२ मरीजों का इलाज हो रहा है। बीएमसी ने तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए बेड बढ़ाने का निर्णय लिया है। काकानी ने बताया कि बीएमसी के ३० हजार बेड में से सिर्फ ६०० पर मरीज हैं। यानी ९५ प्रतिशत से अधिक बेड खाली हैं। मुंबई में २८२५ एक्टिव मरीजों में से १२१५ मरीजों में कोई लक्षण नहीं है। सिर्फ ४४४ मरीज बीमार हैं।

चार आईएएस अधिकारी का तबादला

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को निधि चौधरी समेत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के चार अधिकारियों का तबादला किया। चौधरी पिछले सप्ताह ही यहां तैनात हुई थीं।

चौधरी अब मुंबई उपनगरीय क्षेत्र की कलेक्टर नियुक्त की गई हैं। शुक्रवार को उन्हें रायगढ़ कलेक्टर के पद से स्थानांतरित कर सूचना प्रौद्योगिकी निदेशक के पद पर तैनात किया गया था। मुंबई उपनगरीय जिले के कलेक्टर मिलिंद बोरिकर को मुंबई के पर्यटन विभाग का निदेशक नियुक्त किया गया है। महाराष्ट्र सूचना प्रौद्योगिकी निगम के एमडी जहाश्री भोज को महाराष्ट्र पर्यटन विकास कॉर्पोरेशन (एमटीडीसी) के प्रबंध निदेशक पद पर नियुक्त किया गया है। डॉक्टर निरुपमा डांगे को नयी दिल्ली में स्थित 'महाराष्ट्र सदन' का सहायक रेजिडेंट आयुक्त तैनात किया गया है।

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

जांच पर सवाल

पूर्व और वर्तमान सांसदों, विधायकों के खिलाफ दर्ज मामलों की धीमी जांच बहुत चिंताजनक है। जिन मामलों में जल्दी फैसले आ जाने थे, वे भी अटके हुए हैं। कुछ आपराधिक मामले तो १५ साल पहले दर्ज हुए थे और मामले भी ऐसे, जिनमें दोष सिद्ध होने पर आजीवन कारावास की सजा भी हो सकती थी, लेकिन ऐसे मामलों में भी जांच की दिशा में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की धीमी कार्रवाई बहुत चिंता में डाल देती है। सीबीआई के पास विधायकों और सांसदों से संबंधित १६३ आपराधिक मामले लंबित हैं, जबकि प्रवर्तन निदेशालय के पास १२२ मामले। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय जैसी जांच एजेंसियों को यथोचित ही फटकार लगाई है। १०-१५ साल पहले दर्ज हुए मामलों में भी आरोपपत्र दायर नहीं किए गए हैं। देश के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमना ने इन एजेंसियों से कारण बताने को कहा है। प्रवर्तन निदेशालय केवल संपत्तियों को कुर्क कर रहा है और इसके अलावा कुछ नहीं। तीन जजों की पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति रमना ने साफ कह दिया है कि मामलों को यूं लटकाए न रखें, आरोपपत्र दाखिल करें।

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी बहुत मायने रखती है। प्रधान न्यायाधीश ने लगे हाथ यह भी कहा है कि हम इन एजेंसियों के खिलाफ कुछ नहीं कहना चाहते, क्योंकि हम इनका मनोबल गिराना नहीं चाहते हैं। लेकिन यह सब (लंबित मामलों की संख्या) बहुत कुछ कहता है। ऐसा लगता है, इन एजेंसियों को जांच या मामलों को न्यायपूर्ण अंजाम तक पहुंचाने की कोई जल्दी नहीं है और यह बात सुप्रीम कोर्ट के सामने भी साफ तौर पर आई है। आज की स्थिति में एजेंसियां देरी के स्पष्ट कारण बताने की स्थिति में भी शायद नहीं हैं। यह स्थिति चौंकाती नहीं है, जब भी अपनी व्यवस्था में बड़े लोगों के खिलाफ शिकायत सामने आती है, तब उसका अंजाम पर पहुंचना आसान नहीं होता। कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियां भी यह बात नहीं समझतीं कि अगर किसी अपराधी नेता को दस साल का मौका मिल गया, तो वह दो बार चुनाव जीतकर क्या कर सकता है? क्या किसी अपराधी नेता से हम उम्मीद कर सकते हैं कि वह देश में कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों को सहजता से काम करने देगा? असल चिंता यही है। इसमें कोई शक नहीं है कि राजनीति में अपराधियों की पैठ को रोकना सबकी जिम्मेदारी है। विशेष रूप से राजनीतिक दलों को अपनी भूमिका के प्रति सजग होना चाहिए। कुछ ही समय पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य मामले में नौ राजनीतिक दलों को अवमानना का दोषी ठहराया था। दिक्कत यह है कि राजनीतिक दल दागी नेताओं को बचाने की हर मुमकिन कोशिश करते हैं। राजनीति में अपराधीकरण पर तल्ख टिप्पणी करते हुए शीर्ष अदालत एकाधिक बार इशारा कर चुकी है कि राजनीतिक दल राजनीति से अपराध खत्म करने की दिशा में सही कदम नहीं उठा रहे हैं। क्या सुप्रीम कोर्ट की ताजा पहल के बाद सुधार की संभावना बढ़ी है। प्राथमिक स्तर पर इन महत्वपूर्ण जांच एजेंसियों में मानव संसाधन की कमियों को पूरा करना चाहिए और इसके साथ ही अदालतों में भी कोई पद खाली नहीं रहना चाहिए, तभी कानून-व्यवस्था पूरी क्षमता के साथ काम कर सकेगी।

महाराष्ट्र सरकार ने कोविड-19 से पति खोने वाली महिलाओं के लिए विशेष अभियान शुरू किया

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने उन गरीब परिवारों की महिलाओं के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है जिन्होंने अपने जीवनसाथी कोरोना वायरस संक्रमण के चलते खो दिये हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री यशोमती ठाकुर ने बुधवार को कहा, नया कार्यक्रम - मिशन वात्सल्य- विधवाओं, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं के लिए तैयार किया गया है जो गरीब पृष्ठभूमि और वंचित वर्गों से आती हैं। परिवारों में एकमात्र कमाने वाले की मृत्यु के कारण, उनकी कठिनाई बढ़ जाती हैं। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इन विधवाओं को एक जगह पर १८ लाभ,

योजनाएं और सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

मंत्री ने कहा, ''पिछले १८ महीनों में, १५,०९५ महिलाओं ने कोविड-१९ संक्रमण के कारण अपने पति खो दिए। उनमें से जिला कार्यबल द्वारा सूचीबद्ध महिलाओं की संख्या १४,६६१ है। डब्ल्यूसीडी विभाग द्वारा विभिन्न प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने सहित ऐसी महिलाओं की सहायता के लिए १८ विभिन्न सेवाएं प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें इन महिलाओं के लिए संजय गांधी निराधार योजना, घरकुल योजना शामिल हैं।'' उन्होंने कहा कि महिला विकास विभाग के कर्मचारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, स्थानीय इकाई के अधिकारी और आंगनवाडी कार्यकर्ता ऐसी महिलाओं के घर जाकर उन्हें ये सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभाग ने करीब १०,५०० महिलाओं से संपर्क किया है।

नाबालिग बेटी को 50 हजार रुपए में बेच रही थी मां

-एक एनजीओ ने दी पुलिस को सूचना
-पुलिस ने दो दलालों को किया गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई पुलिस ने एक महिला को ५० हजार रुपए में अपनी बेटी का सौदा करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला एक रात के लिए ५० हजार रुपए में अपनी बेटी का सौदा करने के लिए ग्राहक तलाश कर रही थी। मां के पास अपने घर का किराया देने के लिए पैसा नहीं था इसलिए वह अपनी बेटी का सौदा कर रही थी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, समाज सेवा शाखा को सूचना मिली थी कि मालवणी में एक महिला दलाल कुंवारी व नाबालिग लड़की को बेच रही है। संदिग्धों को पकड़ने के लिए पुलिस ने फर्जी ग्राहक तैयार कर भेजा। इस ऑपरेशन के तहत पुलिस ने लड़की को एक अन्य महिला के साथ छुड़ाया। पुलिस ने मां को पोक्सो और किशोर न्याय अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। पूछताछ में मां ने पुलिस को बताया कि बेरोजगारी के कारण वह घर का किराया दे पाने में असमर्थ थी इसलिए उसे अपनी बेटी को बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। पुलिस के अनुसार एक एनजीओ से उन्हें इस बात की जानकारी मिली थी। ग्राहकों को नाबालिग के लिए ५० हजार रुपए और महिला के लिए १५ हजार रुपए का भुगतान करना था।

फर्जी ग्राहकों ने पहले व्हॉट्सऐप पर संपर्क किया, जिसमें दलालों ने समझाया कि लड़की और युवती दोनों तैयार हैं, लेकिन नाबालिग कुंवारी है इसलिए सावधानी बरतनी होगी। इसके बाद दोनों को एक ऐसी जगह ले जाया गया, जहां अधिकारी ग्राहक बनकर उनका इंतजार कर रहे थे। जैसे ही पीड़ित पहुंची, पुलिस ने दोनों दलालों व महिलाओं को पकड़ लिया और पीड़ितों को बचाया। पुलिस ने गुरुवार को उन्हें गिरफ्तार किया और आईपीसी की विभिन्न धाराओं, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि दलालों में से एक नाबालिग पीड़िता की मां थी। पुलिस ने बताया कि हमें महिला का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है, लेकिन जानकारी बताती है कि वे कुछ समय से अपने क्षेत्र में यह व्यवसाय कर रही थी।

बेटे की चाहत में महिला का ८ बार कराया गया गर्भपात

मुंबई : महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में दादर पुलिस ने ४० साल की एक महिला की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। हालांकि, इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर गिरफ्तारी प्रक्रिया शुरू किए जाने की बात कही है। लेकिन महिला का आरोप है कि पुलिस आरोपियों से मिली हुई है।

पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, महिला की शादी २००८

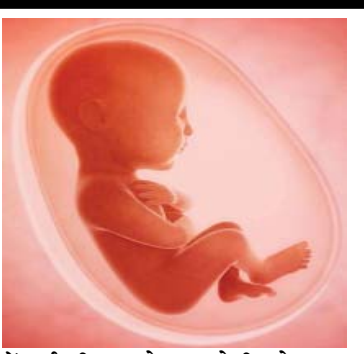

में हुई थी। उसने एक बेटी को जन्म दिया था। इससे ससुराल पक्ष खुश नहीं था। पति और ससुराल वाले उस पर बेटे को जन्म देने का दवाब डाल रहे थे। महिला का कहना था कि यह मेरे हाथ में नहीं है। मगर, ससुराल वाले बहू के अलावा बेटे को भी लडक़ा पैदा करने के लिए ताने सुनाते थे। इसके चलते पति महिला को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया करता था। आरोप है कि उसने पत्नी को न सिर्फ मुंबई, बल्कि हॉन्गकॉन्ग ले जाकर उसका ८ बार गर्भपात करवाया। पत्नी के भ्रूण की जांच कराई और इन सब चिकित्सकीय प्रक्रियाओं का पालन करने के लिए महिला को १५०० विभिन्न प्रकार के इंजेक्शन एवं अन्य दवाइयां लेनी पड़ी थीं।

सेस लगाकर मजदूरों का कल्याण करेगी सरकार, १० लाख लोगों को होगा फायदा

मुंबई : कंस्ट्रक्शन वर्कर और माथाडी कामगार की तर्ज पर ठाकरे सरकार पावरलूम क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों के लिए कामगार कल्याण महामंडल बनाएगी। कामगार मंत्री हसन मुश्रीफ के अनुसार, इससे पावरलूम क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों का जीवन स्तर ऊंचा उठेगा, लेकिन इस

क्षेत्र से जुड़े कारोबारियों का कहना है कि इस संबंध में सरकार ने उन लोगों के साथ किसी प्रकार की कोई बातचीत नहीं की है। अगर सरकार ने धागा या कपडे.पर किसी प्रकार का सेस लगाया तो उसका असर कपड़े के दाम पर पडेग़ा।

महाराष्ट्र में भिवंडी, मालेगांव, इचलकरंजी, तारापुर और सोलापुर में करीब १५ लाख पावरलूम हैं, जहां करीब १० लाख मजदूर काम करते हैं। इन मजदूरों की हालत ठीक नहीं है। इनका और इनके परिवार की स्थिति सुधारने के लिए सरकार में कामगार कल्याण महामंडल बनाने का निर्णय लिया था। पावरलूम में काम करने वाले मजदूरों की बदहाली का मामला विधानसभा और विधान परिषद में कई बार उठाया गया है। भिवंडी से समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने बहुत बारीकी से पावरलूम मालिक और उनके मजदूरों की समस्याओं को विधानसभा में रखा है।

कामगार मंत्री हसन मुश्रीफ कहते हैं कि सरकार ने जो प्राथमिक खाका तैयार किया है, उसके अनुसार जिस तरह से निर्माण कार्य क्षेत्र में मजदूरों के लिए सरकार ने कल्याण महामंडल बनाया है, ठीक उसी तर्ज पर यह महामंडल भी काम करेगा। सरकार जीएसटी के साथ-साथ प्रति किलो यार्न पर एक रुपये सेस वसूलेगी। वह पैसा महामंडल कल्याण केंद्र में जमा होगा। अनुमान है कि इससे ८०० करोड.रुपये से लेकर १,००० करोड़ रुपये जमा होंगे। इस रकम को मजदूरों व उनके परिवारों पर खर्च किया जाएगा।

तीसरी लहर से निपटने को राज्य...(पृष्ठ १ का शेष)

तीसरी लहर से मुकाबला करने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह से सुसज्ज है, ऐसा टोपे ने लोगों को आश्वस्त किया। मंदिर खोले जाने के संदर्भ में पूछे गए सवाल पर टोपे ने कहा कि तीसरी लहर सितंबर में आने की संभावना है, ऐसा केंद्र सरकार का कहना है, ऐसे समय में भीड़ बढ़ाने की अपेक्षा सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का कोरोना की तीसरी लहर पर निरीक्षण शुरू है। उसके अनुसार मंदिर और स्कूल के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। टीकाकरण कोरोना से लड़ने का सुरक्षा कवच है इसलिए सभी लोग टीका लें, ऐसा आह्वान भी राजेश टोपे ने लोगों से किया।

वैज्ञानिकों ने किया सचेत...(पृष्ठ १ का शेष)

एसोसिएट प्रोफेसर साई रेड्डी ने एक रिपोर्ट के हवाले से चेतावनी दी है कि साल २०२२ में कोविड का एक नया वैरिएंट सामने आ सकता है। ये बड़ा खतरा साबित होगा। कोरोना के संभावित नवीनतम खतरों को लेकर लोगों को विशेष सावधान रहने की आवश्यकता है। हालांकि उन्होंने बस इसकी आशंका जताई है। विशेषज्ञ ने दावा किया है कि 'कोविड-२२' स्ट्रेन डेल्टा वैरिएंट से भी ज्यादा घातक हो सकता है। अब तक कोरोना का डेल्टा वैरिएंट सबसे खतरनाक और संक्रामक माना जाता है लेकिन विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि 'कोविड-२२' नाम का नया वैरिएंट मौजूदा सबसे घातक डेल्टा वैरिएंट से भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है।

विशेषज्ञ ने दावा किया है कि 'कोविड-२२' स्ट्रेन डेल्टा वैरिएंट से भी ज्यादा घातक हो सकता है। अब तक कोरोना का डेल्टा वैरिएंट सबसे खतरनाक और संक्रामक माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि 'कोविड-२२' नाम का नया वैरिएंट मौजूदा सबसे घातक डेल्टा वैरिएंट से भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। कोरोना के इस संभावित सुपर वैरिएंट से मुकाबला करने के लिए सिर्फ वैक्सीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। डॉ. साई रेड्डी के अनुसार हाल में सामने आए कोरोना के स्ट्रेन एक साथ मिलकर एक नये खतरे को पैदा कर सकते हैं। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि हो सकता है कि वैक्सीन इस पर काम न करे।

कांग्रेस और उत्तर भारतीय दोनों...(पृष्ठ १ का शेष)

उल्हासनगर, पनवेल, नवी मुंबई आदि सहित मुंबई शहर में लगभग १ करोड़ ५० लाख हिंदी भाषी लोग रहते हैं। इनमें करीब एक करोड.से ज्यादा लोग उत्तर प्रदेश के हैं। यह समस्त हिंदी भाषी समाज मुंबई महानगरीय क्षेत्र में लगभग ५ दशक से परंपरागत रूप से कांग्रेस का वोट बैंक रहा है। लेकिन, लगातार कमजोर होती कांग्रेस की वजह से बीते एक दशक में यह वोट बैंक कांग्रेस से खिसकता जा रहा है।

ठाणे के प्रबुद्ध उत्तर भारतीय और उद्योगपति पंकज मिश्र कहते हैं, 'पार्टी के ढांचे को पूरी तरह से फॉर्मेट कर रिवाइव करने की जरूरत है। समुदाय विशेष के चक्कर में उत्तरभारतीयों को दरकिनार करना कांग्रेस को भारी पड़ सकता है।' ठाणे के ही उत्तरभारतीय समाजसेवी अभय पांडेय का कहना है, 'एमएमआर क्षेत्र में संख्या बल के लिहाज से उत्तरभारतीय वोटर्स ही कांग्रेस के समर्थक रहे हैं, लेकिन आज पार्टी में बड़े पैमाने पर उनकी उपेक्षा हो रही है। इसका खामियाजा कांग्रेस पार्टी भुगत रही है।'

भिवंडी के समाज सेवक दानिश आजमी कहते हैं, 'कांग्रेस को इस बात का आत्मचिंतन करना चाहिए, आखिर उसके समर्पित कार्यकर्ता पार्टी छोड़कर दूसरे दलों में क्यों जा रहे हैं? कांग्रेस को अगर उत्तर भारतीयों का वोट चाहिए, तो उन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना ही होगा।' मीरा-भाईंदर में रहने वाले प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार शर्मा कहते हैं, 'यह तो अब जगजाहिर है कि मुंबई और एमएमआर ही नहीं, पूरे महाराष्ट्र में कांग्रेस के पास अब कोई उत्तर भारतीय नेता नहीं बचा है। लेकिन, इससे बडी तकलीफ यह है कि पार्टी के भीतर ऐसा कोई नेतृत्व तैयार करने की कोशिश भी नहीं की जा रही है।'

लगातार उत्तर भारतीय नेतृत्वविहीन होती कांग्रेस की सबसे बडी मुश्किल यह है कि वह करे तो क्या करे। उसके पास अब कोई भी उत्तर भारतीय चेहरा नहीं बचा है, जिसके सहारे फिर से उत्तर भारतीयों को लुभा सके। ऐसे में, आगामी महानगर पालिका चुनावों और उसके बाद अगले विधानसभा चुनावों में पार्टी का अंजाम क्या होगा, इस पर कांग्रेस को अभी से चिंतन करना होगा।

पत्नी ने 6 लोगों के साथ मिलकर की पति की हत्या, दो महीने बाद पुलिस ने निकाला कंकाल

मुंबई : मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे हत्याकांड को सुलझाया है। जिसमें कुर्ला इलाके में रहने वाले २८ साल के एक व्यक्ति को लेकर उसकी बहन ने विनोबा भावे पुलिस स्टेशन गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। जिसके बाद पुलिस दो महीने से ज्यादा जांच पड़ताल में यह पता लगाया कि जिस लापता व्यक्ति को पुलिस तलाशने की कोशिश कर रही थी।

उस व्यक्ति की हत्या उसी की पत्नी ने ६ लोगों के साथ मिलकर हत्या कर दी है। यही नही हत्या करने के बाद पति की लाश को घर के बगल के कमरे में दफना भी दिया गया था। इस मामले में जिन सात लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनमें से पत्नी उसके एक बहन और दो सगे भाई शामिल हैं जबकि बाकी के तीन पड़ोसी है।

यह तस्वीर उसी २८ साल के दीपक उर्फ कोत्या जगन्नाथ सांगले की है। जानकारी के मुताबिक लापता होने की खबर दीपक की बड़ी बहन संगीता सांगले ने विनोबा भावे नगर पुलिस थाने में २१ जून २०२१ को एफआईआर दर्ज कराई थी। जब लापता दीपक की तलाश शुरु थी। उसी समय पुलिस को यह पता चला कि लापता दीपक पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और इलाके में उसकी काफी दहशत है। इतना ही नहीं दीपक के आपराधिक कारनामों के चलते उसके कई दुश्मन भी बन गए थे।

लापता दीपक की तलाश के दौरान पुलिस के मन में बार -बार यह सवाल उठ खड़ा हो रहा था कि अचानक से यह व्यक्ति गायब कैसे हो गया। इन्हीं सवालों के जवाब के लिए पुलिस परिवार के लोगों पर भी नजर रख रही थी।

दीपक की बहन संगीता ने भी अपने भाई के लापता होने के पीछे परिवारवालों पर ही शंका जाहिर की थी।जिसके बाद शक की बिनाह पर जब दीपक सांगले के साले (दीपक की पत्नी का सगा भाई) आदित्य गौतम (१९ साल) से इस दीपक के गुम होने को लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो वह टूट गया।

जिसके बाद गौतम ने यह कबूल किया और बताया कि की उसने और उसकी दो बहन सरस्वती (२१ साल) और मनीषा (२५ साल) और उसके बड़े भाई आंनद गौतम (२२ साल) साथ ही पड़ोस में रहनेवाले दोस्त जो मृतक दीपक के अपराधों से त्रस्त थे।जिसमें विशाल कराडे (२५ साल), किशोर साहु (२७ साल) और रितिक विश्वकर्मा (२२ साल) मिलकर अपने जीजा की पहले घर में ही रखे किसी हथियार से हत्या की। उसके बाद उसकी लाश को घर के बगल में गाड़ दिया।

ज्वेलर हत्याकांड में दो गिरफ्तार...(पृष्ठ ४ का शेष)

पी। कल्याण से गिरफ्तार आरोपी ने तीन अन्य आरोपियों के लिए पहले से टिकट बुक कर रखा था, उसी टिकट पर तीनों आरोपी महाराष्ट्र से बाहर फरार हो गए। तीनों आरोपियों में एक मृतक जैन का जान-पहचान वाला भी शामिल है। पुलिस की टीम उसे ढूंढ रही है और उसे कभी भी गिरफ्तार किया जा सकता है।

चरस बेचने आया हत्या...(पृष्ठ ४ का शेष)

पुलिस निरीक्षक राजेंद्र दहिफले के नेतृत्व में आजाद मैदान एएनसी की टीम ने गोरेगांव-पूर्व के फिल्म सिटी रोड स्थित सेटेलाइट रॉयल बिल्डिंग के पास जाल बिछाया और एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। उसकी तलाशी में १० लाख ८ हजार रुपए की ५०४ ग्राम चरस बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का एक मामला पहले से ही दिन्डोशी पुलिस थाने में दर्ज है। आशंका जताई जा रही है कि वह मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले किसी बड़े अंतर राज्यीय गिरोह से जुड़ा हो सकता है।

पौने ११ लाख की एमडी के साथ...(पृष्ठ ४ का शेष)

स्थित मीठ चौकी बस स्टॉप के पास जाल बिछाया। टीम ने वहां से पंकज राजपुरोहीत (बदला हुआ नाम) को हिरासत में लिया। उसकी तलाशी में एएनसी की टीम को पौने १८ लाख रुपये की १०५ ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई।

आरोपी ने पहले खुद को इमिटेशन ज्वेलरी का कारोबारी बता कर एएनसी की टीम को गुमराह करने की कोशिश कर रहा था लेकिन उसके पास मिले सन्दिग्ध ड्रग्स की जांच में प्रतिबंधित एमडी होने की पुष्टि के बाद वह टूट गया। उसने बताया कि वह ३ साल से ड्रग्स का कारोबार कर रहा था। वह नालासोपारा से एमडी ड्रग्स लाता था और उसे मालाड व आसपास के इलाकों में बेचता था। बताया जा रहा है कि पंकज के ग्राहक फिक्स थे। वह प्रतिदिन मीठचौकी के पास रात में १२ बजे के आसपास जाता था। यह बात मालाड, मालवणी क्षेत्र के उसके ग्राहक जानते थे। उसके ग्राहक उसी दौरान एमडी खरीदने के लिए वहां आते थे। उनमे ८ लोग पंकज के नियमित ग्राहक थे।

फर्जी योजनाओं के जरिए लोगों से ६८४ करोड़ रुपये की ठगी करने वाला कारोबारी गिरफ्तार

मुंबई : फर्जी योजनाओं के जरिए निवेशकों से कथित रूप से ६८४ करोड़ रुपये ठगने के आरोप में नेपाल के रहने वाले ५५ वर्षीय एक कारोबारी को मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

फेनोमेनल ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन नंदलाल केसर सिंह को रविवार को मुंबई पुलिस की अपराध शाखा की इकाई सात ने दक्षिणी मुंबई के एक पांच सितारा होटल से हिरासत में लिया। उसके बाद उसे लातूर पुलिस की आर्थिक अपराधों की शाखा को सौंप दिया गया।

लातूर पुलिस ने नंदलाल के खिलाफ २०१८ में भारतीय दंड संहिता की धारा ४२०, ४६८, ४७१, ४०९ और ३४ के अलावा महाराष्ट्र जमाकर्ताओं के हित संरक्षण (एमपीआईडी) अधिनियम की धारा तीन के तहत मामला दर्ज किया था।

नंदलाल २०१८ से ही फरार था और गिरफ्तारी से बचने के लिए कई देशों में अपना ठिकाना बदल रहा था। वह पिछले दो वर्षों में अमेरिका और ब्रिटेन में भी रहा था। इसके अलावा वह पश्चिमी नेपाल में अपने मूल निवास धनगढी में भी रहा था। इसके बाद वह नोएडा चला गया और मुंबई और दिल्ली के होटलों में अपनी पत्नी सहित विभिन्न नामों से कमरे बुक कर रह रहा था।

अपराध शाखा के अधिकारी के मुताबिक नंदलाल पर लोगों को आकर्षक रिटर्न का वादा करके अपनी फर्मों, फेनोमेनल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, फेनोमेनल प्लांटेशन लिमिटेड, फेनोमेनल हेल्थकेयर सर्विसेज आदि में निवेश करने का लालच देने और फिर समझौतों से मुकरने और लोगों के ६८४ करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप है।

ज्वेलर हत्याकांड में दो गिरफ्तार, तीन फरार

हत्या के बाद दुकान में हुई थी लूट

ठाणे : आभूषण व्यवसायी भरत जैन का अपहरण करने तथा उसकी हत्या कर शव को खाड़ी में फेंक देने के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हत्या करने के बाद दुकान से लूटे गए चांदी के आभूषण तथा हत्या में उपयोग की गई एक कैब को पुलिस ने जप्त कर लिया है। इसी कैब से ज्वेलर की हत्या का किस्सा खुला।

बता दें कि मखमली तालाब के बगल स्थित नीलकंठ सोसायटी निवासी एवं आभूषण व्यवसायी भरत जैन का शव कलवा खाड़ी से बरामद किया गया था। १४ अगस्त की सुबह १० बजे वे अपने घर से दुकान खोलने के लिए निकले थे। चराई के दगडी शाला के पास बी.के. ज्वेलर्स नामक उनकी खुद की एक दुकान है। देर रात जब वे घर पर वापस नहीं आए तो उनकी खोजबीन शुरू हुई। पता न चलने पर परिजनों ने नौपाडा पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। २० अगस्त को उनका शव खाड़ी से बरामद किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या किए जाने का खुलासा हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की दो टीमों का गठन किया गया। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज में जैन को एक कैब में बैठकर जाते हुए देखा गया। फुटेज से मिले नंबर के आधार पर पुलिस ने नई मुंबई के घंसोली निवासी कैब चालक को हिरासत में लिया। चालक से हुई पूछताछ में इस सनसनीखेज हत्याकांड का पर्दाफाश हो गया और कल्याण निवासी एक दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक इस मामले में शामिल ५ आरोपियों ने भरत जैन का अपहरण कर लिया था। उन्हें लेकर कलवा साकेत पुल के नीचे गए जहां पिटाई करने के बाद रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर डाली और शव को रात के ढाई बजे खाड़ी में फेंक दिया। इसके बाद जैन से छीनी गई चाभी को लेकर आरोपी दुकान पर आए और वहां रखे डेढ़ लाख के चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। दुकान में रखी एक तिजोरी को भी आरोपियों ने खोलने का प्रयास किया पर उसकी चाभी न होने की वजह से वे सफल नहीं हो पाए। वागले इस्टेट स्थित एक बीयर बार में आरोपियों ने शराब **(पृष्ठ ३ पर)**

बहन पर भाई के साथ जबरन संबंध बनाने का आरोप

५ महीने की गर्भवती है नाबालिग

मुंबई : मुंबई के कुरार पुलिस के तहत एक हैरान करने वाला मामला सामने आया। पुलिस के मुताबिक उन्हें एक अस्पताल से १६ साल की एक नाबालिग लड़की के ५ माह की गर्भवती हो जाने की खबर मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने लड़की से जब पूछताछ की तो उसने अपनी गर्भावस्था के लिए अपने १३ वर्षीय भाई का नाम लिया।

लड़की की तरफ से पुलिस को दिए बयान के मुताबिक, उसको अश्लील फिल्में देखने का शौक था। वह और भाई जब अपने छोटे से घर में पलंग के नीचे सोते थे, तो वह भाई को मोबाइल में अश्लील फिल्में दिखाती थी। बाद में वह भाई पर दबाव डालकर उसकी मर्जी के बगैर उसके साथ यौन संबंध बनाने लगी। इस दौरान वह गर्भवती हो गई।

पीड़ित के बयान की पुष्टि करने के लिए पुलिस जब उसके नाबालिग भाई से पूछताछ की, तो उसने बहन की सभी बातों की पुष्टि की। भाई ने पुलिस को बताया कि जब वह ऐसा करने से मना करता था, तो उसकी बड़ी बहन उसको पीटने और सबको यह बात बताने की धमकी देती थी। इसलिए वह बहन की बात मानकर इस तरह के गलत काम करने को मजबूर था।

इस बाबत पुलिस ने आपराधिक मामला दर्ज कर आरोपी को बाल सुधार गृह भेज दिया है, जबकि पीड़ित लड़की अस्पताल में भर्ती है। माता-पिता समेत अन्य लोगों के डीएनए की जांच की जा रही है। सीनियर पी. आई. प्रकाश बेले के अनुसार, मामला संवेदनशील है। पुलिस हर ऐंगल से इस घटना की जांच कर रही है।

चरस बेचने आया हत्या का आरोपी पुलिस पहुंचाया सलाखों के पीछे

मुंबई : हत्या-हत्या के प्रयास के मामलों में जमानत पर छूटे, सजायाफ्ता व फरार आरोपी अक्सर अपनी दहशत को भुनाने की कोशिश करते हैं। कुछ लोग रंगदारी वसूलने की कोशिश करते है तो कुछ अब मादक पदार्थों की तस्करी भी करने लगे हैं। ऐसे ही एक आरोपी को मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच की एंटी नार्कोटिक्स सेल (एएनसी) आजाद मैदान यूनिट ने ५०४ ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है।

बता दें कि एएनसी आजाद मैदान यूनिट के पीएसआई मानसिंह काले को मादक पदार्थों की तस्करी के सिलसिले में एक सख्स के आने की सूचना मिली थी, जिसके बाद डीसीपी दत्ता नलावड़े के मार्गदर्शन व वरिष्ठ **(पृष्ठ ३ पर)**

पौने ११ लाख की एमडी के साथ धराया राजस्थानी

मुंबई : सभी को रोजी-रोटी देने के लिये मशहूर मुंबई शहर में प्रतिदिन रोजगार की तलाश में आते हैं। इन्हीं लोगों में से कुछ जल्द, आसानी से और ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाने के लिए शार्टकट यानी कि गैरकानूनी रास्ता अपना लेते हैं। राजस्थान से मुंबई में रोजगार की तलाश में आए एक ऐसे ही ३४ वर्षीय युवक को मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच की एंटीनार्कोटिक्स सेल (एएनसी) की घाटकोपर यूनिट ने गिरफ्तार किया है। आरोपी रोजगार की तलाश में मुंबई आया था लेकिन सिर्फ ९वीं कक्षा तक की पढ़ाई के बावजूद कम समय में ज्यादा से ज्यादा कमाई के कारण वह मादक पदार्थों की तस्करी करने लगा।

बता दें कि एएनसी घाटकोपर यूनिट के अधिकारियों को मालाड-पश्चिम के ऑर्लेम इलाके में रहनेवाले एक ड्रग्स विक्रेता के बारे में सूचना मिली थी। डीसीपी दत्ता नलावड़े के मार्गदर्शन व वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक लता सुतार के नेतृत्व में एएनसी की टीम ने मालाड-पश्चिम के लिंक रोड **(पृष्ठ ३ पर)**

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : ११ अंक : १ मुंबई, शुक्रवार, ३ सितंबर से ९ सितंबर २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

तीसरी लहर : १२०० डॉक्टरों की भर्ती करेगी महाराष्ट्र सरकार

मुंबई : महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने एक प्रेस कॉफ्रेंस के जरिए कोरोना की तीसरी लहर को लेकर राज्य सरकार की तैयारियों का ब्यौरा दिया। उन्होंने कहा कि हम तीसरी लहर से निपटने के लिए पर्याप्त तैयारियां कर रहे हैं। इस १२०० डॉक्टरों को आगामी १२ से ५ सितंबर के पहले भर्ती करेंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग में जितने भी कर्मचारियों के पद खाली हैं उन्हें भी भरा जाएगा।

डोपे ने बताया कि महाराष्ट्र में पहले ऑक्सिजन की उपलब्ध १२ सौ से १३ सौ मीट्रिक टन की होती थी। जिसे अब बढ़ाकर २००० मीट्रिक टन तक किया गया है, उन्होंने कहा कि जुलाई महीने में हुए महाराष्ट्र सरकार के विधानसभा अधिवेशन में तीसरी लहर से बचने के लिए जरूरी आर्थिक व्यवस्था का भी प्रबंध किया गया है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में सितंबर माह के अंत तक १००० एंबुलेंस को भी खरीदा जाएगा। जिससे राज्य के सभी अस्पतालों खासतौर पर ग्रामीण अस्पतालों में भी एंबुलेंस की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि अस्पतालों के

इंफ्रास्ट्रशन को सुधारने के लिए भी ५००० करोड़ रुपए का कर्ज लेने की बात कही जा रही है।

राजेश टोपे ने कहा कि तीसरी लहर में ६० लाख लोगों के संक्रमित होने का अंदाजा है। एक समय में १३ लाख एक्टिव मरीज होने की भी बात कही जा रही है। ऐसे हालात से निपटने के लिए ही यह तैयारियां शुरू हैं। उन्होंन कहा कि सभी जिलों के कलेक्टर को सर्कुलर भेजा गया है। जिसमें टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ को १५ सितंबर से पहले वैक्सीनेशन पूरा करवाने का प्रयास है। स्कूल खोलने के तरफ यह महाराष्ट्र सरकार का बड़ा कदम है। टोपे ने बताया कि सितंबर और अक्टूबर महीने में ज्यादा त्यौहार है और यह खत्म होते ही तीसरी लहर के आने की आशंका भी जताई जा रही है। उन्होंने कहा कि केरल में कोरोना मामलों के बढ़ने के पीछे की एक बड़ी वजह ओमण त्यौहार का माना जाना भी है। ऐसे में सरकार त्योहारों में कोई विशेष छूट देने के पक्ष में नहीं है। स्थानीय नियाक चुनाव के मुद्दे पर टोपे ने कहा है कि मुख्यमंत्री और अन्य मंत्री मिलकर चुनाव अधिकारियों से बातचीत करेंगे और वह जानने की कोशिश करेंगे कि क्या मामले बढ़ने पर चुनाव आगे बढ़ाए जा सकते हैं।

सिद्धार्थ शुक्ला का निधन से पहले इंस्टाग्राम पर आखिरी पोस्ट

मुंबई : टीवी इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारे सिद्धार्थ शुक्ला नहीं रहे। पिछले साल सुशांत सिंह राजपूत की मौत की तरह ही सिद्धार्थ शुक्ला के निधन की खबर ने पूरे देश का दिल दहला दिया है। सिद्धार्थ शुक्ला के आखिरी पोस्ट की तस्वीर रुलाने वाली है। सिद्धार्थ के इस पोस्ट में उनके हाथ में लाइफ लाइन ग्राफ नजर आ रहा है।

सिद्धार्थ के आखिरी पोस्ट में उनके हाथ में वह तस्वीर है, जो किसी की सांसों के चलने की कहानी बयां करती हैं। यही लाइन सीधी हो जाती है तब जैसे सबकुछ ठहर जाता है। आज सिद्धार्थ शुक्ला के साथ भी यही हुआ है। लाइफ लाइन वाली यह ग्राफ सीधी हो गई। हालांकि, सिद्धार्थ ने यह पोस्ट २४ अगस्त को किया

था और इसकी वजह भी अलग थी। सिद्धार्थ के हाथ में प्लेन कागज पर लाइफ लाइन बना नजर आ रहा है और उसपर लिखा है- The Heroes We owe यानी वे हीरो जिनके हम आभारी हैं। इस पोस्ट में उन्होंने कोविड-१९ के दौरान फ्रंटलाइन वॉरियर्स की तारीफ की थी, जिन्होंने लोगों की जान बचाने अपनी जिंदगी को दांव पर लगा दिया। मेडिकल और नर्सिंग स्टाफ और उनके बलिदान की तारीफ में सिद्धार्थ ने यह पोस्ट किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, बताया जा रहा है कि सिद्धार्थ की मौत हार्ट अटैक की वजह से हुई है। बताया जा

रहा है कि सिद्धार्थ शुक्ला ने रात को सोने से पहले दवाई खाई थी। लेकिन दवाई कौन सी ली थी, इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। कहा जा रहा है कि रात को सोने के बाद सिद्धार्थ फिर सुबह उठ नहीं पाए। सिद्धार्थ के निधन की खबर से पूरा देश इस वक्त शोक में है और हैरान भी।

चोरी हुए करोड़ों के जेवरात मालिकों के किया हवाले

नई मुंबई : नई मुंबई पुलिस ने कल ४१ लोगों को उनका चोरी हुआ माल वापस दिलाया। वाशी के मराठा समाज हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम में ४१ लोगों को उनका सामान वापस किया गया। इसमें करीब ५ रिक्शे शामिल हैं, जो कि कुछ साल पहले चोरी हुए थे। नई मुंबई परिमंडल-१ के सभी पुलिस स्टेशन में दायर मामलों को निपटाकर पुलिस ने चोरी हुआ सामान वापस किया है। नागरिकों ने चोरी हुआ सामान वापस मिलने पर पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नई मुंबई पुलिस आयुक्त बिपिन कुमार सिंह ने कहा कि लोगों का चोरी हुआ सामान वापस करना हमारा सौभाग्य है। उन्होंने नई मुंबई परिमंडल-१ के पुलिस उपायुक्त सुरेश मेंगड़े की तारीफ करते हुए सभी पुलिसकर्मियों से इसी तरह लोगों की सेवा करते रहने की अपील की। आयुक्त ने कहा कि जो लोग पुलिस को नजदीक से जानते हैं, उन्हें पता है कि हम कितनी विपरीत परिस्थिति में काम करते हैं।

(पृष्ठ 3 पर)

धारावी में सिलिंडर फटने से १७ लोग घायल, पांच की हालत गंभीर

मुंबई : मुंबई के धारावी में एलपीजी सिलिंडर फटने की वजह से आग लग गई। हादसे में १७ लोग घायल हो गए। इनमें से पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि गंभीर रूप से घायल होने वाले पांच लोगों में एक आठ साल का बच्चा भी शामिल है।

अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना शाहू नगर इलाके में रविवार की दोपहर को हुई। जानकारी के अनुसार एक झुग्गी ते बिल्कुल बाहर रखे एलपीजी

सिलिंडर में विस्फोट हो गया और इसके चलते स्तर एक की आग लग गई। हादसे में घायल हुए सभी १७ लोगों को नजदीकी

(पृष्ठ 3 पर)

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

काबुल की चिंता

अमेरिका कभी अफगानिस्तान में धमाकों के साथ घुसा था और आज लौटते हुए भी धमाके जारी हैं। आतंकवाद की असली जड़ों में मट्ठा न डालने का नतीजा सामने है। हालात काबुल में सबसे बदतर हैं। एयरपोर्ट पर हुए हमले में शहीद अपने सैनिकों का बदला लेने के लिए अमेरिका एक हद तक दृढ़ नजर आ रहा है, लेकिन पूरी अमेरिकी सैन्य कवायद अपनी रक्षा के लिए भी हो सकती है। अपनी रक्षा के लिए आक्रामक होना एक रणनीति ही है, जो हम पहले भी देख चुके हैं। खैर, तालिबान दहशतगर्दी का दामन छोड़ने को तैयार नहीं है, वह शायद जाते हुए अमेरिका को डराकर भेजना चाहता है, ताकि वह फिर कभी अफगानिस्तान में वापसी की न सोचे। इस बीच काबुल में युद्ध का आलम है। कहां बम बरस जाए, कहां फिदाईन हमला हो जाए, कोई नहीं जानता। लोग न घरों में सुरक्षित हैं और न ही सड़कों पर। ज्यादा आशंका यही है कि आने वाले कुछ दिनों तक स्थितियां ऐसी ही रहेंगी और दोनों पक्ष ऐसी स्थितियों के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते रहेंगे। सबसे ज्यादा खतरा तो आईएस की तरफ से है, जिसके आतंकी दहशत को बढ़ाने में दिन-रात लगे हुए हैं। दुनिया की भलाई इसी में है कि वह दहशत के हर बहते दरिया में हाथ धोने के शौकीनों को पहचान ले।

वैसे अमेरिका ने ड्रोन की मदद से शनिवार को भी हमले किए थे और रविवार को भी। उसने पहले ही साफ कर दिया था कि वह चुन-चुनकर बदले लेगा। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने काबुल में रविवार को हुए अमेरिकी हवाई हमले की निंदा करते हुए कहा है कि दूसरे देशों में मनमाने ढंग से हमले करना गैर-कानूनी है। शनिवार को आईएस के दो आतंकी मारे गए थे, जबकि रविवार के हमले में सात लोग मारे गए हैं। जाहिर है, अमेरिकी कार्रवाई से तालिबान नाखुश हैं और धमकी की जुबान पर उतर आया है। अमेरिका यह साबित करने में कामयाब रहा है कि उसने हमला करने आ रहे आतंकवादियों को निशाना बनाया, जबकि तालिबान का कहना है कि कोई खतरा था, तो उसकी सूचना मिलनी चाहिए थी। क्या अफगानिस्तान में अमेरिका को सूचना देकर आतंकवादियों पर हमला करना चाहिए? क्या तालिबान आतंकवादियों को पकड़ने में मदद करेंगे? क्या खुद तालिबान की हरकतें आतंकियों जैसी नहीं हैं? निर्दोष लोगों की हत्या करना, एक गायक को घर से निकालकर गोली मार देना कहां की सभ्यता है? अमेरिका को यह बात बार-बार पुरजोर तरीके से रखनी चाहिए कि तालिबान ने कब्जा किया है, ये कोई वैध शासक नहीं हैं। सत्ता के ऐसे हस्तांतरण के लिए समझौता नहीं हुआ था। अफसोस, चीन और पाकिस्तान खुलकर तालिबान के पक्ष में नजर आ रहे हैं। चीन ने तो यहां तक कहा है कि दुनिया तालिबान को रास्ता दिखाए। कहीं अमेरिका या भारत से दुश्मनी निभाने के फेर में चीन परोक्ष रूप से तालिबान का दुस्साहस न बढ़ा दे। अगर चीन सांप्रदायिकता को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना चाहेगा, तो अपने नैतिक आधार को उत्तरोतर और कमजोर ही करेगा। सत्ता के भूखे तालिबान न मजहब की सेवा करेंगे और न इंसानियत की। चीन उन्हें अपनी रीति-नीति के रास्ते पर ले जाएगा या सिर्फ अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करेगा? यह तालिबान से भी ज्यादा पाकिस्तान को सोचना चाहिए।

पहले छोटे बच्चे क्यों जाएं स्कूल

भारत दुनिया के उन चंद देशों में शुमार है, जहां कोविड-१९ महामारी के दौरान सबसे लंबे समय के लिए स्कूल-कॉलेज बंद रहे हैं और सबसे अंत में स्कूलों को खोलने की कवायद की जा रही है। हालांकि, काफी जद्दोजहद के बाद बेशक कुछ राज्यों ने स्कूल खोलने की शुरुआत की है, लेकिन यह प्रक्रिया काफी धीमी नजर आ रही है और इसमें कई किंतु-परंतु हैं। राज्यों के स्कूल खोलने संबंधी फैसले महामारी विज्ञान से मिली सीख के बजाय, व्यक्तिगत राय और 'व्यावहारिक बुद्धि' से कहीं अधिक प्रभावित नजर आते हैं। मसलन, वैज्ञानिक साक्ष्य बता रहे हैं कि प्राथमिक विद्यालय सबसे पहले खोले जाने चाहिए, जबकि अपने यहां कमोबेश सभी राज्य इसके उलट रास्ते पर चल रहे हैं। वे बड़ी कक्षाओं को पहले शुरू कर रहे हैं, और प्राथमिक कक्षाएं सबसे अंत में। आइए समझते हैं कि आखिर क्यों प्राइमरी स्कूलों को सबसे पहले खोलना चाहिए?

दुनिया भर से उपलब्ध आंकडे.बताते हैं कि सभी आयु समूहों के लिए स्कूल खोल देने चाहिए, क्योंकि बच्चों में कोरोना का जोखिम भले ही वयस्कों के समान होता है, लेकिन वयस्कों की तुलना में उनमें मध्यम से गंभीर बीमारी का खतरा नगण्य होता है। इसकी वैज्ञानिक वजह यह है कि बच्चों में एसीई-२ रिसेप्टर्स (कोरोना वायरस के फेफड़ों में प्रवेश करने में मददगार) पूरी तरह से विकसित नहीं होता। अत: बच्चे संक्रमित होने के बावजूद गंभीर रूप से बीमार नहीं पड़ते। इसके अलावा, तमाम तरह के ऐसे सुबूत भी मौजूद हैं, जो बताते हैं कि स्कूलों के खुलने से बच्चों में संक्रमण का खतरा नहीं बढ़ता। स्कूल 'सुपर-स्प्रेडिंग' (जहां से अप्रत्याशित रूप से अत्यधिक आबादी के संक्रमित होने का खतरा हो) नहीं होते, और व्यक्तिगत रूप से सीखने के लाभ भी कहीं अधिक हैं, इसीलिए जुलाई २०२१ तक दुनिया के १७५ से भी अधिक देशों में स्कूल खुल गए थे। और, ये स्कूल तब खुले, जब १२ साल से कम उम्र के बच्चों के लिए दुनिया में कहीं भी टीकाकरण की शुरुआत नहीं हुई है।

इसके उलट, अपने यहां कई लोग यह तर्क दे रहे हैं कि बच्चों को स्कूल तभी भेजना चाहिए, जब उनको टीका लग जाए। जबकि विश्व के तमाम विशेषज्ञ यही बताते हैं कि स्कूल खोलने के लिए टीकाकरण कोई शर्त नहीं होनी चाहिए। १२ से १७ वर्ष के बच्चों को अगर कुछ देशों में टीके दिए भी जा रहे हैं, तो उनके जोखिम और दूसरी अन्य बीमारियों से उनके ग्रसित होनेके कारण।

वास्तव में, बच्चों में कोरोना का खतरा स्वाभाविक रूप से कम होता है। वैश्विक आयुवार डाटा के मुताबिक, मध्यम से गंभीर बीमारी की आशंका और मृत्यु दर अंग्रेजी वर्णमाला के 'जे' जैसा घुमावदार होती है। इस वक्र में जन्म से १८ वर्ष के सभी बच्चों में वयस्कों की तुलना में काफी कम खतरा होता है। साथ ही, १० साल के बच्चे 'जे' का सबसे निचला हिस्सा बनाते हैं, जिन पर खतरा सभी आयु समूहों में सबसे कम होता है। इसके बाद, हर बदलते साल में जोखिम दोनों दिशाओं में बढ़ती जाती है- नौ साल से नीचे नवजात तक, साथ-साथ ११ साल से ऊपर जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है। इस तरह, जो बच्चे प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में हैं, यानी छह से १४ आयु वर्ग के बच्चे 'जे' वक्र के आधार के आसपास के हैं, उन्हें कोरोना का खतरा सबसे कम है।

फिर, हमें बच्चों की पठन-पाठन की जरूरतों का भी ख्याल रखना चाहिए। जो बच्चे प्राथमिक स्कूलों, खासतौर से पहली या दूसरी कक्षा में हैं, अभी-अभी स्कूली शिक्षा में शामिल हुए हैं और वर्णमाला या अंक सीख रहे हैं, उन्हें कहीं अधिक व्यक्तिगत मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। इन बच्चों को बहुत सीमित समय तक कंप्यूटर अथवा मोबाइल स्क्रीन पर काम करने की सलाह भी विशेषज्ञ देते हैं। हां, सीनियर क्लास के बच्चों में पढ़ने-सीखने की क्षमता इतनी होती है कि वे खुद से अध्ययन कर सकें और उनका 'स्क्रीन टाइम' भी ज्यादा रखा जा सकता है।

हमें समझना होगा कि शुरुआती वर्षों में ही यदि शिक्षा में कोई रुकावट आ जाए, तो उसका असर लंबे समय तक बना रहता है। इन वर्षों में 'लॉस ऑफ लर्निंग' यानी सीखने के नुकसान का मतलब है, बाद की कक्षाओं में बच्चों में उस स्तर की समझ का न बनना, जितनी उन्हें जरूरत होती है। नतीजतन, वे समझ के स्तर पर पिछड़ सकते हैं और पढ़ाई-लिखाई से तौबा कर सकते हैं। इसलिए आरंभिक कक्षाओं के बच्चों की स्कूल में वापसी को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। अगर इस पर अब भी ध्यान नहीं दिया गया, तो जेंडर, सामाजिक-आर्थिक हैसियत और भौगोलिक क्षेत्रों के कारण पहले से मौजूद शैक्षणिक असमानता इस 'लर्निंग लॉस' से कहीं अधिक गहरी हो जाएगी।

शिक्षा के निजी और सामाजिक, दोनों तरह के फायदे हैं। अच्छी नौकरी और पारिवारिक आय में वृद्धि जैसे इसके निजी लाभ हैं, तो कार्य-कुशल श्रम-बल, कार्य उत्पादकता में वृद्धि और राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में योगदान जैसे इसके सामाजिक लाभ भी हैं। महामारी के दौरान स्कूलों के बंद होने का असर तो आने वाले वर्षों में पता चलेगा, लेकिन यदि इस पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया, तो लोगों को गरीबी से बाहर निकालने और जीडीपी विकास में तेजी लाने के भारत के प्रयासों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। जाहिर है, स्वास्थ्य और शिक्षा, दोनों नजरिए से देखें, तो महामारी का सबसे ज्यादा नुकसान उन्हें (बच्चों को, विशेषकर प्राथमिक स्कूल के विद्यार्थियों को) होने जा रहा है, जिन पर महामारी का खतरा सबसे कम है। भारत ने कोविड-१९ से संबंधित फैसले लेने में डाटा, विज्ञान और महामारी विज्ञान के अनुभवों के इस्तेमाल के कई मौके गंवाए हैं। मगर हमारे नीति-नियंता चाहें, तो स्कूलों को खोलने के फैसले में इनका सार्थक उपयोग कर सकते हैं। क्या वे इसके लिए तैयार हैं? *(ये लेखक के अपने विचार हैं)*

घाटकोपर-मानखुर्द लिंक रोड दुर्घटना के बाद खुली बीएमसी की नींद

मुंबई : घाटकोपर-मानखुर्द लिंक फ्लाइओवर पर हुई दुर्घटना के बाद बीएमसी की नींद खुली है। बीएमसी अब वहां सुरक्षा की दृष्टि से कई कदम उठाने जा रही है, ताकि भविष्य में किसी तरह की दुर्घटना को टाला जा सके। बीएमसी ब्रिज डिपार्टमेंट के अनुसार नए फ्लाइओवर पर वाहनों की स्पीड पर ब्रेक लगाने के लिए पुल के दोनों तरफ हर ५०० मीटर पर स्पीड ब्रेकर लगाया जाएगा। साथ ही, नजर रखने के लिए सीसीटीवी लगाई जाएगी और रम्बलर्स भी लगाए जाएंगे। वाहनों की फिसलन रोकने के लिए रोड पर मास्टिक अस्फाल्ट लगाया जाएगा।

वीरमाता जीजाबाई भोसले मार्ग पर (घाटकोपर-मानखुर्द लिंक रोड) पर बने फ्लाइओवर का उद्घाटन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने १ अगस्त, २०२१ को किया था। मानखुर्द परिवहन विभाग से समन्वय कर ३ मीटर की ऊंचाई तक हल्के वाहनों के लिए फ्लाइओवर खोल दिया गया है। इस फ्लाइओवर पर मोहिते पाटील नगर जंक्शन के पास कम ऊंचाई पर हाई टेंशन वायर गुजर रहे हैं, जिससे वाहनों में करंट लगने से दुर्घटनाएं होने की संभावना है।

इसी को ध्यान में रखते हुए बीएमसी प्रशासन इन हाई टेंशन वायर की ऊंचाई बढाने के लिए सरकार के राजस्व विभाग को पत्र लिखा है। बिजली के तारों की ऊंचाई बढाने के बाद भारी वाहनों को प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। बीएमसी का कहना है कि फ्लाइओवर को ५० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वाहनों को ले जाने के लिए बनाया गया है। इसके बावजूद लोग फ्लाइओवर के ऊपर चार पहिया और दोपहिया वाहन तेज गति से चला रहे हैं, जिससे दुर्घटना हो रही है। फ्लाइओवर पर वाहन चालकों की गति को नियंत्रित करने के लिए बीएमसी अतिरिक्त उपाय कर रही है। पिछले दिनों एक विडियो वायरल हुआ था, जिसमें दिखाया गया था कि एक दोपहिया सवार व्यक्ति की यहां दुर्घटना के बाद उसकी जान चली गई।

बीएमसी ब्रिज डिपार्टमेंट के चीफ इंजिनियर सतीश ठोसर ने बताया कि ऐहतियात के तौर पर घाटकोपर-मानखुर्द लिंक फ्लाइओवर को एक तरफ से बंद कर दिया गया है। वहां काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ४-५ दिन बाद उसे खोल दिया जाएगा।

50 हजार के लिए दोस्त का किया था हत्या, उम्रकैद

मुंबई : दोस्त को भाई का दूसरा रूप कहा जाता है। वर्तमान समय में पैसों के बढ़ते मोल के कारण जब तमाम रिश्ते-नाते महत्व खो रहे हैं, तब किसी दोस्त से बहुत ज्यादा उम्मीद रखना भी बेमानी हो जाता है। अर्थात अब दोस्त भी दोस्त नहीं रह गए हैं। मतलबी दुनिया के लिए सिर्फ धन का महत्व रह गया है। यानी कि सबसे बड़ा रुपैया। आज की कहानी कुछ ऐसी ही है।

ये कहानी है मुजफ्फरनगर के शहजाद की, जो अपने ही दोस्तों की दगाबाजी का शिकार बन गया था। शहजाद के पास ५० हजार रुपए हैं, ये बात उसके दोस्त को पता चल गई और फिर उन्हीं ५० हजार रुपयों के लिए शहजाद के दोस्त पैंजान ने साजिश रची और धोखे से उसकी हत्या कर दी। फैजान ने सबूत मिटाने के लिए शहजाद की लाश को दफना भी दिया था। लालच में हैवान बना फैजान, अपने एक अन्य दोस्त को भी साथ में ले डूबा।

हरिद्वार जनपद के मंगलौर निवासी गफूर का पुत्र शहजाद देवबंद तहसील के गांव राज्जोपुर में गोश्त की दुकान चलाता था। उसकी दुकान के बराबर में ही बागोवाली थाना नई मंडी निवासी नियामत के पुत्र फैजान की भी दुकान थी। बताया जाता है कि शहजाद और फैजान की अच्छी दोस्ती थी। शहजाद ने धंधे से बचाकर करीब ५० हजार रुपए जुटाकर रखे थे। इसकी भनक किसी तरह फैजान को लग गई और वह शहजाद के उन रुपयों को पाने के लिए साजिश रचने लगा। उसी दौरान शहजाद को किसी कार्यवश अपनी बहन के घर जाना पड़ा। बहन के घर जाते समय शहजाद कपड़ों के साथ अपने ५० हजार रुपए भी साथ ले गया था। यह बात किसी तरह फैजान को पता चल गई। फैजान ने सोचा यही सही मौका है और वह अपने भाई के साथ शहजाद को मिलने पहुंच गया। २६ जून, २०११ को फैजान, शहजाद को उसकी बहन जहीरा के घर से बुलाकर अपने साथ ले गया था। लेकिन उसके बाद शहजाद वापस घर नहीं लौटा। एक दिन बाद फैजान और साजिद, जहीरा के घर पहुंचे और कपड़े देते हुए उसे बताया कि शहजाद मंगलौर चला गया है।

शहजाद जब कई दिनों बाद भी मंगलौर नहीं पहुंचा तो जहीरा ने इसकी जानकारी अपने दूसरे भाई जहीर को दे दी, जिसके बाद जहीर ने शहजाद की तलाश शुरू की। इस प्रयास में गांव के ही नसीम उर्फ कल्लू तथा कर्रार ने बताया कि उन्होंने शहजाद को फैजान तथा साजिद के साथ बाइक पर जाते देखा था। जहीर ने शहजाद के गुमशुदगी की शिकायत पुलिस में दर्ज करा दी। बरला चौकी थाना छपार पर तैनात पुलिसकर्मियों ने शहजाद की तलाश शुरू की गई तो २७ जून को उन्हें एक लावारिस शव मिला। चार दिन बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। स्वजन ने कपड़ों से मृतक की पहचान की। वह शव शहजाद का ही था। पुलिस ने इस मामले में जहीर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर फैंजान तथा साजिद को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी फैंजान व साजिद ने कबूल कर लिया कि उन्होंने शहजाद को उसकी बहन के घर से बुलाया था। उस वक्त शहजाद अपने साथ ५०,००० रुपए भी ले आया। उसी रुपए के लिए उन्होंने शहजाद की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। बाद में उसका शव छपार में दफना दिया था, जो बाद में पुलिस ने बरामद कर लिया था।

घटना के मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र एवं जिला न्यायाधीश कोर्ट संख्या-११ शाकिर हसन के समक्ष हुई। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता कमल कुमार ने बताया कि अभियोजन की ओर से घटना साबित करने के लिए सात गवाह पेश किए गए। पेश सुबूत एवं गवाह तथा दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपित फैजान तथा साजिद को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है।

धनशोधन मामले में ईडी के समन... (पृष्ठ 4 का शेष)

जरिए मुंबई में विभिन्न 'बार' और रेस्तरां से ४.७० करोड़ रुपये एकत्र किए।

देशमुख के परिवार द्वारा नियंत्रित नागपुर स्थित एक शैक्षिक ट्रस्ट, 'श्री साईं शिक्षण संस्थान' में इस पैसे का कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया। ईडी मामले में पूछताछ के लिए अभी तक पांच बार देशमुख को तलब कर चुकी है।

देशमुख ने समन के खिलाफ राहत मांगने और गिरफ्तारी से संरक्षण के लिए उच्चतम न्यायालय का भी रुख किया था, लेकिन शीर्ष अदालत ने उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

धारावी में सिलिंडर फटने से १७ लोग... (पृष्ठ 1 का शेष)

सियोन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट के अनुसार घायल हुए १७ लोगों में स १२ लोग खतरे से बाहर है। इनमें सात पुरुष और पांच महिलाएं शामिल हैं। वहीं, पांच की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और इनमें से दो लोग तो ५० से ६० फीसदी तक जल गए हैं। इनमें दो महिलाएं, एक बच्चा और दो पुरुष शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला है कि सिलिंडर से गैस लीक हो रही थी और यह झोपड़ी के बाहर रखा था।

चोरी हुए करोड़ों के जेवरात मालिकों... (पृष्ठ 1 का शेष)

चोरी हुई प्रॉपर्टी को रिकवर करना बहुत मुश्किल भरा काम होता है। इसलिए प्रॉपर्टी के मामले हल होने का प्रतिशत भी कम है। यहां हम लगभग ५० प्रतिशत मामले ही हल कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से पुलिसकर्मियों का आत्मविश्वास बढ़ता है।

ठाणे में फेरीवालों का... (पृष्ठ 4 का शेष)

बल्कि उनके एक सुरक्षा गार्ड की अंगुली भी कट गई है। दोनों का वेदांत अस्पताल घोडबंदर रोड में इलाज चल रहा है। घटना से इलाके में हडक़ंप मच गया है।

मालाड और साकीनाका... (पृष्ठ 4 का शेष)

को मौके पर तैनात किया गया है।

साकीनाका में घर पर गिरा पत्थर : अधिकारी ने कहा कि सोमवार की देर रात हुई एक घटना में साकीनाका में जीएमएम रोड पर सार्वजनिक शौचालय के पास एक घर के ऊपर कुछ पत्थर फिसल गए। अधिकारी ने कहा कि ४७ वर्षीय एक व्यक्ति घायल हो गया और उसे पास के एक नागरिक अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया गया और बाद में उसे छुट्टी दे दी गई।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, ३ गिरफ्तार

वसई : एक १७ वर्षीय अनाथ नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने तीन बलात्कारियों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी इस वारदात से पहले भी नवंबर २०२० से इस साल अगस्त २०२१ के बीच कई बार पीड़िता से कथित रूप से अलग-अलग जगहों पर यौन उत्पीड़न कर चुके है।

पुलिस उपायुक्त (रेलवे) प्रदीप जाधव ने बताया कि लड़की की मां परिवार को छोड़कर चली गई थी, जिसके बाद नाबालिग अपने पिता के साथ किराए के घर में रहने लगी थी। पिछले साल नवंबर में पिता की भी मौत हो गई। मौत होने के बाद मकान मालिक ने लड़की से कमरा खाली करवा दिया था, जिसके बाद वह वसई में फुटपाथ पर रहने लगी। पुलिस ने बताया कि ३ अगस्त को पुलिस की टीम ने लड़की को वसई रेलवे स्टेशन इलाके में भटकते हुए पाया। जब उससे पूछा गया कि वह कहां की रहनेवाली है तो उसने कुछ नहीं बताया और वह खौफ में दिख रही थी। पुलिस ने इसके बाद उससे बातचीत के लिए टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस (टीआईएसएस) और कुछ गैर सरकारी संगठनों की मदद ली।

डीसीपी ने बताया कि किशोरी को चिकित्सकीय जांच के लिए भेजा गया, जिसमें उसके साथ यौन उत्पीड़न की बात सामने आई। पुलिस ने जानकारी जुटाकर तीन आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं और यौन अपराध से बाल संरक्षण कानून (पॉक्सो) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया। वसई रेलवे पुलिस थाने के निरीक्षक बापूसाहेब बागल ने बताया कि लड़की खौफ में है। उन्होंने कहा हम काउंसलर की मदद ले रहे हैं। लड़की का पुनर्वास किया जाएगा और उसे व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

मालाड और साकीनाका में चट्टानें खिसकीं

मनपा ने ४०० लोगों को किया स्थानांतरित न तीन घायल

मुंबई : सोमवार देर रात से ही मुंबई उपनगरों में भारी बारिश के चलते कई छिटपुट घटनाएं हुईं। लेकिन मंगलवार को सुबह साढ़े १० बजे तक मालाड के कुरार विलेज और कुर्ला के साकीनाका में पहाड़ की चट्टानें खिसकने से दो बड़ी घटनाएं हुईं। हालांकि इन दोनों घटनाओं में मात्र तीन लोग घायल हुए। मनपा ने सतर्कता बरतते हुए लगभग ४०० लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इस घटना में दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं। मालाड कुरार विलेज में यह घटना दूसरी बार हुई है। इससे पहले वर्ष २०१९ के जून में यहां फॉरेस्ट की रिजर्व वाल गिरने से ३२ लोगों की मौत हो गई थी। इस बार फिर अधिक बारिश होने से यहां रिजर्व

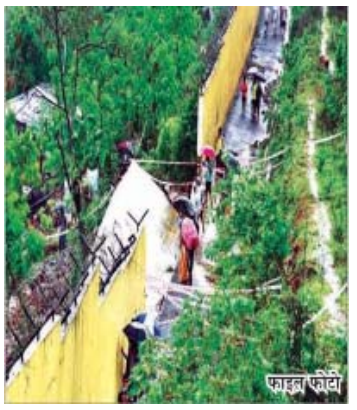
फाइल फोटो

वाल के पत्थर लोगों के झोपड़े पर गिरने लगे। जिसे देखते हुए मनपा और दमकल विभाग के कर्मचारी लोगों के बचाव में लग गए हैं। उधर, साकीनाका में एक घर पर पत्थर गिरा। एक व्यक्ति घायल होने की खबर है।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि मालाड के कुरार गांव के कम-से-कम १०० झोपड़ाधारकों को भूस्खलन की घटना के कारण दूसरे स्थान पर शिफ्ट किया गया है। उन्होंने कहा कि कुरार गांव के आंबेडकर नगर में सुबह करीब १०.३० बजे भारी पानी के बहाव के कारण पहाड़ी से चट्टानें खिसक गईं, क्योंकि पश्चिमी उपनगरों में भारी बारिश हुई थी। इस लिए यहां दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। ऐसे में आस-पास के लोगों को हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन एहतियात के तौर पर इलाके से १०० लोगों को पारेख नगर के मनपा स्कूल में स्थानांतरित कर दिया गया। इसके अतिरिक्त किसी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए मनपा वॉर्ड और वन विभाग के कर्मियों (पृष्ठ 3 पर)

चाचा से नहीं हुई शादी तो भतीजी ने की खुदकुशी

मुंबई : रिश्ते में चाचा लगने वाले प्रेमी की किसी और लडक़ी से सगाई २१ वर्षीय एक युवती बर्दाश्त नहीं कर पाई और उसने आग लगाकर अपनी जान दे दी। घटना मायानगरी मुंबई के अग्रीपाडा इलाके की है। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार रात करीब दस बजे प्रेमिका ने प्रेमी के घर के सामने खुद पर केरोसिन डालकर आग लगा ली। पीडिता इस हादसे में ९० प्रतिशत तक झुलस चुकी थी।

प्राथमिक जांच में पुलिस को पता चला कि युवती का प्रेमी रिश्ते में उसका चाचा लगता था। शुक्रवार को युवती उससे मिलने गई थी। डीसीपी परमजीत सिंह दहिया के मुताबिक, दोनों पिछले तीन साल से एक-दूसरे को जानते थे, लेकिन उनके परिवार वाले इस रिश्ते को मंजूर नहीं दे रहे थे।

हाल ही में युवक की सगाई होने की बात दोस्तों के जरिए युवती को मिली, जिसके बाद वह उससे मिलने उसके घर पहुंच गई और फिर इस घटना को अंजाम दे दिया। बुरी तरह से झुलसी युवती को स्थानीय लोगों ने नायर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसने दम तोड़ दिया। हालांकि मजिस्ट्रेट को दिए बयान में युवती ने इस घटना के लिए किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराया। घटना की अग्रीपाडा पुलिस जांच कर रही है।

दही हंडी के बदले लगाया ऑक्सिजन प्लांट

ठाणे : पिछले साल की तरह इस साल भी शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता वाले संस्कृति युवा प्रतिष्ठान ने दही हंडी के आयोजन को रद्द किया है। सरनाईक ने आयोजन पर होने वाले खर्च से ऑक्सिजन प्लांट का निर्माण किया है। स्थायी रूप से बने इस प्लांट का ई-उद्घाटन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ३१ सितंबर को करेंगे।

शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरनाईक ने बताया कि उनकी तरफ से दही हंडी आरोग्य उत्सव के रूप मनाया जाएगा। वर्तकनगर के विहंग पाम क्लब में निर्मित प्लांट से प्रतिदिन १२० सिलिंडर ऑक्सिजन उपलब्ध होगी। दिन-रात जारी रहने वाले प्लांट से निकलने

वाली ऑक्सिजन शहर के लोगों को नि:शुल्क उपलब्ध होगी। कोई भी व्यक्ति सिलिंडर ले कर आ सकता है और ऑक्सिजन ले जा सकता है।

खुद के ऊपर ईडी की रेड और उसके बाद की परेशानी के बारे में पूछने पर सरनाईक ने एक बार फिर राज्य और केंद्र सरकार के बीच जारी रस्साकशी के चलते खुद के पिसने की बात दोहराई।

ठाणे में फेरीवालों का आतंक, कोयते से काटी महिला अधिकारी की उंगलियां

ठाणे : ठाणे शहर में अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई करने गईं महानगर पालिका की एक महिला अधिकारी पर एक फेरीवाले ने जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में महिला अधिकारी के हाथ की दो उंगलियां कट गई हैं। बीच-बचाव करने गए महिला अधिकारी के सुरक्षा रक्षक की भी एक उंगली कट गयी है। इस घटना के बाद हमलावर फेरीवाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला सोमवार का बताया जा रहा है।

ठाणे महानगर पालिका के माजीवाडा मानपाड़ा वार्ड की सहायक आयुक्त कल्पिता पिंपले सडक़ पर अवैध रूप

से ठेले पर सामान बेचने वाले अवैध फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई करने गई थीं। इस कार्रवाई के दरम्यान फेरीवालों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में कल्पिता पिंपले की दो उंगलियां इन हमलावरों ने काट दी। एक हमलावर ४५ वर्षीय अमरजीत यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

फ़िलहाल महिला अधिकारी का ठाणे के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा हैं। कल्पिता पिंपले घोडबंदर रोड स्थित कसारवडवाली क्षेत्र में फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई करने गई थी। कार्रवाई का विरोध करते हुए यादव ने उन पर कोयते से हमला कर दिया। हमले में ना सिर्फ पिंपले की दो उंगलियां कट गई (पृष्ठ 3 पर)

धनशोधन मामले में ईडी के समन के खिलाफ उच्च न्यायालय पहुंचे देशमुख

मुंबई : महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख ने उनके खिलाफ दर्ज धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी समन के खिलाफ बृहस्पतिवार को बंबई उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर उसे रद्द किए जाने का अनुरोध किया।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे की एकल पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए यह याचिका आयी, लेकिन उन्होंने बिना कोई कारण बताए खुद को सुनवाई से अलग कर लिया। उन्होंने कहा कि

सुनवाई के लिए इसे मेरी पीठ के समक्ष नहीं रखें। अब याचिका पर दूसरी पीठ सुनवाई करेगी।

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा भ्रष्टाचार और आधिकारिक पद का दुरुपयोग करने के मामले में २१ अप्रैल को देशमुख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के बाद ईडी ने पूर्व मंत्री और उनके साथियों के खिलाफ जांच शुरू की थी।

ईडी के अनुसार, राज्य के गृह मंत्री के रूप में सेवा देते हुए, देशमुख ने कथित तौर पर अपने पद का दुरुपयोग किया और बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे के (पृष्ठ 3 पर)

दिव्यांग डिब्बे में यात्रा ९४ यात्रियों पर कार्रवाई

कल्याण : दिव्यांग यात्रियों के लिए आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने वाले सामान्य यात्रियों पर रेल प्रशासन ने नकेल कसना शुरू कर दिा है। रेलवे सुरक्षा बल कल्याण द्वारा लगातार अभियान चलाकर दिव्यांग डिब्बों में नजर रखी जा रही है। बताया जाता है कि केवल अगस्त महीने की २८ तारीख तक २७ लोगों पर कार्रवाई की जा चुकी है, जो नियम कानून का उल्लंघन कर इन डिब्बों में यात्रा कर रहे थे। चालू वर्ष में जनवरी २०२१ से लेकर २८ अगस्त २०२१ तक कुल ९४ लोगों को पकड़ा जा चुका है। कल्याण आरपीएफ के थाना प्रभारी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि दिव्यांग डिब्बों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सिंह ने कहा कि जनवरी से लेकर अब तक ९४ लोग पकड़े जा चुके हैं। पकड़े गए लोगों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां इन पर ५८,८५० रुपए जुर्माना भी लगाया जा चुका है। बता दें कि दिव्यांग डिब्बे में दिव्यांगों को छोड़कर सामान्य लोग भी घुस जाते हैं, जिसके कारण दिव्यांग व्यक्तियों को चढ़ने औव उतरने में काफी दिक्कत होती है।

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : ११ अंक : ३ मुंबई, शुक्रवार, १७ सितंबर से २३ सितंबर २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

हर पुलिस स्टेशन में बनेगी निर्भया टीम, साकीनाका में हुई हैवानियत के बाद मुंबई पुलिस का फैसला

मुंबई : मुंबई साकीनाका में हुए बलात्कार केस के बाद मुम्बई पुलिस ने ऐसी वारदातों पर लगाम लगाने के लिए बडा फैसला लिया है। मुंबई पुलिस अब हर एक पुलिस स्टेशन में निर्भया टीम का गठन करेगी, यह टीम ऐसे आरोपियों पर नज़र रखेगी जिनके खिलाफ पहले से महिलाओं से जुड़े कई गंभीर मामले दर्ज हैं। इस टीम के पास खुद की पेट्रोलिंग वैन होगी, रात के समय अकेले जाने वाली महिलाओं को यह मदद करेंगी।

मुंबई के पुलिस कमिश्नर हेमंत नगराले ने कहा कि प्रत्येक थाने में एक विशेष टीम बनाई जाएगी,जिसमें महिला अधिकारी होंगी। साथ ही उन्होंने

कहा कि उन इलाकों में खास कर पुलिस की गश्त बढाई जानी चाहिए जहां महिलाओं के खिलाफ अपराध की आशंका हो।

'निर्भया टीम' में कौन-कौन होगा शामिल? : पुलिस कमिश्नर ने कहा कि प्रत्येक थाने में एक 'निर्भया टीम' या विशेष महिला सुरक्षा दस्ते का गठन होगा, जिसमें एक महिला सब इंस्पेक्टर, एक महिला कांस्टेबल, एक पुरुष कांस्टेबल और एक ड्राइवर होंगे। इस दस्ते को (पृष्ठ 3 पर)

महिलाओं की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं : ठाकरे

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को जोर देकर कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जायेगा। ठाकरे ने साकीनाका उपनगर में एक महिला के साथ बलात्कार और उसकी हत्या की पृष्ठभूमि में कहा कि दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों का रिकॉर्ड होना चाहिए।

गौरतलब है कि इस वारदात को अंजाम देने वाला व्यक्ति उत्तर प्रदेश के जौनपुर का निवासी बताया गया है। उन्होंने कहा कि जब कोई अपराध होता है, तो जन जागरूकता फैलाने व शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने पर बहस होती है। उन्होंने पूछा कि क्या ऐसे कार्यक्रम केवल महाराष्ट्र के लोगों के लिए हैं या बाहर से राज्य में आने वालों के लिए भी होने चाहिए। (पृष्ठ 3 पर)

राज कुंद्रा के काम के बारे में जानकारी नहीं थी : शिल्पा शेट्टी ने मुंबई पुलिस से कहा

मुंबई : बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने मुंबई पुलिस को दिए एक बयान में दावा किया कि उन्हें अपने पति राज कुंद्रा की गतिविधियों के बारे में जानकारी नहीं थी क्योंकि वह अपने काम में व्यस्त रहती थीं। अश्लील फिल्मों से जुड़े एक मामले में शहर की पुलिस द्वारा यहां की एक अदालत में दायर पूरक आरोप-पत्र में यह बात कही गई है।

शेट्टी का बयान कुंद्रा (४६) और उनके साथी रयान थोरपे के खिलाफ पुलिस द्वारा बुधवार को मजिस्ट्रेटी अदालत के समक्ष दायर १,५०० पन्नों के आरोप-पत्र का हिस्सा है।

इस साल जुलाई में गिरफ्तार किए गये कुंद्रा के खिलाफ दर्ज मामला अश्लील फिल्मों के कथित निर्माण और कुछ ऐप के माध्यम से उन्हें प्रसारित करने से जुडा है।

आरोप-पत्र के मुताबिक, शेट्टी ने पुलिस को बताया कि वह हॉटशॉट्स और बॉलीवुड फेम ऐप के बारे में कुछ नहीं जानती हैं जिनका इस्तेमाल आरोपियों द्वारा कथित तौर पर आपत्तिजनक सामग्री अपलोड और स्ट्रीम करने के लिए किया जाता था।

आरोप-पत्र में कहा गया कि शेट्टी

ने दावा किया कि उन्हें, नहीं पता था कि उनका पति क्या करता है क्योंकि वह अपने काम में व्यस्त रहती थीं।

अन्य अभिनेत्री शर्लिन चोपडा ने अपने बयान में पुलिस को बताया कि कुंद्रा ने उनसे (पृष्ठ 3 पर)

बीएमसी ने जताया अंदेशा, त्योहारों के बाद बढ़ेंगे केस!

मुंबई : बीएमसी को आशंका है कि गणेशोत्सव के बाद मुंबई में तेजी से कोरोना के केस बढ़ेंगे। इसकी शुरुआत भी हो गई है। मुंबई में सितंबर में प्रतिदिन ३५० से ४०० कोरोना के केस मिल रहे हैं, जबकि अगस्त में प्रतिदिन २०० से ३०० कोरोना के मरीज मिलते थे। कोरोना का संक्रमण बढ़ने न पाए इसके लिए बीएमसी सार्वजनिक मंडलों व विसर्जन स्थलों पर नजर रख रही है। यहां कोरोना प्रोटोकॉल का पालन हो रहा है या नहीं यह देखने के लिए बीएमसी की

टीम निरीक्षण कर रही है। विसर्जन स्थलों पर क्लीनअप मार्शल की संख्या व निगरानी बढ़ाई गई है।

पिछले वर्ष गणेशोत्सव के बाद मुंबई में कोरोना मरीजों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई थी। जिससे निपटने में बीएमसी के पसीने छूट गए थे। मुंबई में कोरोना मरीजों की संख्या ४८२३ तक पहुंच गई है, जो अगस्त में २ हजार के आसपास आ गई थी। इसी तरह ग्रोथ रेट ०.०६ प्रतिशत तक पहुंच गया है। जबकि रिकवरी रेट ९७ प्रतिशत पर लंबे समय से रुका हुआ है। वहीं डबलिंग रेट गिरकर १२१० दिन पर आ गया है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि सार्वजनिक गणेश मंडलों में कोरोना प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन नहीं हो रहा है। ऐसी जानकारी पूरी मुंबई से मिली है। इसलिए सभी वार्ड ऑफिसर्स को ऊपर से निर्देश दिया गया है कि वे अपनी टीम भेज कर निरीक्षण करें कि वहां कोरोना नियमों का न उल्लंघन होने पाए।

अधिकारी ने बताया कि आरती के समय सबसे ज्यादा कोरोना नियमों का उल्लंघन होने की खबर है। लोगों की भीड़ जुट रही है, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो रहा है और कई लोग बिना मास्क लगाए उसमें भाग ले रहे हैं। किरण दिघावकर ने बताया कि हमारी कोशिश (पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र सरकार मानव तस्करी के मामलों से निपटने के लिए विशेष अदालतों के गठन पर विचार कर रही

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार मानव तस्करी के पीडितों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष अदालतें गठित करने पर विचार कर रही है। राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री यशोमति ठाकुर ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ठाकुर ने कहा कि अन्य राज्यों से मानव तस्करी की शिकायतें मिली हैं।

मंत्री ने कहा, ''हमने फैसला किया

है कि हम अन्य राज्यों के साथ समन्वय करेंगे ताकि महाराष्ट्र में बचाई गई महिलाओं को सम्मान और गरिमा के साथ उनके गृह राज्यों में वापस भेजा जा सके। इसी तरह, महाराष्ट्र में बचाई गई अन्य राज्यों की नाबालिग लडकियों को राज्य सरकार की मनोधैर्य योजना का लाभ मिलेगा।''

उन्होंने कहा कि मानव तस्करी प्रकोष्ठ में तैनात पुलिसकर्मियों को इस बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा कि उन्हें मुक्त कराई गई महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। ठाकुर ने कहा कि (पृष्ठ 3 पर)

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

बुखार का आतंक

हरियाणा के पलवल इलाके के गांव चिल्ली में विगत दस दिनों में आठ बच्चों की मौत न केवल दुखद, बल्कि चिंताजनक है। जो बच्चे बुखार के चलते काल के गाल में समा गए, उनकी उम्र १४ साल से कम है। खास पलवल से बीस किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में २५ से ज्यादा टीमों ने डेरा डाल रखा है। बच्चों में लक्षण तो डेंगू के दिखे हैं, लेकिन डॉक्टर अभी तक पुष्टि नहीं कर सके हैं। बुखार का कहर यह गांव करीब तीन सप्ताह से झेल रहा है। आम तौर पर इस मौसम में मौसमी बीमारियों का प्रकोप होता है और लोग भी मानसिक रूप से इसके लिए तैयार रहते हैं, लेकिन जब कोई बुखार सप्ताह भर का समय भी न दे, तो परिजन या चिकित्सक का चिंतित होना वाजिब है। यह चिंता विश्व स्वास्थ्य संगठन तक भी पहुंच गई है। कोई आश्चर्य नहीं कि डॉक्टरों और अधिकारियों ने गांव में डेरा डाल दिया है और निमोनिया से लेकर मच्छर जनित रोगों तक तमाम आशंकाओं को टटोला जा रहा है। इस गांव में साफ-सफाई की भी समस्या बताई जा रही है, जो स्थानीय जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों के लिए शर्म की बात होनी चाहिए।

हरियाणा के चिल्ली गांव से उत्तर प्रदेश का फिरोजाबाद करीब १७७ किलोमीटर दूर है। वहां भी बुखार का गहरा साया है। तीन सप्ताह में करीब ६० लोग जान से हाथ धो बैठे हैं। यहां भी डेंगू की ही आशंका है, लेकिन पुष्ठि का इंतजार है। तेज बुखार और प्लेटलेट्स का कम होना स्वाभाविक है, लेकिन इसके अलावा भी कुछ लक्षण हैं, जिनकी वजह से डॉक्टर एकमत नहीं हो रहे। चिल्ली हो या फिरोजाबाद या बिहार का गोपालगंज, हर जगह चिंता है। बिहार में करीब ४० बच्चों की मौत हो चुकी है। वायरल पीड़ित बच्चों से कई अस्पताल भरे हुए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी कहा है कि हम सचेत हैं, तो हमें आगामी दिनों में बच्चों के इलाज की बेहतर व्यवस्था देखने को मिलेगी। वास्तव में, हम मौसमी बीमारियों को कुछ ज्यादा ही सहजता से लेते आए हैं। तीन बातें तो बिल्कुल साफ हैं। सबसे पहले तो हमें अपने और परिवार, समाज के स्वास्थ्य के प्रति बहुत सचेत रहना चाहिए। दूसरी बात, आसपास के परिवेश के प्रति सजग रहना चाहिए। आसपास की सफाई के प्रति लोग अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को भूल ही गए है। शहरों में भी साफ-सफाई की जो व्यवस्था होती है, उसमें आम स्थानीय लोगों की कोई भूमिका नहीं होती है। साफ-सफाई को हमने पंचायतों या नगर पालिकाओं का काम समझ लिया है। व्यवस्था ऐसी है कि हम कर या शुल्क चुकाने के बावजूद अपनी गली में सफाई के लिए लड़ भी नहीं सकते। गांव से शहर तक मच्छरों और अन्य कीटों को पनपने का पूरा मौका मिलता है और मौसमी बीमारियां भी जानलेवा हो जाती हैं। तीसरी बात, चिकित्सा सेवाओं का विस्तार भले हो रहा हो, लेकिन गरीबों तक यथोचित सुविधाओं की पहुंच नहीं हो पा रही है। आखिर लोग अस्पताल तभी क्यों पहुंचते हैं, जब इलाज की संभावनाएं हाथ से निकलने लगती हैं? अस्पताल और मरीज के संबंध को सद्भावी बनाने के लिए क्या हम कुछ कर सकते हैं? बेशक, कोरोना का चरम दौर हो या मौसमी बीमारियों का प्रकोप हो, संवेदना, सेवा और स्वास्थ्य बीमा का ऐसा उच्च स्तर तैयार करना चाहिए कि लोग डॉक्टर या अस्पताल तक पहुंचने में कोई देरी न करें।

संपूर्ण विघ्नहर्ता गणपति

समस्त ज्ञानियों और योगियों के गुरु श्री गणेश, जिनका ध्यान समस्त देवता करते हैं, जो ऐश्वर्यप्रदाता, संपूर्ण विघ्नहर्ता, शांत तथा भक्तवत्सल हैं, ऐसे उमापुत्र श्री गणेश की पूजा व अर्चना करने से निश्चय ही मनुष्य के समस्त दुखों व कष्टों का नाश हो जाता है।

गणेश का पूजन यूं तो हर समय फलदायक है, किंतु भादो मास की शुक्ल चतुर्थी को श्री सिद्धिविनायक का ध्यान करें। उनके इक्कीस नाम लेकर उन्हें भक्तिपूर्वक इक्कीस पत्तो समर्पित करें।

सुमुखाय नम: कहकर शमीपत्र, गणाधीशाय नम: से भंगरैया कापत्ता, उमापुत्राय नम: से बिल्वपत्र, गजमुखाय नम: कहकर शमीपत्र, गणाधीशाय नम: से बेर का पत्ता, हरसूनवे नम: से धतूरे का पत्ता, शूर्पकर्णाय नम: से आम का पत्ता, वकतुंडाय नम: से सेम का पत्ता, महाग्रजाय नम: से अमामार्ग का पत्ता, एकदंताय नम: से भटकटैया का पत्ता, हेरंबाय नम: से सिंदूर वृक्ष का पत्ता, चतुर्होत्रो नम: से तेजपात और धूम्रवर्णायनम: से अगस्त्य का पत्ता चढावें, साथ ही पांच लड्डू भी समर्पित करें।

ध्यान रखें गणेश पूजन में तुलसी सर्वदा निषेध है, इसलिए कभी भी गणेश जी को तुलसीदल अर्पित न करें। माना जाता है कि एक समय जब गणेश जी पुष्कर में तपस्या कर रहे थे, तो वहां से गुजर रही देवी तुलसी उनके रूप पर मोहित हो गई और गणेश जी का ध्यान भंग करते हुए उनसे विवाह का आग्रह किया, जिस पर क्रोधित हो गणेश जी ने शाप दिया कि तुम सदा के लिए धरती पर वृक्ष बनकर निवास करोगी तथा मेरे लिए सर्वथा त्याज्य रहोगी।

पाराशर ऋषि ने कहा है - यदि मनुष्य इस तिथि को अज्ञानतावश भी चंद्रमा का दर्शन करता है, तो वह एक वर्ष तक मिथ्या कलंक से पीडित रहता है। पौराणिक मान्यता है कि एक बार जब श्री गणेश यात्रा करते हुए चंद्रलोक से गुजर रहे थे कि अचानक गिर पडे। उन्हें देख चंद्रमा तेज स्वर में हंसा। इस पर क्रोधित हो गणेश जी ने चंद्रमा को शाप दिया कि तु६हें आज से जो अज्ञानतावश भी देखेगा, वह मिथ्या कलंक से संयुक्त होगा। इसके बाद ६लानबदन चंद्रमा जल में जाकर छिपा और कुमुद में वास किया। ब्रह्माजी के कहने पर चंद्रमा ने गणेश जी की आराधना की, जिस पर प्रसन्न होकर गणेश जी ने अपने शाप को केवल भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी के लिए सीमित कर दिया। कहा जाता है कि उक्त तिथि को श्री कृष्ण ने अज्ञानतावश चंद्रमा के दर्शन कर लिए, जिसके फलस्वरूप एक वर्ष तक स्यमंतक मणि की चोरी तथा कई अन्य मिथ्या कलंकों को भोगना पडा।

यदि इस रात चंद्रमा दिख जाए, तो उस दोष की शांति के लिए इस मंत्र का पाठ करें-

सिंहः प्रसेनमवधीत्सिंहो
जांबवता हतः।
सुकुमारक मा रोदीस्तव
चेष स्यमंतकः।।

महाराष्ट्र प्रांत में गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्थी तक गणेश उत्सव की विशेष धूम रहती है। हर गली, मोहल्ले में बडे-बडे पंडाल सजते है तथा गणपति की विशालकाय प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। इस उत्सव की शुरुआत बालगंगाधर तिलक ने सन् १८९३ ई. में लोगों को एकजुट करने के लिए की थी। अनंत चतुर्दशी का दिन प्रतिमा-विसर्जन का होता है। अत: इस दिन अंतिम प्रसाद के रूप में गणेश जी का सबसे प्रिय मिष्ठान्न 'मोदक' उन्हें भेंट किया जाता है तथा सिंदूर से अभिषेक कर पीतांबर अर्पित किया जाता है।

गणेश विसर्जन के संबंध में एक बात विशेष ध्यान देने योग्य है कि जब प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाया जाए, तो घर से पूर्ण रूप से बाहर निकलने तक प्रतिमा का मुख घर की ओर ही होना चाहिए। घर से थोडी दूर चलने के पश्चात मुख सामने की ओर बदल देना चाहिए। प्रतिमा विसर्जन करते हुए मन ही मन गणपति को अगले वर्ष जल्द से जल्द आने का निमंत्रण भी देना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य इस लोक और परलोक के समस्त सुखों को प्राप्त होता है। श्री गणेश जी की पूजा से विष्णु, शिव-पार्वती, सूर्य और अग्नि ये संपूर्ण देव पूजित होते हैं।

पुलिस व मोटरमैन की सूझ-बूझ से बची महिला की जान

वसई : मुंबई में लोकल के सामने कूदकर आत्महत्या करने की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। ऐसा ही एक वाकया वसई रोड रेलवे स्टेशन पर हुआ। हालांकि पुलिस के मौके पर पहुंच जाने से महिला की जान बच गई। मोटरमैन ने भी लोकल को समय पर रोक दिया, जिससे दुर्घटना टल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना रविवार सुबह १०.०१ बजे की है। बताया गया कि महिला की मानसिक दशा ठीक नहीं थी।

बढ़ने लगी सीजन टिकट लेने वालों की संख्या, लोकल ट्रेनों में बढ़ेंगे यात्री

मुंबई : पिछले एक महीने में दो डोज ले चुके करीब साढ़े सात लाख लोगों ने सीजन टिकट निकाला था। एक महीने से पश्चिम और मध्य रेलवे को मिलाकर करीब २४ हजार सीजन टिकट रोजाना निकाले जा रहे थे, लेकिन पिछले दो दिनों में अचानक सीजन टिकट निकालने वालों की संख्या दोगुनी हुई है। ये टिकट वे लोग निकाल रहे हैं, जिन्होंने ने वैक्सीन के दो डोज लेने के बाद १४ दिन की अवधि पूरी कर ली।

११ अगस्त से १२ सितंबर तक ७,४३,४४३ पंजीकृत लोगों ने सीजन टिकट निकाला है। इसका औसत करीब २४ हजार निकालता है लेकिन १३ और १४ सितंबर को करीब ४० हजार की औसत से पंजीकृत यात्रियों ने मासिक सीजन टिकट खरीदे हैं। मध्य रेलवे पर इन दो दिनों में ५५,१६४ सीजन टिकट, तो पश्चिम रेलवे पर २३,४९३ सीजन टिकट बिके। सीजन टिकटों की बिक्री बढऩे के साथ ही रेलवे का अनुमान है कि कुछ दिनों में

इसका असर यात्री संख्या में वृद्धि के तौर पर दिखेगा।

३८ लाख हुए यात्री : १५ अगस्त से पहले मुंबई में आधिकारिक आंकडों के अनुसार करीब २६ लाख लोग लोकल ट्रेनों से यात्रा कर रहे थे, अब इनकी संख्या करीब ३८ लाख हो गई है। मध्य रेलवे पर २१ लाख तो पश्चिम रेलवे पर करीब १७ लाख यात्री रोजाना लोकल में सफर करने लगे हैं। रजिस्ट्रेशन और टिकट के मामलों में डोम्बिवली और बोरिवली सबसे आगे रहे। गौरतलब है कि सामान्य हालात में मध्य रेलवे पर करीब ४० लाख और पश्चिम रेलवे पर करीब ३५ लाख यात्री रोजाना लोकल में सफर करते थे।

त्योहारों में बढी भीड़ : एक अधिकारी ने बताया कि त्यौहार को देखते हुए कई लोग ऐसे भी हैं जिन्हें ३-४ यात्रा ही करनी है, लेकिन सीजन टिकट निकाल रहे हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार ने जिन शर्तों पर दो डोज ले चुके लोगों को यात्रा की अनुमति दी हैं, उनमें सीजन टिकट खरीदने की ही शर्त है। इसका मतलब है कि नए यात्रियों को केवल मासिक सीजन टिकट ही दिया जाएगा। कई यात्री सप्ताह में केवल दो या तीन बार ही यात्रा कर रहे हैं।

२० साल से था दाऊद के संपर्क... (पृष्ठ ८ का शेष)

के रायबरेली निवासी मूलचंद उर्फ साधु, प्रयागराज निवासी जीशान कमर, बहराइच निवासी मोहम्मद अबू बकर और लखनऊ निवासी मोहम्मद आमिर जावेद हैं। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने सभी छह संदिग्ध आतंकियों को १४ दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

साकीनाका में फिर रेप की कोशिश... (पृष्ठ ८ का शेष)

की जानकारी दी। गौरतलब है कि शुक्रवार तड़के साकीनाका पुलिस के तहत ३४ साल की एक महिला के साथ ४७ वर्षीय एक व्यक्ति ने न सिर्फ दुष्कर्म किया, बल्कि पीड़िता के प्राइवेट पार्ट में लोहे की रॉड डाल दी थी। पीड़िता की शनिवार तड़के उपचार के दौरान राजावाडी अस्पताल में मौत हो गई।

बीएमसी ने जताया अंदेशा, त्योहारों... (पृष्ठ १ का शेष)

है कि लोगों में जागरुकता फैलाई जाए। हमारे लोग पंडालों में जाकर लोगों को समझाते हैं। बाहर हमने बैनर लगाया है। हमारी टीम सब जगह घूम रही है, पुलिस के साथ समन्वय कर हम प्रोटोकॉल का पालन करने को कह रहे हैं। ड्यूटी ऑफिसर्स को भी इस काम पर लगाया गया है। जहां ज्यादा नियमों का उल्लंघन हो रहा है वहां क्लीनअप मार्शल दंड भी लगा रहे हैं।

महाराष्ट्र सरकार मानव तस्करी के... (पृष्ठ १ का शेष)

बैठक के दौरान मानव तस्करी रोकथाम अधिनियम की धारा २२ (ए) के तहत विशेष अदालतें स्थापित करने के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि बैठक में राज्य के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल, राज्य के पुलिस महानिदेशक और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महिलाओं की सुरक्षा के साथ... (पृष्ठ १ का शेष)

मुख्यमंत्री ने निराश्रित महिलाओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नीति बनाने के वास्ते राज्य सरकारों और केंद्र के बीच संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। साकीनाका बलात्कार-हत्या की घटना और राज्य के विभिन्न हिस्सों से सामने आए ऐसे मामलों की पृष्ठभूमि में शीर्ष पुलिस अधिकारियों और नौकरशाहों के साथ बैठक में उन्होंने यह बात कही।

हर पुलिस स्टेशन में बनेगी निर्भया... (पृष्ठ १ का शेष)

'मोबाइल-५' वाहन आवंटित किए जाएंगे।

'सक्षम' की पहल के तहत होगी पीडितों की काउंसलिंग : निर्भया टीम को दो दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसमें उन्हें अन्य बातों के अलावा उन क्षेत्रों से खुफिया जानकारी इकठ्ठा करने के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। जहां वूमेन हॉस्टल, शेल्टर होम और अनाथालय स्थित हैं। इसके अलावा, 'सक्षम' नाम की पहल के तहत पुलिस यौन उत्पीडऩ की पीडितों की काउंसलिंग भी करेगी।

महिलाओं के खिलाफ अपराध वाली जगहों पर टीम करेगी गश्त : आदेश के मुताबिक, पुलिस थानों को अपने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले उन जगहों की पहचान करनी होगी जहां महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले ज्यादा हुए हैं। ऐसे जगहों की लिस्ट में झुग्गी बस्तियों, गार्डन, स्कूल, कॉलेज, थिएटर और मॉल आदि को भी शामिल किया जा सकता है। टीम इन जगहों पर गश्त करेगी।

स्कूल, कॉलेज और हॉस्टल में होगा 'निर्भया कंप्लेंट बॉक्स' : इसमें कहा गया है कि पुलिस को देर रात को अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं की मदद करना चाहिए तथा उनके अनुरोध पर उनके लिए वाहन की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि वे गंतव्य तक पहुंच सकें। साथ ही हर स्कूल, कॉलेज और हॉस्टल में 'निर्भया कंप्लेंट बॉक्स' भी होनी चाहिए जिसमें महिलाएं अपनी शिकायत डाल सकें।

टिकट दलालों पर एटीएस की नकेल, 7.22 लाख के 475 ई-टिकट जप्त

मुंबई : त्योहारी सीजन में रेल टिकटों की कालाबाजारी करनेवालों पर एक बार फिर रेलवे ने नकेल कसी है। मध्य रेलवे मुंबई डिवीजन के एंटी टाउट स्क्वॉड (एटीएस) ने १९ रेल टिकट दलालों को गिरफ्तार कर उनके पास से ४७५ ई-टिकट बरामद किया है, जिनकी कीमत ७.२२ लाख रुपए बताई जा रही है।

जनवरी २०२१ से १० सितंबर, २०२१ के दौरान गहन जांच और विशेष अभियान के दौरान, एटीएस टीम ने १९ दलालों को गिरफ्तार किया है और रु. ७.२२ लाख के ४७५ ई-टिकट जप्त किए हैं। १० सितंबर को एटीएस टीम मुंबई मंडल व आरपीएफ ने संयुक्त रूप से नेशनल टूर्स एंड ट्रैवेल्स, पायधुनी, मुंबई के परिसरों पर छापा मारा और अवैध ई-टिकटिंग गतिविधियों के कारोबार में शामिल २ व्यक्तियों को पकड़ा है। आरपीएफ के अनुसार दोनों ने अपना गुनाह कबूल किया है। दोनों व्यक्तियों को २ डेस्कटॉप और मोबाइल, १२२ ई-टिकट, रु.३,०४,५५०/- के साथ पकड़ा गया। उन्हें आरपीएफ पोस्ट कुर्ला लाया गया और उनके खिलाफ धारा १४३ के अंतर्गत सीआर संख्या ४५७/२०२१के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इससे पहले वडाला (ईस्ट) मुंबई में इसी तरह के ऑपरेशन में आरपीएफ दादर की मदद से ५७,७०० रुपए के ३६ ई-टिकट जप्त किए गए थे। मुख्य सतर्कता निरीक्षकों और आरपीएफ कुर्ला के एक अन्य संयुक्त अभियान में भायंदर में १,११,१७५ रुपए मूल्य के १५१ ई-टिकट जप्त किए गए। उपरोक्त सभी को आगे की कार्रवाई के लिए रेलवे सुरक्षा बल को सौंप दिया गया है।

राज कुंद्रा के काम के बारे में जानकारी नहीं थी : शिल्पा शेट्टी... (पृष्ठ १ का शेष)

'बिना किसी हिचकिचाहट' के हॉटशॉट्स ऐप के लिए काम करने को कहा था। आरोप-पत्र में कहा गया कि उन्हें बताया गया था कि हॉटशॉट्स ऐप में ज्यादा बोल्ड और हॉट वीडियो होंगे लेकिन चोपडा ने इससे इनकार कर दिया था।

चोपडा ने पुलिस को बताया कि उसने 'द शर्लिन चोपडा ऐप' नाम से मोबाइल ऐप बनाने के लिए फर्म आर्म्सप्राइम मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। उसने पुलिस को बताया कि सौरभ कुशवाहा और राज कुंद्रा कंपनी के निदेशक थे।

आरोप-पत्र में कहा गया है कि चोपडा ने दावा किया कि अनुबंध के अनुसार, उन्हें राजस्व का ५० प्रतिशत मिलना था, लेकिन उन्हें अपना हिस्सा कभी नहीं मिला।

एक अन्य गवाह सेजल शाह ने पुलिस को बताया कि उन्होंने मार्च २०२० में लॉकडाउन के दौरान हॉटशॉट्स ऐप के लिए तीन फिल्में बनाईं। बाद में, मामले के एक आरोपी, यश ठाकुर ने उनसे एक फिल्म में काम करने के लिए कहा, जिसे उन्होंने हॉलीवुड फिल्म की रीमेक होने का दावा किया था। उन्हें बताया गया था कि इसमें बहुत 'बोल्ड और कामुक' दृश्य होंगे, लेकिन फिल्म भारत में प्रदर्शित नहीं की जाएगी।

आरोप-पत्र में सिंगापुर निवासी यश ठाकुर और लंदन के प्रदीप बख्शी को वांछित आरोपी के रूप में दिखाया गया है। इस साल अप्रैल में अपराध शाखा ने नौ लोगों के खिलाफ मामले में पहला चार्जशीट दाखिल किया था।

भारी भरकम दस्तावेज में, पुलिस ने कहा है कि अपराध शाखा के संपत्ति प्रकोष्ट द्वारा की गई जांच से पता चला है कि कुंद्रा अश्लील फिल्मों के मामले में 'मुख्य सूत्रधार' था।

पुलिस ने कहा कि कुंद्रा और थोरपे ने पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों के साथ साजिश रचकर आर्थिक रूप से कमजोर युवतियों का फायदा उठाया, जो फिल्म उद्योग में संघर्ष कर रही थीं और उनके साथ अश्लील फिल्में बनाईं।

कुंद्रा और थोरपे को मुंबई अपराध शाखा ने १९ जुलाई को गिरफ्तार किया था और वे फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। उनकी जमानत याचिकाएं मुंबई सत्र अदालत में लंबित हैं।

भारतीय वैज्ञानिकों ने भारत में निर्मित १००% कोयले के ईंधन के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की

शंतनु शिंदे

काफी लोगों ने मिथेनॉल के बारे में सुना होगा जिसे हम यूटिलाइज करते हैं। हमारे मोटर फ्यूल की तरह जैसे कि पॉवर शिप इंजन हो गए। जैसे की यह काफी ज्यादा क्लीन भी होता है। यह क्लीन पावर जनरेट करता है वर्ल्ड वाइड, पर सबसे बडी प्रॉब्लम यह है कि इस तरह के तेल को बनाने के लिए हमें नैसर्गिक गॅस चाहिए और यह काफी साधारण प्रक्रिया है और भारत के पास काफी गिने चुने हि प्राकृतिक गैस भंडार मौजुद है तो इसी के चलते यहां पर मिथेनॉल को प्राकृतिक गैस से उत्पादन करना यह भी ज्यादा शीर्ष चुनौती प्रतिबंध है हमारे विदेशी मुद्रा बाहर के देश में चले जाते हैं। कभी तो यह और आर्थिक कभी हो जाता है क्योंकि दुनिया में जो प्राकृतिक गैस की कीमतें है वह भी कभी कम कभी ज्यादा ऐसे होते रहतें हैं।

तो इसी को टॅकल करते हुये अगला विकल्प भारत के पास था की भारत के पास जो एक काफी बड़ा भंडार है कोयलें का तो उसे उपयोग करके हम बना इंधन बना सकता है लेकिन जो इंडिया का कोयला है, उसमें उच्चतम प्रतिशत कि राख होने के चलते जो पहले से ही विदेशों में टेक्नोलॉजी को जिसे हम मैसेज करके काफी आसानी से इसे यूज कर सकते हैं तो वो भारतीय कोयलें के लिए ज्यादा उपयुक्त विकल्प नहीं था। इसी बडी परशानी को ध्यान रखते हुये यहां पर BHELऔर हमारे हैदराबाद की रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर ने २०१६ से ही इस पर काम शूरू कर दिया था। यहां पर निती आयोग ये भी अपना पुरा सहयोग दे रही थी और इतका एक लक्ष्य था, हर रोज ०.२५ टन मिथेनॉल का उत्पादन करना है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की तरफ से १० करोड का ग्रँड भी दिया था की वह इस परियोजना को जल से

जल स्वदेशी तकनीक के दम पर तयार कर सके। अंत में ७ सितंबर को BHEL ने सफल यह प्रदर्शन कर दिया है अब हाल ही में आखिरकार ऐसी सुविधा तैयार कर दी है जो की ०.२५ टन के मेथनॉल को हर दिन उत्पादन कर सके वो भी उच्चतम भारतीय कोयलें से देखा जाये तो भारत के लिए कफी बडी जीत की स्थिति है क्योंकि यहां प्रति भारतीय कोयला भी उपयोग हो रहा है और साथ में हमारे पास इंडिजिनस टेक्नोलॉजी भी है और वही दुसरी तरफ हमारी पूरी तरह से शत प्रतिशत स्वदेशी तकनीक है। और सबसे बडी बात यहाँ पर जो मेथनॉल की शुद्धता निकल कर आयी है जो कच्चे तेल से है वह ९८ से ९९.५% तक है। तो यह BHEL काफी तरकि कर दिया है यहां पर बडा उचांक स्थापित कर दिया है। आगे के प्रक्रिया के लिए यह उनका अगला कदम यह होगा की ये उत्प्रेरक रूपांतरण कर सके साइन गैसों को मेथनॉल के लिए। तो भारत के लिए एक अच्छा विकल्प बन चुका है।

स्पेशल ट्रांसपोर्टेशन के मामले में क्योकी काफी ऑपरेशन के मामले में इन पर काफी रिसर्च में तो यह भी पाया गया है कि USA में कुछ जगहों पर ८५% मिथेनॉल को १५% के गॅसोलीन के साथ मिक्स करके एक अल्टरनेटिव फ्यूल विकल्प के तौर पर यूज किया जा रहा है तो अगर इसी तरह हम भी हमारे ट्रांसपोर्टेशन पीरैबचन में चाहे ट्रक हो या बस हो या फिर शिप ट्रांसपोर्टेशन में ही क्यों ना हो। इस तरह के मेड इन इंडिया फुल को यूज करने लग जाए तो सऊदी अरब और बाकी की खाडी के देशों से हम जो इम्पोट कर रहे है तेल का हर साल ८-९ लाख करोड रुपये का इसमे भी भारी गिरावट हमे देखणे को मिलेगी भारत बिलियंस ऑफ डॉलर सबसे बचा लेगा।

साकीनाका में फिर रेप की कोशिश, ७ साल की मासूम बनी निशाना

मुंबई : साकीनाका रेप मामले को हफ्ता भी पूरा नहीं हुआ है कि इसी क्षेत्र में एक बच्ची से यौन शोषण का मामला सामने आया है। सोमवार को ७ साल की बच्ची के साथ पडोसी ने रेप की कोशिश की।

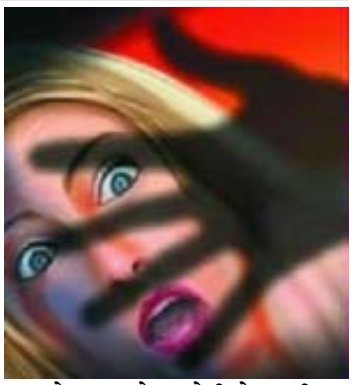

पुलिस के अनुसार, बच्ची की मां की शिकायत के बाद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़ित पक्ष और आरोपी का आमने-सामने रहते हैं। आरोपी यहां करीब २ महीने पहले रहने के लिए आया था। बच्ची ने मां को बताया कि आरोपी पिछले एक सप्ताह से चॉकलेट एवं अन्य चीजों का लालच सोमवार को आरोपी ने बच्ची का मुंह बंद कर उसके प्राइवेट पार्ट में उंगली डाल दी थी। इस वजह से उसे काफी दर्द होने लगा। दर्द के बारे में जब मां ने बच्ची से पूछा, तो उसने पडोसी की हरकतों (पृष्ठ 3 पर)

चूहा मारने वाली दवा से किए दांत साफ, मौत

मुंबई : चूहा मारने वाले पेस्ट (जहर) को टूथपेस्ट समझ कर ब्रश करने की वजह से १८ साल की एक युवती की मौत हो गई। घटना धारावी की है। पुलिस के मुताबिक, मृतक का नाम अफसाना खान है। शुक्रवार को अफसाना ने अपने घर में रखे चूहे को मारने वाला पेस्ट (जहर) लगाकर उससे ब्रश कर लिया। इसके कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। डॉक्टरों ने जब उसकी सेहत की जांच की, तो पता चला कि उसने जहर से दांत साफ किए थे। इस दौरान जहर का कुछ हिस्सा उसके पेट में चला गया। हालांकि, पेट दर्द होने पर अफसाना ने काफी समय तक कुल्ला किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। तबीयत बिगड़ने और चक्कर आने पर परिजन ने अफसाना को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां अफसाना की हालात और बिगड़ती चली गई।

२० साल से था दाऊद के संपर्क में था जान मोहम्मद

डॉन के इशारे पर रची थी दहलाने की साजिश

मुंबई : दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल द्वारा कई राज्यों में की गई आतंकियों की धरपकड़ से देश ने बड़ी राहत की सांस ली है। इन गिरफ्तार आतंकियों में सायन का रहनेवाला जान मोहम्मद भी शामिल था। जान मोहम्मद 'डी' (दाऊद) का डियर (प्रिय) है। एटीएस सूत्रों के मुताबिक डॉन के इशारे पर देश को दहलाने की साजिश रची गई थी। हालांकि इस गिरफ्तारी से आतंकियों की मंशा पूरी तरह से नाकाम हो गई है। जानकारी के मुताबिक वह २० वर्षों से दाऊद के संपर्क में था। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) प्रमुख विनीत अग्रवाल ने बताया कि मंगलवार को पकड़े गए मुंबई के सायन निवासी संदिग्ध आतंकी जान मोहम्मद अली मोहम्मद शेख उर्फ समीर कालिया पर पायधुनी पुलिस स्टेशन में फायरिंग का मामला दर्ज है। दाऊद के इशारे पर ही इसने फायरिंग की थी इसलिए एटीएस की नजर उस पर हमेशा से थी। यह जानकारी महाराष्ट्र एटीएस दिल्ली पुलिस के साथ साझा करेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर आतंकियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध आतंकी जान मोहम्मद शेख

दिल्ली पुलिस ने जिन ६ लोगों को गिरफ्तार किया है, उनमें से एक जान मोहम्मद मुंबई का है। महाराष्ट्र एटीएस प्रमुख अग्रवाल ने बताया कि जान मोहम्मद ९ सितंबर को दिल्ली जाना चाहता था, लेकिन उसे टिकट नहीं मिला तो वह १३ सितंबर को तत्काल टिकट लेकर गोल्डेन टेंपल एक्सप्रेस (एस-६, बर्थ क्रमांक २) से दिल्ली (हजरत निजामुद्दीन) जा रहा था। रास्ते में कोटा में दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। उसके पास से कोई हथियार अथवा विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस कर रही है। जान मोहम्मद को दिल्ली का टिकट देनेवाले दलाल से भी पूछताछ की जा रही है। महाराष्ट्र एटीएस की टीम शाम को दिल्ली जाकर उससे पूछताछ करेगी। अग्रवाल ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने यह कार्रवाई सेंट्रल एजेंसी के इनपुट के आधार पर की है। इस मामले में उत्तर प्रदेश, राजस्थान सहित अन्य राज्यों से गिरफ्तारियां हुई हैं।

विनीत अग्रवाल ने बताया कि जान मोहम्मद दिल्ली जा रहा था और रास्ते में उसे पकड़ा गया इसलिए मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र पर खतरा बताना गलत है। जान मोहम्मद के परिवार वालों से पूछताछ की गई है और जो भी इनपुट मिले हैं, एटीएस की टीम उसे दिल्ली पुलिस के साथ साझा करेगी।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मंगलवार को छह संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इनमें से दो संदिग्ध आतंकी पाकिस्तान से ट्रेनिंग लेकर लौटे थे। दिल्ली और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के प्रमुख ठिकाने इनके निशाने पर थे। जिन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें मुंबई निवासी जान मोहम्मद, दिल्ली के जामिया नगर निवासी ओसामा उर्फ सामी, उत्तर प्रदेश (पृष्ठ 3 पर)

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) RNI No. : MAHHIN/2011/24374
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : ११ अंक : ४ मुंबई, शुक्रवार, २४ सितंबर से ३० सितंबर २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर ड्रग्स की बरामदगी

हमारा काम केवल पोर्ट का संचालन है : अडानी ग्रुप

कच्छ : गुजरात के कच्छ में मुंद्रा पोर्ट पर भारी मात्रा में अफगानी हेरोइन पकड़े जाने के ५ दिन बाद अब अडानी समूह ने एक बयान जारी किया है. जिसमें समूह की और से डीआरआई और सीमा शुल्क विभाग का आभार जताया गया है और उन्हें बधाई दी गई है। मुंद्रा बंदरगाह से संचालन की जिम्मेदारी अडानी ग्रुप के पास है।

अडानी समुह ने नशे की खेप पकड़े जाने के सबंध में जारी किए गए बयान में कहा कि १६ सितंबर २०२१ को डीआरआई और सीमा शुल्क के एक संयुक्त अभियान में अफगानिस्तान से आए दो कंटेनरों से भारी मात्रा में प्रतिबंधित हेरोईन पकड़ी गई। ये कंटेनर मुंद्रा बंदरगाह पर डीपी वर्ल्ड टर्मिनल पर पहुंचे थे। हम अवैध ड्रग्स को जब्त करने और आरोपियों को पकडने के लिए डीआरआई और सीमा शुल्क विभाग की तीनों को धन्यवाद देते हैं और बधाई देते हैं।

कानून भारत सरकार के सीमा शुल्क औव डीआरआई के सक्षम अधिकारियों को गैरकानूनी कार्गो को खोलने, जांच करने और जब्त करने का अधिकार देता है। देश भर में कोई भी पोर्ट ऑपरेटर कंटेनर की जांच नहीं कर सकता है। उनकी भूमिका बंदरगाह चलाने तक सीमित है।

अडानी ग्रुप की तरफ से कहा गया कि हमें पूरी उम्मीद है कि ये बयान अडानी समूह के खिलाफ सोशल मीडिया पर चलाए जा रहे, दुर्भावनापूर्ण और झूठे प्रचार पर विराम लगा देगा। एपीएसईझेड एक पोर्ट ऑपरेटर है जो शिपिंग लाइनों को सेवाएं प्रदान करता है। मुंद्रा या हमारे किसी भी बंदरगाह के टर्मिनलों से गुजरने वाले कंटेनरों या लाखों टन कार्गो पर हमारा कोई पुलिस जैसा अधिकार नहीं है।

आपको बता दें कि १६ सितंबर को मुंद्रा पोर्ट से बरामद की गई हेरोइन की कीमत ९००० करोड.से ११००० करोड.तक पहुंच चुकी है. पिछले ५ दिन से नशे की इस खेप के मुल्यांकन का काम जारी है। माना जा रहा है कि इसकी कीमत २१,००० करोड़ रुपये तक हो सकती है। ड्रग्स की इस खेप कनेक्शन आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा से बताया जा रहा था, लेकिन अब इसमें तालिबान और आईएसआई का कनेक्शन भी सामने आया है। ऐसे में राष्ट्री. जांच एजेंसी भी इस मामले की जांच कर सकती है।

कैंसर मरीजों की यूपी भवन में इंतजाम की मांग

मरीजों को फुटपाथ पर रहने के नरक से छुटकारा चाहिए

मुंबई : सड़क पर खाने की लाइन में खड़े ये लोग भिखारी नहीं हैं। तेज बारिश से बचने की कोशिश करते ये मुसीबत के मारे हैं। ये कैंसर के मरीज या फिर उनके परिजन हैं, जिनके लिए किराए का घर लेना मुमकिन नहीं है। उनकी उम्मीद मुंबई में अपने राज्यों के बने भव्य भवनों से है, लेकिन वह फरियाद के बावजूद पूरी नहीं हो रही है।

उत्तर प्रदेश से टाटा अस्पताल में इलाज के लिए आए इन लोगों की मांग है कि यूपी भवन में उनके रहने का इंतजाम हो जाए, तो आधी परेशानी दूर हो जाए।

संस्थाओं की तरफ से मुफ्त में भोजन वितरित करने वाली गाड़ी आती है तो लोगों ने लाइन लगा कर और खाना लेकर इधर-उधर खड़े खा लेते हैं। इसी में से एक थे यूपी के फतेहपुर से आए उदयराज। उन्होंने बताया कि वह कैंसर के मरीज हैं, दर्द से तडप़ रहे हैं। परदेस में डॉक्टर को दिखाने के बाद दिनभर भटकते रहते हैं। इस दौरान कुछ सामाजिक संस्थाएं भोजन दे देती हैं। उसी पर जिंदा हैं। किराए पर कमरा महंगा मिलता है।

गांव में खेती और मजदूरी से जीवन-यापन हो जाया करता था, लेकिन अब बीमारी की (पृष्ठ 3 पर)

किरीट सोमैया पर 100 करोड़ का मानहानि का मुकदमा

मुंबई : शिवसेना नेता और परिवहन मंत्री अनिल परब ने बीजेपी नेता किरीट सोमैया के खिलाफ १०० करोड़ रुपये की मानहानि का मामला दर्ज कराया है। इससे पहले परब ने सोमैया को कानूनी नोटिस भेजकर अपने ऊपर लगाए आरोपों को ७२ घंटे में वापस लेने और माफी मांगने को कहा था। ऐसा न करने पर १०० करोड़ रुपये की मानहानि का दावा ठोंकने की चेतावनी दी थी।

परब ने ८० पन्नों की अपनी याचिका में किरीट सोमैया द्वारा उनके खिलाफ किए गए आरोपात्मक ट्वीट और बयानों की ट्रांसक्रिप्ट के अलावा तमाम आरोप और बयान जोड़े हैं, जो सोमैया ने उनके खिलाफ दिए हैं। अनिल परब ने सोमैया को इन आरोपों को साबित करने की चुनौती दी है।

बता दें कि सोमैया ने परब पर कोकण के दापोली में अवैध रिसोर्ट बनाने का आरोप लगाया था। सोमैया ने सार्वजनिक रूप से परब पर परिवहन विभाग में ट्रांसफर रैकेट चलाने का आरोप भी लगाया था। उसके बाद अब परब ने यह ऐक्शन लिया है। परब द्वारा नोटिस भेजे जाने के बाद सोमैया ने कहा था कि वह इस तरह के नोटिसों से नहीं डरते।

महाराष्ट्र में कफ सीरप की ७९०० बोतलों के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई : ऐंटि नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने कोडीन कफ सिरप बेचने के आरोप में २७ वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एएनसी ने सिरप की ७,९०० शीशियां जब्त की हैं, जिनकी कीमत २३.७० लाख रुपये है। सिरप में 'कोडीन फॉस्फेट' मादक पदार्थ होता है, जिसका इस्तेमाल मुंबई के शिवाजी नगर, मानखुर्द और गोवंडी समेत आस-पास की झुग्गियों में किया जाता है

इस कार्रवाई को एएनसी की घाटकोपर इकाई ने अंजाम दिया है। एएनसी के अनुसार, १७ सितंबर को वरिष्ट पुलिस निरीक्षक, एएनसी, घाटकोपर इकाई की लता सुतार के नेतृत्व में पुलिस ने जाकिर हुसैन नगर, मानखुर्द के पास घाटकोपर-मानखुर्द लिंक रोड पर स्थित एक सार्वजनिक शौचालय के पास एक जाल बिछाकर सिरप की सप्लाई करने आए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को २२ सितंबर तक पुलिस हिरासत में कोर्ट ने भेज दिया गया है।

एएनसी के डीसीपी दत्ता नलवाडे ने कहा कि हमारी टीम ने मुकेश राजाराम चौधरी को (पृष्ठ 3 पर)

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

तालिबान में तकरार

अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी से जुड़ी जितनी भी आशंकाएं जताई गई थीं, वे सब सही साबित हो रही हैं। खबरों के मुताबिक, अंतरिम सरकार में उप-प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर और सरकार में शामिल हक्कानी नेटवर्क के बीच गहरे मतभेद उभर आए हैं। कहा तो यह तक जा रहा कि राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक बैठक के दौरान दोनों गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई और गोलियां चलीं, जिनसे कुछ लोग जख्मी हुए। अब पश्चिमी मीडिया की खबरें संकेत दे रही हैं कि हक्कानी गुट ने बरादर को अगवा कर लिया है। सब जानते हैं कि कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका-तालिबान वार्ता में तालिबान का प्रतिनिधित्व अब्दुल गनी बरादर कर रहे थे और दोनों के बीच हुए करार में तालिबान ने एक ऐसी समावेशी सरकार पर हामी भरी थी, जिसमें अफगानिस्तान के सभी जातीय समूहों, तबकों और क्षेत्रों की नुमाइंदगी होगी। पर हक्कानी नेटवर्क अब आईएसआई के इशारे पर पाकिस्तान विरोधी तत्वों को सत्ता में प्रभावी होने से रोकने में जुटा है।

विडंबना यह है कि इस संभावित हालात से अमेरिका व नाटो समेत पूरी दुनिया वाकिफ थी, फिर भी तालिबान और उसके मददगार देशों-संगठनों पर वह कोई दबाव नहीं बना सकी। बहरहाल, जिस समय पश्चिमी मीडिया में बरादर के अगवा होने का अंदेशा जताया जा रहा था, लगभग उसी वक्त तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कुछ जातीय समुदायों के नए मंत्रियों के नामों की घोषणा की है, जिनमें एक भी महिला का नाम शामिल नहीं है। मुजाहिद ने फिर वही पुराना राग दोहरा दिया कि औरतों को सरकार में शामिल करने के मसले पर विचार हो रहा है। छूट गए समूहों की नुमाइंदगी के लिए मंत्रिमंडल के अगले विस्तार में औरतों को शामिल किया जा सकता है। साफ है, तालिबान अपनी पुरातन सोच से डिगने को तैयार नहीं है और अफगानिस्तान की स्थितियां लगातार गहन अराजकता की ओर बढ़ रही हैं। तालिबान सरकार के रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब आईएसआई की रोज-रोज की मुदालखत से बेजार हो गए हैं, तो अब्दुल गनी बरादर को समावेशी सरकार के वादे को लागू कराने के लिए अपने ही संगठन के लोगों से लड़ना पड़ रहा है। बरादर अपेक्षाकृत उदार माने जाते हैं और वह अच्छी तरह जानते हैं कि तालिबान हुकूमत की वैश्विक मान्यता इसी बात पर निर्भर है कि वह कितनी तेजी से मुल्क में व्यवस्था कायम करती है और अमेरिका के साथ हुए समझौते की शर्तें लागू करती है। आम अफगानों की जिंदगी दिनोंदिन बदहाल हो रही है और दुनिया के देश चाहकर भी उनकी मदद करने में खुद को असमर्थ पा रहे हैं। यह स्थिति इस पूरे क्षेत्र के लिए बहुत चिंताजनक है। अब जब संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक शुरू हो चुकी है, तब दुनिया को इस मसले पर पूरी गंभीरता से विचार करना चाहिए, ताकि अराजक अफगानिस्तान आतंकियों का फिर से अड्डा न बन सके, बल्कि हक्कानी नेटवर्क जैसे आतंकी संगठनों के पर कतरने के लिए इस्लामाबाद पर शिकंजा कसे जाने की जरूरत है। अगर अफगानिस्तान में तालिबानी समूह आपस में उलझते गए, तो उनके संघर्ष का खामियाजा स्थानीय नागरिकों को तो भुगतना पडेग़ा ही, पड़ोसी देशों की भी सिरदर्दी बढ़ती जाएगी, खासकर भारत जैसे देशों को इसके मद्देजनर अतिरिक्त सुरक्षा व्यय करने पड़ेंगे।

फिर चेहरा बदल रहा आंतक

दिल्ली, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में दबिश डालते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने छह आतंकियों को धर दबोचा है। दावा है कि ये सभी त्योहारी मौसम में देश को अशांत करने की योजना बना रहे थे। इनकी गिरफ्तारी उन आशंकाओं को पुष्ट करती है, जो अफगानिस्तान में तालिबानी राज के शुरू होने के साथ जाहिर की गई थीं। काबुल में तख्तापलट के बाद यही कहा गया था कि इस पूरे खित्ते में अब आतंकवाद में बढ़ोतरी होगी और दहशतगर्दों को शह मिलेगी। कयास यह भी है कि चूंकि पाकिस्तान ने दो दशकीय जंग में दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका व उसके मित्र राष्ट्रों की फौज को शिकस्त दी है, और यह जीत भी ऐसी कि हार के बावजूद इस्लामाबाद के प्रति वाशिंगटन का रवैया नरम है, इसलिए विशेषकर भारत के खिलाफ पाकिस्तान पोषित आतंकी जमातों का इस्तेमाल कहीं अधिक होगा। इन गिरफ्तारियों के बाद ये आशंकाएं सच प्रतीत होने लगी हैं।

अच्छी बात यह है कि हमारी सुरक्षा एजेंसियां तत्पर हैं और देश विरोधी षड्यंत्रों को सफलतापूर्वक बेनकाब कर रही हैं। मगर मसला यह है कि अगर एक बार भी इन आतंकियों के नापाक मनसूबे कामयाब हो गए, तो हमारी सुरक्षा व्यवस्था कठघरे में आ जाएगी। पिछले कुछ दिनों से ऐसी कोशिशें हो भी रही हैं। मसलन, हाल के दिनों में कश्मीर में आतंकी वारदातों में एक तरह की बढ़त दिख रही है। खबर यह भी है कि उत्तरी कश्मीर में, जहां हालात काफी हद तक ठीक रहते हैं, दहशतगर्दों की सीमा पार से घुसपैठ हुई है। पिछले एक महीने से वहां एनकाउंटर में इजाफा हुआ है। सरहद पार के आतंकी शिविरों में भी हलचल तेज है। जाहिर है, पाकिस्तान के भीतर जश्न का माहौल है। १९९२ में जब अफगानिस्तान में डॉक्टर नजीबुल्लाह की सरकार को मुजाहिदीन ने पलट दिया था, तब भी पाकिस्तान में इसी तरह की खुशियां मनाई जा रही थीं। उल्लेखनीय है कि उसी दौर में कश्मीर की सुकून भरी वादियों में सीमा पार से आतंकवाद की धुंध पसरनी शुरू हुई थी। आज फिर से हमारे लिए वही खतरा सिर उठा रहा है।

मंगलवार को पकड़े गए आतंकियों के बारे में कहा गया है कि दाऊद इब्राहिम के भाई के साथ उनके तार जुड़े हुए हैं और डी-कंपनी के नेटवर्क का इस्तेमाल हो रहा था। इसमें सीधे-सीधे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का नाम नहीं लिया गया। क्या ये आतंकी बिना आईएसआई की मदद से इतनी बड़ी हिमाकत कर सकते हैं? अफगानिस्तान में हुकूमत बदलने के बाद यह कहा भी गया था कि यह मुल्क अब दहशतगर्दी का अड्डा बनेगा। छोटे-बड़े तमाम दहशतगर्दों की अफगानिस्तान की ओर रवानगी इसकी तस्दीक भी कर रही थी। चूंकि इन आतंकियों को पाकिस्तान की शह हासिल है, इसलिए भारत में होने वाली ऐसी किसी घटना में हमें 'नॉन-स्टेट एक्टर्स' के शामिल होने जैसे दावों पर यकीन नहीं करना चाहिए, बल्कि सीधे-सीधे पाकिस्तानी हुकूमत और उसकी एजेंसियों को घेरना चाहिए।

हमें यह स्वीकार करना होगा, और संभवत: हमारी खुफिया एजेंसियां इसे मानने भी लगी हैं कि आतंकवाद का चरित्र अब बदल रहा है। तकनीक और तरीकों ने इसका रूप काफी हद तक खौफनाक बना दिया है। अब ड्रोन जैसी नई प्रौद्योगिकी की भी इसमें आमद हो गई है, और कई देशों में अत्याधुनिक तकनीक से आतंकी हमलों को अंजाम दिया गया है। भारत भी इन सबसे नहीं बच सकता। खतरा यह है कि तालिबान आत्मघाती दस्ता तैयार करने की बात खुलेआम स्वीकारता है। यानी, हमारे यहां देर-सवेर ऐसे हमले होंगे ही। नई प्रकार की आईईडी का इस्तेमाल भी होगा। लिहाजा, हमें पहले से अपनी तैयारी चाक-चौबंद करनी होगी।

एक अन्य पहलू यह भी है कि बम बनाने की तकनीक जिस तरह से उन्नत होती जा रही है, उसको रोकने के लिए हमें विशेष नजर रखनी होगी। हमें न सिर्फ इन सबको बेनकाब करना होगा, बल्कि इनकी तह तक भी पहुंचना होगा। घाटी में फिलहाल जैसी सुरक्षा व्यवस्था है, वह १९९० के दौर के हिसाब से काफी बेहतर है, लेकिन जब हम अपनी सुरक्षा व्यवस्था को उन्नत बनाने की बात करते हैं, तब हमारे लिए यह देखना जरूरी है कि सुरक्षा बलों के पास पारंपरिक हमलों के खिलाफ ही सुरक्षा कवच न हो, बल्कि नए तकनीकी हमलों के खिलाफ भी वे बखूबी मोर्चा ले सकें।

नए खतरों से बचने के लिए देश में नई तकनीक की आमद, नए तरह के प्रशिक्षण, नई प्रौद्योगिकी पर विश्वास और नए निवेश की दरकार है। इन सबकी पूर्ति जल्द से जल्द होनी चाहिए। खतरा पैदा होने के बाद उसका मुकाबला करने से बेहतर है कि खतरे को पैदा होने से रोक दिया जाए और वक्त से पहले उसे खत्म कर दिया जाए। यही रणनीति हमें अब अपनानी चाहिए।

एक बड़ा खतरा आतंकियों के स्लीपर सेल से भी है। इस तरह के मॉड्यूल में आतंकियों को तमाम तरह के प्रशिक्षण देकर आम लोगों के बीच भेज दिया जाता है, जहां वे कुछ वक्त तक बिल्कुल आम जनजीवन बिताते हैं। चूंकि दहशतगर्द समाज में घुल-मिल जाते हैं, इसलिए उन पर कोई शक नहीं करता और सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर भी वे नहीं आते। और, जब आतंकी संगठन को उनकी जरूरत होती है, तब वे तुरंत उपलब्ध हो जाते हैं। इसलिए इनसे पार पाने के लिए हमें अपनी आंख और कान खुले रखने होंगे। स्थानीय पुलिस और खुफिया एजेंसियों को इस तरह का प्रशिक्षण देना होगा कि कुछ भी असामान्य दिखने पर वे तुरंत सावधान हो जाएं। रेहड़ी-पटरी पर रहने वाले लोग भी इसमें खासा मददगार हो सकते हैं। उन्हें इस कार्य में ज्यादा से ज्यादा जोड़ना चाहिए। अब २६/११ या ९/११ जैसी वारदातें शायद ही होंगी। बिल्कुल नए तरह के आतंकी हमलों के हम गवाह बन सकते हैं। लिहाजा, हमें इतनी तैयारी रखनी ही होगी कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था में कतई सेंध न लगने पाए। हमारी सुरक्षा एजेंसियों को इसी दिशा में काम करना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

लूट में धराया असली विक्री कर अधिकारी

जीएसटी अधिकारी बनकर लूटे ११ लाख

मुंबई : कोरोना काल में लोग बेरोजगारी की मार से त्रस्त हैं, तो वहीं अक्षय कुमार व अनुपम खेर की लोकप्रिय फिल्म 'स्पेशल २६' की तर्ज पर फर्जी पुलिस, आयकर, सीबीआई, जीएसटी, ईडी अधिकारी बनकर लूट-ठगी के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल रही है। ऐसे ही एक मामले में एलटी मार्ग पुलिस ने ४ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से एक विक्री कर विभाग का असली अधिकारी है। आरोपियों ने जीएसटी अधिकारी बनकर दक्षिण मुंबई के एक व्यवसायी से ११ लाख रुपए लूट लिए थे।

बता दें कि दक्षिण मुंबई के नागपाड़ा इलाके में रहनेवाले मूलचंद (बदला हुआ नाम) की मुंबई में काफी संपत्ति (फ्लैट-दुकानें) आदि हैं, जो उन्होंने किराए पर दे रखी हैं। कालबादेवी के पोफलवाड़ी में उनका कार्यालय है, जहां काम करनेवाले दो कर्मचारी मूलचंद के मकान, दुकान आदि का किराया वसूलने का काम करते हैं। १४ जून की शाम पौने ५ बजे मूलचंद के कार्यालय में कथित जीएसटी अधिकारियों ने छापेमारी की थी। खुद को जीएसटी अधिकारी बतानेवाले ४ लोगों ने मूलचंद के कार्यालय में घुसकर दस्तावेजों की जांच की और लॉकर में रखे ३० लाख रुपए निकाल लिए। छापेमारी के दौरान हिसाब-किताब करने के बाद वो लोग जीएसटी के नाम पर ११ लाख रुपए लेकर वहां से चले गए। मूलचंद को जब इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने कर्मचारियों से यह पता करने को कहा कि छापा मारनेवाले अधिकारी असली थे या नकली?

कर्मचारियों द्वारा पता लगाने पर छापा मारनेवाले कथित अधिकारियों के फर्जी होने का विश्वास मूलचंद के कर्मचारियों को हो गया। जिसके बाद मूलचंद के निर्देश पर कर्मचारियों ने एलटी मार्ग पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। डीसीपी सौरभ त्रिपाठी व एसीपी शरद नाईक के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दीपक निकम के नेतृत्व में एलटी मार्ग पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। मझगांव स्थित जीएसटी कार्यालय में उन्हें कुछ भी हाथ नहीं लगा। लेकिन घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेजों एवं अन्य तकनीकि जांच के आधार पर पुलिस ने एक शख्स की शिनाख्त कर ली, जो कि वास्तव में नागपाड़ा स्थित जीएसटी कार्यालय में विक्री कर अधिकारी के पद पर तैनात था। पुलिस हिरासत में उस विक्री कर अधिकारी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उसकी निशानदेही पर उसके तीन साथियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और ११ लाख रुपए भी बरामद कर लिए हैं।

मां की हत्या का आरोपी ३२ महीने बाद गिरफ्तार

नालासोपारा : मां की हत्या के आरोपी को लगभग ३२ महीने बाद पुलिस ने कोलकाता से गिरफ्तार किया है। जोन ३ के एसीपी चंद्रकांत जाधव ने बताया कि पाटणकर पार्क स्थित इम्पेरियल टावर निवासी नम्रता पवार(५०) अपने पति नरेंद्र रामचंद्र पवार (५३) व इकलौते बेटे जन्मेश (२३) के साथ रहती थीं। पिता और बेटा दोनों शेयर मार्केट में काम करते थे।

२८ जनवरी २०१९ की रात खाना खाने के बाद पिता व बेटे में पैसे के हिसाब को लेकर बहस हुई। रात ११ बजे माता-पिता बेडरूम में सोने चले गए और बेटा हॉल में सो रहा था। २९ जनवरी की सुबह ४ बजे बेटे ने धारदार हथियार से पिता के सिर पर वार कर दिया, इस दौरान बीच-बचाव में आई, तो मां पर भी कई वार कर दिए। वारदात के बाद बेटा फरार हो गया। बेडरूम में माता-पिता चीखते चिल्लाते रहे। कुछ देर बाद पडोसियों ने दोनों को रिद्धि विनायक हॉस्पिटल में भर्ती कराया और पुलिस को सूचना दी। हालत नाजुक होने के चलते दोनों को मुंबई स्थित केईएम अस्पताल भेजा गया। दो दिन बाद उपचार के दौरान मां की मौत हो गई। तब से बेटा फरार चल रहा था।

जाधव ने बताया कि हमारी टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर उसे कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया है। वह इतना शातिर है कि मोबाइल व फेसबुक इस्तेमाल नहीं करता था। उसने एक साइबर कैफे में जाकर गूगल पर चेक किया था कि उस पर हत्या का मामला दर्ज हुआ है। तब से वह एक होटल में मैनेजर की नौकरी कर रहा था। मंगलवार को उसे वसई कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उसे २५ सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

पैसे चुराने पर डांट से नाराज बेटे ने की पिता की हत्या

मुंबई : मुंबई के दहिसर में रविवार की दोपहर पैसे चुराने पर डांटे जाने से नाराज पुत्र ने कथित तौर पर अपने पिता की हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना अशोक घाघ परिसर की है। मृतक की पहचान अशोक पांडेय (४७) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया, ३५३५पांडेय ने अपनी जेब से रुपये गायब देखकर बेटे राहुल (२२) को डांटा था। इसे लेकर दोनों में बहस हुई और राहुल ने पत्थर से वार करके पिता की हत्या कर दी। घटना के बाद वह मौके से फरार हो गया, हालांकि पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

कंपाउंडरी करते-करते बन गए... (पृष्ठ 4 का शेष)

पुष्टि की गई, बाद में पीआई प्रिया थोरात के नेतृत्व में एपीआई महेंद्र दोरकर की टीम ने छापेमारी करके तीनों फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार कर लिया। इन डॉक्टरों का मेडिकल प्रमाण पत्र महाराष्ट्र मेडिकल कौंसिल

ऑफ इंडियन मेडिसीन में पंजीकृत नहीं था। वहीं इनमें से दो लोग सिर्फ बारहवीं तक पढ़े हैं और वे पहले डॉक्टरों के पास कंपाउंडरी करते थे। जबकि एक अन्य महिला बीएएमएस द्वितीय वर्ष की छात्रा है। महिला आरोपी जोगेश्वरी की जबकि पुरुष आरोपी विक्रोली और घाटकोपर के रहनेवाले हैं।

महाराष्ट्र में कफ सीरप की ७९०० ... (पृष्ठ 1 का शेष)

गिरफ्तार कर उसके पास से ६० हजार रुपये के कफ सिरप की २०० शीशियां जब्त की थीं। चौधरी शिवाजी नगर, गोवंडी और मानखुर्द इलाके में सिरप की आपूर्ति करता है। चौधरी विरार के बारापाडा का रहने वाला है। घाटकोपर एएनसी ने १८ सितंबर को विरार स्थित चौधरी के गोदाम पर छापा मारा और वहां से ७,७०० शीशियां जब्त कीं। गौरतलब है कि यह कफ सिरप कोरेक्स नाम से भी बाजार में उपलब्ध है, जो डॉक्टरों की सलाह पर ही दुकानदार ग्राहकों को देते हैं। नशेड़ी कफ सिरप नशे के लिए इस्तेमाल करते हैं। यह गैरकानूनी तरीके से १५० से ३०० रुपये में बेचा जाता है।

कैंसर मरीजों की यूपी भवन में... (पृष्ठ 1 का शेष)

वजह से पूरा परिवार परेशान है। यहां बेटे के साथ आए हैं। अगर रहने-खाने का इंतजाम नि:शुल्क हो जाता है, तो आधी परेशानी दूर हो जाती। कानपुर के राम खिलावन कैंसर की बीमारी की वजह से परेल के एक फुटपाथ पर रहते हैं। उनके साथ उनकी रिश्तेदार भी हैं। टाटा में अच्छी तरह इलाज चल रहा है, बस रहने की दिक्कत है। ६ महीने से फुटपाथ पर रहते हैं। रहने का ठिकाना हो जाए, तो यूपी की सरकार का बहुत एहसान होगा। हम अरसे से फुटपाथ पर रह रहे हैं। यूपी सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। ऐसे कई मरीज हैं, जो उनकी तरह ही रहने की व्यवस्था का इंतजार कर रहे हैं।

एटीएस के चंगुल में मुंब्रा का मुन्ना भाई

जाकिर के साथ मिलकर रच रहा था धमाके की साजिश

मुंबई : महाराष्ट्र एटीएस द्वारा गिरफ्तार जाकिर हुसैन शेख के साथ मिलकर बम धमाके की साजिश रचने वाले संदिग्ध को मुंब्रा से गिरफ्तार किया है। यह संदिग्ध जाकिर को एटीएस से बचाने के लिए मुंब्रा में सुरक्षित स्थान की तलाश में था ।

महाराष्ट्र एटीएस द्वारा मुंब्रा से पकड़े गए संदिग्ध का नाम इमरान उर्फ मुन्ना भाई बताया जा रहा है। इससे पहले ज़ाकिर हुसैन शेख की गिरफ्तारी हुई थी। जाकिर से पूछताछ के बाद ही इस संदिग्ध का नाम सामने आया था। जिसके बाद मुंब्रा इलाके में बीती रात एटीएस ने छापेमारी की थी । खुफिया एजेंसियों के अलर्ट में बताया गया है कि आतंकवादी ट्रेन में गैस अटैक या प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भीड. को गाडी से रौंदने की कोशिश कर सकते हैं। इस अलर्ट के बाद जीआरपी ने मुंबई के सभी बडे.रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा बढा दी है। वहीं स्टेशन के एंट्री और एग्जिट के कुछ गेट और रास्ते ऐहतियातन बंद कर दिए हैं।

एटीएस ने इमरान को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर रिमांड में लिया है । उससे पूछताछ में कई खुलासे हो सकते हैं।

अभी तक की जानकारी के मुताबिक जाकिर ने पहले पकड़े गए आतंकी मोहम्मद शेख उर्फ समीर कालिया से हथियार और विस्फोटक लिए थे। आतंकियों से पूछताछ के बाद मुंबई और दिल्ली एटीएस की टीम लगातार छापेमारी कर रही है और संदिग्ध आतंकियों को पकड़ रही है। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और पाकिस्तान में आईएसआई द्वारा प्रशिक्षित दो आतंकवादियों सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया था।पुलिस ने बताया कि ये आतंकवादी देश में आगामी त्योहारों के दौरान कई विस्फोट करने की योजना बना रहे थे।लेकिन इन के मंसूबो पर पानी फिर गया है ।

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम की बड़ी कार्रवाई, पांच किलो हेरोइन जब्त

मुंबई : मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने दो विदेशी नागरिकों को २५ करोड़ रुपये कीमत के ड्रग्स समेत गिरफ्तार किया है। दोनों नागरिक ड्रग्स को बैग में छुपा के लेकर जा रहे थे। दोनों आरोपियों को गिरफ़्तारी के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने उन्हें १४ दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दोनों विदेशी नागरिक आरोपी कतर एयरलाइंस के जरिये जोहानसबर्ग से मुंबई आए थे। यह ड्रग्स वे किसको देने के लिए आए थे, इसकी जांच की जा रही है। वहीं, गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह से तीन हजार किलो हेरोइन जब्त की गई है। इस मामले में मनी लॉन्डरिंग ऐंगल से भी जांच की जा रही है।

बीएससी आयुक्त के खिलाफ १ अक्टूबर को भूख हड़ताल

सहायक सुरक्षा अधिकारी कैलास सुपे और मुख्य सुरक्षा अधिकारी रवींद्र पाटिल को तत्काल निलंबित किया जाएगा : संजय हंडोरे संस्थापक अध्यक्ष

मुंबई : बीएमसी के राजावाडी अस्पताल में सहायक सुरक्षा अधिकारी कैलाश सुपे ने दिसंबर २०२० में कोंकण डिवीजन प्रेस एसोसिएशन मुंबई और सप्तरंग के कार्यकारी संपादक दिगंबर वाघ को जान से मारने की धमकी दी थी। उसके बाद से आज तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई और आज तक मुंबई नगर निगम की मेयर किशोरी पेडनेकर और आयुक्त इकबाल सिंह चहल को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर भी उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई. वहीं, सुपे को प्रमोट करने का काम चल रहा है।

दिगंबर वाघ ने सुरक्षा विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ जुर्माने को कम कर दिया है।मुख्य सुरक्षा अधिकारी भ्रष्ट अधिकारियों के इशारे पर काम करता है। किसी ने उसके खिलाफ

यदि आयुक्त भूख हड़ताल पर नहीं जाने का निर्णय लेते हैं तो सहायक सुरक्षा अधिकारी कैलास सुपे और मुख्य सुरक्षा अधिकारी रवींद्र पाटिल को तत्काल निलंबित कर दें. नहीं तो भूख हड़ताल होगी, तो जेल में है कि कमिश्नर के सामने कमिश्नर को फैसला लेना चाहिए
--अन्नासाहेब कुलये
मुंबई अध्यक्ष

शिकायत दर्ज कराई कि वह कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई करना चाहता है और कार्रवाई वापस लेने के लिए पैसे की मांग करके उसे परेशान करना चाहता है। राजवाडी में सहायक सुरक्षा अधिकारी १५ अगस्त, २०२१ को जेंद्रावंदन में भी मौजूद नहीं था।

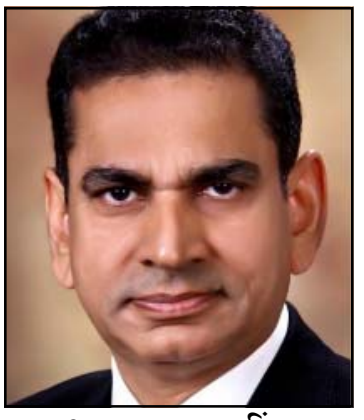
मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल

सुरक्षाकर्मी ऐसा करते हैं, इसलिए अधिकारी सिर्फ पैसे खाने के लिए क्यों हैं? इसकी शिकायत करने का मतलब यह है कि इस मामले को १० महीने बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है. इसकी भी जांच होनी चाहिए। वह अधिकारी जिसके पास इस विभाग के प्रमुख के रूप में

हमें आयुक्त के संबंधित अधिकारियों द्वारा इसे पोषित करने का आग्रह किया गया है। हम कार्रवाई की मांग के लिए १० महीने से पत्राचार कर रहे हैं। लेकिन इस बार ऐसा अब तक नहीं हुआ है। समय आ गया है। मैं सभी कर्मचारियों से अनुरोध करना चाहता हूं मेरी एमएन पास सेवा के अधिकारी उन लोगों के लिए अपना समर्थन दर्ज करें जिनके साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है। **--दिगंबर वाघ**
महासचिव एवं कार्यकारी संपादक

जिम्मेदारी है। तथ्य यह है कि मुख्य सुरक्षा अधिकारी रवींद्र पाटिल और अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने कोई कार्रवाई नहीं की, एक अल्पमत है। आज तक किसी पत्र का जवाब नहीं मिला है।

अगर भाजपा के पदाधिकारी पत्रकारों के साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं, तो वे आम आदमी की दुर्दशा के बारे में नहीं सोचते हैं, अगर भूख हड़ताल पर जाने का समय है, तो क्या दुर्भाग्य को समझना चाहिए? यह सवाल नागरिक पूछ रहे हैं। आयुक्त की ओर से बयान देने के बाद इकबाल सिंह चहल को अपने पीए से मिलने नहीं दिया गया. इसलिए ये बयान पदाधिकारियों द्वारा अंदर-बाहर तथा ई-मेल से भेजे गए हैं। जब से अधिकारी और पीए एक ही जगह पर कई वर्षों से काम कर रहे हैं, उनकी कट्टरता बढ़ गई है। सबसे बडा सवाल नहीं हो रहा है। बताया जा रहा है कि इसके पीछे एक बडा आर्थिक रैकेट है।

ताला लगाकर चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा

मुंबई : अगर आपने लापरवाही बरती, तो आपके फ्लैट का बाहरी दरवाजा मुसीबत बन सकता है। दरअसल, जोन ८ पुलिस ने एक ऐसे चोर गिरोह का खुलासा किया है, जिसके सदस्य सुबह-सुबह उन सोसाइटियों को निशाना बनाते थे, जिनमें सिक्योरिटी गार्ड्स नहीं होते थे। ऐसी सोसाइटियों में घुसकर ये बदमाश पहले बाकी फ्लैट के बाहरी दरवाजे को लॉक करते थे और फिर टारगेट वाले फ्लैट के ताले को तोड़कर वहां चोरी को अंजाम देकर फरार हो जाते थे।

ऐसे ही एक आरोपी को वाकोला पुलिस ने झारखंड से गिरफ्तार किया है, जिसके पास से चोरी के २० तोला आभूषण और करीब ढाई लाख रुपये मिले हैं। आरोपी की पहचान साकीनाका निवासी ३७ वर्षीय इस्माइल शेख के रूप में हुई है। उसके खिलाफ घर में घुसकर चोरी करने के १५ से अधिक मामले विभिन्न पुलिस स्टेशनो में दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि लूटपाट के बाद वह झारखंड भाग गया था।

पुलिस के मुताबिक, ८० वर्षीय सांताक्रुज निवासी सुशीलाबेन शाह के घर से २० तोला सोना और ५ लाख रुपये को चोरी की शिकायत पुलिस को मिली थी। सुशीलाबेन अपने परिवार के साथ सांताक्रुज (ईस्ट) के प्रभात

कॉलोनी स्थित उदय सोसाइटी में रहती थीं। उन्होंने घुटनों की सर्जरी के लिए धन इकट्ठा करने के लिए इन आभूषणों को जमा किया था।

सुशीलाबेन की बहू शिल्पा शाह ने बताया कि हमें करीब ८ लाख रुपये चाहिए थे। इसके लिए सास के घर २० तोला सोना और ५ लाख रुपये नकद रखे थे। ६ अगस्त को सुबह ३ बजे कुछ संदिग्ध लोगों सभी फ्लैटों के बाहरी दरवाजे बंद कर दिए और तीन घरों के ताले तोड़कर चोरी को अंजाम देकर भाग गए। सोसाइटीवालों की मदद से सभी फ्लैटों के दरवाजे खोले गए, तब जाकर मामले का खुलासा हुआ।

मुंबई में किन्नरों का आतंक, सरेआम सड़क पर मचाया उत्पात

मुंबई : मुंबई के मलाड इलाके में किन्नरों का आतंक बढ़ गया है। इसकी बानगी शनिवार दोपहर को मलाड इलाके में देखने को मिली। जब कुछ किन्नरों ने मिलकर ना सिर्फ पुलिस के साथ मारपीट की बल्कि एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी का खुलेआम कॉलर पकड़कर खींचते हुए दिखाई दिए।

इस दौरान एक किन्नर ट्रैफिक पुलिसकर्मी के साथ बदसलूकी करते हुए भी वीडियो में दिखाई पड़ रहा है। इस वीडियो में किन्नर नग्न होकर पुलिस के साथ मारपीट करता हुआ नजर आ रहा है। इस मामले में बांगुर नगर पुलिस ने ३ लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा ३५३,३३२,१८८,५१ शघषछ एक्ट और ३४ के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

बांगुर नगर पुलिस स्टेशन की वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शोभा पिसे के मुताबिक यह वीडियो शनिवार दोपहर का है। एक बाइकर द्वारा ऑटो रिक्शा को टक्कर मारने के बाद ऑटो चालक के सपोर्ट में एक किन्नर समूह आ गया और बाइक चलाने वाले के साथ मारपीट करने लगा। इसके बचाव में जब ट्रैफिक पुलिस और बांगुर नगर थाने के कुछ पुलिसकर्मी उसको बचाने गए तो किन्नरों ने पुलिस के साथ भी मारपीट शुरू कर दी।

कंपाउंडरी करते-करते बन गए डॉक्टर, महिला सहित ३ गिरफ्तार

मुंबई : यूपी-बिहार और दूसरे पिछड़े राज्यों में कंपाउंडरों द्वारा मरीजों का इलाज करने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं लेकिन अब ऐसे फर्जी डॉक्टर अब मुंबई में भी पैर पसारने लगे हैं, इसका खुलासा मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच की जांच में हुआ है। क्राइम ब्रांच की यूनिट- ७ फर्जी डॉक्टरों की गिरफ्तार किया है, जो

फिल्म मुन्ना 'भाई एमबीबीएस' की तर्ज पर बोगस सर्टिफिकेट की बदौलत मरीजों का इलाज कर रहे थे। आरोपियों में एक महिला भी शामिल है।

बता दें कि यूनिट-७ के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मनीष श्रीधनकर को घाटकोपर-पूर्व स्थित रमाबाई आंबेडकर नगर इलाके में ३ बोगस डाक्टरों द्वारा इलाज के नाम पर मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने की जानकारी मिली थी। डीसीपी दत्ता नलावड़े के मार्गदर्शन में इन डॉक्टरों के क्लिनिक पर फर्जी मरीज भेज कर इसकी (पृष्ठ 3 पर)

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : ११ अंक : ६ मुंबई, शुक्रवार, ८ अक्टूबर से १४ अक्टूबर २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

कोरोना पर मनपा की फिर विजय, संभावित तीसरी लहर हुई पस्त

मनपा ने हाईकोर्ट को दी जानकारी

मुंबई : कोरोना के खिलाफ लड़ाई में मनपा को एक बार फिर जीत मिली है। अपनी सफल नीतियों के चलते कोरोना की पहली, दूसरी लहर को नेस्तनाबूद करने वाली मनपा ने तीसरी लहर को आने से पहले ही मैदान छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। मनपा ने मुंबई हाईकोर्ट को दिए एक जवाब में स्पष्ठ किया है कि अब मुंबई में कोरोना की संभावित तीसर लहर का खतरा कम हो गया है। यदि वैक्सीनेशन अभियान की रफ्तार ऐसे ही रही तो तीसरी लहर का कोई असर नहीं होगा। मनपा के कानून विभाग की ओर से कोर्ट को दी गई यह जानकारी मुंबईकरों के लिए राहत भरी खबर है। देश की आर्थिक नगरी मुंबई में कोरोना के भय से रुक-रुक

कर चलने वाले रोजगार और उद्योग की गाड़ी अब एक बार फिर से अपने पुराने रफ्तार में दौड़ने की संभावना जताई जा रही है।

वैक्सीनेशन से कोरोना हुआ बेदम

मुंबई हाई कोर्ट में एक याचिका की सुनवाई के दौरान जवाब में मनपा के वकील अनिल साखरे ने कहा कि मुंबई में कोरोना की तीसरी लहर की आशंका अब नहीं है, क्योंकि अब तक ४२ लाख से अधिक लोगों को वैक्सीन की दूसरी खुराक दी जा चुकी है। इसके अलावा वैक्सीनेशन अभियान शुरू होने के बाद से ८२ लाख से अधिक लोगों ने वैक्सीन की पहली खुराक ले ली है। इतना ही नहीं चलने-फिरने में असमर्थ २,५८६ लोगों को उनके घर जाकर वैक्सीन की दोनों खुराक दी जा चुकी हैं और ३,९४२ ऐसे लोगों को पहली खुराक दी गई है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि वैक्सीनेशन अभियान तेजी से शुरू है। (पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री से संबंधित कंपनियों पर इनकम टैक्स विभाग की रेड, अजित पवार ने स्वीकारी छापेमारी की बात

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार से संबंधित कंपनियों पर फिलहाल इनकम टैक्स विभाग की छापेमारी जारी है। इस बात को खुद अजित पवार ने स्वीकार किया है।उन्होंने कहा कि हां मुझसे संबंधित कंपनियों पर इनकम टैक्स विभाग ने रेड डाली है। आयकर विभाग किसी पर भी छापेमारी करने का अधिकार रखता है। उन्हें शक आने पर वे ऐसी रेड को ऐसी कार्रवाई को अंजाम देते हैं।

इनकम टैक्स विभाग को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति पर छापेमारी करने का अधिकार है। मुझसे संबंधित कंपनियों पर भी छापेमारी की गई है। मैं नियमित टैक्स भरता हूं। वित्त मंत्री रहते हुए भी किस प्रकार से फाइनेंसियल मैनेजमेंट

करना है। इस बात को भी मैंने समझा है। कोई भी टैक्स छुपाना नहीं है, बल्कि उसे कैसे भरा जाता है। मुझे इस बात का भी पूरा ज्ञान है। मुझसे संबंधित कंपनियों ने भी समय-समय पर टैक्स भरा है। बावजूद इसके राजनीतिक द्वेष की भावना से यह रेड की कार्रवाई की जा (पृष्ठ 3 पर)

निचले स्तर की राजनीति शुरू : अजित पवार

अजित पवार ने कहा कि मेरी कंपनियों पर छापेमारी की गई, इसका मुझे अफसोस नहीं है। लेकिन मेरे रिश्तेदारों पर क्यों रेड डाली गई? उनका कोई भी संबंध ना होते हुए यह रेड डालना उचित नहीं है। इतने निचले स्तर की राजनीति मैंने कभी नहीं देखी। सरकार आती है और जाती है लेकिन यहां जनता ही सब कुछ है। जनता हमेशा उचित निर्णय लेती है। बीते चुनाव समय में दौरान शरद पवार को भी एक बैंक से कुछ भी संबंध ना होने के बावजूद नोटिस भेजा गया था। उस समय की राजनीतिक गहमागहमी सभी ने देखी थी।

नवाब मालिक का NCB पर बड़ा आरोप

क्रूज़ पर रेड की कार्रवाई फर्जी, ऐसी कोई रेड हुई ही नहीं

मुंबई : एनसीपी प्रवक्ता और महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने मुंबई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो पर गंभीर आरोप लगाया है। मलिक ने कहा कि बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान मामले में किसी भी प्रकार का ड्रग्स मिला ही नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी बॉलीवुड और राज्य सरकार को बदनाम करने का हर संभव प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि आर्यन खान के साथ वायरल हुए फोटो में दिखने वाला व्यक्ति मनीष भानुशाली है। जो बीजेपी का कार्य करता है। मनीष भानूशाली की तस्वीर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के

साथ भी है। ऐसे में एनसीबी को यह बताना चाहिए कि आखिर उनका और भानुशाली का क्या संबंध है? नवाब मलिक ने बीजेपी नेता मनीष भानूशाली और केपी गोसावी पर आरोप लगाए हैं।

नवाब मलिक ने कहा कि कुछ दिन पहले एनसीबी ने एक क्रूज़ पर रेड की थी। जिसमें एक व्यक्ति आर्यन खान को लेकर जाता (पृष्ठ 3 पर)

क्या परमबीर सिंह ने फर्जी पासपोर्ट पर देश छोड़ा? नेपाल के रास्ते विदेश जाने की खबर!

मुंबई : पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह पिछले कई महीने से जांच एजेंसियों को नहीं मिल रहे हैं। न्यूज एजेंसी एनएनआई ने जांच एजेंसियों से जुड़े अधिकारियों के हवाले से लिखा है कि मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह ने या तो महाराष्ट्र पुलिस की तरफ से अपने खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी होने से पहले ही देश छोड़ दिया था या फिर वह फर्जी पासपोर्ट के सहारे देश से भागे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, परमबीर सिंह के छुट्टी पर जाने के दो महीने बाद महाराष्ट्र पुलिस ने सिंह के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था।

अधिकारियों के मुताबिक, परमबीर सिंह ने ७ मई को अपने खराब स्वास्थ्य को कारण बताते हुए छुट्टी मांगी थी

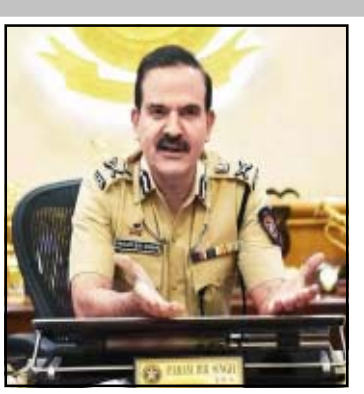

और चंडीगढ़ चले गए थे। वहां से उन्होंने अपनी छुट्टियां बढ़वाई लेकिन इसके बाद से वह गायब हैं। सिंह के खिलाफ पहला लुकआउट सर्कुलर जुलाई मध्य में जारी किया गया है। ऐसे में आशंका है कि सिंह ने इससे पहले ही देश छोड़ दिया था। परमबीर सिंह के खिलाफ आईपीसी की कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज हैं। एंटी-करप्शन ब्यूरो में सिंह के खिलाफ दो इंक्वायरी भी लंबित हैं। सिंह को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने एंटीलिया बम कांड में समन भी भेजा था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'महाराष्ट्र सरकार ने परमबीर सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के कुछ ही दिनों बाद लुकआउट नोटिस जारी कर दिया था।' (पृष्ठ 3 पर)

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

फिर बढ़ी कीमतें

पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में फिर वृद्धि न केवल ध्यान खींचती है, बल्कि सोचने पर विवश भी करती है। पेट्रोल की कीमत में ३० पैसे प्रति लीटर और डीजल में ३५ पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। इस वृद्धि के साथ ही दिल्ली में पेट्रोल की कीमत १०२.९४ रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत ९१.४२ रुपये प्रति लीटर हो गई है। देश में कुछ शहर ऐसे भी हैं, जहां पेट्रोल की कीमत १०५ रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई है। पेट्रोल की कीमत में इसी वर्ष लगभग १८ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसी वर्ष की शुरुआत में डीजल की कीमत ७५ रुपये के करीब थी, पर इसमें भी इस वर्ष करीब १७ रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है। कुल मिलाकर, इसी वर्ष पेट्रोल, डीजल के भाव में १७-१८ रुपये की बढ़त चिंता में डालने के लिए काफी है। हालांकि, सबसे ज्यादा चिंता रसोई गैस को लेकर है। इसी साल रसोई गैस की कीमत में २०५ रुपये तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार ६ अक्तूबर से घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर १५ रुपये की बढ़ोतरी की है। यह दो महीने के भीतर चौथी कीमत बढ़ोतरी है। इस बढ़ोतरी के बाद १४.२ किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब राजधानी दिल्ली में ८९९.५० रुपये हो गई है।

त्योहारी मौसम में कीमतों की इतनी ज्यादा बढ़त बाजार ही नहीं, बल्कि लोगों की जेब पर सीधे असर डालेगी। ऐसा आखिर क्यों हो रहा है? बताया गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ते भाव के कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। जहां एक-एक पैसे की बढ़त से बजट पर असर पड़ता हो, वहां बीस-तीस पैसे की बढ़त बहुत गंभीर है। क्या कीमतों में कम वृद्धि मुमकिन नहीं थी? क्या सरकार को कर के स्तर पर रियायत देकर पेट्रोल की कीमत को १०० रुपये से नीचे नहीं रखना चाहिए? इसमें कोई शक नहीं कि सरकार को विकास कार्यों के लिए पैसे चाहिए? सरकार की अपनी बाध्यताएं भी हैं, वह कोरोना काल में अधिकांश ट्रेनों के बंद होने के बावजूद रेल कर्मचारियों को परंपरा के अनुरूप बोनस देने के लिए मजबूर है। त्योहारी मौसम में अन्य सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को भी कुछ न कुछ सरकार देगी। लेकिन सरकारी नौकरियों में देश के पांच प्रतिशत लोग भी नहीं हैं, बाकी लोगों को सरकार कीमतों में बढ़ोतरी न करते हुए ही राहत दे सकती है। उम्मीद करनी चाहिए कि अब पेट्रोलियम पदार्थों और आम लोगों की जेबों को नहीं छेड़ा जाएगा। बेशक, सरकार को पैसे चाहिए। वह कर या आयकर के स्तर पर ज्यादा वसूली नहीं कर पा रही है। जब अर्थव्यवस्था कठिन दौर है, जब लगभग हर उद्यम क्षेत्र को प्रोत्साहन की जरूरत है, तब सीधे कर वसूली करना आसान भी नहीं है। ऐसे में, सरकार को कैसे पैसे जुटाने चाहिए? यहां पैंडोरा का जिक्र गलत नहीं होगा। पैंडोरा ने यह संकेत कर दिया है कि देश के अनेक दिग्गज देश में कमाए गए धन को येन-केन-प्रकारेण देश से बाहर भेजते रहे हैं। ऐसा काली कमाई को छिपाने के लिए किया गया हो या टैक्स बचाने के लिए, दोनों ही स्थितियों में सरकार को आगे ऐसे उपाय करने चाहिए कि देश का पैसा देश में ही रहे। टैक्स चोरी की गुंजाइश को कम करना भी जरूरी है। सरकार को ऐसे प्रबंध करने ही पड़ेंगे, ताकि पेट्रोल-डीजल पर से दबाव कम हो।

असत्य पर सत्य का विजय

नवरात्र का हर दिन शुभ और हर रात्रि अहोरात्रि है। इस दौरान किसी भी कार्य को निषेध नहीं है। देवी स्वयं कहती हैं कि मैं नवरात्र की शक्ति बनकर आती हूं। आमतौर पर नवरात्र दो ही किए जाते हैं। लेकिन यह नवरात्र हर तीन मास आते हैं। नवरात्र की शक्तियां ही मानो जीव का कल्याण करती हैं....

देवी भगवती की आराधना का महोत्सव है शारदीय नवरात्र का उत्सव। मां भगवती के गुणगान का उत्सव। मां भगवती का चिंतन तो हर समय और हर पल होता है। देवी कहती हैं कि मेरा कोई समय नहीं है, न ही समय की धारा में मैं बहती हूं। मैं तो हर पल हर क्षण व्यक्ति और समष्टि के साथ रहती हूं।

है भी ऐसा। देवी का अर्थ होता है प्रकाश। ज्ञान का प्रकाश, शक्ति का प्रकाश, आशा और विश्वास का प्रकाश, ऊर्जा का प्रकाश, कार्य की ध्येता और उसके कारणों का प्रकाश। देवी को ढूंढने की कहीं आवश्यकता नहीं है। वह तो हर व्यक्ति के दिल में है। कोई उसको भांप लेता है तो कोई पूरी जिंदगी शक्ति की खोज करता रहता है। इस अंतर का कारण है व्यक्ति की इच्छा शक्ति। इच्छा शक्ति के भरोसे ही कोई शक्ति प्राप्त कर लेता है और कोई नहीं कर पाता है। इसलिए नवरात्र वह पर्व है, जिसमें देवी अपनी शक्ति का संचार अपने भक्तों में करती हैं। देवी का यह प्राकृत रूप है। वह प्रकृति स्वरूपा हैं। वह शक्ति हैं और शिव की महाशक्ति हैं। वह विष्णु की भी शक्ति हैं और ब्रह्मा जी की भी शक्ति हैं।

इसलिए नवरात्र नौ अहोरात्रि हैं। नौ अहोरात्रि को मिलाकर ही नवरात्र कहे गए हैं। यह नौ अहोरात्रि कौन सी हैं। इन अहोरात्रि का क्या महत्व है। कैसे व्यक्ति का जीवन इनसे प्रभावित होता है और कैसे यह सृष्टि और समष्टि को प्रभावित करती हैं। इसका विस्तार से उल्लेख देवी भागवत में मिलता है।

नवरात्र का हर दिन शुभ और हर रात्रि अहोरात्रि है। इस दौरान किसी भी कार्य को निषेध नहीं है। देवी स्वयं कहती हैं कि मैं नवरात्र की शक्ति बनकर आती हूं। आमतौर पर नवरात्र दो ही किए जाते हैं। लेकिन यह नवरात्र हर तीन मास आते हैं। नवरात्र की शक्तियां ही मानो जीव का कल्याण करती हैं। नवरात्र की पहली शक्ति है शैलपुत्री। हिमाचल के यहां जन्म लेने के कारण देवी का यह नाम पडा। यह देवी प्रकृति स्वरूपा हैं। शंकर जी की पत्नी है। पूर्व जन्म में उनका नाम सती था। दूसरे जन्म में सती ने पार्वती का रूप धरा और तप और बल के माध्यम से शंकर जी का वरण किया। पार्वती जी को ही अक्षत सुहाग की देवी कहा गया है। स्त्रियों के लिए उनकी पूजा करना ही श्रेष्ठ और मंगलकारी है।

देवी भगवती का दूसरा चरित्र ब्रह्मचारिणी का है। ब्रह्म को अपने अंतस में धारण करने वाली देवी भगवती ब्रह्म को संचालित करती हैं। ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चेका महामंत्र ब्रह्मचारिणी देवी ने ही प्रदान किया है। इसमें त्रिदेवों की आराधना है। त्रिदेवों का वास है। देवी ने असुर संग्राम में इसी बीजमंत्र के द्वारा असुरों का संहार किया।

देवी की तीसरी शक्ति चंद्रघंटा देवी हैं। असुरों के साथ युद्ध में देवी ने घंटे की टंकार से असुरों को चित कर दिया। यह नाद की देवी हैं। स्वर विज्ञान की देवी है।

देवी का चौथा स्वरूप कूष्मांडा देवी है। पूरा संसार कूष्मांडा ही है। वह नाना प्रकार की अग्नि से जलता है। कभी उदर की आग उसको परेशान करती है तो कभी नाना क्लेशों की अग्नि में उसको जलना पडता है। जितने अग्निकुंड है और जितने नरककुंड कहे गए हैं, वह देवी कूष्मांडा की पूजा करने मात्र से शांत हो जाते हैं। इन देवी को ही तृष्णा और तृप्ति का कारण माना गया है।

देवी भगवती का पांचवा स्वरूप स्कंदमाता का है। स्कंदकुमार को पुत्र के रूप में पैदा करने और तारकासुर का अंत करने में कारक सिद्ध होने के कारण वह जगतमाता कहलाई। गणेश जी उनके मानस पुत्र थे लेकिन स्कंदमाता होने पर भी उन्होंने गणेश जी को यह आभास नहीं लगने दिया कि वह उनके मानस पुत्र हैं। देवी भगवती के यह पांचों स्वरूप शिव दूती के हैं।

देवी का छठा स्वरूप कात्यायनी का है। कात्यायन गोत्र में जन्म लेने के कारण ही उनका यह नाम पडा। कात्यायन ऋषि ने कामना की कि देवी भगवती उनके यहां पुत्री बन कर आएं। देवी ने इसको स्वीकारा और उनके यहां पुत्री बन कर आईं।

देवी का सातवां स्वरूप मां काली का है। संसार जिन-जिन चीजों से दूर भागता है, देवी को वह प्रिय है। श्मशान, नरमुंड, भस्म आदि आदि। काली देवी की आराधना से सारे मनोरथ पूर्ण होते हैं। देवी कहती हैं कि असली प्रकाश तो मृत्यु का है। जीवन के साथ मृत्यु का भी ध्यान करते रहो। यही जीवन की आस और विश्वास है। इसलिए देवी कालिका स्वाहा और स्वधा दोनों बनकर जगत को मोक्ष का मार्ग दिखाती हैं। असुरों ने जब पूछा हे देवी तुम तो अनेक रूपों में हमसे लड रही हो। तो देवी ने सारे स्वरूप अपने में समेट लिए। केवल कालिका ही सामने खडी रह गई। भावार्थ यह है कि मृत्यु ही ऐसी शक्ति है जो हर पल हर क्षण खडी रहती है। किसी को नहीं पता कि वह कब आ जाए। जिसने मृत्यु को जीत लिया, वह महागौरी को प्राप्त हो गया। शिव और शिवा ने उसका कल्याण कर दिया। वह मोक्ष के रत्नों से पूरित हो गया। जिसने इसको भी प्राप्त कर लिया, वह मां लक्ष्मी के लोक का वासी हो गया यानी उसने जगत की नौ सिद्धियों को प्राप्त कर लिया। यह नौ सिद्धियां मनुष्य को आमतौर पर नहीं प्राप्त होती। ये अवसर नवरात्र में ही प्राप्त होते हैं।

बाढ़ प्रभावित किसानों की मदद करे महाराष्ट्र सरकार, आचार संहिता का बहाना न बनाए : चन्द्रकांत पाटिल

मुंबई : भारतीय जनता पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चन्द्रकांत पाटिल ने मंगलवार को सरकार से मांग की कि वह मराठवाडा क्षेत्र के बाढ. प्रभावित सभी किसानों को तत्काल राहत प्रदान करे और देरी के लिए चुनाव के मद्देनजर लागू आचार संहिता का बहाना नहीं बनाए।

देग्लुर विधानसभा सीट उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी सुभाष सबाणे

के लिए आयोजित अभिनंदन समारोह के दौरान पाटिल ने उक्त बात कही।

पाटिल ने कहा कि मूसलाधार बारिश और बाढ़ के कारण किसानों को बहुत नुकसान हुआ है इसलिए भाजपा मांग करती है कि सोयाबीन के लिए प्रति हेक्टेयर ६०,००० रुपये और गन्ने के लिए प्रति हेक्टेयर एक लाख रुपये मुआवजा राशि दी जाए।

चुनाव आचार संहिता में आपदा राहत के शामिल नहीं होने का जिक्र करते हुए राज्य भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वित्तीय सहायता संबंधी आदेश तुरंत जारी किया जाना चाहिए। पाटिल ने कहा कि उम्मीदवार की घोषणा पहले करके भाजपा ने उपचुनाव में बढत़ हासिल कर ली है।

भाजपा ने पंढरपुर विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल की थी और १५,००० ग्राम पंचायतों में से ६,५०० पर जीत हासिल की है।

पाटिल ने कहा, ''दुग्लुर बिलोली सीट जीत कर हम महा विकास आघाडी सरकार को दिखाना चाहते हैं कि तीनों पार्टियों के साथ आने के बावजूद हम उन्हें हरा देंगे।''

मुंबई से नवी मुंबई के बीच जल्द... (पृष्ठ 4 का शेष)

के संपर्क में हैं। ११ अक्टूबर तक सुरक्षा मानकों की जांच रिपोर्ट आने की संभावना है। सरकार ने मुंबई में १२ स्थानों से वॉटर टैक्सी और ४ स्थानों से रोपैक्स सेवा शुरू करने की योजना बनाई है। हाल ही में राज्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मुंबई पोर्ट ट्रस्ट और मैरीटाइम बोर्ड के अधिकारियों के साथ इस संदर्भ में बैठक की थी। दिसंबर २०२१ तक १२ रूट पर सेवा शुरू करने का आदेश दिया था। यह सेवा शुरू होने से जहां यात्रा करने का समय घटेगा, वहीं ईंधन की बचत भी होगी।

क्या परमबीर सिंह ने फर्जी पासपोर्ट... (पृष्ठ 1 का शेष)

यह भी अटकलें हैं कि परमबीर सिंह नेपाल के रास्ते विदेश गए हैं। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसकी भी आशंका न के बराबर है क्योंकि यह रूट खुफिया एजेंसियों के सर्विलांस पर रहता है और इसे पार कर जाना आसान नहीं है। अधिकारी ने कहा, ''परमबीर सिंह के देश छोड़कर जाना सिर्फ तभी संभव हो सकता है जब फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल किया गया हो। संभवत: सिंह ने किसी और की आईडी पर अपनी फोटो का इस्तेमाल किया हो। बहुत बार फर्जी पासपोर्ट वाले लोग पकड़े जाते हैं लेकिन कुछ भागने में सफल रहते हैं क्योंकि वेरिफिकेशन प्रक्रिया कंप्यूटर आधारित है।''

नवाब मालिक का NCB पर... (पृष्ठ 1 का शेष)

हुआ दिखाई पड़ रहा है। उसके साथ सेल्फी खींची गई और इस यह सेल्फी वायरल भी हुई। लेकिन वह एनसीबी का अधिकारी नहीं है। अब एनसीबी को यह बताना चाहिए कि वह आदमी कौन है। नवाब मलिक ने कहा कि कुछ फोटो एनसीबी द्वारा जारी किए गए थे। जिसमें कुछ ड्रग्स दिखाए गए थे। लेकिन यह फोटो दिल्ली एनसीबी की तरफ से दिखाई गई थी। यह फोटो जोनल डायरेक्टर ऑफिस की है। आखिर केपी गोसावी का जोनल डायरेक्टर के साथ क्या संबंध है? एनसीपी को इस बात का उत्तर देना चाहिए। आखिर दो निजी व्यक्तियों ने यह कार्रवाई कैसे की? उन्हें किसने यह अधिकार दिया?

बीजेपी कर रही है बदनामी : नवाब मलिक ने आरोप लगाया कि बीजेपी, बॉलीवुड और राज्य सरकार को बदनाम कर रही है। २१ सितंबर को मनीष भानुशाली दिल्ली में कुछ मंत्रियों के घर पर थे और उसके बाद २२ तारीख को गांधीनगर में। २१ और २२ तारीख को ही गुजरात के बंदरगाह पर भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया गया था। ऐसे में वह २८ तारीख तक गुजरात में क्या कर रहा थे और किन-किन मंत्रियों से मिले। इसका उत्तर एनसीबी को देना चाहिए।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री से संबंधित... (पृष्ठ 1 का शेष)

रही है। अजित पवार ने कहा कि मुझ से संबंधित कंपनियों पर रेड डाली गई, इस विषय में मुझे कुछ नहीं बोलना है। मैं भी एक नागरिक हूं लेकिन मुझे एक बात का दुख है कि मेरी जिन बहनों की ३५ से ४० साल पहले शादी हो चुकी है। जो अपने सांसारिक जीवन में व्यस्त हैं। उन पर भी रेड डाली गई है।

पवार की एक बहन कोल्हापुर और दो पुणे में रहती हैं। मुझे इस बात का कारण समझ में नहीं आ रहा है। उनके बेटे- बेटियों की भी शादी हो गई है। यदि अजित पवार का रिश्तेदार होने की वजह से उनके ऊपर रेड डाली गई है। तो महाराष्ट्र की जनता को यह बात जरूर देखनी होगी कि किस स्तर पर जाकर इन संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है।

कोरोना पर मनपा की फिर विजय... (पृष्ठ 1 का शेष)

वैक्सीन की कमी भी नहीं आई है। मुंबई अब सुरक्षित दायरे में है। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी की खंडपीठ ने वकील धृति कपाड़िया और कुणाल तिवारी की एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। साल की शुरुआत में ही दायर इस याचिका में केंद्र और महाराष्ट्र दोनों सरकारों को वरिष्ट नागरिकों के लिए घर-घर टीकाकरण शुरू करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता कपाड़िया ने बताया कि डोर-टू-डोर वैक्सीनेशन के लिए राज्य सरकारों ने मंजूरी दे दी और महाराष्ट्र सरकार ने भी अगस्त में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में घर-घर वैक्सीनेशन शुरू किया। इसलिए जनहित याचिका दायर करने का उद्देश्य पूरा हो गया हैं।

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन ने लखीमपुर हिंसा को लेकर ११ अक्टूबर को राज्य बंद का आह्वान किया

मुंबई : महाराष्ट्र कैबिनेट ने लखीमपुर खीरी हिंसा में किसानों की मौत पर बुधवार को दुख जताया जबकि सत्तारूढ़ गठबंधन ने उत्तर प्रदेश में हुई घटना के विरोध में ११ अक्टूबर को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया।

सत्तारूढ़ महा विकास आघाडी (एमवीए) के सहयोगी दलों शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस ने लखीमपुर खीरी में हिंसा के विरोध में महाराष्ट्र बंद का आह्वान किया, जहां रविवार को चार किसानों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। राज्य कैबिनेट की बैठक में भाजपा शासित उत्तर प्रदेश का जिक्र किया गया, जबकि मंत्रियों ने किसानों की मौत पर दुख जताया और उनके सम्मान में दो मिनट का मौन रखा।

बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने की, जिनकी पार्टी शिवसेना एमवीए सरकार का नेतृत्व कर रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बैठक के बाद कहा, ''राज्य कैबिनेट ने प्रस्ताव पारित कर घटना में किसानों की मौत पर दुख जताया।''

कैबिनेट की बैठक के बाद राकांपा अध्यक्ष और जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल ने कहा, ''लखीमपुर खीरी हिंसा के विरोध में एमवीए ने ११ अक्टूबर को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया है। हम लोगों से अपील करते हैं कि वे बंद में शामिल हों।'' उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार किसानों को ''कुचलना'' चाहती है और इसके खिलाफ प्रदर्शन करना जरूरी है।

...तो चार साल से ड्रग्स ले रहा है आर्यन! मन्नत की भी होगी तलाशी?

मुंबई : बॉलीवुड के किंग यानी शाहरुख खान का बेटा आर्यन फिलहाल एनसीबी की हिरासत में है। क्रूज ड्रग्स पार्टी मामले में उसे एनसीबी ने गिरफ्तार किया है। आर्यन खान को आज जमानत मिलने की संभावना है। एनसीबी ने शाहरुख खान को आर्यन से फोन पर बातचीत करने की भी मंजूरी दी थी। पूछताछ और अपने पिता से बातचीत के दौरान आर्यन के बार-बार रोने की भी खबर सामने आई है। एनसीबी को पूछताछ के दौरान आर्यन ने यह बताया कि वह बीते ४ सालों से ड्रग का सेवन कर रहा है।

एनसीबी सूत्रों के मुताबिक शाहरुख खान के मन्नत बंगले की भी तलाशी ली जा सकती है। इस सर्च ऑपरेशन

के लिए टीम भी तैयार की गई है। आर्यन की गिरफ्तारी के बाद, कानूनी प्रक्रिया के एक अहम हिस्से के रूप में एनसीबी ने आर्यन को लैंडलाइन फोन पर शाहरुख खान से २ मिनट बातचीत करने का मौका दिया था।

शाहरुख खान के बेटे आर्यन का सबसे करीबी दोस्त अरबाज मर्चेंट कहां से ड्रग्स लाता है। इसकी जानकारी एनसीबी को मिली है। इस मामले में अभी भी छापेमारी शुरू है। कुछ और लोग भी इस प्रकरण में गिरफ्तार हो सकते है। एनसीबी सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तारी के बाद एनडीपीएस एक्ट के तहत जरूरत पड़ने पर आरोपी के घर पर भी रेड की जा सकती है। लिहाजा अब मन्नत पर रेड की तलवार लटक रही है।

२०२५ तक मुंबई को टीबी मुक्त... (पृष्ठ 4 का शेष)

अब टीबी से निजात पाने के लिए इन ४३ निजी अस्पतालों की मदद ली जाएगी। साल २०२५ के लक्ष्य को पूरा करने के लिए बुधवार को बीएमसी ने निजी अस्पतालों के साथ ऑनलाइन मीटिंग की है।

लोखंडवाला में हैं कई ट्रेनिंग सेंटर, बांग्लादेशी लड़कियों को करते हैं देह व्यापार के लिए तैयार

मुंबई : जिस बांग्लादेशी दलाल को इंदौर पुलिस ने सूरत से गिरफ्तार किया है, उसने पुलिस के सामने सनसनीखेज खुलासा किया है। खुलासा यह कि जिन बांग्लादेशी लड़कियों को वो वेश्या व्यवसाय के धंधे में धकेलने के लिए लाता था उसकी ट्रेनिंग मुंबई के पॉश इलाकों में लाकर दी जाती थी। ११ महीने पहले इंदौर के लसूड़िया और विजय नगर इलाकों में ऑपरेशन चलाकर १५ लड़कियों को पकड़ा गया था, इस मामले में सागर उर्फ सैंडो, आफरीन आमरीन व अन्य लोग आरोपी बनाए गए थे, उस वक्त मुनीर भाग निकला था। गिरफ्तार दलाल बांग्लादेश के जसोर का है। ज्यादातर लड़कियों से उसने शादी की और फिर हिंदुस्थान में लाकर बेचा। उसके पीछे बड़ा नेटवर्क है। मुनीर ने पुलिस को बताया कि सेक्स रैकेट से जुड़ा गिरोह लड़कियों की मुंबई में ट्रेनिंग कराता है। इसके बाद डिमांड पर लड़कियों को देश के दूसरे शहरों में सप्लाई किया जाता है। लड़कियों को बांग्लादेश और हिंदुस्थान के पोरस बॉर्डर पर नाले के रास्ते लाया जाता है। बॉर्डर के पास के छोटे गांव में एजेंट्स लड़कियों को मुर्शिदाबाद और आसपास

सूरत से पकड़े गए आरोपी का कबूलनामा

के ग्रामीण इलाकों में लाकर ही देश में एंट्री करवाते हैं।

सूत्रों के मुताबिक़ बांग्लादेश के एजेंट गरीब परिवार की लड़कियों को काम दिलाने के बहाने चोरी-छिपे बॉर्डर पार करवाकर कोलकाता तक लाते थे। यहां इन्हें एक हफ्ते से ज्यादा रखा जाता था। बॉडी लैंग्वेज और बेहतर रहन-सहन की ट्रेनिंग दी जाती थी। ट्रेंड होने पर लड़कियों को मुंबई भेजा जाता था। यहां फिर ट्रेनिंग दी जाती थी। इनके कुछ फोटो ले लिए जाते थे। इन फोटो को मुंबई का एजेंट मेट्रो सिटी में मौजूद अन्य एजेंट्स को भेजता था। इसके बाद शहरों से आई डिमांड के अनुसार लड़कियों को उन शहरों तक भेजा जाता था। लड़कियों को मुंबई से रवाना करने के पहले उनके दस्तावेज रखवा लिए जाते थे। लड़कियां बांग्लादेश की ही हैं, इसकी पहचान एजेंट आंखों के जरिए करते थे। ये सूरत के स्पा सेंटर्स के अलावा इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, पुणे, मुंबई, बंगलुरु में भी लड़कियों को भेजते थे।

अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में विजय नगर पुलिस ने महालक्ष्मी नगर के एक होटल में बंधक बनाकर रखी गईं १३ लड़कियों को छुड़ाया था। इनमें से ९ बांग्लादेश से और चार पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और बिहार से थीं। सभी को नौकरी के बहाने लाया गया था और सेक्स रैकेट में झोंक दिया गया था। बांग्लादेश से लड़कियों को अवैध तरीके से बॉर्डर पार कराकर लाया गया था।

इस नवरात्र भी नो डांडिया, नो गरबा, ठाकरे सरकार ने जारी की गाइडलाइंस

मुंबई : नवरात्र मनाने के लिए ठाकरे सरकार ने नई गाइडलाइंस जारी की है, जिसके अनुसार, सार्वजनिक रूप से गरबा, डांडिया दूसरे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन नहीं कर सकेंगे। देवी दर्शन की सुविधा ऑनलाइन, केबल नेटवर्क, वेबसाइट और फेसबुक से करानी होगी।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा था कि मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र को छोड़कर बाकी इलाकों में गरबा की अनुमति देने के लिए सांस्कृतिक कार्य विभाग तैयार है, जबकि सोमवार को गृह विभाग ने गरबा और डांडिया के आयोजन पर पाबंदी लगा दी गई।

नवरात्र के लिए यह हैं नियम

- सार्वजनिक मंडलों में आरती, भजन, कीर्तन और अन्य धार्मिक कार्यक्रम करते समय भीड़ को टालना होगा।

- ध्वनि प्रदूषण संबंधी सभी नियमों का कडाई के साथ पालन करना पडेग़ा।

-पारंपरिक तरीके से विसर्जन स्थल की बजाय घर पर आरती करें और विसर्जन स्थल पर जाएं। विसर्जन स्थल पर छोटे बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को जाने पर रोक रहेगी।

- मंडप में खाद्य पदार्थ और पेयजल की व्यवस्था करने पर सख्त मनाही होगी। दुर्गा आगमन और विसर्जन के मौके पर किसी प्रकार का जुलूस नहीं निकाल सकते हैं।

- मनपा और संबंधित स्थानीय प्रशासन के नीति के अनुरूप मंडप बनाना होगा।

- सार्वजनिक मंडलों में एक समय में ५ से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित नहीं रहेंगे।

- विसर्जन के लिए एक साथ जुलूस निकालने पर रोक रहेगी।

- स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से कृत्रिम तालाबों का निर्माण करना होगा।

- सार्वजनिक उत्सव के लिए मंडलों को पूर्व अनुमति लेना आवश्यक है।

- संभव हो तो देवी दुर्गा की मूर्ति की बजाय घर की धातु अथवा संगमरमर आदि की मूर्तियों का पूजन करें। घर में ही विसर्जन का प्रयास करें।

- प्रशासन को प्रभाग समितिवार मूर्ति स्वीकृति केंद्र की व्यवस्था के बारे में जागरूकता फैलानी होगी।

मुंबई से नवी मुंबई के बीच जल्द शुरू होगी वॉटर टैक्सी सेवा

मुंबई : मुंबई से नवी के बीच सफर करने वालों को जल्द ही यातायात का नया विकल्प उपलब्ध होगा। सडक़ और रेल मार्ग के साथ ही अब जल मार्ग का विकल्प भी मुहैया हो जाएगा। जल यातायात शुरू करने के लिए प्रशासन भी पूरी तरह से तैयार है। मुंबई और नवी मुंबई में जेट्टी निर्माण कार्य भी पूरा हो गया है। समुद्र किनारे वॉटर टैक्सी के ठहरने और यात्रियों के जहाज में चढने और उतरने की व्यवस्था करने के बाद मौजूदा समय में सुरक्षा जांच का काम चल रहा है।

फिलहाल नवी मुंबई से साउथ मुंबई तक सडक़ मार्ग से पहुंचने के लिए लगभग डेढ घंटे से दो घंटे और रेल मार्ग से करीब ६० मिनट का समय लगता है। जल मार्ग से यह सफर केवल ४० मिनट से ४५ मिनट में ही पूरा करना संभव होगा। मैरीटाइम बोर्ड के सीईओ अमित सैनी के मुताबिक, मुंबई और नवी मुंबई में जेट्टी बनाने का काम पूरा कर लिया गया है।

कुछ दिन में सुरक्षा इंतजाम का जायजा लेकर वाटर टैक्सी सेवा को शुरू करने की घोषणा होगी। इस रूट पर सेवा शुरू करने के लिए कई जहाज कंपनी विभाग (पृष्ठ 3 पर)

समुद्र में डूबने से दो की मौत

मुंबई : मलाबार हिल के पास निपियंसी रोड पर प्रियदर्शनी के सामने समुद्र में तैरने उतरे ८ लोगों में से दो लोगों को डूबने से मौत हो गई। जबकि बचाव कर्मियों के प्रयास से बाकी लोगों को बचाया लिया गया, उन्हें इलाज के लिए जेजे अस्पताल में ले जाया गया है। दो लोगों का इलाज शुरू है जबकि चार लोगों को इलाज के बाद घर भेज दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार निपियंसी रोड पर प्रियदर्शनी पार्क की तरफ समुद्र में सोमवार देर शाम को ८ लड़के तैरने के लिए उतरे, लेकिन समुद्र की लहरों के बीच उनके संतुलन बिगड़ गए। लहरों की तेज बहाव को चीरते हुए चार लोग वापस लौटे तो ४ लोगों के डूबने की खबर को लेकर शोर शराबे के बाद मनपा के बचावकर्मी और पुलिस भी पहुंची। दो लोगों को थोड़ी देर में बाहर निकाला गया। जबकि दो लोगों की तलाश देर रात तक जारी रही । सुबह बचावकर्मियों को उन दो बचे हुए लोगों की लाश मिली। मृतकों में रहमान रमजान शेख १५ वर्ष और मोहम्मद दिलशाद शेख १२ वर्ष की पहचान हुई है।

२०२५ तक मुंबई को टीबी मुक्त करने की तैयारी, निजी अस्पतालों के सहयोग से टीबी का खात्मा करेगी बीएमसी

मुंबई : मुंबई को क्षय रोग, तपेदिक यानी टीबी से मुक्त करने के लिए बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने मुंबई के ४३ बड़े निजी अस्पतालों की मदद लेने का निर्णय लिया है। सरकारी और निजी संस्थानों के सहयोग से वर्ष २०२५ तक मुंबई को पूरी तरह से टीबी मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी के मुताबिक, कोरोना

महामारी शुरू होते ही बीएमसी प्रशासन और निजी अस्पतालों ने आपसी सहयोग को मजबूत किया है। इसके अच्छे नतीजे भी सामने आए हैं। संक्रमित मरीजों की संख्या अधिक होने के बाद भी बेहद ही कम समय में कोरोना को नियंत्रित करने में सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से कोरोना को मात दी गई है, उसी तरह टीबी को भी हराया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी से निपटने के लिए बीएमसी ने ४३ निजी अस्पतालों के साथ मिल कर काम किया था। (पृष्ठ 3 पर)

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : ११ अंक : ८ मुंबई, शुक्रवार, २२ अक्टूबर से २८ अक्टूबर २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

पेट्रोल की तरह बढ़ेंगे देश में बिजली के दाम

नई व्यवस्था ला रही मोदी सरकार

देश में मचेगा हाहाकार

मुंबई : पेट्रोल के बाद अब जनता पर बिजली की मार भी पड़ने वाली है, केंद्र की मोदी संशोधन संसद में लेकर आ रही है जिसके बाद बिजली का सारा कंट्रोल प्राइवेट कम्पनियों के हाथों में चला जाएगा। इलेक्ट्रिसिटी ऐक्ट-२००३ में अगर ये बदलाव लागू हो गए तो बिजली के दाम आसमान छूने लगेंगे और आम लोगों के लिए बिजली बिल के खर्च को सहना बहुत ही मुश्किल हो जाएगा।

उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने की कोशिश : मोदी सरकार द्वारा लाए जा रहे संशोधनों का मकसद कुछ खास कंपनियों को फायदा पहुंचाना है। साथ ही बिजली के क्षेत्र में राज्य सरकारों की सारी पावर को खत्म करके केंद्र पूरी तरह से अधिकार करना चाहता है। केंद्र सरकार के इस संशोधन से बिजली के बिलों में दो से पांच गुना तक का इजाफा हो जाएगा, जिसका आज एक यूनिट का बिल २ रुपया आता है उसका बढ़कर ८ से १० रुपए प्रति यूनिट भी हो सकता है।

प्राइवेट कम्पनियां तय करेंगी बिजली : अगर मोदी सरकार इस इलेक्ट्रिसिटी ऐक्ट-२००३ संशोधन संसद में पास करा लेती है तो देश में बिजली के दाम बढाने का पूर्ण अधिकार अडानी-अंबानी जैसे उद्योगपत्तियों की कम्पनियों को मिल जाएगा जहां ये जितना चाहे उतना दाम बढ़ा सकेंगे।

इलेक्ट्रिसिटी ऐक्ट-२००३ में संशोधन को इसी साल संसद से पास कराने की कोशिश में है मोदी सरकार...

पेट्रोल की तरह बढ़ेगे बिजली के दाम : जिस तरह आज देश में पेट्रोल के दाम आसमान छू रहे हैं. ठीक उसी तरह से इस बिजली बिल संशोधन के बाद देश में बिजली के दाम भी बढेंगे। आज देश में पेट्रोल और डीजल के दाम तय करने का पूरा अधिकार प्राइवेट तेल कम्पनियों के पास है और इस नए बिजली संशोधन के अंबानी पावर जैसी कम्पनिया देश में लागू होने के बाद अडानी पावर और बिजली के रेट तय करेंगी।

किसानों और घरेलू उपभोक्ताओं पर गिरेगी गाज : अभी हर राज्य में डोमेस्टिक कैटिगरी में कम रेट पर बिजली मिलती है। इंडस्ट्रियल और कमर्शल रेट ज्यादा होते हैं। कई राज्यों में किसानों को फ्री बिजली दी जाती है या फिर ५० पैसे केरेट पर भी किसानों को बिजली दी जाती है। लेकिन जो बदलाव मोदी सरकार द्वारा किए जा रहे हैं, उनमें कोई कैटिगरी नहीं रहेगी और सभी स्लैब खत्म कर दिए जाएंगो केवल एक ही रेट पर बिजली दी जाएगी। पूरे देश भर में छोटे और मध्यम उपभोक्ताओं के साथ-साथ किसानों के बिजली के बिल में तुरंत काफी इजाफा हो जाएगा।

मुंबई में 'सेक्स टूरिज्म' गिरोह का भंडाफोड़, दो महिलाएं गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने बुधवार को बताया कि उन्होंने शहर के हवाई अड्डे पर दो महिलाओं को गिरफ्तार कर 'सेक्स टूरिज्म' गिरोह का भंडाफोड़ किया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने सोमवार शाम इस गिरोह का पर्दाफाश कर दो महिलाओं को भी इनके चंगुल से मुक्त कराया जो (नकली) ग्राहकों के साथ गोवा जाने वाली थीं। उन्होंने कहा कि अपराध शाखा को गुप्त जानकारी मिली थी कि पिछले साल अवैध देह व्यापार से मुक्त कराई गई एक महिला अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर देश के विभिन्न लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर 'देह व्यापार पर्यटन' (सेक्स टूरिज्म) का गिरोह चला रही है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी अपने ग्राहक को दो दिनों के लिए किसी लोकप्रिय स्थल पर एक महिला को शारीरिक संबंध बनाने के लिए जाने की पेशकश करती थी। उन्होंने बताया कि ग्राहक के साथ सौदे के बाद मुख्य आरोपी महिला देश में पर्यटन स्थलों को चुनने का विकल्प देती थी और गोवा इस तरह के मामलों में ग्राहकों के बीच सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थल था।

अधिकारी ने बताया कि अपराध शाखा की इकाई-सात ने दो नकली ग्राहकों के जरिए आरोपी से संपर्क किया और फिर (पृष्ठ 3 पर)

हिंदुत्व के मुद्दे पर शिवसेना और मनसे में टकराव

मुंबई : महाराष्ट्र में फिलहाल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे शिवसेना की मुश्किलें बढाते हुए नजर आ रहे हैं। राज ठाकरे महाराष्ट्र में सियासत की नई इबारत लिखने में जुटे हुए हैं। अब तक मराठी मानुष के नाम पर सियासत करते आ रहे राज ठाकरे ने अब हिंदुत्व का दामन थाम लिया है।

राज ठाकरे अब खुलेआम हिंदुत्व का झंडा लेकर मैदान-ए-जंग में उतर चुके हैं। इसकी शुरुआत उन्होंने शिवसेना भवन के पास एक होर्डिंग लगाकर की थी। एमएनएस द्वारा लगाई गई इस होर्डिंग में लिखा गया था कि 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं'।

नव हिंदुत्व से खतरा

दशहरे के दिन शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने भाषण में यह कहा था कि देश के हिंदुओं को अब नव हिंदुत्व से खतरा है। यह कहकर शिवसेना ने अपने हिंदुत्व के एजेंडे को और धारदार बनाने का प्रयास किया था।

धर्मगुरुओं के साथ मुलाकात

राज ठाकरे के दादर स्थित घर कृष्णकुंज में हिंदू धर्म गुरुओं की अहम बैठक है। इस बैठक में गुरु मां कंचन गिरि और जगतगुरु सूर्याचार्य शामिल हो रहे हैं। हिंदू धर्म गुरुओं के साथ इस मुलाकात के जरिए एमएनएस हिंदुत्व के मुद्दे को फिर से अपग्रेड करने की कोशिश में दिख रही है। इस मुलाकात के (पृष्ठ 3 पर)

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

बढ़ती कीमतों के मायने

लोगों का ध्यान वे चीजें खींच रही हैं, जिनकी कीमतों में आए दिन इजाफा हो रहा है। इन दिनों विशेष रूप से टमाटर पर ज्यादा फोकस है, क्योंकि उसकी कीमत कुछ जगहों पर १०० रुपये के करीब पहुंच गई है। त्योहार के मौसम में फल थोड़े सस्ते हैं, जबकि सब्जियों के दाम आसमान चढ़ रहे हैं। आम तौर पर इस मौसम में एक लोकप्रिय सब्जी फूलगोभी के भाव घट जाते थे, लेकिन अभी भी ८० रुपये के आसपास हैं और कई जगह १०० रुपये किलो भी। गरीब की थाली में सब्जियों की मात्रा घट गई है। प्याज के भाव भी चढ़े हुए हैं। कुल मिलाकर, सब्जी बाजार में तनाव है और विक्रेता भी दबाव महसूस कर रहे हैं, क्योंकि अंतत: उन्हें भी अपने उपभोग के लिए सब्जियों की खरीदारी करनी पड़ती है। नवरात्र के दौरान ही टमाटर महंगा होने लगा था, लेकिन नवरात्र के खत्म होने के बाद भी निरंतर महंगा हो रहा है। जब कई जगह थोक बाजार में ही टमाटर ६०-७० रुपये किलो बिक रहा हो, तब खुदरा बाजार में क्या स्थिति होगी, अनुमान लगाया जा सकता है।

सब्जियों पर एक तो मौसम की मार है। देश के अनेक इलाकों में बाद तक बारिश होती रही है, इससे भी फसल पर असर पड़ा है। सब्जी बोने वाले किसान बारिश रुकने का इंतजार कर रहे थे। अनुमान है कि दो महीने के अंदर ही टमाटर और सब्जियों के भाव में गिरावट आएगी। मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों से भी फसल आने वाली है। भारत में टमाटर की खपत भी ज्यादा है और उत्पादन भी। नेशनल हॉर्टिकल्चरल रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट फाउंडेशन के मुताबिक, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक भारत ही है। भारत ७.८९ लाख हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग २५.०५ टन प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ लगभग १९.७५ मिलियन टन टमाटर का उत्पादन करता है। हमें गौर करना चाहिए कि क्या टमाटर का उपयोग प्रसंस्करण के लिए बढ़ा है? क्या हमारे पास घरेलू खपत के अलावा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को आपूर्ति के लिए पर्याप्त उत्पादन है? क्या हमने सब्जियों का उत्पादन बढ़ती मांग और समय के अनुरूप बढ़ाने के पर्याप्त उपाय किए हैं? क्या किसानों का सब्जियों के उत्पादन के प्रति लगाव बढ़ा है? यह विषय बहुत गंभीर है, क्योंकि इस क्षेत्र पर अगर हम गौर नहीं करेंगे, तो सब्जियों कीमतों को काबू में रखने में कामयाब नहीं होंगे।

ऐसा लगता है कि महंगाई के प्रति हमारी राजनीतिक पार्टियों में उदासीनता आ गई है। तभी तो पेट्रोल १०० रुपये के पार भी बढ़ता चला जा रहा है। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमत के साथ-साथ परिवहन भी महंगा हो रहा है, जिसका असर लगभग सभी उत्पादों की कीमत पर पड़ रहा है। सब्जियों के साथ-साथ रसोई गैस के बढ़ते दाम ने भी तनाव बढ़ाने का क्रम जारी रखा है। पेट्रोल-डीजल से आखिर हमारी सरकारों को कितना धन अर्जित करना है? इस महंगाई की कोई तो सीमा तय हो। बेशक, देश को धन की जरूरत है, लेकिन सारा बोझ पेट्रोल व डीजल पर ही क्यों पड़ना चाहिए? हमें टमाटर और सब्जियों की बढ़ती कीमतों के पीछे के इस सच को भी जानना चाहिए कि वास्तव में सब्जियां उगाने वाले किसानों की जेब तक कितना धन पहुंच रहा होगा? क्या सब्जियां उगाने वाले किसान खुश हैं? आज हमें स्वीकार करना चाहिए, तार्किक या वाजिब महंगाई कम चुभती है।

त्वचा पर बेसन लगाने के फायदे

हल्दी और दूध के साथ बेसन का फेस पैक बनाने का तरीका भारतीय घरों के लिए बेहद आम है। लेकिन सिर्फ फेस पैक के रूप में नहीं बल्कि कई अन्य तरीकों से भी त्वचा पर बेसन का उपयोग किया जा सकता है। बेसन का त्वचा पर उपयोग आपके साबुन, बॉडी वॉश और फेस वॉश जैसी चीजों का रिप्लेसमेंट है। आप केमिकल फ्री स्किन केयर रेजीम चाहते हैं तो नियमित रूप से बेसन का उपयोग करें। यह आपकी त्वचा को क्लीन रखने के साथ ही जवां भी बनाए रखता है। अलग-अलग जरूरत के लिए लिए आप बेसन को अलग तरह से उपयोग कर सकते हैं।

त्वचा को जवां रखता है बेसन

बेसन में प्रोटीन और आयरन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए इसे

त्वचा पर लगाने से यह कोशिकाओं में तुरंत नई ऊर्जा भरने का काम करता है। यह एक बडी वजह है कि बेसन का फेस पैक लगाने पर आपको सिर्फ दो से तीन बार में ही अपनी स्किन में फर्क दिखने लगता है।

बेसन हल्का-सा दरदरा होता है। जब इसे त्वचा की कोशिकाओं पर लगाया जाता है और हल्के हाथों से रगडते हुए हटाया जाता है तो यह त्वचा की कोशिकाओं की मसाज करने का काम करता है। इससे त्वचा में ब्लड सर्कुलेशन बढता है। और स्किन जवां बनी रहती है।

मलाई के साथ लगाने पर

मलाई के साथ लगाने पर बेसन आपकी त्वचा में निखार आता है और चेहरा टाइट तथा फर्म दिखने लगता है। गोरापन बढाने के अलावा और भी कई तरीकों से बेसन आपकी त्वचा को लाभ देता है। यदि आपको यहां बताई गई कोई भी स्किन संबंधी समस्या है तो आपको बेसन के फेस पैक का उपयोग करना चाहिए।

त्वचा की सफाई के लिए

फेस वॉश की तरह त्वचा की गहरी सफाई करनी है तो आप बेसन को दूध के साथ मिलाकर स्किन पर लगाएं। सिर्फ १ से २ मिनट की हल्की मसाज करें और फिर ताजे पानी से चेहरा धोकर साफ कर लें। आपकी त्वचा पर जमा सारी गंदगी और ऑइल निकल जाएगा। साथ ही स्किन की कोशिकाओं को प्रोटीन और लैक्टिक एसिड का पोषण भी मिलेगा।

डेड सेल्स हटाने के लिए

स्किन से डेड सेल्स हटाने के लिए आप बेसन को स्क्रब के रूप में भी उपयोग कर सकती हैं। इसके लिए आप बेसन को चावल के आटे के साथ मिक्स करें और दूध डालकर पेस्ट बना लें। आपका पूरी तरह नैचरल और हर्बल फेस स्क्रब तैयार है। इसे अन्य फेस स्क्रब की तरह ४ से ५ मिनट के लिए स्किन पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। त्वचा पर जमा सारी डेड स्किन निकल जाएगी।

जंगल के रास्ते सुरंग बनाकर सेवन स्टार होटल में चोरी

मुंबई : मुंबई स्थित आरे पुलिस स्टेशन की हद में रॉयल पाम परिसर में मौजूद इम्पीरियल पैलेस नामक सात सितारा होटल में सुरंग बनाकर चोरी करने वाले पवई के पठान गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों के पास से चोरी की गई करीब ७ लाख कीमत वाली इटली की बनी पीतल की कटी हुई मूर्ति बरामद हुई है। दोनों आरोपी होटल के पीछे वाली दीवार के अंदर से सुरंग बनाकर चोरी करते थे। दोनों आरोपी मूर्ति को कटर से काटकर उसे आरे कॉलोनी जंगल मे छुपाकर बेचने की तैयारी कर रहे रहे थे।

१२ अक्टूबर को आरे कॉलोनी स्थित इम्पीरियल पैलेस होटल परिसर में रखी १० फुट ऊंची रोमन योद्धा की पीतल की एंटीक मूर्ति अचानक गायब होने की शिकायत मिली थी। पुलिस ने मूर्ति चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। आरे पुलिस स्टेशन की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ज्योति देसाई के मार्गदर्शन में एपीआई खोलम की टीम ने मिलकर इम्पीरियल पैलेस होटल परिसर के आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज के अलावा चोरी की घटना स्थल का मुआयना करते हुए पाया कि होटल के पीछे के जंगल में मूर्ति घसीटते हुए निशान दिखाई दिए।

पुलिस ने इलाके के जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया। सर्च के दौरान पुलिस को आरे कॉलोनी के बंगुडा जंगल में मूर्तियों के कुछ टुकड़े दिखाई दिए। पुलिस ने आसपास के जंगल से करीब ३०० किलो पीतल की कटी हुई मूर्ति के टुकड़े बरामद की जिसकी कीमत करीब ७ लाख रुपये है। चोर मूर्ति के कुछ टुकड़े लेकर कुर्ला चोर बाजार में बेचने गए थे। दुकानदार ने इसकी जानकारी दी थी। जिसके बाद पुलिस ने कुर्ला से भी मूर्ति के कुछ टुकड़े हासिल कर लिए है।

गैरकानूनी निर्माण बिना किसी दबाव के तोड़े जाएं : उद्धव ठाकरे

मुंबई : महानगर में गैरकानूनी निर्माण को लेकर सरकार ने एक बार फिर गंभीरता दिखाई है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आदेश देते हुए कहा कि किसी के दबाव में आए बिना गैरकानूनी निर्माण पर तत्काल कार्रवाई करें। शहर की सफाई पर ध्यान दें। देखा गया है कि पूर्व और पश्चिम राजमार्गों पर भी बडी संख्या में मलबा डाला जाता है और ऐसा करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें।

बुधवार को मुंबई महानगर के विकास कार्य से संबंधित एक बैठक मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने ली। बैठक में बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल, वॉर्ड के सहायक आयुक्त, विभाग के उपायुक्त, बीएमसी अस्पतालों के प्रमुख के अलावा कोविड टास्क फोर्स के सदस्य भी उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मुंबई में अनधिकृत निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वॉर्ड अधिकारी

सोच-समझकर और सख्ती से तत्काल कार्रवाई करें। किसी के दबाव को बर्दाश्त न करें। हम तुम्हारे साथ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई में सडक़ मरम्मत की निविदा प्रक्रिया व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से की जाए और किसी को भी उंगली उठाने का मौका नहीं दिया जाए। सडक़, फुटपाथ की साफ-सफाई और नागरिक सुविधाओं पर पूरा ध्यान केंद्रित कर समय से काम पूरा करने और मुंबई को आदर्श शहर बनाने पर पूरा ध्यान दिया जाए।

गड्ढे भरने को प्राथमिकता दें : शहर के गड्ढों को लेकर बीएमसी में शिवसेना की काफी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इस पर मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि सडक़ के गड्ढों को भरने को पहली प्राथमिकता दें। उन्होंने आगे कहा कि शहर की सडक़, डिवाइडर, फुटपाथ, उद्यान सुंदर और सुव्यवस्थित हैं या नहीं, इस पर पूरा ध्यान दें। शहर से कचरा उठाने और मलबा हटाने पर ध्यान देना चाहिए। शहर को सुंदर बनाने की योजना पर ध्यान दिया जाए।

लोकल में बेटिकट यात्रियों की संख्या में इजाफा, मध्य रेलवे ने 12.47 लाख यात्रियों से 71.25 करोड़ रुपये वसूले

मुंबई : दो डोज ले चुके लोगों को मुंबई लोकल में अनुमति मिलने के बाद यात्रियों की संख्या करीब ५० लाख हो गई है। लेकिन टिकट देने की शर्त से जनता परेशान है। राज्य सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार केवल मासिक सीजन टिकट ही दिए जाने हैं। मुंबई में लाखों लोग ऐसे भी हैं, जिन्हें सिंगल टिकट की जरूरत होती है। मौजूदा वक्त में सिंगल टिकट केवल अतिआवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को मिल रहा है। ऐसे में जब यात्रियों को सिंगल टिकट नहीं मिलती, तो इन्हें मजबूरन बेटिकट यात्रा करनी पड. पडती है। ऐसे में यात्रियों की संख्या बढ़ रही है।

इस साल अप्रैल में ही दूसरी लहर के बाद ट्रेनों में आम लोगों की यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इन्हें ११ अगस्त से अनुमति दी गई। लेकिन अप्रैल से सितंबर तक भी कई लोग अपनी जरूरतों के कारण बगैर टिकट यात्रा करते रहे। मध्य रेलवे ने इस तरह के १२.४७ लाख यात्रियों को पकडा है। इनसे ७१.२५ करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार के अनुसार, केवल बेटिकट यात्री ही नहीं, जिन्होंने कोविड नियमों का पालन नहीं किया उन पर भी कार्रवाई की गई है। अप्रैल से सितंबर तक कुल २५,६१० यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। ऐसे यात्रियों से मास्क नहीं पहनने के जुर्म में ३४.७४ लाख वसूले गए। पश्चिम रेलवे ने पिछले कुछ दिनों में टिकट जांच अभियान तेज कर दिया है। मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा १८ अक्टूबर को स्टेशनों और ट्रेनों में बडे. पैमाने पर टिकट जांच अभियान चलाया गया, जिससे २०.१३ लाख का राजस्व प्राप्त हुआ।

ठाणे में महिला के साथ गैंगरेप, एफआईआर के बाद आरोपी फरार

ठाणे : लोकमान्य नगर निवासी २६ वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। युवती की शिकायत पर कासरवडवली पुलिस ने उसके प्रेमी सहित कुल चार लोगों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, धोखाधड़ी और मारपीट का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, महिला एक बार में वेटर है।

बताया गया है कि २०१९ में वह गोविंद राजभर नामक युवक के संपर्क में आई थी। राजभर से उसकी नजदीकी बढ़ी, तो राजभर ने उसके साथ शादी करने का वादा किया। आरोप है कि राजभर ने फ्लैट खरीदने के नाम पर साढ़े सात लाख रुपये और कुछ गहने युवती से लिए थे। इसी दौरान राजभर ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और चोरी-छिपे उसका अश्लील विडियो बना लिया। राजभर ने विडियो वायरल करने की धमकी दी। उसके साथ उसने और उसके दोस्तों ने दुष्कर्म किया।

कासरवडवली पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर किशोर खैरनार के मुताबिक, फरवरी २०१९ से अगस्त २०२१ तक राजभर अपने दोस्तों के साथ युवती का शोषण करता रहा और आखिरकार परेशान होकर युवती ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। आरोपी नालासोपारा के रहने वाले बताए गए हैं। फरार आरोपियों की पकडऩे के लिए पुलिस की तीन टीमें काम कर रही हैं। राजभर के दोस्तों के नाम का खुलासा नहीं हो पाया है, क्योंकि महिला उनके नाम से परिचित नहीं है।

आर्यन खान की जमानत याचिका पर २६ अक्टूबर को सुनवाई करेगा बंबई उच्च न्यायालय

मुंबई : मुंबई के तट से एक क्रूज. नौका से मादक पदार्थ जब्त होने के मामले में गिरफ्तार, अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की जमानत याचिका पर बंबई उच्च न्यायालय २६ अक्टूबर को सुनवाई करेगा।

आर्यन खान के वकील सतीश मानशिंदे ने शुक्रवार को न्यायमूर्ति एन डब्ल्यू साम्ब्रे की एकल पीठ के समक्ष याचिका पेश की और उस पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। वहीं, स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने अगले सप्ताह तक का समय मांगा।

न्यायमूर्ति एन डब्ल्यू साम्ब्रे ने इसके बाद सुनवाई के लिए २६ अक्टूबर की तारीख तय की। अदालत, उस दिन इसी मामले में गिरफ्तार फैशन मॉडल मुनमुन धमेचा की जमानत याचिका पर भी सुनवाई करेगी।

महानगर स्थित एक विशेष अदालत ने बुधवार को आर्यन खान को जमानत देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि प्रथम दृष्ट्या प्रतीत होता है कि वह मादक पदार्थ संबंधी गतिविधियों में नियमित रूप से शामिल थे। अदालत ने कहा था कि व्हाट्सऐप चैट से भी प्रथम दृष्ट्या प्रतीत होता है कि वह मादक पदार्थ तस्करों के संपर्क में थे। अदातल ने अरबाज मर्चेंट (२६) और मुनमुन धमेचा (२८) की जमानत याचिकाओं को भी खारिज कर दिया था।

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने तीन अक्टूबर को मुंबई के तट से गोवा जा रहे एक क्रूज. नौका से मादक पदार्थ जब्त करने के मामले इन तीनों सहित कई अन्य को गिरफ्तार किया था। ये तीनों अभी न्यायिक हिरासत में हैं। आर्यन खान और मर्चेंट आर्थर रोड जेल में बंद हैं, वहीं धमेचा शहर की बाइकुला महिला जेल में बंद हैं।

इन पर राष्ट्रीय स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) कानून के तहत, मादक पदार्थ रखने, उनका इस्तेमाल करने और तस्करी करने का आरोप है। मामले में अभी तक २० लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

लॉकडाउन में गरीबों के भोजन पर... (पृष्ठ 4 का शेष)

भी कागजात उपलब्ध करने में नाकाम रही है। मुफ्त भोजन पर खर्च हुए पैसे की पूरी जानकारी जल्द ही मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर बीएमसी लोगों को मुफ्त भोजन मुहैया करा रही थी। इसीलिए इसका खर्च राज्य सरकार को उठाना चाहिए था, लेकिन सरकार से अब तक सिर्फ १८ करोड़ रूपये मिला है।

हिंदुत्व के मुद्दे पर शिवसेना और... (पृष्ठ 1 का शेष)

जरिए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बीएमसी और राज्य में होने वाले अन्य चुनावों में हिंदुत्व का कार्ड खेल कर हिंदू वोटों में सेंध लगाने की कोशिशों में जुट गई है। इसके पहले राज ठाकरे ने उनकी पार्टी का झंडा पूरी तरह से भगवा रंग में बदलकर हिंदू मतदाताओं को आकर्षित करने का भी प्रयास किया था। तभी से यह कयास भी लगना शुरू हो चुका था राज ठाकरे अब हिंदुत्व के एजेंडे पर पार्टी को आगे बढाएंगे।

मुंबई में 'सेक्स टूरिज्म' गिरोह का... (पृष्ठ 1 का शेष)

मुंबई हवाई अड्डे पर जाल बिछाकर दो आरोपी महिलाओं को पकडा।

पुलिस उपायुक्त दत्ता नलावाडे. ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी महिला ने यह स्वीकार किया कि वह गिरोह चलाती है। इस संबंध में मुख्य आरोपी और उसकी सहयोगी महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई और दो अन्य महिलाओं को आश्रय गृह भेज दिया गया।

मुंबई में टकटक गैंग के सदस्य गिरफ्तार, ५० हजार का मोबाइल जब्त

मुंबई : मुंबई के मालाड वेस्ट स्थित बांगुर नगर पुलिस ने टकटक गैंग के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। जबकि गैंग के ३ सदस्यों को मालाड पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए गैंग के सदस्य उत्तर प्रदेश मेरठ के रहने वाले है। इनके पास से बड़ी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया गया है। फ़िलहाल पुलिस इनके गिरोह के बाकी सदस्यों की तलाश कर रही है।

दरअसल यह घटना शुक्रवार दशहरे की शाम हुई जब बांगुर नगर पुलिस इलाके में दुर्गा विसर्जन के लिए गश्त कर रही थी। तभी इसी दरम्यान राशिद

सुधीर सुरति (२५) नामक व्यक्ति बांगुर नगर लिंक रोड पर पुलिस को मोबाइल लूटकर भागने की आवाज दे रहा था। पुलिस राशिद की आवाज सुनकर जब तक उसके पास पहुँची तब तक गैंग के कुछ सदस्य राशिद की कार का दरवाजा टकटक करके उसका ध्यान भटका कर कार में रखे ५० हजार कीमत का मोबाइल फोन लेकर भाग गए।

मौके पर मौजूद पुलिस ने आरोपियों को बांद्रा तक पीछा किया। जिसके बाद एक आरोपी हाथ लगा जबकि ३ आरोपी फरार हो गया था। लेकिन मालाड पुलिस ने तीनों फरार आरोपी को पकड़ लिया। पकड़े गए सभी आरोपी यूपी मेरठ के रहने वाले है। जो मुंबई के विरार में रहते है। सभी आरोपियों के ऊपर मुंबई सहित अन्य पुलिस स्टेशन में चोरी के मामले दर्ज हैं।

बांगुर नगर की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शोभा पिसे के मुताबिक यह गैंग काफी समय से सक्रिय है। लिहाजा नागरिकों को सतर्क रहने की जरुरत है। आमतौर पर सिग्नल पर खड़ी गाड़ियों को यह निशाना बनाते हैं। ध्यान भटका कर सामान चोरी कर भाग जाते हैं। गिरफ्तार आरोपी का नाम मोहम्मद गुलफाम गुलजार खान (२५) है।

लापता हुए परमबीर सिंह, महाराष्ट्र सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट में दी जानकारी

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में कहा कि मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह का पता नहीं चल पाया है। इसके साथ ही सरकार ने कहा कि भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी का पता नहीं चल रहा है, इसलिए वह अपने आश्वासन पर कायम नहीं रहना चाहती कि उत्पीडन कानून संबंधी एक मामले में उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई (जैसे गिरफ्तारी) नहीं की जाएगी।

राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ट अधिवक्ता डेरियस खंबाटा ने न्यायमूर्ति नितिन जामदार और न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल की खंडपीठ से कहा

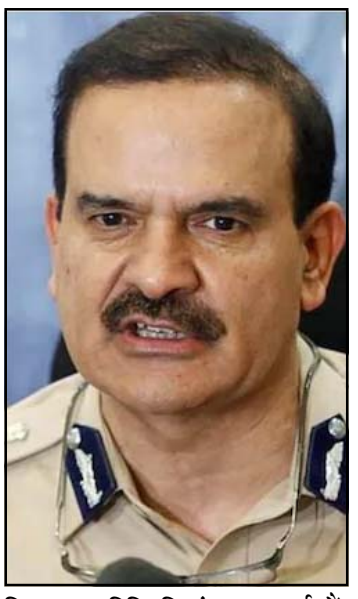

कि अब परिस्थितियां बदल गई हैं। खंबाटा ने कहा, 'उनका पता नहीं चल पा रहा है। इन परिस्थितियों में, हम अपने पहले के बयान पर कायम नहीं रहना चाहते हैं, जब सरकार ने कहा था कि वह उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगी'।

उच्च न्यायालय वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें पुलिस निरीक्षक भीमराव घाडगे की एक शिकायत पर उनके खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) कानून तथा भादंसं की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। अदालत ने सुनवाई अगले सप्ताह के लिए स्थगित कर दी।

लॉकडाउन में गरीबों के भोजन पर बीएमसी ने खर्च किए १३० करोड़!

मुंबई : कोरोना संकट के कारण लगे लॉकडाउन में बीएमसी ने जरूरतमंदों, बेघरों व अप्रवासी मजदूरों को मुफ्त में खाना खिलाया। बीएमसी का दावा है कि प्रतिदिन लाखों लोगों को दोनों टाइम का भोजन उपलब्ध कराया गया। बीएमसी में नेता विपक्ष रवि राजा ने आरोप लगाया है कि प्रतिदिन कितने लोगों को खाना खिलाया गया, किस कॉन्ट्रैक्टर ने पहुंचाया, उसका बिल कितना हुआ? बीएमसी के पास इसका कोई जवाब नहीं है।

रवि राजा ने कहा कि हमें आशंका है कि इसमें ज्यादा खर्च दिखाया गया है। इसीलिए पूरे खर्च की ऑडिट होनी चाहिए, जिससे सच सामने आ सके। तत्कालीन इंचार्ज बीएमसी अधिकारी ऑडिट टीम कोई (पृष्ठ 3 पर)

मुंबई में ईद-ए-मिलाद के जुलूस का आयोजन, किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं

मुंबई : ईद-ए-मिलाद-उन-नबी मंगलवार को मुंबई और उपनगरों में कोविड-१९ दिशानिर्देशों के पालन के साथ मनाया गया और पुलिस की अनुमति से निकाले गए दो जुलूसों के दौरान महानगर में कही से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने एक दिन पहले मुंबई और उपनगरीय क्षेत्र में एक-एक जुलूस की अनुमति दी थी जिसमें केवल पांच ट्रकों के साथ प्रत्येक वाहन पर पांच लोगों की मौजूदगी की इजाजत थी।

उन्होंने बताया कि स्थानीय थानों के कर्मचारियों के अलावा, राज्य रिजर्व पुलिस बल की तीन कंपनियां, स्थानीय सशस्त्र बल से ७०० कर्मियों और ५०० होमगार्डों को कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात किया गया था।

राजस्थान से मुंबई बेचने के लिए आई २१ करोड़ की हेरोइन

मुंबई : मुंबई एंटी नारकोटिक्स सेल ने ७ किलो से ज्यादा की हेरोइन जब्त की है। एएनसी ने इस मामले में एक ५३ साल की महिला को गिरफ्तार किया है। यह ड्रग्स राजस्थान से मुंबई भेजा गया था। जिसकी कीमत २१ करोड़ रूपये बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस की हिरासत में काले बुर्के के पीछे अपना चेहरा छुपाये खड़ी यह महिला मुंबई की एक बड़ी ड्रग्स सप्लायर है। इस महिला के तार सिर्फ मुंबई या महाराष्ट्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राजस्थान तक फैले हुए हैं। मंगलवार को इस महिला को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया है।

इस महिला की गिरफ्तारी के बाद जांच में पता चला कि महिला को ड्रग्स राजस्थान के प्रतापगढ़ से भेजा गया था। और वो इस ड्रग्स को मुंबई में किसी को बेचने वाली थी। हालांकि महिला ड्रग्स बेच पाती उसके पहले ही उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के मुताबिक इस महिला को राजस्थान से दो तस्करों ने ड्रग्स दिया था। जिसे यहां पर महिला किसी को बेचने वाली थी। अब पुलिस इस मामले की छानबीन में जुटी है कि रैकेट में और कितने लोग शामिल हैं।

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : ११ अंक : ११ मुंबई, शुक्रवार, १२ नवंबर से १८ नवंबर २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निर्देश के बाद केंद्र की जमीन पर चल रही योजनाओं को पूरा करने में जुटा प्रशासन!

मुंबई : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, जुहू हवाई अड्डा, एयर फोर्स लैंड सांताक्रुज, नेवी कुलाबा, रेलवे, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, आईआईटी मुंबई, आरसीएफ, एमटीएनएल, एलआईसी, बीपीसीएल, कस्टम, एनएसजी, आरबीआई, पीएनटी आदि केंद्र सरकार की जमीन पर झोपड़पट्टी पुनर्वसन परियोजनाओं में लगभग ८,३३३.५३ एकड़ भूमि का समावेश है। इन जमीनों पर अधर में लटकी परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करने में प्रशासन जुट गया है।

बता दें कि मुंबई की प्रलंबित झोपड़पट्टी पुनर्वसन योजना को गति देने के लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में पिछले दिनों बैठक हुई थी। इस बैठक में केंद्र सरकार की जमीन पर मुंबई की प्रलंबित झोपड़पट्टी पुनर्वसन परियोजना को लेकर चर्चा हुई थी। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तीव्र गति से परियोजनाओं को पूरा करने के निर्देश दिए थे। इस बैठक में विभाग की ओर से झोपड़पट्टी परियोजना को गति देने

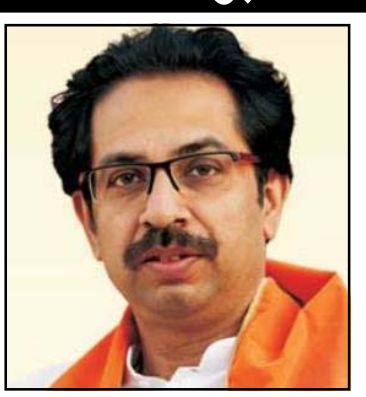

के लिए ठोस उपाय भी सुझाए गए थे, जिस पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। मुंबई की प्रलंबित परियोजनाओं के लिए निविदा प्रक्रिया से विकासक की नियुक्ति करने का प्रस्ताव रखा गया था।

इस योजना के तहत जिन झोपड़ाधारकों के किराए बाकी थे, उनका पुनर्वसन का काम अधर में लटका है, ऐसी योजनाओं के लिए झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण की ओर से निविदा जारी करके नए विकासक की नियुक्ति करने, झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण और म्हाडा की संयुक्त भागीदारी के अंतर्गत योजना को पूरा करने आदि विषयों पर बैठक में चर्चा की गई थी। इसके अलावा इस बैठक में 'अभय योजना' का विकल्प भी सुझाया गया था। 'अभय योजना' के अंतर्गत झोपड़ाधारक के किराए और प्रलंबित योजना को पूरा करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से मान्यताप्राप्त वित्तीय संस्थाओं को अनुमति देने का प्रस्ताव भी रखा गया था।

मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक के बाद प्रशासन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए पूरी ताकत से जुट गया है, ऐसी जानकारी झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी।

दिल्ली से बेहतर होगी मनपा स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था

स्लम के बच्चों को आईबी बोर्ड में पढ़ने का हक : मनपा आयुक्त

मुंबई : मुंबई में रहनेवाले प्रत्येक क्षेत्र और समाज के बच्चों को उच्च दर्जे की शिक्षा लेने का अधिकार है। झोपड़पट्टी में रहनेवाले बच्चों को भी सीबीएसई, आईसीएसई, इंटरनेशनल बोर्ड के स्कूलों में शिक्षा लेने का पूरा अधिकार है। उनके इसी अधिकार को पूरा करना हमारा कर्तव्य है और मनपा के सभी वार्डों में सीबीएसई, आईसीएसई और आईबी बोर्ड के स्कूल धीरे-धीरे शुरू कर हम अपने कर्तव्य को पूरा कर रहे हैं। मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने बताया कि मुंबई में ६० प्रतिशत से अधिक आबादी स्लम,

झोपड़पट्टी और चाल में रहती है। यहां रहनेवाले गरीब बच्चों को उच्च दर्जे की शिक्षा पाना मुनासिब नहीं होता है, ऐसे में हमने इनके लिए मनपा स्कूलों में ही सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड और आईबी बोर्ड के स्कूल खोल दिए हैं।

दिल्ली में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बताते हुए उन्होंने (पृष्ठ ३ पर)

अब मुंबई में होंगे 236 नगरसेवक, 9 वार्ड बढ़े

मुंबई : पिछले दो दशक में मुंबई की जनसंख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। शहर और उपनगर के कई क्षेत्रों में जनसंख्या ४ से ५ प्रतिशत तक बढ़ गई है। लेकिन मनपा की ओर से परस्पर सुविधाओं को उपलब्ध कराने का काम सतत जारी है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को मनपा की सुविधाओं का लाभ मिले, इसके लिए वार्डों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव कैबिनेट को भेजा गया था। बुधवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में मुंबई में ९ वार्ड बढ़ानेवाले प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही मुंबई में अब कुल वार्डों की संख्या बढ़कर २३६ हो गई। वर्ष

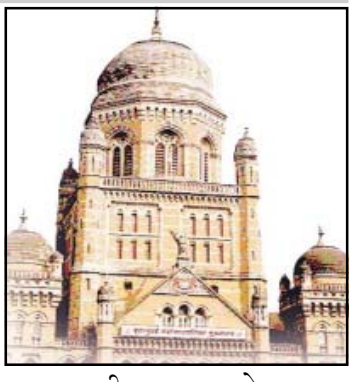

२०११ की जनगणना के अनुसार मुंबई की आबादी में वृद्धि को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। २००१-११ तक मुंबई की जनसंख्या में ३.८७ प्रतिशत का इजाफा हुआ है। मालाड, बांद्रा, वडाला, मानखुर्द जैसे इलाकों में जनसंख्या काफी (पृष्ठ ३ पर)

गुजरात से हो रहा है देश में ड्रग्स का खेल! ३५० करोड़ रुपए की ड्रग्स जप्त

एनसीबी व एनआईए करे कड़ी जांच : नवाब मलिक

मुंबई : महाराष्ट्र में ड्रग्स मामले को लेकर राजनीतिक आरोप लगाए जा रहे हैं। गुजरात के द्वारका से लगभग ३०० करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की गई है, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) खुद संदेह के घेरे में है। यह दूसरा मौका है, जब गुजरात में बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किया गया है। इसे लेकर राज्य के अल्पसंख्यक मंत्री नवाब मलिक ने मुंबई में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुंबई शहर को ड्रग्स का गढ़ माना जाता है। हालांकि यहां चंद ग्राम का मादक पदार्थ मिलता है, लेकिन बॉलीवुड अभिनेताओं की परेड कराई जाती है।

अब गुजरात में ३००-३५० करोड़ रुपए की ड्रग्स मिली है, इसकी जांच होनी चाहिए कि क्या ये ड्रग्स समुद्र के रास्ते लाई जा रही थी? एनसीबी और एनआईए को इसकी जांच करनी चाहिए कि इसमें कोई पार्टी या नेता तो शामिल नहीं है? क्या गुजरात से

ड्रग्स का खेल चल रहा है? इसका जवाब जनता को मिलना चाहिए। मलिक ने आगे कहा कि मनीष भानुशाली, धवल भानुशाली और सुनील पाटील गुजरात के नोवेंटल होटल में ठहरे थे। उनके गुजरात सरकार में मंत्री किरीट सिंह राणा के साथ संबंध हैं। ये लोग गुजरात से ड्रग्स रैकेट चला रहे होंगे, ऐसी शंका मलिक ने व्यक्त की है।

मलिक की बेटी ने भेजा फडणवीस को 'मानहानि' का नोटिस

राज्य के अल्पसंख्यक मंत्री नवाब मलिक की बेटी ने पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को झूठे आरोपों के लिए 'मानहानि' का कानूनी नोटिस भेजा है। साथ ही मानसिक प्रताड़ना, पीड़ा और वित्तीय नुकसान के लिए ५ करोड़ रुपए की भी मांग की है। बता दें कि फडणवीस ने दावा किया था कि नवाब मलिक के दामाद के घर से मादक पदार्थ बरामद हुआ था। यही कारण है कि मलिक अपने दामाद के फंसने पर बेचैन हैं और आरोप भी लगा रहे हैं।

३० हजार संस्थाओं की जांच करो!

महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड कार्यालय पर ईडी ने छापा नहीं मारा है। बोर्ड के पास रजिस्टर्ड हुई (पृष्ठ ३ पर)

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

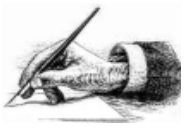

आरोप की राजनीति

हर राजनीति की अपनी भाषा होती है और भाषा से भी बड़ी बात है लोकतांत्रिक जिम्मेदारी। कोई भी सूचना या विचार या भाव समाज को सौंपने से पहले किसी भी राजनेता को यह जरूर सोचना चाहिए कि उसका यह कृत्य हमेशा के लिए दर्ज हो जाएगा। राजनेता जो बोलते हैं, उससे ही राजनीति का स्तर तय होता है। राजनीति में विचार और व्यवहार, दोनों ही शामिल हैं। वैसे तो आरोप-प्रत्यारोप की होड़ में पूरी राजनीतिक बिरादरी ही लगी नजर आती है, लेकिन इधर जो महाराष्ट्र में सुनने को मिल रहा है, वह बहुत ही दुखद और शर्मनाक है। एनसीपी नेता नवाब मलिक और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस के बीच खुलकर आरोप-प्रत्यारोप चल रहा है। आरोप बहुत गंभीर हैं और स्थापित प्रक्रिया के तहत सरकार को जांच व कार्रवाई के लिए आगे आना चाहिए।

महाराष्ट्र सरकार में शामिल वरिष्ठ नेता नवाब मलिक ने प्रेस वार्ता कर पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर आरोपों की झड़ी लगा दी। नवाब मलिक ने पहले दावा किया था कि वह 'हाइड्रोजन बम' गिराएंगे, लेकिन उन्होंने जो आरोप लगाए हैं, उसे भाजपा ने फुलझड़ी करार दिया है। हालांकि, आरोप ऐसे नहीं हैं कि जिन्हें फुलझड़ी कहकर भुला दिया जाए। किसी नेता का नाम फर्जी मुद्रा, अंडरवर्ल्ड से जुड़कर सामने आए, तो चिंता वाजिब है। क्या हमारी राजनीति ऐसे आरोपों को वाकई फुलझड़ी मानती है? दूसरी ओर, नवाब मलिक की पार्टी की तो महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार चल रही है, उन्हें हाइड्रोजन बम जैसे जुमले की जरूरत क्यों पड़ रही है, क्या वह सीधे अपनी सरकार से कार्रवाई के लिए नहीं कह सकते हैं? ऐसे आरोपों के लिए प्रेस वार्ता की क्या जरूरत है? क्या राजनीति में आरोप लगाने को सामान्य बात मान लिया गया है? क्या आरोपों को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता है? क्या गंभीरतम अपराधों को लेकर भी पार्टियां गंभीर नहीं हैं? क्या आरोप लगाए ही इसलिए जाते हैं, ताकि प्रत्यारोप लगें और लोगों का ध्यान बुनियादी मुद्दों से हट जाए?

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध लेखक जॉर्ज बर्नाड शॉ की पंक्तियों को ट्वीट किया है। इसका अर्थ है, 'मैंने बहुत समय पहले सीखा था, कभी शूकर से लड़ाई मत करो। इससे आप गंदे हो जाओगे, लेकिन शूकर इसे पसंद करेंगे।' यह भारतीय राजनीति के लिए एक दुखद उद्धरण है और इसके पीछे के गुस्से को समझा जा सकता है। फिर भी ऐसा तीखा प्रहार सहनीय नहीं है। राजनीति लोकहित में होनी चाहिए। लोकहित की राजनीति का अभाव हो रहा है, इसलिए स्वार्थ की राजनीति की जरूरत पड़ रही है। स्वार्थ की चिंता है, इसलिए व्यक्तिगत हमले सूझ रहे हैं। समाज की चिंता होती, तो लोकलाज की भी होती। नवाब मलिक ने यह भी आरोप लगाया कि फडणवीस ने साल २०१६ में हुई नोटबंदी के बाद राज्य में जाली नोटों के धंधे को संरक्षण दिया था। उन्होंने कहा कि यह सब फडणवीस ने समीर वानखेड़े की मदद से किया था। मतलब, आज के राजनेता न केवल एक तीर से कई निशाने साधना चाहते हैं, बल्कि गंभीर शिकायत लेकर पुलिस के पास नहीं, बल्कि प्रेस और सोशल मीडिया पर आते हैं। क्या इससे राजनीति की गंभीरता कम नहीं होती है? पूर्व मुख्यमंत्री ने जो जवाबी हमला बोला है, उसमें भी कुछगंभीर आरोप हैं। क्या महाराष्ट्र सरकार इन तमाम आरोपों की सही जांच कराने जा रही है?

सफेद कमीजों पर दलाली के दाग

हिन्दुस्तान की राजनीति में खादी के सफेद झक कुर्ते-पायजामे की एंट्री यूं तो शायद आम आदमी से जुड़े दिखते रहने के लिए हुई होगी, ताकि लगे कि नेताजी भी हमारे बीच में से ही कोई हैं। फिर दूसरी बड़ी वजह यह मानी गई होगी कि सफेद रंग ईमानदारी का रंग है, यानी राजनीति में ईमानदार लोगों को जगह मिलेगी, लेकिन साहब, मुश्किल तो यह हो गई कि इस सफेद ड्रेस पर हल्का-सा भी दाग चमकता हुआ दिखाई देता है, यानी किसी भी राजनेता पर दाग लगता दिखे, तो उसकी मुश्किलें शुरू हो सकती हैं।

राजनीति में मेरी कमीज तेरी कमीज से ज्यादा सफेद की बहस चलती रहती है। राजनीति में भ्रष्टाचार की कहानी यूं तो आजादी के साथ ही शुरू हो गई थी। देश की पहली सरकार में जीप घोटाले की गूंज सुनाई दी थी। तब से लेकर आज तक हर सरकार में किसी न किसी पर भ्रष्टाचार के छींटे किसी न किसी बहाने से लगते ही रहे हैं। कुछ लोग कहते हैं कि यह तो राजनीतिक हम्माम है और हम्माम के बारे में तो सब जानते ही हैं। राजनीतिक भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी कहानी अभी तक बोफोर्स घोटाले को माना जाता है, जिसकी वजह से सबसे बड़ी बहुमत वाली राजीव गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार चली गई थी। यह अलग बात है कि अभी तक उस मामले में शायद यह साबित नहीं हो पाया कि राजीव गांधी या उनके परिवार में किसी ने रिश्वत ली थी। रक्षा सौदों में दलाली का यह पहला बड़ा मामला था, जिसने हिन्दुस्तान की राजनीति को एक झटके में बदल दिया था।

सबसे ईमानदार माने जाने वाले प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सरकार का दूसरा कार्यकाल भ्रष्टाचार की तमाम कहानियों से भरा पड़ा है। इसमें कई मंत्रियों को इस्तीफा देना पड़ा, जेल भी जाना पड़ा, हालांकि, इससे ही जुड़े एक मामले में अभी पूर्व सीएजी ने माफी भी मांगी है। मौजूदा मोदी सरकार का यह दूसरा कार्यकाल है और कुल सात साल में प्रधानमंत्री मोदी समेत किसी भी मंत्री पर मौटे तौर पर भ्रष्टाचार का आरोप अब तक नहीं लगा है, लेकिन अब लड़ाकू जहाज राफेल की खरीद को लेकर राजनीति जिस कदर गरमा गई है, उससे लगता है कि इस मसले से पीछा छुड़ाना आसान नहीं होगा। अहम बात यह है कि दोनों प्रमुख राजनीतिक दल, भाजपा और कांग्रेस एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं।

राफेल की कहानी शुरू उस दिन से होती है, जब यूपीए की मनमोहन सिंह सरकार ने अगस्त २००७ में मल्टी रोल काम्बेट खरीदने का प्रस्ताव रखा था। २०१२ में तब के रक्षा मंत्री ए के एंटनी ने बताया था कि कीमतों को लेकर अभी बात नहीं बन पाई। राफेल खरीद में भ्रष्टाचार का मामला तब सामने आया, जब फ्रांस के ही एक पोर्टल ने आरोप लगाया कि राफेल जेट की बिक्री सुनिश्चित करने के लिए मॉरीशस में पंजीकृत एक शेल कंपनी इंटरस्टेलर टेक्नोलॉजी से सुशेन गुप्ता को रिश्वत दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, साल २००७ से २०१२ के बीच इस कंपनी को ७.५ मिलियन यूरो यानी करीब ६५ करोड़ रुपये दिए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, मॉरीशस सरकार ने इससे जुड़े दस्तावेज २०१८ में सीबीआई को सौंप दिए और सीबीआई ने इसे ईडी को दे दिया। सुशेन गुप्ता का नाम अगस्ता वेस्टलैंड डील में भी आया था, जिसमें कांग्रेस से जुड़े लोगों पर दाग लगाए गए थे। अब राजनीतिक झगड़ा यहां से शुरू होता है कि यह रिश्वत साल २००७ से २०१२ के बीच में दी गई, तब केंद्र में यूपीए की सरकार थी और भाजपा इसके लिए कांग्रेस के शामिल होने और उस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है। भाजपा के एक प्रवक्ता ने तो कांग्रेस के नाम आईएनसी यानी इंडियन नेशनल कांग्रेस को आई नीड करप्शन में बदल दिया। कांग्रेस का कहना है कि सारा फैसला एनडीए सरकार के वक्त हुआ है, जब विमानों की कीमत में भी भारी बदलाव किया गया। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी गया और कोर्ट ने प्राथमिक तौर पर कोई गड़बड़ी नहीं पाई है। अब कांग्रेस का कहना है कि यदि हमने भी पैसा लिया है, तो फिर सरकार इसकी जांच कराने से क्यों बच रही है। सरकार को संसदीय समिति यानी जेपीसी से इसकी जांच करानी चाहिए। फ्रांस में इस साल जून में इसकी न्यायिक जांच शुरू हो गई है। जांच में पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि रिश्वत का यह पैसा क्या भारत सरकार में अफसरों व दूसरे लोगों तक पहुंचा है।

यहां इस बात का जिक्र भी करना ठीक होगा कि वाजपेयी सरकार में मंत्री रहे यशवंत सिन्हा व अरुण शौरी ने ४ अक्तूबर २०१८ को सीबीआई के तत्कालीन निदेशक आलोक वर्मा से मुलाकात कर उन्हें एक फाइल सौंपी बताई। लेकिन आलोक वर्मा को सीबीआई निदेशक के पद से हटा दिया गया। कांग्रेस का आरोप है कि आलोक वर्मा राफेल मामले में एफआईआर दर्ज कराने जा रहे थे, इसलिए उन्हें हटाया गया। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस इतने साल इस डील को इसलिए अंतिम रूप नहीं दे पाई, क्योंकि वह डील नहीं, कमीशन फाइनल करने में लगी थी और बात ठीक से बन नहीं पाई। मोदी सरकार के आने के बाद इस पर तेजी से काम हुआ और अब तो सात खेप में २४ राफेल विमान भारत पहुंच गए हैं।

इसी महीने २९ नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है। साफ है कि कांग्रेस और विपक्षी पार्टियां इस मसले को जोर-शोर से उठाएंगी। इसकी एक वजह अगले साल फरवरी-मार्च में उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव भी हैं, तब तक कांग्रेस इसकी गूंज को बरकरार रखना चाहती है। यह वक्त इस निर्णय पर पहुंचने का नहीं है कि इसमें क्या घोटाला हुआ, कितने की रिश्वत दी गई, क्या गड़बड़ी हुई और कौन जिम्मेदार है, लेकिन इन सब सवालों के जवाब तो चाहिए ही और ये जवाब मौजूदा सरकार को भी अपना दामन साफ रखने में मदद कर सकते हैं। अब सरकार को तय करना है कि वह इस मामले की जांच कराने के लिए आगे आती है और किस तरह की जांच कराना चाहती है। लोकतंत्रीय राजनीति में अवधारणा सबसे अहम है, यानी यह जताए रखना कि वह सबसे ईमानदार है और उसकी कमीज सबसे सफेद है और इसका एक ही तरीका हो सकता है, सबसे विश्वसनीय जांच।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कोस्टल रोड ने पकड़ी स्पीड! ४२ प्रतिशत सिविल काम हुआ पूरा

मुंबई : मनपा की महत्वाकांक्षी कोस्टल रोड परियोजना का काम फुल स्पीड से चल रहा है। सुरंग बनाने के साथ समुद्र की भरनी कर सड़क निर्माण के काम के लिए तीनों शिफ्ट में कर्मचारी लगे हुए हैं। यदि काम की रफ्तार यही रही तो मुंबईकरों को अगले साल नवंबर महीने तक इस परियोजना का लाभ मिल सकेगा। यह दावा मनपा अधिकारियों की ओर से किया जा रहा है। अब तक इस परियोजना का ४२ प्रतिशत सिविल काम पूरा कर लिया गया है, जिसमें मलबार हिल के नीचे सवा किलोमीटर सुरंग भी शामिल है। अधिकारियों की मानें तो इस परियोजना का निर्माण कार्य नवंबर २०२३ तक पूरा कर लिया जाएगा।

कुछ दिनों पहले मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने बताया था कि मरीन ड्राइव और वर्ली के बीच १२,७०० करोड़ रुपए की लागत से १० किलोमीटर लंबी तटीय सड़क परियोजना (कोस्टल रोड परियोजना) को हम समय से पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके पूरा होने पर दक्षिण और उत्तर मुंबई के बीच वाहनों से आवाजाही में एक घंटे तक का समय बचेगा। इसके साथ ही ईंधन की बचत होगी।

कोस्टल रोड परियोजना के तहत मलबार हिल से मरीन ड्राइव तक समुद्र के नीचे से ४० फीट व्यास की सुरंग बनाई जा रही है। यह देश की सबसे चौड़ी ८ लेन की सुरंग होगी। अधिकारियों की मानें तो अब तक १ किलोमीटर की सुरंग का काम पूरा हो गया है। अब केवल ९०० मीटर सुरंग बनाने का काम रह गया है। कोस्टल रोड प्रोजेक्ट के अंतर्गत २७ किमी तक सड़क के साथ १६ किमी लंबा इंटरचेंज भी होगा।

भूमिगत पार्किंग और १२५ एकड़ में गार्डन

मनपा अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना में १,८०० से अधिक वाहनों के लिए भूमिगत पार्किंग के साथ कोस्टल रोड से सटे हुए १२५ एकड़ भूखंड पर गार्डन बनाने का भी काम शामिल है। कोस्टल रोड परियोजना के मुख्य इंजीनियर विजय निगोटे ने

बताया कि समुद्र में पिलर बनाने का काम भी जल्द शुरू होगा। स्ट्रक्चर टेस्टिंग का काम हो गया है, इससे खर्च में बचत होगी। यहां १७४ पिलर लगेगा।

यातायात व्यवस्था सरल और सुगम होगी

बता दें, कोस्टल रोड परियोजना मूल रूप से नरीमन पॉइंट और कांदिवली के बीच बनाने की योजना है। इसे तीन चरण में बनाया जाएगा। पहले चरण में मरीन ड्राइव से वर्ली तक इसका निर्माण कार्य शुरू है। इस परियोजना से उत्तर और दक्षिण मुंबई के बीच यात्रा करनेवालों के लिए यातायात व्यवस्था सरल और सुगम हो जाएगी। कोरोना महामारी के शुरू में विदेश से टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की डिलिवरी में देरी होने के बावजूद मनपा काम को तेजी से पूरा कर रही है।

कोरोना के बाद मनपा अस्पताल होंगे और बेहतर!

जंबो कोविड सेंटरों के मेडिकल उपकरण अस्पतालों में होंगे स्थानांतरित

मुंबई : कोरोना महामारी के बाद मनपा द्वारा संचालित अस्पतालों की स्थिति और बेहतर होनेवाली है। जानकारी के अनुसार जैसे ही महामारी पूरी तरह समाप्त होती है, वैसे ही जंबो कोविड केयर सेंटरों में करोड़ों रुपयों की लागत से खरीदे गए मेडिकल उपकरणों को मनपा उपनगरीय के साथ चार बड़े अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में स्थानांतरित कर दिए जाएंगे। कोरोना महामारी में लाखों लोगों की जान बचानेवाले इन मेडिकल उपकरणों का उक्त अस्पतालों में उपयोग किया जाएगा। बता दें कि जंबो कोविड सेंटरों में बेड, वेंटिलेटर, एक्स-रे मशीन

जैसे कई आवश्यक चिकित्सा उपकरण मुहैया कराए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल जिस समय कोरोना महामारी चरम पर थी, उस दौरान अस्पतालों में बेड की कमी थी। इसे गंभीरता से लेते हुए मनपा के स्वास्थ्य विभाग ने वर्ली, बीकेसी, गोरेगांव, मुलुंड और दहिसर में जंबो कोविड केयर सेंटर स्थापित किए। इन कोविड केयर सेंटरों पर हजारों मरीजों का इलाज कर उन्हें इस जानलेवा बीमारी से बचाया गया। इतना ही नहीं तीसरी लहर की संभावना को देखते हुए इससे लड़ने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कुछ और सेंटरों को तैयार किया।

ट्रैफिक पुलिस इन एक्शन, प्रति घंटे २१२ वाहनों पर कार्रवाई

ठाणे : ट्रैफिक जाम और कोरोना के चलते पिछले कुछ दिनों से वाहनचालकों पर की जानेवाली कार्रवाई को ट्रैफिक पुलिस ने रोक दिया था। गुरुवार को ट्रैफिक पुलिस एक्शन में आते हुए प्रति घंटे २१२ वाहन चालकों पर कार्रवाई की। एक ही दिन में ५,१११ वाहन चालक नपे। सबसे ज्यादा कार्रवाई बिना हेलमेट वाले वाहन चलानेवाले चालकों के खिलाफ की गई है।

बता दें कि ट्रैफिक जाम को रोकने के लिए पिछले कुछ दिनों से विभिन्न स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस को तैनात किया गया था। कार्रवाई नहीं होने के कारण वाहन चालक शहर के मुख्य और भीतरी सड़कों पर नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। ठाणे ट्रैफिक पुलिस ने इन मनचलों पर लगाम लगाने के लिए फिर से कार्रवाई शुरू कर दिया है।

पुलिस ने बाइक चलाते समय हेलमेट न पहननेवाले, एक रिक्शा में तीन से अधिक यात्रियों को ले जानेवाले, शराब के नशे में वाहन चलानेवाले चालकों पर कार्रवाई की। गुरुवार को पुलिस ने एक ही दिन में ५ हजार १११ चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। ठाणे ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त बालासाहेब पाटील ने बताया कि बारिश और कोरोना की वजह से वाहन चालकों पर कार्रवाई को धीमा कर दिया गया था। दुर्घटनाओं को रोकने और वाहन चालकों को अनुशासित करने के लिए फिर से विशेष अभियान चलाया गया है। इस प्रकार पुलिस ने ५,००० से अधिक चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

क्रिकेटर की बेटी से रेप की धमकी, हैदराबाद से धराया आरोपी

मुंबई : टी-२० विश्वकप में पाकिस्तान से भारत की हार होने के बाद एक खिलाड़ी की बेटी से रेप की धमकी देनेवाले आरोपी को मुंबई साइबर सेल ने हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार २४ वर्षीय आरोपी ने पाकिस्तान से मैच हारने के बाद एक क्रिकेटर की बेटी को दुष्कर्म की ऑनलाइन धमकी दी थी। टी-२० विश्वकप में हिंदुस्थान का पहला मैच पाकिस्तान के साथ था, जिसमें उसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। टीम की इस हार के बाद भारतीय क्रिकेट प्रेमियों में खासी नाराजगी देखने को मिली थी और टीम को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रशंसकों के गुस्से और आलोचना का सामना करना पड़ा था। इसी में आरोपी ने भी एक भारतीय क्रिकेटर की बेटी को ऑनलाइन धमकी देते हुए दुष्कर्म करने की धमकी दी थी, जिसके बाद इसकी शिकायत मुंबई साइबर सेल में की गई थी। साइबर सेल ने जांच करते हुए आरोपी को बुधवार सुबह हैदराबाद में गिरफ्तार किया है। पुलिस उसे गिरफ्तार कर मुंबई ला रही है

गुजरात से हो रहा है देश में ड्रग्स... (पृष्ठ १ का शेष)

संस्था के संबंधित जमीन प्रकरण के मामले में छापेमारी की गई है। अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री नवाब मलिक ने ऐसा स्पष्ट किया है। वक्फ बोर्ड के पास ३०,००० संस्थाएं रजिस्टर हैं, इन सभी संस्थाओं की ईडी जांच करें, ऐसी मांग भी उन्होंने की। वक्फ बोर्ड की संस्थाओं में हुए गैर व्यवहार की जांच की गई तो भाजपा के नेता व विधायक जेल में जाएंगे, ऐसा इशारा मलिक ने दिया।

अब मुंबई में होंगे 236 नगरसेवक... (पृष्ठ १ का शेष)

बढ़ी है, जिसे देखते हुए राज्य की महाविकास आघाड़ी सरकार ने यह निर्णय लिया है। इसी के साथ मनपा के आगामी चुनाव से पहले मुंबई में कुछ वार्डो की परिसीमन में बदलाव किया जाएगा और मुंबई में अब कुल नगरसेवकों की संख्या २३६ हो जाएगी।

कैबिनेट नोट के अनुसार मुंबई मनपा में मौजूदा समय में २२७ निर्वाचित सदस्य हैं। यह संख्या २००१ की जनगणना के आधार पर उल्लेखित है। वर्ष २०११ की जनगणना के बाद से निर्वाचित सदस्यों की संख्या में कोई बदलाव नहीं किया गया और नगरसेवकों की संख्या जस की तस रही। २०११ की जनगणना के अनुसार २००१-११ के बीच मुंबई में जनसंख्या में ३.८७ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जनसंख्या में इस वृद्धि और बढ़ते शहरी क्षेत्र को देखते हुए नगरसेवकों की संख्या बढ़ाना जरूरी था।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में उद्योग निदेशालय में एक अतिरिक्त विकास आयुक्त के पद के सृजन को भी मंजूरी दी गई। उद्योग निदेशालय का काम पिछले ६-७ सालों में बढ़ा है। इस पद पर आईएएस स्तर के अधिकारी की नियुक्ति होगी।

दिल्ली से बेहतर होगी मनपा स्कूलों... (पृष्ठ १ का शेष)

कहा कि मुंबई में भी गरीब बच्चों के लिए मनपा स्कूलों के अलावा सीबीएसई, आईसीएसई और आईबी बोर्ड के स्कूल तेजी से शुरू किए जा रहे हैं। अब तक ११ स्कूल ऐसे शुरू किए जा चुके हैं। इसका खूब प्रतिसाद भी मिल रहा है। बड़ी संख्या में यहां आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल यह योजना प्रायोगिक तौर पर है। परिणाम भी बेहतर आ रहे हैं। आगामी दिनों में मनपा के अन्य स्कूलों में भी इन बोर्डों की शिक्षा शुरू की जाएगी।

मुंबई के सीबीएसई, आईसीएसई और आईबी बोर्ड की शिक्षा पाने के लिए लोगों को लाखों रुपए खर्च करना पड़ रहा है। इन बोर्ड के निजी स्कूलों में शिक्षा पाना सिर्फ अमीर लोगों के बस में है। आम लोगों की पहुंच से ये स्कूल दूर हैं। लेकिन मनपा की पहल के बाद अब ये गरीबों की पहुंच में हो गया है। गरीब लोग भी यहां अपने बच्चों को शिक्षा दिला पाएंगे।

फायर विभाग को फायर ऑडिट सख्ती करने का स्टैंडिंग कमेटी अध्यक्ष का निर्देश

मुंबई : पिछले कुछ महीनों से मुंबई की गगनचुंबी इमारतों में लगातार हो रही आग की घटनाओं को लेकर मनपा की स्टैंडिंग कमेटी में मंगलवार को माहौल गर्म रहा। कुछ सदस्यों ने फायर विभाग में त्रुटियां बताकर उसमें सुधार की मांग की। इसके बाद स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष यशवंत जाधव ने फायर विभाग को सभी इमारतों, अस्पतालों एवं मॉल आदि पर फायर नियमों के पालन को लेकर सख्ती बरतने का निर्देश दिया। बड़ी इमारतों, अस्पतालों को हर ६ महीने पर फायर ऑडिट रिपोर्ट अनिवार्य करने और नियमों का उल्लंघन करनेवालों पर सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया।

मुंबई के करी रोड और कांदिवली के हाइराइज इमारतों में लगी आग की घटना को लेकर बैठक में सदस्यों ने तमाम सवाल खड़े किए और फायर विभाग को सख्त होकर दोषियों पर कार्रवाई

करने की मांग की। इसके साथ ही दो दिन पहले नगर के अस्पताल में लगी आग में झुलसे कोरोना मरीजों के विषय को भी गंभीर बताते हुए मुंबई के अस्पतालों के फायर सिस्टम को ऑडिट करने की मांग की गई। यशवंत जाधव ने हाइराइज इमारतों और अस्पतालों में आग की घटनाओं से बचने के लिए फायर ऑडिट को जरूरी बताया, कहा कि फायर सिस्टम के साथ खिलवाड़ करनेवाली सोसायटियों और अस्पताल प्रबंधकों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई हो। बता दें कि हाल ही में फायर ब्रिगेड ने ऊंची इमारतों के सोसायटियों द्वारा की जा रही लापरवाही पर सख्ती बरती है। सभी गगनचुंबी इमारतों को हर ६ महीने में लाइसेंस प्राप्त ऑडिटर से फायर ऑडिट करना अनिवार्य किया है। और इसे फायर विभाग के वेबसाइट पर लोड करने का निर्देश है। साथ ही इमारत के फायर सिस्टम के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ को मंजूरी नहीं है। इमारत की सोसायटी एवं फ्लैट मालिकों को आग को बढ़ावा देनेवाले रासायनिक तत्वों एवं अन्य साज-सज्जा की सामग्री का उपयोग न के बराबर करने का भी निर्देश है।

अपराधियों की कमर तोड़ने में जुटी मुंबई पुलिस!

२३ के खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई

मुंबई : ईस्ट रीजन के अंतर्गत परिमंडल ६ की पुलिस ने जनवरी २०२१ से अब तक कुल २३ अपराधियों के खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई कर अपराधियों की कमर तोड़ने का काम किया है, जिसके चलते इस परिसर के अपराधियों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

गोवंडी के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक किशोर गायके ने बताया कि १६ अक्टूबर को हमारी पुलिस थाने की हद में घटे हत्या के प्रयास के एक मामले में तीन आरोपी शामिल थे। पुलिस ने इन आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड को खंगाला तो जानकारी मिली की इन के खिलाफ पहले से ही १३ संगीन मामले

दर्ज हैं। इस संबंध में उच्च अधिकारियों से चर्चा कर इन अपराधियों के खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई का प्रस्ताव अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय दराडे व पुलिस उपायुक्त के.के. उपाध्याय के पास भेजा था। उनके इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर उपायुक्त के निर्देश पर मकोका के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस सूत्र बताते हैं कि परिमंडल ६ के अधीन जनवरी २०२१ से अब तक कुल २३ अपराधियों के खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई की गई है।

फिल्मी स्टाइल में धराया नाइजेरियन ड्रग्स पैडलर

६ करोड़ का मादक पदार्थ हुआ बरामद

मुंबई : रोजगार के बहाने हिंदुस्थान में आकर मादक पदार्थों की तस्करी करनेवाले अफ्रीकी ड्रग्स तस्करों पर मुंबई पुलिस ने एक बार फिर जोरदार प्रहार किया। पुलिस ने एक नाइजेरियन ड्रग्स तस्कर को ६ करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। वह बोरेनुमा बैग में २ किलो १४ ग्राम मेथक्वेलोन ड्रग्स कंधे पर लिए घूम रहा था।

बता दें कि मुंबई पुलिस की एंटी नार्कोटिक्स सेल (एएनसी) कांदिवली यूनिट के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रूपेश नाईक १० नवंबर को अपनी टीम के साथ गोरेगांव-पूर्व की आरे कॉलोनी इलाके में गश्त कर रहे थे। उस दौरान

पॉलेटी चर्च ट्रस्ट, विजय नगर परिसर में उन्हें एक नाइजेरियन संदिग्ध परिस्थितियों में घूमता नजर आया। उसके कंधे पर एक बोरीनुमा बैग लटका था। पुलिस ने उसे बुलाया तो वह भागने लगा। नाइजेरियन आरोपियों के उग्र स्वभाव को देखते हुए रूपेश नाईक व उनके सहयोगियों ने पूरी सावधानी के साथ उक्त आरोपी को पीछा करके गिरफ्तार किया। डीसीपी दत्ता नलावड़े के मार्गदर्शन में उक्त बैग की जांच की गई तो उसमें ६ करोड़ ४ लाख रुपए का मेथक्वेलोन ड्रग्स बरामद हुई। गिरफ्तार नाइजेरियन आरोपी अंधेरी-पूर्व स्थित साकीनाका इलाके में रहता था। कोर्ट ने उसे १५ नवंबर तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है।

मनपा के दवाखाने होंगे हाईटेक, एक्सरे और डायलिसिस की होगी सुविधा

मुंबई : आनेवाले दिनों में मुंबईकरों के लिए मनपा के अस्पताल अब एक नए रूप में नजर आएंगे। वहां स्वास्थ्य प्रबंधन का पैटर्न बदलने जा रहा है। मनपा के दवाखाने अब हाईटेक होने जा रहे हैं। दरअसल, कोविड काल के दौरान स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ-साथ मनपा अस्पतालों के भार को कम करने पर जोर दिया गया है। इसके तहत अब मुंबई में स्वास्थ्य के लिए माइक्रो प्लान तैयार कर स्वास्थ्य व्यवस्था के पैटर्न में बदलाव किया गया है। बताया गया है कि दवाखानों में विभिन्न ब्लड टेस्टों के साथ अब एक्सरे और डायलिसिस की भी सुविधा मुहैया कराई जाएगी। यह सुविधा उपनगर के प्रभागों में आवश्यकता के अनुसार स्थापित की जाएगी।

'माझे कुटुंब माझी जवाबदारी' मुहिम के तहत किए गए सर्वे में मनपा को मुंबई में रहनेवाले सभी व्यक्तियों के स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी हो गई है। इसके तहत जिन क्षेत्रों में डायबिटीज के मरीज अधिक हैं, वहां स्थित दवाखाने में उससे संबंधित इलाज का प्रबंधन किया जाएगा। इसी तरह जिन क्षेत्रों में टीबी के मरीज अधिक हैं, वहां के दवाखानों में बीमारी से संबंधित इलाज

और जांच का प्रबंधन किया जाएगा।

मनपा के स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित दवाखानों का विस्तार करते हुए उसे एक से दो मंजिला तक बनाया जाएगा। विस्तारित होनेवाले दवाखानों को केवल प्राथमिक उपचार के लिए सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि यहां एक्सरे और डायलिसिस की भी सुविधाएं मुहैया कराए जाने की कोशिश होगी।

मनपा के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक १५ साल पहले मनपा के मुख्य अस्पतालों के भार को कम करने के लिए उपनगरीय अस्पतालों के विस्तार की शुरुआत की गई। कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य व्यवस्था के पांव समझे जानेवाले दवाखानों की क्षमता को बढ़ाने की जरूरत महसूस हुई। साथ ही दवाखानों में विभिन्न सुविधाओं को मुहैया कराए जाने से उपनगरीय अस्पतालों पर पड़नेवाला भार भी कम होगा। इसके चलते स्वास्थ्य व्यवस्था के पैटर्न को बदला गया है।

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : ११ अंक : १३ मुंबई, शुक्रवार, २६ नवंबर से २ दिसंबर २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

मुंबई पर हुए २६/११ हमले के वीर शहीदों को मुख्यमंत्री का अभिवादन

मुंबई : मुंबई पर हुए २६/११ के आतंकवादी हमले में शहीद हुए वीरों और इस हमले का शिकार हुए निरपराध नागरिकों का मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विनम्र अभिवादन किया है। इन सभी के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट कर वीर शहीदों के साथ इस हमले का मुकाबला करनेवालों के प्रति उन्होंने कृतज्ञता व्यक्त की है। मुंबई पर हुआ यह हमला आतंकवादियों की डरपोक मनोवृत्ति को स्पष्ट करनेवाला था, ऐसे शब्दों में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने हमले की निंदा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई पर हुआ यह हमला हिंदुस्थान की आर्थिक राजधानी पर हमला था। देश के विकास में बाधा उत्पन्न करने का यह प्रयास मुंबईकरों ने पूरा नहीं होने दिया। इसमें मुंबई पुलिस ने शौर्य दिखाया। सिर्फ मराठी ही नहीं, बल्कि समूचे भारतीय मनोधैर्य से एक साथ आए। वीर जवान तुकाराम ओंबले ने निशस्त्र रहते हुए भी क्रूर आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अपना बलिदान दिया। पुलिस और एनएसजी कमांडों ने गोलियों की बौछार से अनेक आतंकवादियों को मौत

के घाट उतारा। इन शौर्य, साहसी और समर्पण के आगे नतमस्तक होने का, कृतज्ञता व्यक्त करने का यह दिन है। ऐसे फिदायीन हमले से बिल्कुल भी नहीं डरते हुए, ऐसी चुनौतियों पर मात करने के लिए मनोधैर्य और भी ऊंचा होगा और यह अगली पीढ़ियों में विकसित हो, इसके लिए हम सभी एक साथ प्रयास करेंगे। यहीं इस आतंकवादी हमले के शहीदों एवं निष्पाप मारे गए लोगों को विनम्र श्रद्धांजलि होगी।

राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री, गृहमंत्री ने किया शहीदों का अभिवादन

मुंबई : राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, गृहमंत्री दिलीप वलसे-पाटील २६/११ के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह कार्यक्रम मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय परिसर में पुलिस शहीद स्मारक में आयोजित किया गया था। भावपूर्ण वातावरण में हुए कार्यक्रम में पुलिस बैंड टुकड़ी ने 'सलामी शस्त्र' बजाया। इस मौके पर सभी (पृष्ठ ३ पर)

अनिल देशमुख की तरह मुझे भी फंसाने की कोशिश : नवाब मलिक

मुंबई : महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने दावा किया है कि कुछ लोग अनिल देशमुख की तरह उन्हें भी फंसाने की कोशिश कर रहे हैं. उनका कहना है कि कुछ लोग उनके घर की रेकी कर रहे हैं. ऐसा कहते हुए ने कुछ तस्वीरें ट्वीट की. कि यह लोग इस गाडी में सवार पिछले कुछ दिनों से मेरे घर और स्कूल की रेकी कर रहे हैं। अगर कोई इन्हें पहचानता हो तो मुझे जानकारी दे।

नवाब मलिक ने लिखा कि जो भी लोग इन तस्वीरों में हैं मैं उनसे कहना चाहता हूं तुम्हें मेरी कोई जानकारी चाहिए तो आकार मुझसे मिले, मैं सारी जानकारी दे दूंगा.

बता दें कि इससे पहले लगातार नवाब मलिक एनसीबी के समीर वानखेड़े पर लगातार आरोप लगाते आ रहे हैं और गुरुवार को भी उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा था कि वानखेड़े और उनके परिवार ने उनकी मां की मौत के बाद २०१५ में मृत्य प्रमाण पत्र बनवाए थे। एक प्रमाण पत्र में उनकी मां को हिंदू तो दूसरे में मुस्लिम बताया गया। मलिक ने सवाल किया कि एक ही परिवार की दो पहचान (पृष्ठ ३ पर)

इमारतों के पुनर्विकास का रास्ता हुआ साफ

मुंबई : कड़क नियमावली के चलते बीते कई सालों से राज्य की घनी आबादी में स्थित पुरानी इमारतों के पुनर्विकास का रास्ता साफ हो गया है। राज्य के नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को ठाणे में पुरानी इमारतों के पुनर्विकास को लेकर तैयार की गई नई नियमावली को मंजूर किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस नई नियमावली का सीधे लाभ पुरानी और खतरनाक इमारतों में रहने वाले लाखों लोगों को होगा।

अब इमारतों का पुनर्विकास करते समय विकासक को अधिक एफएसआई मिलेगी। इसके साथ ही जटिल नियमों से छुट्टी मिलेगी। साथ ही विकासक और निवासियों दोनों के लिए लाभदायक साबित होगा। वहीं मनपा और नपाओं

जर्जर इमारतों में रहने वालों को राहत

की सीमा में स्थित क्षेत्र का छह महीने में जोन प्लान पूर्ण करने का आदेश दिया गया है। यूडीसीपीआर में ठाणे के लिए विशेष इमारत की सीमा २४ मीटर थी, इसे बढ़ाकर २५ मीटर कर दिया गया है। साथ ही ठाणे विकास योजना के नक्शे में दर्शाए गए जी-२ जोन के कृषि विभाग को ध्यान में रखते हुए उसी के अनुरूप मंजूरी दी गई है। एक एकड़ से बड़ी क्षेत्रफल वाली परियोजना में २० फीसदी छोटे क्षेत्रों पर निर्माण कर उसे समावेशी आवास नियम के तहत म्हाडा की तरफ से लॉटरी पद्धति से वितरित करने का नियम है।

नालासोपारा से चलता था बांग्लादेशी लड़कियों के सेक्स रैकेट का कारोबार

गिरफ्तार मुख्य सरगना का पुलिस के सामने कबूलनामा

नालासोपारा : समाजसेवा के नाम पर चलनेवाले सेक्स रैकेट का मुख्यालय पालघर के नालासोपारा में बनाया गया था, जहां से बांग्लादेशी लड़कियों को देश के कई राज्यों में दलालों के माध्यम से सप्लाई किया जाता था। मामले का खुलासा तब हुआ जब इंदौर पुलिस की एक टीम कई दिनों तक नालासोपारा में डेरा डाले रही और अपने एक पुलिस कर्मचारी को बांग्लादेशी बताकर उसे बेचने का अफवाह फैलाई। लेकिन बांग्लादेशी लड़कियों का सेक्स रैकेट चलानेवाले गिरोह के सरगना को इंदौर से ही गिरफ्तार किया गया। २५ साल से फर्जी पासपोर्ट और राशन कार्ड बनाकर वह नालासोपारा सहित देश के अन्य जगहों पर रह रहा था।

मुख्य आरोपी ने पुलिस को बताया कि १९९४ में वह बांग्लादेश से हिंदुस्थान में पश्चिम बंगाल के कृष्णा घाट नदी पर आया था। यहां मजदूरी करने लगा। इसके बाद वह मुंबई चला आया, यहां होटल में काम करने लगा। यही एक युवती से शादी कर ली। वह बांग्लादेश भी जाता रहता था। वहां भी उसने ज्योत्सना नाम की युवती से

शादी की है। बांग्लादेश में वह एनजीओ चलाती है। यह एनजीओ महिला कल्याण के लिए काम करती है। इसी के जरिए वह बेसहारा (पृष्ठ ३ पर)

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

सावधानी जरूरी

कोरोना अभी उतनी दूर नहीं गया है कि हम निश्चिंत हो जाएं। दक्षिण अफ्रीका में मिले कोरोना वायरस के एक नए वेरिएंट इ.१.१५२९ के कारण दुनिया में चिंता की लहर है। चिंता इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि इसे अब तक का सबसे खतरनाक वेरिएंट बताया जा रहा है। सजग देशों ने अपने लोगों और स्वास्थ्य व्यवस्था को सचेत कर दिया है। अभी भारत में यह वायरस नहीं आया है, पर राज्य सरकारों को आगाह कर दिया गया है। विशेष रूप से हवाई अड्डों पर निगरानी जरूरी है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि हवाई अड्डों पर पुख्ता निगरानी की गई होती, तो भारत में कोरोना को आने से रोका जा सकता था। अगर यह नया कोरोना वायरस डेल्टा या अन्य वायरस से ज्यादा खतरनाक है, तो हमें उन तमाम बिंदुओं पर जांच, चौकसी बढ़ा देनी चाहिए, जहां से यह वायरस देश में घुस सकता है। किसी भी स्थिति में ऐसी कोई ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए कि तीसरी लहर की नौबत आए।

अभी इसी सप्ताह एम्स के निदेशक ने कहा था कि तीसरी लहर के तीव्र होने की आशंका नहीं है, लेकिन हमें कोशिश करनी चाहिए कि तीसरी लहर आए ही नहीं। फिर भी, पूरी सावधानी बरतने की जरूरत है। यह नया वेरिएंट उस देश इजरायल में सामने आया है, जहां टीकाकरण सबसे पहले शुरू और संपन्न हुआ था। वहां वायरस लगभग काबू में आ गया था, लेकिन वहां नए वेरिएंट का एक मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य तंत्र के इस कदर हाथ-पांव फूल गए हैं कि देश में आपातकाल लगाने पर विचार चल रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री ने विशेषज्ञों की बैठक बुलाई और उसके बाद ही आपातकाल की चेतावनी दी है। कुल मिलाकर, इजरायल जैसा निडर देश अगर नए वेरिएंट को लेकर इतना चिंतित है, तो इसकी गंभीरता को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी तमाम देशों से सतर्क रहने के लिए कहा है। दक्षिण अफ्रीका के महामारी विशेषज्ञ तुलियो डे ओलिविएरा ने कहा है कि यह वेरिएंट काफी तेजी से फैल रहा है और अगले कुछ दिनों में हम देश के स्वास्थ्य तंत्र पर दबाव देख सकते हैं। ब्रिटिश सरकार ने पूरी सावधानी बरतते हुए दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, लेसोथो, इस्वातिनी, जिम्बाब्वे और बोत्सवाना से आने वाली सभी उड़ानों को निलंबित करने का निर्णय लिया है। जर्मनी के स्वास्थ्य मंत्री ने भी उड़ानों पर रोक का फैसला किया है। क्वारंटीन नियमों को भी कड़ा किया गया है। यह वेरिएंट उन देशों के लिए खतरे की घंटी है, जिन्होंने क्वारंटीन नियमों में पूरी रियायत दे दी है और जो लॉकडाउन से पूरी तरह आजाद हो चुके हैं। इटली और अन्य देश भी समय रहते कदम उठाने की जल्दी में हैं।

भारत में केंद्र सरकार ने अभी राज्य सरकारों को निर्देश देकर फौरी उपाय ही किया है। जिन देशों से नए वायरस के आने का खतरा है, क्या उन देशों से आने वाले लोगों को निगरानी में लिया जाएगा? क्या उनकी पूरी जांच होगी? क्या इन देशों से आने वाले लोग बचाव में पूरा सहयोग करेंगे? भारत में चिंता इसलिए भी ज्यादा है कि मेडिकल कॉलेज के छात्र भी सावधान नहीं हैं। कर्नाटक के मेडिकल कॉलेज में १०० से ज्यादा छात्र कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। कम से कम सजग और पढ़े-लिखे लोगों को कोरोना संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं छोड़ना चाहिए, ताकि देश में बाकी लोग भी सावधानी बरतें।

यह बड़ी कामयाबी पूरे देश के किसानों की जीत नहीं

संभवत: राजनीतिक वजहों से तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला किया गया है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह जरूर कहा कि सरकार कुछ किसानों को समझा न सकी, पर आम धारणा यही बनी है कि आने वाले विधानसभा चुनावों में किसान आंदोलन के पड़ने वाले असर को देखते हुए सरकार ने अपने कदम पीछे खींचे हैं। पंजाब में बेशक भाजपा का सीधे तौर पर बहुत कुछ दांव पर नहीं है, लेकिन उत्तर प्रदेश उसके लिए काफी अहमियत रखता है। यहां विशेषकर पश्चिमी हिस्से में किसान आंदोलन खासा असरंदाज है।

हालांकि, कई अच्छे प्रावधानों के बावजूद इन कृषि कानूनों में कुछ खामियां थीं। इनमें खेती-किसानी के नियम समान रूप में देश भर में लागू करने की वकालत की गई थी, जबकि अलग-अलग इलाकों में किसानों की अलग-अलग समस्याएं हैं। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जरूरी है, तो महाराष्ट्र और गुजरात में बाजार महत्वपूर्ण हैं। मगर ये कानून एमएसपी को खत्म कर रहे थे और ऑनलाइन कारोबार को बढ़ावा दे रहे थे, जिसकी अपनी मुश्किलें हैं। यही वजह है कि कानून वापसी को पूरे देश के किसानों की जीत नहीं कह सकते। क्षेत्रवार किसानों की अलग-अलग जरूरतें हैं। इतना ही नहीं, सुधार की प्रक्रिया धीमी गति से आगे बढ़ती है, इसे छड़ी से नहीं हांका जा सकता, जबकि इन कानूनों को संभवत: जोर-जबर्दस्ती से लागू करने की कोशिश की गई। यहां तक कि संसद में एक दिन में ही बिना किसी बहस से इनको पारित करा लिया गया।

नीति आयोग के सदस्य रमेश चांद ने इस बाबत एक फ्रेमवर्क तैयार किया था कि इन कानूनों को किस तरह से लागू करना चाहिए, ताकि इनका पूरा लाभ मिल सके। ये कानून मूलत: माल ढुलाई और व्यापार के माध्यम से किसानों को लाभ देते। मगर तकरीबन दो साल के कोविड संक्रमण-काल में आवागमन की व्यवस्था सुगम नहीं थी, इसलिए रमेश चांद ने राज्य सरकारों से पर्याप्त विचार-विमर्श के बाद ही इन कानूनों को लागू करने की बात कही थी। अगर अब भी इस फ्रेमवर्क पर काम हो, तो किसानों को लाभ हो सकता है, और कृषि सुधार की सरकार की मंशा भी पूरी हो सकती है।

खेती-किसानी के हित में अब सरकार को कुछ अन्य कदम उठाने चाहिए। जैसे, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे इलाकों में एमएसपी के लिए पर्याप्त साधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए। यहां सरकारी खरीद भी तय वक्त पर होनी चाहिए। गुजरात में न्यूनतम समर्थन मूल्य कितना महत्वपूर्ण है, यह कहना तो मुश्किल है, लेकिन तिलहन की खेती में सरकार को जरूर मदद करनी चाहिए। रही बात छोटे किसानों की, तो उनकी समस्याएं कई बार दूसरे कारकों से जुड़ी होती हैं। इसलिए, देश भर में कृषक उत्पादक कंपनियां बननी चाहिए, जो कृषि उत्पादन कार्य में लगी हों और खेती-किसानी से जुड़ी व्यावसायिक गतिविधियां चलाएं।

किसानों की एक बड़ी समस्या यह भी है कि उनको अपनी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। इसकी एक वजह यह है कि सरकार कई उत्पाद विदेश से मंगवा लेती है। इस पर अब रोक लगनी चाहिए। जैसे, जब घरेलू दालें बाजार में आ रही हों, तब सरकार इनका आयात करने या सीमा-शुल्क कम करने का फैसला न ले। कारोबार की शर्तें भी किसानों के खिलाफ जाती रही हैं। कृषि कानूनों में उचित ही यह प्रावधान था कि किसान अपनी मर्जी से फसल बेचता, पर अगर सरकार की मंशा कृषि सुधार है, तो वह अब भी ऐसे उपाय कर सकती है कि किसानों को अपनी फसल का उचित मूल्य मिले या बाजार समिति उनकी उपज को उचित दाम पर खरीदे।

जाहिर है, कानूनों के इतर भी काफी कुछ किया जा सकता है। खासकर धान, गेहूं जैसी बड़ी फसलों पर एमएसपी व्यावहारिक तौर पर लागू होनी चाहिए। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों को इससे लाभ होगा। इसी तरह, देश के बाकी हिस्सों में बाजार मजबूत बनाने होंगे। किसानों की सहकारी संस्थाएं भी बननी चाहिए। खासकर छोटे किसानों की संस्थाएं अगर नहीं बनाई गईं, तो वे बाजार में अपने हित नहीं ढूंढ़ पाएंगे या आढ़तियों के हाथों के खिलौने बनकर रह जाएंगे। कृषि सुधार के लिए हमें कानूनी तरीकों के साथ-साथ व्यावहारिक कदम उठाने होंगे, तभी किसानों की आमदनी को दोगुना करने का लक्ष्य हम पा सकेंगे। इसके लिए छोटे और सीमांत किसानों की कृषक उत्पादक कंपनियों को हमें विशेष प्रोत्साहित करना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

घट गई कोरोना से मरनेवालों की संख्या

मुंबई : कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बाद राज्य में मौत का आंकड़ा दिन-ब-दिन कम होता जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यह बड़ी राहत की बात है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि विश्व के लिए घातक बन रहे डेल्टा वैरिएंट के मामले जिन जिलों में सामने आए थे, वहां नवंबर में महज एक मरीज की मौत का जिक्र आंकड़ों में किया गया है, वहीं स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य के १५ जिलों में नवंबर महीने में एक भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

राज्य के अकोला, अमरावती, गोंदिया, गडचिरोली, नागपुर, भंडारा, बुलढाणा, यवतमाल और वाशिम जिलों में डेल्टा वैरिएंट के मामले सामने आए थे। उस समय यह भी कहा गया था कि विश्व में डेल्टा वैरिएंट का पहला मामला अमरावती में सामने आया। हालांकि जानकारों का कहना है कि अभी इस बारे में पूरी तरह से पता नहीं चल पाया है। एक ही सर्कल के शेष जिलों चंद्रपुर और वर्धा में दो-दो मामले सामने आए, जिसमें एक की मौत हुई है। उत्तरी महाराष्ट्र के तीन जिलों धुले, नंदुरबार जलगांव और मराठवाड़ा के हिंगोली और नांदेड़ जिले में कोविड से एक भी मौत की सूचना नहीं है। कोकण क्षेत्र के एकमात्र जिले पालघर में अब तक महामारी से कोई भी मौत नहीं हुई है। राज्य के अधिकारियों के अनुसार इनमें **(पृष्ठ ३ पर)**

आरे कॉलोनी में तांबा चुराकर बेचने के चलते गायब हो जा रहे हैं स्ट्रीट लाइट के बल्ब

मुंबई : करीब १६ वर्ग किलोमीटर में फैले आरे कॉलोनी में इन दिनों ५० हजार से अधिक लोग २८ बस्तियों में रह रहे हैं। इन इंसानी बस्तियों में पिछले दिनों तेंदुए ने कोहराम मचा रखा था। तेंदुए के हमले से ७ लोग जख्मी हुए थे, लेकिन गनीमत रही कि किसी की जान नहीं गई। मामले के तूल पकड़ने के बाद स्थानीय आरे पुलिस और आरे प्रशासन पर चौतरफा दबाव पड़ा और आनन-फानन में प्रशासन ने आरे कॉलोनी स्थित बस्तियों तक पहुंचने वाले रास्तों पर स्ट्रीट लाइट लगवाने का आदेश जारी कर दिया। कुछ बस्तियों तक तो लाइट पहुंच गई, लेकिन आज भी अधिकांश बस्तियां

अंधेरे में हैं। शिकायतें मिली हैं कि यहां लोग बिजली के बल्ब निकालकर उनसे तांबा चुरा रहे हैं।

स्थानीय रहिवासी धनपत लांडे के मुताबिक, प्रशासनिक लापरवाही के कारण उनके रास्तों पर स्ट्रीट लाइट नहीं लगाई गई है। आज भी बच्चों को शाम ढलने से पहले घरों में बंद कर दिया जाता है। तेंदुए और जंगली जानवरों के डर से लोग सूरज डूबने से पहले ही बस्तियों में लौट आते हैं। हालांकि, नैशनल पार्क के मुख्य अधिकारी सुनील लिमये का कहना है कि आरे कॉलोनी समेत अन्य वन्य क्षेत्रों में प्रकाश की व्यवस्था करने के लिए प्रशासन द्वारा पहल की जा रही है। काफी रास्तों पर स्ट्रीट लाइट भी लगा दी गई हैं।

कथित तौर पर इंसानों पर हमला करने वाले तेंदुए सी-३२ को पकड़ भी लिया गया है। इसलिए अब लोगों को बिना किसी डर के रहना चाहिए। स्ट्रीट लाइट की खराबी और बिजली नहीं रहने के बारे में आरे प्रशासन की दलील है कि यहां स्ट्रीट लाइट के लिए लगाए गए तार और बल्बों की चोरी होती है। हमारे कर्मचारी पोल पर लाइट लगा देते हैं और चोर उन पोलों पर चढ़कर तार काटकर ले जाते हैं। चोरी की शिकायतें मिलने के बाद से पुलिस भी सतर्कता बरत रही है। आरे पुलिस चोरी करने वालों को पकड़ने के लिए खास अभियान चला रखी है। सूत्रों के अनुसार, इस अभियान के तहत आधे दर्जन से अधिक चोरों को पकड़ा गया है, जो स्ट्रीट लाइट के खंभों से तार चुराकर उसमें से तांबा निकालकर बेच दिया करते थे।

इसलिए स्थानीय पुलिस अब आरे प्रशासन के साथ मिलकर दोषियों को पकडऩे के लिए चिह्नित स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवा रही है। इसके अलावा बस्ती स्तर पर एक समूह बनाकर उनकी मदद ली जा रही है। जंगली जानवरों से बचाव एवं स्ट्रीट लाइट की देखभाल के अलावा छोटे-छोटे बच्चों की सुरक्षा एवं कुत्ते-बिल्ली जैसे जानवरों की तेंदुए या अन्य मांसाहारी जानवरों से रक्षा के लिए विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन कर रही है।

घट गई कोरोना से मरनेवालों की... (पृष्ठ २ का शेष)

से कुछ जिले घनी आबादीवाले नहीं हैं, जिसका लाभ इन्हें हुआ है। नवंबर महीने में राज्य में ५९१ मौतें दर्ज की गईं, जो अक्टूबर में १,०१३ और सितंबर में १,६४५ थीं। राज्य में दूसरी लहर का असर मार्च से ही महसूस किया जाने लगा था। फरवरी महीने में जहां कोरोना से १,४६३ मौतें हुई थीं, वह मार्च में बढ़कर ६,०७० पर पहुंच गई। कोरोना से सबसे अधिक अप्रैल में २९,५५१ और मई में २८,६६४ मौतें हुईं।

दो जिलों में अप्रैल से जून तक नहीं हुई मौत : धुले और भंडारा में अप्रैल और जून से महामारी से एक भी मौत नहीं हुई, वहीं नंदुरबार और वाशिम जिलों में पिछले ९० दिनों में कोविड से किसी की मौत नहीं हुई है। राज्य के विश्लेषण से पता चलता है कि १६ नवंबर तक सबसे ज्यादा मौतें छह जिलों में हुई हैं। इनमें मुंबई में सर्वाधिक ४९, नगर में ४६, सातारा में २५, पुणे में २३, रायगढ़ में १४ और ठाणे में भी १४ लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही अन्य १४ जिलों में मौतों का आंकड़ा इकाई पर दर्ज किया गया।

नालासोपारा से चलता था बांग्लादेशी... (पृष्ठ १ का शेष)

और गरीब लड़कियों को घरेलू काम करने के बहाने यहां बुलाकर देहव्यापार कराता था।

लड़कियों को अवैध तरीके से बॉर्डर पार कराता था। इसके बाद पहले कोलकाता फिर मुंबई लाया जाता था। यहां से देश के अलग-अलग क्षेत्रों में भेजा जाता था। पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी पिछले १० साल में कई बांग्लादेशी लड़कियों को देह व्यापार के धंधे में धकेल चुका है। मध्यप्रदेश के अलावा देश के विभिन्न राज्यों में एजेंट बना रखे हैं। मुंबई, पुणे, पालघर, सूरत, अमदाबाद, चेन्नई, बंगलुरु, हैदराबाद, जयपुर, उदयपुर आदि बड़े शहरों में भी उसने एजेंटों के जरिए लड़कियां सप्लाई की हैं। तस्करी कर लाई गई लड़कियों को दिन में ६ से ७ ग्राहकों से संबंध बनाने के लिए दबाव डाला जाता था। इनकी क्षमता बढ़ाने के लिए ड्रग्स की लत लगाए जाने की बात खुद गिरफ्तार सरगना ने की है। पुलिस के अनुसार गिरोह की जानकारी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों को भी दी गई है। गिरोह के पर्दाफाश होने के बाद नालासोपारा के कुछ पुलिस अधिकारियों के फोन भी इंदौर पुलिस के पास आए, जिन्होंने बताया कि नालासोपारा पुलिस चौकी के सामने ही गिरोह संचालित हो रहा था। मुंबई पुलिस भी गिरोह के आरोपियों की तलाश कर रही है।

अनिल देशमुख की तरह मुझे भी... (पृष्ठ १ का शेष)

कैसे हो सकती है? मुंबई के स्थानीय निकाय से सत्यापित दस्तावेजों के साथ वह यह दावा कर रहे हैं। नवाब मलिक ने यह भी कहा कि ''मैं उन दोनों के बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराऊंगा जो मेरे घर के बाहर तस्वीरें क्लिक करते हुए पाए गए थे। कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा उनके पास जाने की कोशिश करने के बाद उन्होंने भागने की कोशिश की। हालांकि, वे अपनी तस्वीरें लेने में कामयाब रहे, जिसे मैंने अपने ट्विटर हैंडल पर साझा किया है।''

राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री, गृहमंत्री ने... (पृष्ठ १ का शेष)

महानुभावों के साथ गणवेशधारी अधिकारी व पुलिस के जवानों ने शहीदों को सलामी दी। इसके बाद राज्यपाल ने यहां उपस्थित शहीद पुलिसवालों के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। कार्यक्रम का आयोजन मुंबई पुलिस की ओर से किया गया था। इस अवसर पर पर्यावरण व राजशिष्टाचार मंत्री आदित्य ठाकरे, गृह राज्यमंत्री शंभुराजे देसाई, मुख्य सचिव सीताराम कुंटे, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मनुकुमार श्रीवास्तव, गृह विभाग के प्रधान सचिव संजय सक्सेना, पुलिस महानिदेशक संजय पांडे व मुंबई के पुलिस आयुक्त हेमंत नगराले ने शहीदों को पुष्पचक्र अर्पण करके श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सहित सेवा निवृत्त पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

ट्रेन की २ बोगियों में आग एक बोगी जलकर खाक!

यात्रियों के सामान जले, कोई जनहानि नहीं

भोपाल : मध्य प्रदेश में उधमपुर एक्सप्रेस बर्निंग ट्रेन बन गई। ट्रेन की दो एसी बोगियों में आग लग गई, जिसमें से एक बोगी पूरी तरह जल गई। आस-पास की कुछ और बोगियों को आग में क्षति हुई। आग बुझाने के लिए ट्रेन को मुरैना के पास हेतमपुर

रेलवे स्टेशन पर रोका गया था। गनीमत है कि हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि कई यात्रियों का सामान जल गया। आग पर काबू पाने के बाद शाम पांच बजे के बाद ग्वालियर के लिए रवाना किया गया। इसके बाद वहां क्षतिग्रस्त डिब्बों को बदलने के लिए डिब्बों को तैयार कर दिया गया। आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है।

मिली जानकारी के मुताबिक आग ट्रेन २०८४८ दुर्ग-उधमपुर एक्सप्रेस में लगी। ट्रेन दिल्ली से दुर्ग की तरफ जा रही थी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की ५ गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग पर काबू पाने में जुट गईं।

उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ डॉ. शिवम शर्मा ने बताया कि ऊधमपुर-दुर्ग एक्सप्रेस के ए-१ और ए-२ डिब्बों में हेतमपुर रेलवे स्टेशन से निकलने के बाद अज्ञात कारणों से आग लगने की सूचना मिली। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। ट्रेन के आगे के हिस्से को अलग कर दिया गया है और दमकल की गाड़ी पहुंच गई है। इस ट्रेन को रोक दिया गया है और अन्य सभी ट्रेनें अपने मूल समय पर हैं।

उन्होंने बताया कि ट्रेन उधमपुर यानी वैष्णो देवी से दिल्ली होकर छत्तीसगढ़ जा रही थी। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया। इन डिब्बों को बाद में अलग कर लिया गया। इस बीच मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हादसे को लेकर ट्वीट किया। शिवराज ने लिखा कि दुर्ग-ऊधमपुर ट्रेन के दो एसी कोच में मुरैना-धौलपुर के पास आग लगने की खबर है। राहत की बात है कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। मौके पर रेलवे की टीम के साथ प्रदेश के फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम भी पहुंच गई, स्थिति पर हमारी लगातार नजर है।

एक दिसंबर से राज्य के... (पृष्ठ ४ का शेष)

गाइडलाइन तैयार की जाएगी। स्कूलों को तैयारी के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। इस संबंध में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की जाएगी। माता-पिता और अन्य हितधारकों को भी कोरोना से बचाव के निर्देश दिए जाएं। आरोग्यमय वातावरण में स्कूलों को सुरक्षित रूप से शुरू करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

छात्रों के लिए तैयार किया जाएगा पूरक वातावरण

पहली के छात्रों ने अभी तक स्कूल का मुंह नहीं देखा है। ऐसे में उनके अभिभावकों से संवाद स्थापित कर स्कूलों में पूरक वातावरण तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही पहली से चौथी तक के छात्रों का वैक्सीनेशन शुरू होने तक नियमों और शर्तों के तहत स्कूलों को खोला जाएगा।

६ करोड़ रु. का माल बरामद के साथ तस्कर गिरफ्तार

व्हेल मछली की उल्टी परफ्यूम बनाने में किया जाता है उपयोग

मुंबई : व्हेल मछली की उल्टी से लोगों के करोड़पति होने की खबरें सुनी होंगी, लेकिन अब हिंदुस्थान में इसे लेकर चौंकानेवाला मामला सामने आया है। मुंबई पुलिस ने अवैध रूप से व्हेल मछली की उल्टी को (एंबरग्रीस) टिपिन बॉक्स के एक बैग में तस्करी करनेवाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पांच किलो ६५ ग्राम व्हेल मछली की उल्टी बरामद की गई है। उसकी कीमत करीब ६ करोड़ रुपए है। इसके साथ ही कुछ और सामग्री जप्त की गई है। ये तस्करी एक गिरोह द्वारा की जा रही है, जिसकी पुलिस छानबीन कर रही है।

जोन-१२ डीसीपी सोमनाथ घार्गे ने बताया कि एंबरग्रीस एक महंगा पदार्थ है, जिसका उपयोग परफ्यूम बनाने में किया जाता है। यह हिंदुस्थान में बिक्री के लिए प्रतिबंधित है क्योंकि शुक्राणु व्हेल वन्यजीव संरक्षण अधिनियम १९७२ के तहत एक संरक्षित प्रजाति है। आरे पुलिस स्टेशन को मुखबिरों से सूचना मिली कि आरे मार्केट में एक गिरोह व्हेल मछली की उल्टी बेचने आ रहा है। सूचना के आधार पर एक ३६ वर्षीय संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर जांच-पड़ताल करने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी माझल गांव पेण

का निवासी है।

इससे पहले मुंबई क्राइम ब्रांच ने जून महीने में व्हेल की उल्टी की तस्करी करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करों के पास से सात करोड़ ७५ लाख रुपए कीमत की स्पर्म व्हेल की उल्टी भी बरामद की है। इसी महीने में ठाणे से दो करोड़ रुपए से अधिक की दुर्लभ व्हेल 'एंबरग्रीस' बेचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से २ करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की व्हेल एंबरग्रीस जप्त की गई है।

विशेषज्ञों ने इसे एंबरग्रीस के रूप में पहचाना, शुक्राणु व्हेल के पेट के अंदर बननेवाला एक मोमी पदार्थ है, जो विशाल स्क्विड का शिकार करता है और खाता है। इस खेप की कीमत २ करोड़ रुपए आंकी गई थी। व्हेल की उल्टी को समुद्र का खजाना माना जाता है। इसकी कीमत सोने से भी कहीं ज्यादा बताई जाती है। इसके पीछे का कारण ये है कि इसमें एक बिना गंध का एल्कोहॉल मौजूद होता है, जिसका इस्तेमाल परफ्यूम की सुगंध को लंबे वक्त तक बरकरार रखने के लिए किया जाता है।

मुंबई में पिछले साल की तुलना में छह गुना बढ़े डेंगू का मरीज

मुंबई : पिछले साल की तुलना में इस साल मुंबई में डेंगू के मरीजों की संख्या छह गुना बढ़ गई है। मौजूदा समय में कोरोना महामारी के मामले कम हैं जबकि डेंगू जैसी बीमारियों के मरीज बढ़ते जा रहे हैं। हालांकि डेंगू से मरनेवालों का आंकड़ा फिलहाल इकाई अंक पर बना हुआ है, जो राहत देनेवाली बात है। मनपा द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक बीते साल शहर में डेंगू के मरीजों की संख्या १२९ थी, जो इस साल बढ़कर ८२१ पर पहुंच गई है। इसके साथ ही चिकनगुनिया के मामलों में भी वृद्धि दर्ज की गई है।

मौसमी बीमारियों ने इस साल सात लोगों की जान ली है। इसी तरह साल २०२० में १२ और २०१९ में २० लोगों की मौत मौसमी बीमारियों के चलते हुई थी। वहीं इस साल जनवरी और नवंबर के बीच शहर में ८२१ डेंगू

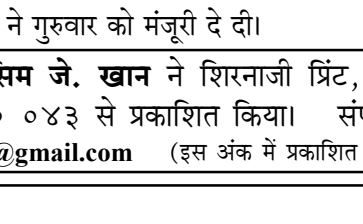

के मामले सामने आए, जबकि बीमारी से तीन मरीजों की मौत हुई है। पिछले साल डेंगू के १२९ मरीज सामने आए थे और ३ की मौत हो गई थी। साल २०१९ में ९२० और २०१८ में १,००३ मरीज डेंगू के मिले थे, वहीं साल २०२० में डेंगू की जांच में भारी गिरावट देखी गई। इसके अलावा लॉकडाउन में लगाए गए प्रतिबंधों के कारण लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे थे। इसके चलते पिछले साल डेंगू के कम मरीज मिले थे।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बेमौसम बारिश और बदलते पर्यावरण के चलते मरीजों की संख्या बढ़ी है। डेंगू मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए कई तरह के उपाय किए जा रहे हैं। हालांकि यह किसी चुनौती से कम नहीं है। मुंबई के स्लम इलाकों में १८ लाख से ज्यादा ड्रमों में पानी भरकर रखा जाता है, जो मच्छरों का संभावित स्त्रोत हो सकता है।

चिकनगुनिया के भी बढ़े मामले

डेंगू फैलानेवाले एडीज एजिप्टी मच्छर के कारण होनेवाली वायरल बीमारी चिकनगुनिया में ६० रोगियों की वृद्धि देखी गई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक इस साल बीमारी में इजाफा हुआ है। विशेष रूप से हेपेटाइटिस ए में उल्लेखनीय कमी आई है। इस साल इसके २५८ मरीज मिले, जबकि साल २०२० में २६३ पाए गए थे।

एक्शन में पालघर का स्वास्थ्य विभाग!

निजी अस्पताल अब नहीं वसूल पाएंगे मनमाने चार्ज

पालघर : जिले के ग्रामीण भागों में निजी अस्पताल मरीज या उनके परिजनों ने मनमानी फीस नहीं वसूल सकेंगे। अब निजी अस्पतालों पर पालघर का स्वास्थ्य विभाग शिकंजा कसने जा रहा है। पालघर जिले के ग्रामीण इलाकों में कुछ निजी अस्पतालों और डॉक्टरों द्वारा मरीजों से मनमाना चार्ज वसूले जाने की शिकायत मिलने के बाद जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दयानंद सूर्यवंशी ने निजी अस्पतालों व डॉक्टरों को अस्पतालों के बाहर सरकार द्वारा तय किए गए रेट चार्ज का बोर्ड लगाने का निर्देश दिया है। बोर्ड को अस्पताल के ठीक सामने लगाना होगा, जिसमें डॉक्टर की फीस के साथ-साथ ऑपरेशन रूम, सर्जरी शुल्क, बेड चार्ज सहित अन्य चार्जों को मराठी भाषा में लिखना अनिवार्य होगा। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल की लोगों ने सराहना करते हुए कहा कि इससे आदिवासियों और गरीबों को बड़ी राहत मिलेगी। डॉक्टर दयानंद सूर्यवंशी ने कहा कि प्रारंभिक चरण में इस आदेश को जारी करने के बाद, तालुका चिकित्सा अधिकारी को इस बात की जांच के आदेश दिए गए हैं कि निजी अस्पतालों के बाहर चार्ज के बोर्ड लगाए गए हैं या नहीं। जिन अस्पतालों के बाहर बोर्ड नहीं लगाए गए, उन्हें पहली बार चेतावनी दी जाएगी। दोबारा नियमों के उल्लंघन पर उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि डॉक्टरों के ज्यादा चार्ज वसूले जाने की शिकायत पालघर नागरिक कृति समिति ने की थी।

एक दिसंबर से राज्य के सभी स्कूलों में बजेगी घंटी

शहरी क्षेत्र में पहली से ७वीं और ग्रामीण में पहली से चौथी की चलेंगी कक्षाएं

मुंबई : पिछले दो साल से बंद राज्य के सभी स्कूलों में एक बार फिर छोटे छात्रों की चहचहाहट गूंजेगी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के छात्र जिन्होंने कोरोनाकाल में कभी स्कूल का चेहरा नहीं देखा है, वे अब स्कूल जा सकेंगे। राज्य के सभी स्कूल अगले बुधवार यानी एक दिसंबर से खुल जाएंगे। हालांकि बच्चे को स्कूल भेजने का निर्णय उनके माता-पिता पर निर्भर होगा। छात्र को माता-पिता की सहमति के बाद ही स्कूल में प्रवेश मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग और चाइल्ड टास्क फोर्स ने पहले ही सभी स्कूलों को शुरू करने के लिए हरी झंडी दे दी थी। हालांकि स्कूल शुरू करने पर अंतिम फैसला मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की सहमति के बाद ही राज्य कैबिनेट की बैठक में लिया जाना था। आखिरकार स्कूल शिक्षा विभाग के प्रस्ताव को कैबिनेट ने गुरुवार को मंजूरी दे दी।

शुरू हैं ८-१२वीं तक की कक्षाएं : राज्य के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आठवीं से बारहवीं की कक्षाएं शुरू हैं। उस समय जारी दिशा-निर्देश विस्तार में है। स्कूलों के लिए एहतियाती उपाय और गाइडलाइन जल्द ही जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही स्कूल शुरू करने का निर्णय स्थानीय मनपा प्रशासन के नेतृत्व में लिया जाएगा।

तैयारी के लिए एक सप्ताह का समय : शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, कैबिनेट मंत्रियों और टास्क फोर्स से चर्चा के बाद एक दिसंबर से राज्य के सभी स्कूलों को शुरू करने का निर्णय लिया गया है। स्कूल शुरू होने से पहले उनके लिए **(पृष्ठ ३ पर)**

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : ११ अंक : १६ मुंबई, शुक्रवार, १७ दिसंबर से २३ दिसंबर २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

५जी टेस्टिंग की समस्या होगी हल

एयरटेल-कैपजेमिनी मिलकर करेंगे काम

मुंबई : देश में ५जी सेवा लाने के लिए कई कंपनिया तैयार हैं। कुछ कंपनियां टेस्टिंग में भी जुटी हैं लेकिन कई कंपनियों को ५जी टेस्टिंग के दौरान परेशानियां भी आ रही हैं। ऐसे में ५जी की समस्या को हल करने के लिए एयरटेल और कैपजेमिनी एक साथ आए हैं। वे भारतीय बाजार में विभिन्न उद्यमों के लिए ५जी पर आधारित सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से साथ मिलकर काम करेंगे।

एयरटेल और कैपजेमिनी, दोनों कंपनियां कनेक्टिविटी एवं ५जी सॉल्यूशंस के साथ-साथ सिस्टम इंटीग्रेशन की अपनी क्षमताओं एवं अनुभव का भरपूर लाभ उठाते हुए, भारतीय उद्यमों पर केंद्रित यूज केसेस के लिए साथ मिलकर इनोवेशन को आगे बढ़ाएंगी। मुंबई में स्थित कैपजेमिनी की ५जी लैब, तथा मानेसर में स्थित एयरटेल की ५जी लैब इस उद्देश्य के लिए विकास केंद्र की भूमिका निभाएंगे। कैपजेमिनी की ओर से एयरटेल की ५जी लैब में दो ५जी यूज केसेस को पहले ही स्थापित किया जा चुका है। ये जमीनी स्तर पर काम-काज के संचालन तथा रखरखाव के लिए स्मार्ट हेल्थ एवं इमर्सिव रिमोट असिस्टेंस पर केंद्रित हैं। ये यूज केस सॉल्यूशंस, कंप्यूटर विजन, वीडियो एनालिटिक्स, ऑगमेंटेड रियलिटी और आईएल टेक्नोलॉजीज का लाभ उठाते हैं।

सीसीटीवी की निगरानी में होगा महिला यात्रियों का लोकल सफर!

मुंबई : लोकल ट्रेन में महिला यात्रियों के साथ होनेवाले अपराध पर अंकुश लगाने के लिए रेलवे ने लोकल के महिला डिब्बों में सीसीटीवी कैमरा लगाने की योजना बनाई थी। कोरोना काल में इस परियोजना की गति धीमी हो गई थी, जिसे अब फिर से गति देने का काम रेलवे ने तेज कर दिया है। जनवरी २०२२ के अंत तक लोकल के सभी महिला डिब्बों में सीसीटीवी लगाने का काम पूरा हो जाएगा। जिसके बाद लोकल की महिला यात्रियों का सफर सीसीटीवी की निगरानी में होगा, ऐसी जानकारी मध्य रेलवे आरपीएफ ने दी है।

सफर के दौरान महिला यात्रियों पर हमला, छेड़छाड़, विनयभंग आदि की घटना होने से महिला यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे थे। इसे ध्यान में रखते हुए रेलवे ने लोकल के महिला डिब्बों में सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्णय लिया था। पश्चिम रेलवे ने सर्वप्रथम साल २०१५ में महिला डिब्बों में सीसीटीवी कैमरा लगाने की शुरुआत की थी। इसके बाद मध्य रेलवे ने इस योजना को अमल में लाया है। एक १२ डिब्बा लोकल में सेकंड क्लास महिला के तीन डिब्बे और प्रथम श्रेणी के महिला तीन छोटे डिब्बे होते हैं। लोकल के प्रत्येक महिला डिब्बे में एक से दो कैमरा लगाने की योजना है।

महिला डिब्बों में लगे १५५ कैमरे : मध्य रेलवे में लोकल ट्रेनों में कुल ७८८ सीसीटीवी कैमरों को लगाने की योजना है, इनमें से १५५ कैमरे लगा दिए गए हैं। मार्च २०२० से कुछ महीनों के **(पृष्ठ ३ पर)**

इंद्राणी मुखर्जी ने किया दावा, शीना बोरा जिंदा है, सीबीआई कश्मीर में करे तलाश

मुंबई : अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या के आरोप में गिरफ्तार इंद्राणी मुखर्जी ने दावा किया है कि वह (शीना) जिंदा है। मुखर्जी के वकील ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

मुखर्जी ने पिछले महीने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक को एक पत्र लिखा है और एजेंसी से कहा है कि वह कश्मीर में शीना की तलाश करे।

मुखर्जी ने पत्र में दावा किया है कि एक महिला सरकारी अधिकारी ने उससे कहा है कि उसने बोरा को श्रीनगर में टीकाकरण कराने के दौरान देखा था। इंद्राणी २०१५ से मुंबई की भायखला महिला जेल में बंद है।

संपर्क करने पर सीबीआई के एक अधिकारी ने इसपर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। वकील ने कहा कि मुखर्जी २८ दिसंबर को यहां विशेष सीबीआई अदालत में इस संबंध में एक आवेदन दायर करेंगी। उसी दिन मामले की सुनवाई की अगली तारीख है। **(पृष्ठ ३ पर)**

महाराष्ट्र बोर्ड की में दसवीं और बारहवीं की परीक्षा होगी ऑफलाइन : वर्षा गायकवाड

मुंबई : महाराष्ट्र बोर्ड की एसएससी और एचएससी की सत्र २०२१-२२ की बोर्ड परीक्षाएं ऑफलाइन होंगी। शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड के मुताबिक, १०वीं और १२वीं की बोर्ड परीक्षा १४ फरवरी से ७ अप्रैल के बीच होंगी। १२वीं बोर्ड की लिखित परीक्षा ४ मार्च से ७ अप्रैल तक और मौखिक परीक्षा १४ फरवरी से ३ मार्च तक होगी। १०वीं बोर्ड की लिखित परीक्षा १५ मार्च से १८ अप्रैल तक और

मौखिक परीक्षा २५ फरवरी से १४ मार्च तक होगी। परीक्षा पैटर्न और मूल्यांकन पहले की तरह ही होगा।

आईने में छिपा था डांस बार के गुप्त तहखाने का रास्ता, मुंबई पुलिस ने १७ महिलाओं को ऐसे किया रेस्क्यू

मुंबई : मुंबई के अंधेरी में एक डांस बार के तहखाने से पुलिस ने १७ महिलाओं को बचाया है। सभी महिलाएं एक गुप्त तहखाने के अंदर पाई गईं, जो एक मेकअप रूम से जुडा था। घटना अंधेरी के दीपा बार की है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि इस बार में ग्राहकों के सामने महिलाओं से अश्लील डांस कराया जाता है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने बार में बने बाथरूम, स्टोरेज रूम और किचन की तलाशी ली, लेकिन वहां से कोई महिला नहीं मिली। महिलाओं के बारे में पुलिस ने बार के मैनेजर, कैशियर और वेटर से भी पूछताछ की, लेकिन उन्हें असफलता हाथ लगी।

इसी दौरान पुलिस को मेकअप रूम में एक बडा आईना दिखा। आईने को हटाने के लिए पुलिस ने तमाम कोशिशें कीं, जिसमें असफल रहे। इसके बाद पुलिस ने उस आईने को हथौड़े से तोडा, तो उसके पीछे एक गुप्त तहखाने की ओर जाने वाला रास्ता दिखाई दिया। इस रास्ते से अंदर जाने पर पुलिस को एक कमरे में १७ बार बालाएं दिखाई दीं, जिन्हें रेस्क्यू किया गया। अंधेरी पुलिस ने बार मैनेजर, कैशियर और अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर किया है।

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

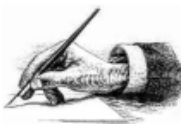

विवाह की उम्र

भारत में महिलाओं के लिए शादी की न्यूनतम उम्र १८ से बढ़कर २१ होने वाली है, इस फैसले पर बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मुहर लग गई। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिशा में इशारा कर दिया था। प्रधानमंत्री ने तब कहा था, 'सरकार बेटियों और बहनों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। बेटियों को कुपोषण से बचाने के लिए जरूरी है कि उनकी सही उम्र में शादी हो।' इसके लिए एक टास्क फोर्स की स्थापना हुई थी, जिसमें स्वास्थ्य मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, कानून मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। टास्क फोर्स ने पुरजोर तरीके से कहा था कि पहली गर्भावस्था के समय किसी महिला की आयु कम से कम २१ साल होनी चाहिए। देर से विवाह होने पर परिवारों की वित्तीय, सामाजिक और स्वास्थ्य की स्थिति मजबूत होती है। देर से शादी होने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि लड़कियों को ज्यादा पढ़ने और आजीविका चुनने का मौका मिलता है। जगजाहिर है कि बड़ी संख्या में लड़कियों की पढ़ाई शादी की वजह से बाधित होती है।

मंत्रिमंडल से मंजूरी के बाद भी लड़कियों के लिए शादी की न्यूनतम उम्र को २१ करने की प्रक्रिया में वक्त लग सकता है, क्योंकि इसके लिए अनेक बदलाव करने पड़ेंगे। बाल विवाह निषेध अधिनियम, विशेष विवाह अधिनियम और हिंदू विवाह अधिनियम में बदलाव जरूरी हैं। कानून में बदलाव के बाद सरकारों को महिलाओं की स्थिति सुधारने पर और ध्यान देना होगा। बेशक, विगत दशकों में बाल विवाह पर काफी हद तक रोक लगी है। लड़कियों की सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और स्वास्थ्य की स्थिति में काफी सुधार आया है, लेकिन अभी भी समाज में एक बड़ा तबका है, जो १८ साल की न्यूनतम विवाह उम्र को नहीं मान रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के २०२० के आंकड़ों के अनुसार, बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत कुल ७८५ मामले दर्ज किए गए थे। ध्यान रहे, ये दर्ज मामले हैं, वास्तविक बाल विवाह के मामलों की संख्या बहुत ज्यादा होगी। जो राज्य विकास के मामले में कुछ आगे निकल रहे हैं, वहां लड़कियां स्वयं भी बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाने लगी हैं। यदि विवाह की न्यूनतम आयु २१ वर्ष होती है, तो सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि लड़कियों का मनोबल बढ़ेगा। वे बाल विवाह जैसे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का साहस करेंगी। परिवार व समाज को बेटी के २१ साल की होने का इंतजार करना पड़ेगा। यहां यह भी जरूर कहना चाहिए कि कानून बनाने से ज्यादा जरूरी है, उसे संपूर्णता में लागू करना। परिवार व समाज को बेटियों के व्यापक विकास के लिए ज्यादा ईमानदारी से सोचना चाहिए। अब भारत में पुरुष और महिला, दोनों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु सीमा २१ हो जाएगी। यहां तक कि अमेरिका में भी ऐसी उच्च सीमा नहीं है। वहां साल २००० से २०१५ के बीच अवयस्कों के दो लाख से ज्यादा वैध विवाह दर्ज हुए थे। लेकिन वह अलग तरह के सामाजिक ढांचे वाला अमीर शिक्षित देश है, जबकि भारत में सामाजिक ढांचा दूसरी तरह का है, यहां कानून बनाकर और उसे ढंग से लागू करके ही आदर्श समानता व समावेशी विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है।

हेलीकॉप्टर क्रैश में जान गंवाने वाले 11 सैन्यकर्मी कौन थे? जानें उनके बारे में सबकुछ

तमिलनाडु में कुन्नूर के निकट बुधवार को हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना में सीडीएस जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका रावत के अलावा, जिन ११ सैन्य कर्मियों की जान चली गई। इस दुर्घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। कल देर शाम सभी जवानों के पार्थिव शरीर को दिल्ली लाया गया।

पालम एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और एनएसए अजित डोभाल सहित कई लोगों ने श्रद्धांजलि दी। आज जनरल रावत और उनकी पत्नी का अंतमि संस्कार किया जाएगा।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान गंवाने वाले ११ सैन्यकर्मियों के परिचय

ब्रिगेडियर एल. एस. लिद्दर : उन्हें दिसंबर १९९० में जम्मू-कश्मीर राइफल्स (जेएकेआरएफ) में शामिल किया गया था। ब्रिगेडियर लिद्दर ने कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के साथ जेएकेआरएफ की एक बटालियन की कमान संभाली थी। उन्होंने भारत की उत्तरी सीमाओं पर एक ब्रिगेड की कमान भी संभाली। उन्होंने सैन्य संचालन निदेशालय में निदेशक के रूप में कार्य किया। ब्रिगेडियर लिद्दर जनवरी २०२१ से सीडीएस के रक्षा सहायक थे। उन्हें मेजर जनरल रैंक देने को मंजूरी दी जा चुकी थी। उन्हें एक डिविजन का प्रभार संभालना था। ब्रिगेडियर लिद्दर के परिवार में पत्नी गीतिका लिद्दर और बेटी आशना लिद्दर है। उनका जन्म २६ जून १९६९ को हुआ था।

लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह : १७ अप्रैल, १९७८ को जन्मे हरजिंदर सिंह को सितंबर २००१ में भारतीय सेना में शामिल किया गया था। उन्होंने गोरखा राइफल्स रेजिमेंट में रहते हुए देश के उत्तर-पूर्व में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) और जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भी काम किया। लेफ्टिनेंट कर्नल सिंह ने सिक्किम स्काउट्स के साथ-साथ कोर मुख्यालय में एक स्टाफ अधिकारी के रूप में कार्य किया। उन्होंने देहरादून में भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में प्रशिक्षक के रूप में भी सेवाएं दीं। उनके परिवार में पत्नी मेजर (रिटायर्ड) एग्नेस पी मेनेजेस और बेटी प्रीत कौर हैं।

हवलदार सतपाल राय : सतपाल राय गोरखा राइफल्स रेजिमेंट का हिस्सा थे। वह मार्च २००२ में भारतीय सेना में भर्ती हुए। उन्होंने सियाचिन, नौशेरा, नगालैंड और साथ ही मणिपुर में भी सेवाएं दी। उनका बेटा पिछले एक साल से उसी यूनिट में सेवारत है, जहां वह कार्यरत थे।

नायक गुरुसेवक सिंह : गुरुसेवक सिंह पैरा स्पेशल फोर्सेज का हिस्सा थे। वह मार्च २००४ में भारतीय सेना में शामिल हुए थे। गुरुसेवक सिंह ने लद्दाख के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर में भी अपनी सेवाएं दीं। वह विध्वंस विशेषज्ञ और हथियार रहित युद्ध और करीब से होने वाली लडाई लडऩे में भी माहिर थे।

लांस नायक विवेक कुमार : विवेक कुमार पैरा स्पेशल फोर्सेज का हिस्सा थे। वह दिसंबर २०१२ में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ चीन सीमा पर भी सेवाएं दीं। लांस नायक कुमार कॉम्बैट फ्री फॉल के विशेषज्ञ थे। वह संचार विशेषज्ञ होने के साथ-साथ हथियार रहित युद्ध में भी माहिर थे।

लांस नायक जितेंद्र कुमार : लांस नायक जितेंद्र कुमार पैरा स्पेशल फोर्स का हिस्सा थे। वह मार्च २०११ में भारतीय सेना में शामिल हुए थे। उन्होंने भारत-पाक सीमा पर रेगिस्तानी इलाकों में सेवाएं दीं। उन्होंने पिथौरागढ. और जम्मू-कश्मीर के पास एलएसी पर भी काम किया। वह एक विशेषज्ञ स्नाइपर और संचार युद्ध के माहिर थे।

लांस नायक बी साई तेजा : बी साई तेजा पैरा स्पेशल फोर्स का हिस्सा थे। वह जून २०१३ में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में एलएसी पर अत्यधिक ऊंचे इलाके में अपनी सेवाएं दीं। लांस नायक तेजा मणिपुर और नगालैंड में आतंकवाद रोधी अभियान में भी शामिल थे। वह मिश्रित मार्शल आर्ट, हथियार रहित युद्ध, संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विशेषज्ञ थे।

विंग कमांडर पीएस चौहान : पीएस चौहान जून २००२ में एक हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में शामिल किया गया था और वह आगरा के रहने वाले थे।

स्क्वाड्रन लीडर कुलदीप : कुलदीप को जून २०१५ में एक हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था और वह राजस्थान के घरदाना खुर्द से ताल्लुक रखते थे।

जूनियर वारंट अधिकारी आर पी दास : आर पी दास जून २००६ में भारतीय वायुसेना में भर्ती हुए हुए थे और एक फ्लाइट इंजीनियर थे। वह अंगुल, ओडिशा के रहने वाले थे।

जूनियर वारंट अधिकारी ए प्रदीप : प्रदीप जनवरी २००४ में भारतीय वायुसेना में भर्ती हुए थे। वह एक फ्लाइट गनर थे। वह केरल के त्रिशूर से ताल्लुक रखते थे।

शादी का झांसा देकर करोड़ों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

२६ से ज्यादा महिलाओं को फंसाया

ठाणे : आपको रणवीर सिंह की फिल्म लेडीज वर्सेस रिकी बहल तो याद होगी ही, जिसमें अभिनेता लडकियों के साथ रिलेशन बना उनसे रुपए ठगता था। बिल्कुल इसी फिल्मी कहानी की तरह देश भर में घूम-घूम कर २० से ज्यादा महिलाओं से शादी का वादा करके उन्हें धोखा देने और उन्हें २.५ करोड़ रुपये का चूना लगाया। ठाणे पुलिस ने पुडुचेरी के एक निवासी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त डॉक्टर विनय कुमार राठौड़ ने पत्रकारों को बताया कि ठाणे शहर की रहने वाली एक महिला ने अपने साथ हुए धोखे की शिकायत दर्ज करायी थी। महिला ने कहा कि पिछले साल मैट्रिमोनियल वेबसाइट के माध्यम से एक व्यक्ति ने उससे संपर्क किया और दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी बने।

शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने दावा किया कि उसने पैरिस में एक होटल बेचा है और उसका पैसा भारतीय रिजर्व बैंक में फंसा हुआ है। आरोपी ने उस पैसे को निकलवाने के एवज में महिला से १६.८६ लाख रुपये लिए। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी ने महिला से दोगुनी राशि देने का वादा किया लेकिन उसके पैसे कभी नहीं लौटाए।

डीसीपी राठौड़ ने कहा कि कपूरबावडी पुलिस ने शिकायत के आधार पर धोखाधडी और बलात्कार का मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान प्राजीत जोगिश केजे ऊर्फ प्राजीत तयाल खालिद ऊर्फ प्राजीत टी.के. (४४) के रूप में हुई है और वह पुडुचेरी के ओडतिंगम माही का रहने वाला है।

एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने ठाणे आए प्राजीत को दो दिन पहले ही गिरफ्तार किया है। उसे अदालत में पेश किया गया जिसने उसे २० दिसंबर तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

अधिकारी ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि आरोपी ने केरल, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल सहित देश भर में यही तरीका अपना कर करीब २६ महिलाओं को धोखा दिया है और उनसे करीब २.५८ करोड़ रुपये ठगे हैं।

राठौड़ ने कहा कि आरोपी ने इसी तरीके से अन्य कई लोगों को भी चूना लगाया है। उन्होंने कहा कि पुलिस उसके दो साथियों को भी तलाश रही है।

विधायक हुआ सेक्सटॉर्शन का शिकार, अश्लील विडियो भेजकर की पैसों की मांग

मुंबई : दहिसर पुलिस ने सत्ताधारी पार्टी के एक विधायक की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ आईटी ऐक्ट समेत अन्य प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता शिवसेना के नेता हैं और वर्तमान में उत्तर मुंबई के एक विधानसभा चुनाव क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

पीड़ित विधायक ने शिकायत में बताया है कि ११ नंवबर से १७ नंवबर के बीच उन्हें किसी अज्ञात व्यक्ति ने कॉल किया था। ११ नंवबर को उस कॉलर ने उनके वॉट्सएप नंबर पर 'आप कैसे हो' संदेश भेजा था, जिसे उन्होंने नजरअंदाज किया। इसके बाद १३ नंवबर को भी सामने वाले ने उन्हें मेसेज किया, जिसे उन्होंने व्यस्तता के कारण नजरअंदाज किया। इसके बावजूद उस अज्ञात व्यक्ति ने १६ नंवबर को उनके वॉट्सएप पर विडियो कॉल किया। इसे भी उन्होंने गंभीरता से नहीं लिया।

लेकिन, १७ नंवबर को लगातार विडियो कॉल और मेसेज आने की वजह से उन्होंने सोचा कि कोई व्यक्ति अतिआवश्यक कार्य से लगातार कॉल एवं मेसेज कर रहा है। यह सोचकर जैसे ही विडियो कॉल रीसिव किया, एक महिला दिखाई दी, जो अश्लील हरकत करती हुई नजर आई। उन्होंने तुंरत कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया। मगर, उसके अगले दिन एक अनजान नंबर से विडियो आया, जिसमें उनका मॉर्फ अश्लील विडियो था। धमकी भरा एक संदेश भी आया, जिसमें उनसे ५ हजार रुपये मांगे गए थे। नहीं देने पर विडियो वायरल करने की धमकी थी।

महाराष्ट्र में ओबीसी कोटे पर घमासान... (पृष्ठ 4 का शेष)

स्थगित करने की गुहार लगाएगी, जब तक राज्य ओबीसी का इंपेरिकल डेटा एकत्र नहीं कर लेता। इससे पहले, बुधवार को राज्य सरकार को उस वक्त बडा झटका लगा, जब सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की अपील को ठुकराते हुए राज्य चुनाव आयोग को एक सप्ताह के भीतर ओबीसी के लिए रिजर्व २७ फीसद सीटों को जनरल कैटगरी में नोटिफाई करने का निर्देश जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ओबीसी कोटा के लिए एक कमीशन के गठन किए बिना और इंपेरिकल डेटा एकत्र किए बिना ओबीसी रिजर्वेशन लागू नहीं किया जा सकता है।

महाठग के जाल में फंसी... (पृष्ठ 4 का शेष)

को १.५ लाख अमेरिकी डॉलर का लोन दिया और उनके भाई के एकाउंट में १५ लाख रुपए ट्रांसफर किए। सुकेश ने घोड़ा खरीदकर जैकलीन को गिफ्ट कर दिया। सुकेश ने तीन डिजाइनर बैग, गुच्ची की दो ड्रेस, लुइस विटन के एक जोड़ी जूते, दो जोड़ी हीरे की इयर रिंग भी दिए।

इंद्राणी मुखर्जी ने किया दावा... (पृष्ठ १ का शेष)

विशेष अदालत हाई प्रोफाइल हत्याकांड की सुनवाई कर रही है। शीना बोरा (२४) की मुखर्जी और उसके तत्कालीन चालक श्यामवीर राय और पूर्व पति संजीव खन्ना ने अप्रैल २०१२ में एक कार में कथित रूप से गला घोंटकर हत्या कर दी थी।

सीसीटीवी की निगरानी में होगा महिला... (पृष्ठ १ का शेष)

लिए ये काम थम गया था। प्रतिबंध शिथिल होते ही सीसीटीवी लगाने का काम पूरा करने पर फिर से जोर दिया जा रहा है। बाकी बचे ५८९ सीसीटीवी कैमरा लगाने का काम जनवरी २०२२ के अंत तक होगा। इनमें से २०० सीसीटीवी महिला डिब्बों में लगाने का काम शुरू है, ऐसी जानकारी मध्य रेलवे आरपीएफ से मिली है।

करोड़ों की ड्रग्स हुई नष्ट

मुंबई पुलिस की कार्रवाई में तीन हजार किलो ड्रग्स जप्त

मुंबई : मुंबई को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस और एंटी ड्रग एजेंसियां अक्सर सूचना और इनपुट के आधार पर राज्य के कई स्थानों पर छापेमारी करती हैं। इस तरह की छापेमारी के दौरान कई बार पुलिस के हाथ बड़ी या छोटी मात्रा में ड्रग्स लग जाते हैं, जिन्हें सीज यानी जप्त कर लिया जाता है। इसके बाद सैंपल्स को विश्लेषण के लिए फोरेंसिक साइंस लैब भेजा जाता है। पिछले कुछ दिनों में मुंबई सहित अन्य शहरों से पुलिस ने गांजा, चरस, कोकीन और हेरोइन सहित अलग-अलग तरह के ड्रग्स को जब्त किया है, जिसे पुलिस कोर्ट के आदेश पर नष्ठ कर देती है। पुलिस ने २६ मामलों में जब्त करोड़ों की ड्रग्स को नष्ट कर दिया।

मुंबई पुलिस ने अदालत की अनुमति के बाद एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) की आजाद मैदान यूनिट द्वारा जप्त किए गए १४ करोड़ ६५ लाख रुपए

के ३,०९२ किलोग्राम ड्रग्स को जलाकर नष्ट कर दिया है, जिसमें तीन हजार किलोग्राम गांजा, तीन किलो २९७ ग्राम चरस, २४ ग्राम कोकीन, ८६६.५ ग्राम मेफेड्रोन, १५९.५ ग्राम हेरोइन और ८४.६८७ किलोग्राम ऐम्फिटेमाइन शामिल है। इसके साथ ही 'कोडीन कफ सिरप' की ११,२७१ बोतलें और १२४.४४० किलोग्राम 'कॉयर' को भी नष्ट किया गया है। यह दवाई राज्य में प्रतिबंधित है। ड्रग्स को मादक पदार्थ निपटान समिति की सिफारिश के बाद, पैनल के सदस्यों की मौजूदगी में नई मुंबई के तलोजा 'मुंबई वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड' की एक भट्ठी में बुधवार को नष्ट किया गया।

फ्रीडम फ्रॉम डायबिटिज लोगों को कर रही जागरूक

मुंबई : मधुमेह की बीमारी अब लोगों में आम होती चली जा रही है। पहले ये बीमारी बुजुर्गों में देखी जाती थी लेकिन अब मधुमेह जैसी घातक बीमारी युवाओं को भी अपने आगोश में ले रही है। शहर के डॉक्टरों की मानें तो मधुमेह साइलेंट किलर का काम करती है। ये एक ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज समय रहते हो जाए तो इससे मुक्ति पाना संभव है। देश के प्रमुख संगठन फ्रीडम फ्रॉम डायबिटीज (एफएफडी) ने ७ साल में करीब ११,००० लोगों को मधुमेह से मुक्ति

7 साल में 11,000 मरीजों को मिला छुटकारा

दिलाई है। एफएफडी के संस्थापक डॉ. प्रमोद त्रिपाठी कहते हैं, दुनियाभर में ५३७ मिलियन वयस्क मधुमेह से ग्रसित हैं और यह संख्या २०३० तक ६४३ मिलियन तक बढ़ने का अनुमान है। हिंदुस्थान में ही ७७ मिलियन से अधिक वयस्क मधुमेह से ग्रसित हैं और यह संख्या २०४५ तक बढ़कर १३४ मिलियन हो जाने का अनुमान है। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ५७ प्रतिशत मामलों का निदान भी नहीं हो पाता है और यह अधिक परेशान करनेवाला तथ्य है। उन्होंने आगे कहा, प्रोफेसर रॉय टेलर ने इस क्षेत्र में काफी प्रगति की है और दुनियाभर में लाखों लोगों को मधुमेह से मुक्त करने में मदद की है। उनके इस अग्रणी प्रयास के कारण टाइप-२ मधुमेह, जिसे एक लाइलाज और आजीवन रहनेवाली बीमारी माना जाता था, आज उस पर जीत हासिल की जा सकती है। हम २०२५ तक १,००,००० मधुमेह रोगियों को मुक्त करने के मिशन पर हैं।

महाठग के जाल में फंसी जैकलीन

ठग ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के नंबर को किया था 'स्पूफ'

मुंबई : अगर आपके पास केंद्रीय गृह मंत्रालय से सीधे फोन आ जाए तो आप क्या करेंगे? आपके दिल की धड़कनें बढ़ जाएंगी और आप सोचने लगेंगे कि कहीं कुछ गड़बड़ तो नहीं हो गई, मगर जरा सोच लीजिए। क्योंकि अभिनेत्री ऐसे ही एक फोन कॉल के बाद एक महाठग के जाल में उलझ गई और अब जांच एजेंसियों की पूछताछ के चक्कर में फंस गई है।

करोड़ों रुपए का चूना लगानेवाले ठग सुकेश चंद्रशेखर ने बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को अपने झांसे में फंसाने के लिए गृह मंत्रालय के नाम का इस्तेमाल किया। ईडी ने २०० करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी सुकेश के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की तो ऐसे ही चौंकानेवाले खुलासे हुए हैं। सुकेश ने जैकलीन पर अपना प्रभाव जमाने के लिए उसी की मेकअप आर्टिस्ट को जरिया बनाया।

जैकलीन से दोस्ती करने के लिए उसने खुद को गृह मंत्रालय का अधिकारी बताया। मेकअप आर्टिस्ट के फोन पर आवाज सुनाई दी- हैलो, मैं शेखर रत्न वेला बोल रहा हूं, क्या मेरी बात जैकलीन फर्नांडीज के मेकअप आर्टिस्ट से हो रही है। मैं जैकलीन से मिलना चाहता हूं। वह अगर मोबाइल नंबर से फोन करता तो शायद फंस सकता था तो उसने केंद्रीय गृह मंत्रालय के नंबर को स्पूफ किया। 'कॉल स्पूफ' यानी फोन की घंटी बजेगी तो सामनेवाले को फोन करनेवाले का असली नंबर नहीं, बल्कि किसी और का नंबर दिखेगा। इसके बाद जैकलीन महाठग के झांसे में फंसती गईं। घड़ी, घोड़े से लेकर कीमती बैग और बीएमडब्ल्यू तक सुकेश ने जैकलीन के लिए हाजिर कर दिए। फरवरी, २०२१ से लेकर ७ अगस्त, २०२१ तक सुकेश लगातार जैकलीन के संपर्क में रहा। इस दौरान सुकेश ने जैकलीन और उनके परिवार के लिए कीमती तोहफों की झड़ी लगा दी। चार्टर्ड फ्लाइट की बुकिंग, महंगे होटल में रहना और संबंधी को कैश भी दिया। जैकलीन ने अधिकारियों से पूछताछ में खुद स्वीकार किया है कि सुकेश को मैं शेखर रत्न वेला के नाम से जानती हूं। मेरे मेकअप आर्टिस्ट शान को सरकारी ऑफिस से फोन आया और कहा गया कि मैं शेखर से बात करूं, वह एक बड़े अधिकारी हैं और मुझसे बात करना चाहते हैं। जैकलीन ने स्वीकार किया है कि सुकेश ने उनकी बहन (पृष्ठ 3 पर)

इंटरनेशनल ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़, अफ्रीकी नागरिक गिरफ्तार

दो दिन में आठ स्थानों पर रेड, १३ करोड़ की ड्रग्स जब्त

मुंबई : नए वर्ष में ड्रग्स की तस्करी करने के लिए पेडलर्स नए जरिए से विदेशों में ड्रग्स भेज रहे हैं लेकिन नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एक ऐसे इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है, जो ड्रग्स तस्करी के लिए चूड़ी (कंगन) माइक्रोओवेन, कम्प्यूटर हार्डिक्स, टाई का इस्तेमाल करता था। इस मामले में एनसीबी ने एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। एनसीबी के मुताबिक ड्रग्स तस्करी के लिए यह सिंडिकेट विदेशों से चलाया जा रहा था और इसका इस्तेमाल मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों से अन्य देशों में तस्करी करने के लिए किया जा रहा था। मुंबई एनसीबी ने गत दिनों धारावी से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था, जिससे एक कुरियर से ऑस्ट्रेलिया में ड्रग्स की तस्करी कर रहा था। इसके बाद एनसीबी

ने पिछले दो दिनो में मुंबई के ८ स्थानों पर छापेमारी की। इनमें ड्रग्स से जुड़े ६ नए मामले दर्ज किए हैं। एनसीबी अधिकारियों के मुताबिक ये सारे ड्रग्स कनसाइनमेंट अन्य देशों में भेजे जा रहे थे। मुंबई एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने बताया कि दो दिनों में टीम मुंबई से २.२९६ किलोग्राम एमफेटामाइन, ३.९०६ किलोग्राम ओपियम और २.५२५ किलोग्राम जोल्पीडेम टैबलेट बरामद कर चुकी है। इस कार्रवाई में एक अफ्रीकी नागरिक को हिरासत में लिया गया है। करीब १५३ करोड़ की ड्रग्स जब्त की गई है।

आर्यन खान को एनसीबी दफ्तर में हाजिरी से छूट, हर हफ्ते नहीं होने पड़ेगा पेश

मुंबई : क्रूज ड्रग्स मामले में अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को बुधवार को मुंबई हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अब आर्यन को एनसीबी के मुंबई दफ्तर में हर शुक्रवार को पेश नहीं होना पड़ेगा। इसके लिए आर्यन ने हाई कोर्ट में याचिका दायर करके जमानत की शर्तों में ढील देने और हर शुक्रवार को हाजिरी से छूट देने का अनुरोध किया था। इसे हाई कोर्ट ने मंजूर कर लिया।

आर्यन खान को २८ अक्टूबर को जमानत मिलने के बाद कोर्ट ने हर शुक्रवार सुबह ११ बजे से दोपहर २ बजे के बीच एनसीबी के दफ्तर में हाजिर होने का आदेश दिया था। आर्यन ने आदेश का पालन करते हुए नवंबर ५, १२, १९, २६ और दिसंबर ३ और १० को एनसीबी के दफ्तर में

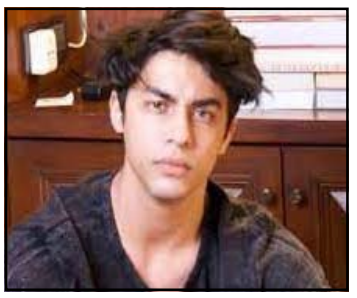

हाजिरी लगाई थी। आर्यन अपने बर्थडे के दिन भी हाजिरी लगाने एनसीबी ऑफिस पहुंचे थे।

दरअसल, हाल ही में आर्यन खान ने हाई कोर्ट में मुंबई क्रूज ड्रग्स केस में अर्जी पेश की थी, जिसमें एनसीबी के दफ्तर में हर हफ्ते हाजिरी देने से छूट की अपील की गई थी। वहीं अब आर्यन की याचिका को हाई कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है और उन्हें एनसीबी में हर हफ्ते हाजिरी लगाने से छूट दे दी गई है।

बेटी ने लीवर देकर पुलिस पापा को दिया जीवन दान

मुंबई : मुंबई की एक बेटी ने समाज का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया, उसने खुद की जान की परवाह न करके अपने पिता की जान बचाई। इस बेटी ने अपना लीवर अपने पिता को देकर उनको एक नई जिंदगी दी। दरअसल, हम जिस साहसी लड़की की बात कर रहे हैं, उस होनहार बेटी का नाम प्रियंका सेल है। २२ वर्षीय प्रियंका ने बताया कि उसके पिता का लीवर खराब हो गया था। अपोलो हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने उनके लीवर को बदलने की सलाह दी थी। इसके बाद बेटी ने पिता को अपना लीवर डोनेट करने को कहा। जांच करने के बाद उसका लीवर प्रत्यर्पण कर दिया गया।

प्रियंका के इस साहसी काम की हर कोई तारीफ कर रहा है। सब यही बोल रहे हैं कि भगवान ऐसी बेटी

सबको दे। बता दें कि प्रियंका के पिता दिलीप सेल मुंबई पुलिस में पीएसआई के तौर पर मालाड में तैनात हैं। प्रियंका भी एमपीएससी की तैयारी कर रही है। इसे नई मुंबई के अपोलो हॉस्पिटल में सफल रूप से ट्रांसप्लांट किया गया है। वे पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और ट्रांसप्लांट के कुछ ही महीनों के भीतर उन्हें प्रमोशन भी मिल गया है।

हॉस्पिटल के डॉ. विक्रम राऊत ने बताया कि अभी तक अस्पताल ने १५० लीवर ट्रांसप्लांट किए हैं। हमने ऐसे कई मामले देखे हैं, जहां मरीज के जीवित रहने की संभावना बहुत कम थी लेकिन उनका ट्रांसप्लांट करने के बाद वे अपना जीवन बहुत ही अच्छे से जीने लगे हैं।

डॉक्टरों के परामर्श पर प्रियंका ने अपने भविष्य की परवाह किए बिना पिता को अपने लीवर का हिस्सा दान कर दिया। प्रियंका के इस कदम से उसके पिता की जिंदगी बच गई। आज लोग प्रियंका के इस कदम की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

महाराष्ट्र में ओबीसी कोटे पर घमासान, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बिना ओबीसी आरक्षण के हों स्थानीय निकाय चुनाव, राजनीतिक दलों ने किया विरोध

मुंबई : सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग को बुधवार को यह आदेश दिया है कि वह ओबीसी के लिए २७ प्रतिशत आरक्षित कोटे को खत्म कर उसे जनरल कैटिगरी में अधिसूचित करके चुनावों की प्रक्रिया आगे बढाए। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की उस याचिका को भी खारिज कर दिया है, जिसमें केंद्र सरकार को ओबीसी का इंपेरिकल डेटा देने का निर्देश देने की गुहार लगाई गई थी। उसके बाद महाराष्ट्र की

राजनीति में घमासान शुरू हो गया है।

सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही एक-दूसरे पर हमलावर हो रहे हैं। राज्य की सभी राजनीतिक पार्टियां बिना ओबीसी आरक्षण के स्थानीय निकाय चुनाव होने देने के पक्ष में नहीं हैं। बीजेपी ने कहा है कि अगर चुनाव कराए गए, तो वह सरकार के खिलाफ सडक़ पर उतरेगी। मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला किया गया है कि राज्य सरकार राज्य चुनाव आयोग से तब तक चुनावों को (पृष्ठ 3 पर)

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)

राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : ११ अंक : १७ मुंबई, शुक्रवार, २४ दिसंबर से ३० दिसंबर २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

अवैध निर्माण पर हाईकोर्ट कड़क! जनहित याचिका पर लिया एक्शन

सभी प्रभाग समितियों से मांगी गई तुरंत सूचना

मुंबई (संवाददाता) : मुंबई हाईकोर्ट में अवैध निर्माण के खिलाफ दायर जनहित याचिका की सुनवाई में वसई-विरार शहर मनपा ने बताया था कि मनपा क्षेत्र में ९,००० अवैध निर्माण हैं। अदालत में जानकारी पेश करने के लिए मनपा ने पत्र जारी कर सभी ९ प्रभाग समितियों को तत्काल सूचना उपलब्ध कराने को कहा है।

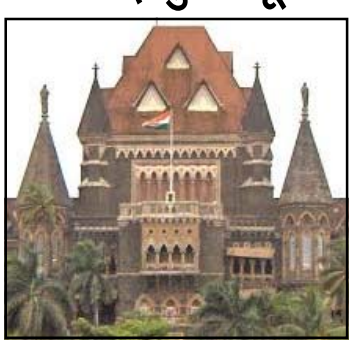

याचिकाकर्ता टेरेंस हेंड्रिक्स ने मनपा के भीतर बढ़ते अवैध निर्माण के खिलाफ मुंबई उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की थी। उस समय मनपा ने स्वीकार किया था कि ९,००० निर्माण पूरी तरह से अवैध थे। इसके बाद मनपा आयुक्त गंगाधरन डी. ने कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर सभी अनधिकृत निर्माणों को नोटिस जारी कर कहा कि उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। लेकिन वीवीसीएमसी ने ३० नवंबर, २०२० तक अनधिकृत (पृष्ठ ३ पर)

देश में ओमायक्रॉन के बढ़ रहे मरीज, प्रशासन हुआ सख्त

आयुक्त की अपील, क्रिसमस व नए वर्ष के जश्न से बचें

मुंबई (संवाददाता) : मुंबई सहित राज्य में कोरोना के नए वैरिएंट ओमायक्रॉन का खतरा बढ़ रहा है। इस खतरे को भांपते हुए मनपा ने एक बार फिर अलर्ट जारी कर दिया है। क्रिसमस और थर्टी फर्स्ट को लेकर शहर में कड़े बंदोबस्त के साथ होटल, मॉल्स, सिनेमागृह, हॉल्स आदि ठिकानों पर कोरोना नियमों को लेकर सख्ती बरतने का निर्देश दिया है। शनिवार को मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने इस संदर्भ में निर्देश जारी कर लोगों से

कोरोना नियमों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने मनपा अधिकारियों को नियमों में लापरवाही करनेवालों एवं उल्लंघन (पृष्ठ ३ पर)

'प्राइवेट पार्ट है या बेल्ट, महिलाएं सब समझती हैं'

बस में अश्लील हरकत करने वाले यात्री को कोर्ट ने सिखाया सबक

मुंबई : बस में यात्रा के दौरान सीट पर बैठी हुई महिला के कंधे को एक बगल में खड़ा एक मनचला बार बार अपने प्राइवेट पार्ट से छू रहा था। जब महिला ने इस हरकत के लिए उसको टोका तो उसने कहा मेरी बेल्ट आपके कंधे पर लगी है। यह मामला है मुंबई की दूसरी लाइफ लाइन कही जाने वाली बेस्ट बस का।

शायद उस मनचले को यह नहीं पता था कि महिलाएं आसानी से गुड और बैड टच के फर्क को समझ सकती हैं। यह भी बता सकती हैं की उन्हें कोई बेल्ट से छू रहा है या फिर प्राइवेट पार्ट से छेड़खानी कर रहा है। इस मामले में अदालत ने आरोपी विनायक व्यक्ति को दस हजार रुपए जुर्माने के साथ ६ महीने सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

यह घटना साल २०१५ में महिला के साथ तब पेश आई जब वो अपने पिता के साथ घर जाने के लिए बेस्ट बस यात्रा कर रही थी। पीड़ित महिला ने मुंबई के वर्ली इलाके से बस पकड़ी थी। मनचले की हरकतों से परेशान महिला ने उसकी पिटाई कर उसे पिता की मदद से बस के नीचे उतारा और फिर उसे पुलिस के हवाले किया।

इस मामले में अदालत ने आरोपी विनायक व्यक्ति को दस हजार रुपए जुर्माने के साथ ६ महीने सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसमें से सात हजार रुपए पीड़ित महिला को हर्जाना दिया गया है। कोर्ट ने आरोपी के वकील को भी फटकार लगाई है। दरअसल आरोपी के वकील ने अदालत में अपनी जिरह के दौरान कहा था कि अगर महिला को यह लग रहा था कि उसके साथ छेड़ख़ानी हो रही है तो उसे अपनी सीट बदल लेनी चाहिए थी। अदालत ने कहा कि यह बेहद गंदी सोच है। आखिर पीड़ित अपने साथ हो रहे अन्याय को नजरअंदाज क्यों करे।

मुंबई में ४६ नर्सिंग होम अवैध! बीएमसी प्रशासन ने दी जानकारी

मुंबई (संवाददाता) : महानगर में लोगों को इलाज के लिए जगह-जगह नर्सिंग होम खुले हैं, लेकिन लोगों को यह जानकारी नहीं है कि वह जहां इलाज कराने जा रहे हैं वह नर्सिंग होम अवैध है। बीएमसी प्रशासन ने स्थायी समिति को जानकारी दी है कि मुंबई में ४६ अवैध नर्सिंग होम चल रहे हैं। हालांकि, कानून के मुताबिक बीएमसी के पास इनके सामान जब्त करने का अधिकार नहीं है।

बीएमसी प्रशासन के अनुसार मुंबई में कुल १४४८ नर्सिंग होम चल रहे हैं। नर्सिंग होम की वैधता समय-समय पर जांच करने की जिम्मेदारी मेडिकल ऑफिसर की होती है। गलत

पाए जाने पर नर्सिंग होम को सील कर दिया जाता है।

मेडिकल ऑफिसर जांच की रिपोर्ट बीएमसी और राज्य सरकार को भेजता है। अवैध रूप से चलने वाले नर्सिंग होम पर मामले दर्ज किए जाते हैं। रिपोर्ट में खामी की जानकारी के आधार पर कोर्ट में मामले दर्ज किए जाते है।

अब बलात्कारियों को मिलेगी फांसी की सजा, विधानसभा में पेश हुआ शक्ति विधेयक

मुंबई : विधानसभा के शीतकालीन अधिवेशन के पहले दिन ही गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटील ने विधानसभा में शक्ति विधेयक पेश किया। विधेयक में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले यौन अपराधों को रोकने के लिए कडी सजा का प्रावधान किया गया है। इसमें बलात्कारियों को न्यूनतम १० साल, नाबालिग के साथ बलात्कार करने वालों को न्यूनतम २० साल, सामूहिक बलात्कार करने वालों को न्यूनतम २० साल और अधिकतम सजा के रूप में उम्र कैद से लेकर मृत्युदंड तक का प्रावधान किया गया है। वहीं, कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए झूठी शिकायत करने वालों को भी १ वर्ष से ३ वर्ष तक की सजा और एक लाख रुपये तक के जुर्माने

का प्रावधान है।

बता दें कि पिछले साल यह विधेयक विधानसभा में तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख ने पेश किया था। लेकिन तब इस विधेयक के सख्त प्रावधानों को देखते हुए सदन में यह आम राय बनी थी कि इसे अधिक विचार मंथन के लिए दोनों सदनों की संयुक्त समिति के पास भेजा जाए। संयुक्त समिति में विधानमंडल के दोनों सदनों के २१ सदस्य थे, जिनमें १० महिला विधायक भी थीं। अब संयुक्त समिति की रिपोर्ट में दिए गए सुझावों (पृष्ठ ३ पर)

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

भीड़ से बचाव

कोरोना के नए संस्करण ओमीक्रोन के कारण भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में तनाव हावी है। क्रिसमस और नववर्ष के स्वागत संबंधी आयोजनों पर भी इस संकट का साया मंडराने लगा है। ऐसा लगता है कि पिछले वर्ष की तरह ही इस साल भी उत्सव आयोजन पर असर पड़ेगा। दिल्ली सरकार ने अगर आयोजनों पर रोक लगाने के लिए कहा है, तो उसके फैसले का स्वागत होना चाहिए। दिल्ली में जिलाधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में सभी आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं। जाहिर है, अब लोगों को अपने घर में रहते हुए ही नए साल का स्वागत करना होगा और यही उचित है। सरकारी आंकड़ों को अगर देखें, तो दिल्ली ५७ मामलों के साथ ओमीक्रोन संक्रमण में सबसे आगे है, इसके बाद महाराष्ट्र (५४), तेलंगाना (२४) और कर्नाटक (१९) का स्थान है। राष्ट्रीय राजधानी में गहन सर्वेक्षण करने के लिए कहा गया है। उन इलाकों की पहचान की जा रही है, जो ओमीक्रोन संक्रमण के मामले में खतरनाक साबित हो सकते हैं। मास्क और परस्पर दूरी को फिर अनिवार्य करने को कहा गया है। इसमें शक नहीं है कि पिछले दिनों शादी-ब्याह और अन्य प्रकार के आयोजनों में जिस तरह से कोविड दिशा-निर्देशों की अवहेलना हुई है, उसके परिणाम सामने आने लगे हैं।

कोई आश्चर्य नहीं कि दिल्ली के अलावा मुंबई में भी धारा १४४ लागू है। वहां भी लोगों को सावधान कर दिया गया है। वहां भी आयोजनों पर पाबंदी लग चुकी है। अन्य शहरों में भी स्थानीय निकाय अपने-अपने स्तर पर पाबंदियां लगाने में जुटे हैं। यह आशंका जताई जा रही है कि बचाव से खिलवाड़ हुआ, तो जनवरी के महीने में ओमीक्रोन के मामले बढ़ सकते हैं। जरूरी है कि अभी से बड़े आयोजनों को रोका जाए और सभा, रेस्तरां, ऑडिटोरियम में पचास प्रतिशत से ज्यादा लोगों को उपस्थित न होने दिया जाए। तमाम राज्यों को शादी समारोहों में भी लोगों की अधिकतम सीमा तय करनी चाहिए। सभी सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, मनोरंजन कार्यक्रमों और धार्मिक समारोहों में भीड़ को रोकने के प्रबंध जरूरी हैं। जिन राज्यों में चुनाव हैं, वहां विशेष रूप से सावधान रहना होगा। उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से दिशा-निर्देशों की गंभीरता से पालना जरूरी है। भारत में मंगलवार को कोविड-१९ के ६,३१७ नए मामले दर्ज किए गए हैं। तुलनात्मक रूप से यह आंकड़ा ज्यादा नहीं है, लेकिन बड़ी चिंता की बात यह है कि कोरोना से लोगों की मौत का क्रम टूट नहीं रहा है। मंगलवार को करीब ३१८ लोगों की मौत हुई है। भय और चिंता इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि ओमीक्रोन को डेल्टा की तुलना में कई गुना ज्यादा संक्रामक बताया जा रहा है। केंद्र सरकार ने तमाम राज्य सरकारों को चेता दिया है कि जरूरत के हिसाब से प्रतिबंध लगाए जाएं। आशंका है कि पूरे देश में रात के कर्फ्यू की वापसी हो सकती है और सभाओं-आयोजनों पर रोक भी लौट सकती है। अभी देश जिस मुकाम पर है, वहां हम व्यावसायिक गतिविधियों को नहीं रोक सकते और न लॉकडाउन की वापसी संभव है, लेकिन आयोजनों को जरूर रोक सकते हैं। भीड़ से बचने की दिशा में हमारे नेताओं को पहल करनी चाहिए। कहीं कड़ाई और कहीं ढिलाई का खतरा हम नहीं उठा सकते। हम अगर ठान लें, तो तीसरी लहर टल सकती है।

किसमस : एक त्यौहार शांति दूत के नाम

क्रिसमस एक ऐसा त्यौहार है जिसे शायद दुनिया के सर्वाधिक लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. आज यह त्यौहार विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी समान जोश के साथ मनाया जाता है. भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ क्रिसमस का त्यौहार भी पूरी तरह घुल-मिल गया है. सदियों से यह त्यौहार लोगों को खुशियां बांटता और प्रेम और सौहार्द की मिसाल कायम करता रहा है. यह त्यौहार हमारे सामाजिक परिवेश का प्रतिबिंब भी है, जो विभिन्न वर्गों के बीच भाईचारे को मजबूती देता आया है. क्रिसमस का अर्थ मानव मुक्ति और समानता है. बाइबिल के अनुसार, ईश्वर ने अपने भक्त याशायाह के माध्यम से ८०० ईसा पूर्व ही यह भविष्यवाणी कर दी थी कि इस दुनिया में एक राजकुमार जन्म लेगा और उसका नाम इमेनुएल रखा जाएगा. इमेनुएल का अर्थ है 'ईश्वर हमारे साथ'. याशायाह की भविष्यवाणी सच साबित हुई और यीशु मसीह का जन्म इसी प्रकार हुआ.

बालक यीशु के जन्म की सबसे पहली खबर इस दुनिया के सबसे निर्धन वर्ग के लोगों को मिली थी. वे कडी मेहनत करने वाले गड़रिये थे. सर्दी की रात जब उन्हें यह खबर मिली तो वे खुले आसमान के नीचे खतरों से बेखबर सोती हुई अपनी भेडों की रखवाली कर रहे थे. एक तारा चमका और स्वर्ग-दूतों के दल ने गड़रियों को खबर दी कि तुम्हारे बीच एक ऐसे बालक ने जन्म लिया है, जो तुम्हारा राजा होगा. पूरी दुनिया के गरीब यह खबर सुनकर जहां खुश हुए, वहीं गरीबों पर जुल्म करने वाला राजा हेरोदेस नाराज हो गया. उसने अपने राज्य में २ वर्ष की उम्र तक के सभी बच्चों को कत्ल करने का आदेश जारी कर दिया, ताकि उसकी सत्ता को भविष्य में किसी ऐसे राजा से खतरा न रहे. अच्छाई को देखकर बुराई करने वाले इसी तरह दुखी और नाराज होते हैं. यही शैतानियत का प्रतीक है. ईसा मसीह इसी शैतानियत को तो खत्म करने के लिए आए थे.

ईसा मसीह ने मानव के रूप में जन्म लेने के लिए किसी संपन्न व्यक्ति का घर नहीं चुना. उन्होंने एक गरीब

व्यक्ति के घर की गोशाला में घास पर जन्म लिया. दरअसल, वे गरीब, भोले-भाले और शोषित व पीड़ित लोगों का उद्धार करने आये थे. इसीलिए उन्होंने जन्म से ही ऐसे लोगों के बीच अपना स्थान चुना. यह बहुत बड़ा संदेश था.

३० वर्ष की आयु में ईसा मसीह ने सामाजिक अव्यवस्था के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद की. उन्होंने जनता को दीन-दुखियों और लाचारों की सहायता करने, प्रेमभाव से रहने, लालच न करने, ईश्वर और राज्य के प्रति कर्तव्यनिष्ट रहने, जरूरतमंद की जरूरत पूरी करने, आवश्यकता से ज्यादा धन संग्रह न करने का उपदेश दिया. आज ईसा मसीह के दिए हुए संदेशों की प्रासंगिकता बहुत ज्यादा है, क्योंकि भले ही सामाजिक बुराइयों ने अपना रूप बदल लिया हो, लेकिन वे आज भी समाज में विद्यमान हैं और गरीबों, लाचारों, शोषितों, पीड़ितों और दलितों को उनका शिकार होना पड़ता है.

ईसा मसीह ने समाज को समानता का पाठ पढाया था. उन्होंने बार-बार कहा कि वे ईश्वर के पुत्र हैं और भले ही इस दुनिया में क्रूरता, अन्याय और गैर-बराबरी जैसी अनेक बुराइयां हैं, पर ईश्वर के घर में सभी बराबर हैं. उन्होंने ऐसा ही समाज बनाने पर जोर दिया, जिसमें क्रूरता व अन्याय की जगह न हो और सभी प्रेम और समानता के साथ रहें. ऐसी ही एक कहानी बाइबिल में आती है, जो एक सामरी संप्रदाय की स्त्री की है. जब ईसा मसीह ने उससे पीने के लिए पानी मांगा तो स्त्री ने कहा कि तू यहूदी होकर मुझ सामरी स्त्री से पानी क्यों मांगता है? दरअसल, यहूदी लोग सामरियों के साथ किसी प्रकार का व्यवहार नहीं रखते थे और उन्हें कमतर मानते थे. लेकिन ईसा ने उसके हाथ का पानी पिया. ईसा मसीह ने दलित, दमित और असहाय लोगों को आशा और जीवन का संदेश दिया. उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण में लगाया. यही वजह थी कि उन्हें क्रॉस पर मृत्युदंड भी दिया गया. लेकिन दूसरों के हित में काम करने वाले मृत्युदंड से कब भयभीत हुए हैं.

क्रिसमस का त्यौहार कई चीजों के लिए खास होता है जैसे क्रिसमस ट्री, स्टार, गिफ्टस आदि. और हां, कई लोग मानते हैं क्रिसमस के दिन सांता क्लॉज बच्चों को उपहार देता है. सांता क्लॉज को याद करने का चलन ४वीं शताब्दी से आरंभ हुआ था और वे संत निकोलस थे जो तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप थे. सांताक्लाज.लाल व सफेद ड्रेस पहने हुए, एक वृद्ध मोटा पौराणिक चरित्र है, जो रेन्डियर पर सवार होता है तथा समारोहों में, विशेष कर बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

क्रिसमस उम्मीदों और खुशियों का त्यौहार है. ईसा मसीह का जीवन और उनके उपदेश आज भी इसलिए प्रासंगिक हैं, क्योंकि आज भी अमीरी-गरीबी, जातिवाद और सामाजिक विसंगतियां समाज में मौजूद हैं. जब हम अपने आसपास नजर डालेंगे और गरीब व लाचार लोगों के दुख-दर्द को समझेंगे और ईसा मसीह की तरह अपनी कोशिशों से उनके चेहरे पर थोड़ी-सी मुस्कान लाएंगे, तभी हमें क्रिसमस की वास्तविक

मत्स्य व्यवसाय विभाग की समंदर में छापेमारी, प्रतिबंधित पर्ससीन ट्रॉलर से पकड़ रहे थे मछली

२ लाख ३० हजार की मछलियां बरामद

पालघर : पालघर के समुद्री क्षेत्र में अवैध रूप से मछलियों को पकड रही एक नाव को पकड़कर दमन के करीब १४ मछुआरों पर कार्रवाई की गई है। इस दौरान इनके कब्जे से २ लाख से ज्यादा की मछलियां बरामद की गई हैं। पिछले काफी समय से स्थानीय मछुआरे केंद्र शासित प्रदेश दमन और गुजरात के मछुआरों पर अवैध रूप से मछलियों को पकड़ने का आरोप लगा रहे थे। जिसके बाद एक गुप्त जानकारी के आधार पर मत्स्य व्यवसाय विभाग की एक टीम ने १० नॉटिकल मील पर समंदर में रेड मारकर प्रतिबंधित एक पर्ससीन ट्रॉलर को जप्त कर लिया। वहीं कार्रवाई की खबर मिलते ही करीब १२ ट्रॉलर के मछुआरे मौके से फरार हो गए।

मत्स्य विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि केंद्र शासित प्रदेश दीव दमन से डहाणू की समुद्री सीमा में एक अवैध पर्ससीन ट्रॉलर प्रवेश करेगा। मत्स्य विभाग ने ट्रॉलर को ट्रैक किया और छापेमारी की।

महाराष्ट्र की समुद्री सीमा में १२ नॉटिकल मील के अंदर पर्ससीन नाव एलईडी द्वारा मछली पकड़ना प्रतिबंधित है। ये नावें पिछले कई महीनों से पालघर के डहाणू समुद्री क्षेत्र में मछलियों का शिकार कर रही थीं। इस मामले में कई बार मछुआरों ने मत्स्य विभाग से शिकायत की है। तीन महीने पहले मत्स्य विभाग ने ऐसे ही एक पर्ससीन ट्रॉलर पर कार्रवाई करते हुए उसमें से जप्त की गई मछलियों की नीलामी की थी। इसके बाद भी गुजरात के विभिन्न जिलों से और अन्य राज्यों के ये अवैध ट्रॉलर पालघर जिले के प्रतिबंधित १२ नॉटिकल मील के अंदर समुंदर में मछली पकड़ रहे हैं। कई बार स्थानीय मछुआरे और ट्रॉलर पर सवार लोगों के बीच संघर्ष तक हो चुका है।

स्थानीय मछुआरों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए जल्द ही राज्य सरकार मत्स्य विभाग को स्पीड बोट देने का विचार कर रही है। मत्स्य व्यवसाय विभाग के अधिकारी ने हाल ही में कहा है कि जल्द ही बोट मिल जाएगी। जिससे समुंदर में गश्ती में आसानी होगी। नए पर्ससीन ट्रॉलर बैन एक्ट के तहत गिरफ्तार किए गए ट्रॉलर में सवार सभी मछुआरों पर केस दर्ज किया गया है। इनसे जप्त मछलियों को नीलम कर उससे मिलने वाली रकम का पांच गुना सहित दो लाख रुपए अतिरिक्त जुर्माना इनसे वसूला जाएगा। ऐसी जानकारी आनंद पालव-सह मत्स्य व्यवसाय आयुक्त ठाणे-पालघर ने दी

अब बलात्कारियों को मिलेगी फांसी... (पृष्ठ १ का शेष)

को शामिल करते हुए गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटील ने संशोधित शक्ति विधेयक पेश किया। शक्ति विधेयक में यह प्रावधान भी किया गया है कि महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले किसी भी यौन अपराध की जांच में अधिकारियों द्वारा संबंधित मोबाइल टेलिफोन या इंटरनेट डेटा प्रदान करने वाली कंपनी से मांगी गई तमाम जानकारियां ३ दिन के भीतर दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक्स सबूतों के रूप में उपलब्ध करानी होंगी। उनके ऐसा न करने पर संबंधित अधिकारियों को ३ महीने की कैद और २५ लाख रुपये तक जुर्माने की सजा दी जा सकती है।

३० दिन में पूरी होगी जांच : शक्ति विधेयक के पहले मसौदे में अपराध दर्ज होने की तारीख से १५ दिन के भीतर जांच पूरी होने का प्रस्ताव था। इसमें कोई अडचन आने पर वरिष्ट अधिकारियों के निर्देश पर इसे अधिकतम ७ दिन तक बढाया जा सकता था। संयुक्त समिति ने जांच अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद यह पाया कि इतने कम समय में जांच करने से गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसीलिए इसे बढाकर ३० दिन कर दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर इसे अधिकतम ३० दिन के लिए और बढाया जा सकता है।

देश में ओमायक्रॉन के बढ़ रहे मरीज... (पृष्ठ १ का शेष)

करनेवालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया है। आयुक्त ने कहा कि ओमायक्रॉन ने विश्व के कई देशों में कोहराम मचा रखा है।

महाराष्ट्र और मुंबई में वैसी स्थिति न आने पाए इसके लिए लोगों को भीड़भाड़ से बचना चाहिए। मनपा अधिकारियों ने कहा कि क्रिसमस एवं थर्टी फर्स्ट के जश्न में जाने से लोगों को बचना चाहिए। लोगों को थर्टी फर्स्ट और क्रिसमस के त्योहार में जरा सी भी ढिलाई नहीं करनी है। इस मौके पर होनेवाले कार्यक्रमों को लेकर भी गाइडलाइन जारी की गई है। मनपा ने प्रत्येक वॉर्ड में उड़न दस्ते का गठन किया है, साथ ही टोल फ्री नंबर भी जारी किया है, जिस पर लोग शिकायत कर सकेंगे। मुंबई में १६ दिसंबर से ३१ दिसंबर तक धारा १४४ लागू की गई है। मनपा ने क्रिसमस और थर्टी फर्स्ट के लिए आयोजित होनेवाले कार्यक्रमों के लिए भी गाइडलाइन बनाई है। खुले में २५ प्रतिशत और हॉल में ५० प्रतिशत क्षमता के साथ कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति है जबकि एक हजार से अधिक लोगोंवाले कार्यक्रम के लिए मनपा के डिजास्टर विभाग की अनुमति अनिवार्य है अन्यथा कार्रवाई की जाएगी।

अवैध निर्माण पर हाईकोर्ट कड़क!... (पृष्ठ १ का शेष)

निर्माण की मासिक रिपोर्ट जमा की है। मनपा क्षेत्रों में ११,८५५ तथा ग्रामीण क्षेत्रों में ७६० अवैध निर्माण हुए हैं। याचिकाकर्ताओं ने इस पर आपत्ति जताई और यह भी दावा किया कि मनपा द्वारा दी गई जानकारी झूठी थी और शहर में २०,००० से अधिक अवैध निर्माण हुए थे। याचिकाकर्ता ने फिर कोर्ट से इन सभी रिपोर्टों की प्रभाग समिति के अनुसार जांच करने को कहा था। इसी के तहत कोर्ट ने मनपा से अवैध निर्माण की जानकारी दोबारा जमा करने को कहा। उसके बाद मनपा के विधि विभाग ने सभी प्रभाग समिति के सहायक आयुक्तों को पत्र जारी कर सभी अनधिकृत निर्माणों की जानकारी अपने हस्ताक्षर के साथ दो दिन के भीतर तत्काल जमा करने को कहा है। साथ ही यह भी चेतावनी दी है कि निर्धारित समय के भीतर निर्धारित सूचना उपलब्ध कराने में देरी या देरी की स्थिति में परिणाम के लिए वे पूरी तरह जिम्मेदार होंगे। यह पत्र विधि विभाग के प्रभारी सहायक आयुक्त विश्वनाथ तालेकर ने जारी किया है।

'हिम्मत है तो मेरे खिलाफ ईडी लगाइये', मेयर किशोरी पेडनेकर की बीजेपी को चुनौती

मुंबई : कर्नाटक में छत्रपति शिवाजी महाराज के पुतले के अपमान पर शिवसेना ने बीजेपी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया है। मुंबई में मेयर किशोरी पेडणेकर ने चेतावनी देते हुए कहा कि शिवसेना शिवाजी महाराज का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगी। मेयर ने चुनौती देते हुए कहा कि बीजेपी सरकार लोगों को परेशान कर रही है। लोगों को परेशान करने के लिए ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है। हिम्मत है, तो मेरे खिलाफ ईडी लगाइए। कई लोगों को परेशान किया जा रहा है। शिवसेना इससे डरने वाली नहीं है। कर्नाटक में शिवाजी महाराज के अपमान के खिलाफ शिवसेना ने शिवाजी पार्क में प्रदर्शन किया।

इसके अलावा, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए पूछा कि कर्नाटक भारत में ही है न? लेकिन, पाकिस्तान व चीन की तरह व्यवहार क्यों कर रहे हैं? शिवाजी के पुतले का अपमान करने वाले यदि बीजेपी के लोग हैं, तो उन्हें सबक सिखाए बिना हम चुप नहीं बैठेंगे। यदि इतिहास बदलने की कोशिश की गई, तो हम भूगोल बदल देंगे।

महाराष्ट्र सरकार ने बच्चों... (पृष्ठ 4 का शेष)

निस्तारण करने में विलंब किये जाने का हवाला देते हुए मौत की सजा को उम्र कैद में तब्दील करने का अनुरोध किया था। उन्होंने दलील दी थी कि विलंब के चलते उनके मूल अधिकारों का हनन हुआ है।

उच्च न्यायालय आने वाले समय में याचिका पर आदेश जारी करेगा।

महाराष्ट्र पुलिस के लिए बदनामी... (पृष्ठ 4 का शेष)

एनसीपी के मंत्री नवाब मलिक ने एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े के खिलाफ कई आरोप लगाए और इसने भी राज्य में अधिकारियों की छवि धूमिल की।

वानखेड़े पर फिरौती के लिए आर्यन का अपहरण करने का आरोप

आर्यन पर ड्रग्स लेने और उसका वितरण करने का आरोप है। बहरहाल, एजेंसी अदालत में अपने दावों को साबित करने में नाकाम रही और आर्यन को जेल में २६ दिन बिताने के बाद जमानत दे दी गयी। बाद में आर्यन को एनसीबी कार्यालय में हर शुक्रवार को पेश होने की अनिवार्यता से भी छूट दे दी गयी। वहीं, मलिक ने एनसीबी के मंडल निदेशक वानखेड़े पर फिरौती के लिए आर्यन का अपहरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वानखेड़े ने अनुसूचित जाति के आरक्षण के तहत नौकरी हासिल करने के लिए फर्जी जाति प्रमाणपत्र दिया।

इसके बाद, भारतीय सेवा अधिकारी (आईपीएस) रश्मि शुक्ला द्वारा महाराष्ट्र में पुलिस तबादलों में 'भ्रष्टाचार' के बारे में तैयार की गई। एक रिपोर्ट के कथित तौर पर लीक होने का मामला एक बार फिर चर्चा में आया और आरोप लगाया गया कि जांच के दौरान वरिष्ट अधिकारियों और राजनेताओं के कॉल को अवैध रूप से 'इंटरसेप्ट' किया गया था। शुक्ला ने यह रिपोर्ट तब तैयार की थी, जब वह राज्य खुफिया विभाग (एसआईडी) का नेतृत्व कर रहीं थी।

वहीं, १३ नवंबर को पुलिस मुठभेड़ में गढचिरौली में २५ नक्सलियों के साथ नक्सल नेता मिलिंद तेलतुम्बडे की हत्या को पुलिस के लिए एक बडी सफलता माना गया। इसके साथ ही कोविड-१९ वैश्विक महामारी के दौरान पुलिस कर्मियों की नि:स्वार्थ सेवा ने भी सभी का दिल जीता।

महाराष्ट्र पुलिस के लिए बदनामी भरा रहा साल 2021 डिपार्टमेंट की विश्वसनीयता पर उठे कई सवाल

मुंबई : महाराष्ट्र पुलिस विभाग की विश्वसनीयता पर इस साल जितने सवाल उठे, उतने शायद पहले कभी नहीं उठे थे। कुछ बड़े अधिकारियों और पूर्व पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामले दर्ज हुए, तो कुछ जेल ही पहुंच गए। उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर 'एंटीलिया' के बाहर से विस्फोट बरामद होने, उद्योगपति मनसुख हिरन की हत्या के मामले में पुलिस अधिकारी सचिन वझे की गिरफ्तारी हुई, जिन्हें अब बर्खास्त कर दिया गया है। इसके बाद भ्रष्टाचार के कई मामलों में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह का निलंबन हुआ। यह सब घटनाक्रम महाराष्ट्र पुलिस की इस साल रही स्थिति को बयां करते हैं।

अनिल देशमुख की गिरफ्तारी

भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर गृह मंत्री के पद से इस्तीफा देने के सात महीने बाद इस साल नवंबर में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता अनिल देशमुख की गिरफ्तारी हुई। वहीं, अक्टूबर में एक क्रूज पर से ड्रग्स की कथित बरामदगी के मामले में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के अधिकारी समीर वानखेड़े के धर्म-जाति को लेकर उत्पन्न हुआ विवाद भी इस साल चर्चा का विषय बना। इसने राजनेताओं और सरकारी अधिकारियों के आचरण पर भी सवाल उठाए।

सचिन वझे ने कराई किरकिरी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने इस साल मार्च में एंटीलिया विस्फाटक सामग्री मामले और व्यवसायी मनसुख हिरेन की हत्या में तत्कालीन सहायक पुलिस निरीक्षक (एपीआई) सचिन वझे को बतौर मुख्य आरोपी गिरफ्तार किया था। उनके साथ, पूर्व 'मुठभेड़ विशेषज्ञ' अधिकारी प्रदीप शर्मा, पुलिस निरीक्षक सुनील माने, एपीआई रियाजुद्दीन काजी सहित कुछ अन्य लोगों को भी मामले में गिरफ्तार किया गया। १७ मार्च को तत्कालीन गृह मंत्री देशमुख ने परमबीर सिंह को मुंबई पुलिस कमिश्नर के पद से स्थानांतरित करने की घोषणा की। इसके बाद, सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर तत्कालीन गृह मंत्री देखमुख पर प्रतिमाह बार तथा रेस्तरां से १०० करोड़ रुपये की उगाही करने का आरोप लगाया।

गृह मंत्री पद से देशमुख का इस्तीफा

इस पूरे, घटनाक्रम के बाद पांच अप्रैल को देशमुख ने गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दिया और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अदालत के आदेश के बाद उनके खिलाफ जांच शुरू की। इसके बाद ११ मई को मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंप दी गई और दो नवंबर को देशमुख को गिरफ्तार किया गया। पुलिस विभाग में चल रहीं इन गतिविधियों पर एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'जब लोग कोविड-१९ के दौरान पुलिस कर्मियों के काम के लिए उनकी प्रशंसा कर रहे थे, तब वझे जैसे अधिकारियों ने बल की छवि को धूमिल किया।'

आर्यन खान की गिरफ्तारी से राजनीतिक घमासान

इस बीच, अक्टूबर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा मादक पदार्थ के एक मामले में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी ने राजनीतिक घमासान पैदा कर दिया था। (पृष्ठ ३ पर)

महाराष्ट्र सरकार ने बच्चों के अपहरण, हत्या की आरोपी बहनों को मृत्युदंड का समर्थन करने की बात कही

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने बंबई उच्च न्यायालय से बुधवार को कहा कि उसने १९९० और १९९६ के बीच १४ बच्चों के अपहरण व उनमें से पांच की हत्या के मामले में दोषी करार दी गई रेणुका शिंदे और सीमा गावित नाम की बहनों को सुनाई गई मौत की सजा का समर्थन किया है।

सत्र अदालत ने पूरे महाराष्ट्र को स्तब्ध कर देने वाले जघन्य अपराध के लिए दोनों बहनों को २००१ में मौत की सजा सुनाई थी।

सरकारी वकील अरूणा पाई ने न्यायमूर्ति नितिन जामदार और न्यायमूर्ति एस. वी. कोतवाल की पीठ के समक्ष सरकार की ओर से बयान दिया। अदालत ने पिछले शनिवार को पुनर्विचार याचिका पर आदेश सुरक्षित रखते हुए सरकारी वकील से अपना रुख बताने को कहा था।

पाई ने कहा, "अपराध की गंभीरता पर विचार करते हुए, हमने मौत की सजा का समर्थन किया है। यदि अदालत इसे उम्र कैद में तब्दील करती है तो यह उनकी स्वाभाविक मौत तक होनी चाहिए।"

शिंदे और गावित के खिलाफ कोल्हापुर में १४ बच्चों का अपहरण करने और उनमें से पांच की हत्या करने को लेकर मुकदमा चला था। उन्हें २००१ में दोषी करार दिया गया था। उच्च न्यायालय ने २००४ में उनकी मौत की सजा की पुष्टि की और उच्चतम न्यायालय ने २००६ में उसे बरकरार रखा।

हालांकि, अक्टूबर १९९६ से हिरासत में रखी गई दोनों बहनों ने २०१४ में उच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर कर राज्य द्वारा उनकी दया याचिकाओं का (पृष्ठ ३ पर)

सीएनजी के बढ़े दाम, टैक्सी यूनियन ने की किराया बढ़ाने की मांग

मुंबई : मुंबई में एक बार फिर सीएनजी के दाम बढ़ने से मुंबईकरों के हाथ-पांव फूलने लगे हैं। पिछले छह महीनों में सीएनजी के दाम करीब १३ रुपए प्रति किलो बढ़े हैं। वर्तमान समय में सीएनजी बढ़कर ६३.५० रुपए प्रति किलो पहुंच चुकी है। बढ़े दामों के कारण टैक्सीवालों का टेंशन बढ़ गया है। कीमतों में इजाफा होने के बाद अब मुंबई टैक्सीमैंस यूनियन ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर किराया वृद्धि की मांग की है।

यूनियन के अध्यक्ष ए. एल. क्वाड्रोस के अनुसार ३० नवंबर को हमने राज्य सरकार को टैक्सी का न्यूनतम किराया २५ रुपए से बढ़ाकर ३० रुपए करने की मांग की थी। उसके बाद भी सीएनजी के दामों में २ रुपए किलो वृद्धि हो चुकी है। इससे टैक्सी ड्राइवरों को रोजाना करीब १२० रुपए का परिचालन घाटा हो रहा है। गौरतलब है कि मुंबई में करीब २० हजार काली-पीली टैक्सियां और करीब २.६० लाख ऑटोरिक्शा चलते हैं। ये सभी सीएनजी पर चलते हैं।

महानगर गैस लिमिटेड के अनुसार डिमांड को पूरा करने के लिए उन्हें ओपन मार्केट से गैस खरीदनी पड़ रही है, जिसके कारण दाम बढ़ाए जा रहे हैं। महानगर गैस लिमिटेड द्वारा शनिवार से सीएनजी में २ रुपए प्रति किलो के हिसाब से वृद्धि की गई है। कुछ समय पहले केंद्र सरकार द्वारा प्राकृतिक गैस के दामों में करीब ६२ प्रतिशत इजाफा किया गया, जिसके बाद सीएनजी के दाम बढ़ाए गए थे।

महानगर गैस लिमिटेड ने जुलाई में सीएनजी की कीमत में २.५८ रुपए प्रति किलो का इजाफा किया था। जुलाई में सीएनजी की कीमत ५० रुपए प्रति किलो से कम थी। इसके बाद अक्टूबर में फिर गैस की कीमतों में इजाफा हुआ। अक्टूबर में सीएनजी में २ रुपए प्रति किलो की वृद्धि की गई। इसके बाद सीएनजी की कीमत ५४.५७ रुपए प्रति किलो हो गई। तत्पश्चात नवंबर में एक बार फिर कीमतों में वृद्धि हुई। नवंबर में सीएनजी में ३.०६ रुपए प्रति किलो के हिसाब से वृद्धि की गई। इसके बाद सीएनजी की कीमत ६१.५० रुपए किलो हो गई। अब दोबारा कीमतों में वृद्धि हुई है।

नेवी ने खोज निकाली डेढ़ महीने से खोई नौका! चालक दल का एक शव भी बरामद

मुंबई : पिछले डेढ़ महीने से अधिक समय से अरब सागर में लापता हुई मछुआरों की नौका को भारतीय नौसेना ने ढूंढ़ निकाली है। अरब सागर के तल पर मिट्टी में दबा नौका का मलबा बरामद हुआ है, इसमें से चालक दल का एक शव भी बरामद हुआ है। मछुआरों की नाव नावेद-२ रत्नागिरी जिले के अरब सागर में २६ अक्टूबर को लापता हो गई थी। ये नौका नेविगेशन के लिए खतरा बन सकती थी। महाराष्ट्र सरकार ने नाव के लापता होने की सूचना नौसेना को दी थी।

महाराष्ट्र सरकार के अनुरोध पर भारतीय नौसेना ने रत्नागिरी तट से दूर अरब सागर में लापता मछली पकड़नेवाली नाव नावेद-२ का खोजी अभियान शुरू किया था। इसके लिए १८ दिसंबर २१ को एक हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण जहाज आईएनएस मकर को तैनात किया गया था। नौसेना के खोजी अभियान में पता चला कि नाव का मलबा समुद्र में मिट्टी में डूबा हुआ है। सुरक्षित गहराई का पता लगाने के बाद जयगढ़ की मरीन पुलिस और गोताखोरों की टीम ने लापता नौका के चालक दल के एक सदस्य का शव भी बरामद किया है।

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)